## The Gazette of India

### प्राधिकार से प्रकातित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

मं 14]

नई विल्ली, इन्निशर, प्रत्रेस 4, 1970/चैत्र 14, 1892

No. 14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 4, 1970/CHAITRA 14, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह धलग संकलम के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### नोहिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के प्रसाधीरण राजवक-10-मार्ज, 1970 तह प्रकाशित किय समे :--The Attenne trioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 10th March 1970.-

<u> -</u>			
Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
57	S. O. 715, dated 21st February, 1970.	Ministry of Foreign Trade	Extending the tenure of Order No. S. O. 1196, dated 13th April, 1966, for a further period upto the 22nd May, 1970.
	का० ग्रा० 715, दिनांक 21 फरवरी, 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	श्रादेश सं० का० घा० 1196, दिनांक 13 प्रप्रैल, 1966 का प्रभाव 22 मई, 1970 तक की घ्रागामी घ्रवधि के लिए घ्रौर बढ़ाना।
58	S.O. 716, dated 23rd February, 1970.	Ministry of Food, Agricul- ture, Community Develop- ment and Cooperation.	The quality of seeds of the varieties as specified, to be sold for the purposes of Agriculture.
	एस० म्रो० 716, दिनांक 23 फरवरी, 1970 ।	खाद्य, कृषि, सामुदामिक विकास भ्रौर सहकारिता मंत्रालय ।	कृषि के लिए बेचे जाने वाले बीजों की किस्मों की श्रेणी का निर्धारण करना ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	S. O. 717, dated 23rd Feb- ruary, 1970.	Do. ]	Specifying the limits of- germination and purity as the minimum limit of germination and purity with respect to the seeds of the notified varieties mentioned in table there- in.
	एस० ग्रो० 717, दिनां 23 फरवरी, 1970 ।	क तदैय	कुछ बीजों की श्रंकुर्ण श्रौर शुद्धता की सीमा को निम्नतम श्रंकुरण श्रौर शुद्धता के रूप मे विनिश्चय करना।
59	S. O. 718, dated 23rd February, 1970.	Ministry of Finance	Amendment in notification No. S.O. 3419, dated 22nd September. 1967.
	एस० भ्रो० 718, दिनांव	त्वत्त मंत्रालय	ग्रधिसूचना सं० का० <b>ग्रा०</b>
	23 फरवरी, 1970		3419, तारीख 22 सितम्बर, 1967 हें संशोधन ।
60	S.O. 719, dated 23rd February, 1970.	Central Board of Direct Taxes.	The Income-tax (Second Amendment) Rules, 1970.
	एस० भ्रो० 719, दिनांक	त केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर <b>बोर्ड</b>	<b>भ्राय-</b> कर (द्वितीय संशो-
	23 फरवरी, 1970।		धन) नियम, 1970।
61	S.O. 720, dated 23rd February, 1970.	Ministry of Foreign Trade.	The Exports (Control) Fourth Amendment Order 1970.
62	S. O. 824, Dated 24th February, 1970.	Ministry of Information and Broadcasting.	Approval of the film as specified in the schedule therein.
	एस० श्रो० 824, दिनांक	सूचना श्रौर प्रसारण	श्रनुसूची में दी गई फिल्म को
	24 फरवरी, 1970।	मंत्रालय	स्वीकृत करना ।
63	S.O. 825, dated 24th Feb - ruary, 1970.	Do.	Approval of the film as specified in the schedule therein.
	एस० भ्रो० 825, दिनांक	तवैथ	ग्रनुसुची में वी गई फिल्म
	24 फरवरी, 1970।		को स्वीकृत करना।
64	S.O. 826, dated 25th April, 1970.	Ministry of Foreign Trade.	Nominating Shri V. H. Pancholi of Filco Private Ltd., Sewri, Fort Road, Sewri East, Bombay-15, as a member of the Export Inspection Council.

Sec.  $3(\vec{x})$ 

Essue No. and Date Issued by Subject No. 65 S.O. 827, dated 26th Feb-Election Commission of Making amendments in the India. Delimitation of Parliaruary, 1970, mentary and Assembly Constituencies Order. 1966. Notifying the District, Taluka, Nagar and Gram 66 S.O. 828, dated 27th Feb- Ministry of Finance. ruary, 1970. Panchavata constituted under the Gujarat Pan-chayats Act, 1961, within the state of Gujarat for the purposes of incometax. 67 S.O. 829, dated 27th Feb - Ministry of Shipping and Appointing 2nd day ruary, 1970. Transport. March, 1970 as the date on which the provisions other than those contained in sections 9 and 13, etc of the Motor Vehicle (Amendment) Act, 1969 therein shall come into force. 68 S. O. 830, dated 28th Feb- Election Commission of Appointment of dates with respect to the election of India. ruary, 1970. six members to the Council of States from Madhya Pradesh. एस० ग्रो० 830 दिनांक भारत निर्वाचन श्रायोग मध्य प्रदेश से राज्य सभा 28 फरवरी, 1970 I के लिए 6 सदस्य निर्वाचत करने की तिथि का निर्धा-रण । S.O. 831, dated 28th Feb-Do. Designating the Secretary Madhya Pradesh Vidhan ruary, 1970. Sabha to be the Returning Officer for the biennia election to the Council of States. एस० ग्रो० 831, दिनांक तदैव मध्य प्रदेश विधान सभा के सिखब की राज्य सभा .28 फरवरी, 1970। के निर्वाचन के लिए रिटनिंग भ्राफिसर के रूप में नियुषित । Do. Appointing the Deputy Sec-S.O. 832, dated 28th February, 1970. retary, Madhya Pradesh Vidhan Sabha to assist the Returning for the biennial election to the Council of States.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
<del></del>	एस० म्रो० 832 दिनांक		मध्य प्रदेश के विधान सभा
	28 फरवरी, 1970 ।	(14.1	के उप-सचिव को रिट-
	20 17(1) 1070 1		निंग स्नाफिसर के कृत्यो
			के पालन में सहायता कदने
			के लिए नियुषत करना ।
	S. O. 833, dated 28th February, 1970.	Do.	Fixation of hours for the biennial election to the Council of states in the state of Madhya Pradesh.
	एस० म्रो० 833 दिनांक	तदैव	मध्य प्रदेश की राज्य <b>सभा</b>
	28 फरवरी, 1970।	(14.1	के द्विवार्षिक 🕻 निर्वाचनः
	20 10 (10)		के लिए समय का नियक्त
			करना।
69	S.O. 834, dated 28th February, 1970.	Ministry of Law	Calling upon the elected members of the Legislative Assembly of the State of Madhya Pradesh to elect six members to the Council of States.
	एस० भ्रो० 834 दिनांक	विधि मंत्रालय	मध्य प्रदेश की विधान सभा
	28 फरवरी, 1970		के निर्वाचित सदस्यो से
			राज्य सभा के⊹ लिए
			6 सदरयों के निर्याचन के
			लिए ग्रदेक्षाकरना।
70 S.	O. 835, dated 28th Feburary, 1970.	Ministry of Forcign Trade.	Extending the effect of Order No.S.O. 581, dated 4th March, 1963 for a further period upto a idinelusive of the 3rd September, 1970.
	का० ग्रा० 835 दिनांक	विदेशी व्यापार मंत्रालय	। ग्रादेश संख्या एस० स्रो० 581
	28 फरवरी 1970।		दिनांक 4 मार्च 1970-
			को 3 सितम्बर 1970 <b>की</b>
			कालावधि तक जिसमें यह
			तारीख भी सम्मिलित, हैं
			प्रभावी बनाये रखना ।
S.	O. 836, dated 28th February, 1975.	Do.	Extending term of Shri T. G Chowdhari for a further period upto and inclusive of the 3rd

upto and inclusive of the 3rd

September, 1970.

Sec. 3(ii)]

Issue No	No. and Date	Issued by	Subject
<u> </u>	S.O. 925, dated 5th March, 1970.	Election Commission of India.	Appointing in respect of each the ElectoralColleges in the State of Meghalaya as specified in the table therein. Officer designated to be the Assistan Returning Officer for the election to the Provisiona Legislative Assembly of Meghalaya (S.O. 922).
	का० ग्रा० 925, दिनांक	तदैव	मेघालय राज्य के निर्वाचकगणों
	5 मार्च, 1970 l		में से प्रत्येक के बारे में जैसा कि
	,		सारणी में निर्दिष्ट हैं, श्रस्थायी
			विधान सभा के निर्वाचन के
			लिए पदाभिहित श्राफिसर
			को सहायक श्राफिसर के रूप
			में नियुक्त करना।
	S.O. 926, dated 5th March, 1970.	Do.	Fixation of place for the election to the Provisional Legislative Assembly of Mighalaya (S.O. 922).
	का० आ० १८६, दिनांक	<b>सदै</b> व	मेघालय की श्रस्थायी विधान
	5 मार्च, 1970 I		सभा के लिए होने वाले निर्वा-
	,		चन के लिए स्थान को नियत
			करना (का <i>० ग्रा</i> ० 922) ।
76	S.O. 927, dated 5th March, 1970.	Do,	Appointment of dates with respect to the Biennial elections to the Council of States of Maha- rashtra and Punjab respectively.
	एस० भ्रो० 927, दिनांक	तदैव	महाराष्ट्र तथा पंजाब राज्यों की
	5 मार्च, 1970 I		राज्य सभाश्रों के लिए होने
	·		वाले द्विवाषिक निर्वाचनके
			लिए सारीखें नियत करना ।
	S.O. 928, dated 5th March, 1970.	Do.	Designating the officer designated as Returning Officer and appointing the officer appointed as Assistant Returning Officer in respect of the bieunial elections to the Council of States of Maharashtra and Punjab respectively.
	एस० भ्रो० 928, दिनांक	सदैव	महाराष्ट्र तथा पंजाब राज्यों की
	5 मार्च, 1970 I		राज्य सभाग्रों के लिए होने
	·		वाले द्विवापिक निर्वाचन के
			लिए रिटर्निंग भ्राफिसर के रूप
			में पदाभिहित भ्राफिसर तथा
			सहायक रिटर्निंग ध्राफिसर
			के रूप में श्राफिसर नियुक् <del>त</del>
			करना ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Snbject
	S.O. 929, dated 5th March, 1970.	Election Commission of India	Fixation of hours in respect of the biennial eletions to the Council of States of Maharashtra and Punjab respectively.
	एस० श्रो० 929, दिनांक	तदैव	महाराष्ट्र तथा पंजाब राज्यों की
	5 मार्चं, 1970 I		राज्य सभाग्रों के लिए होने
			वाले द्विवार्षिक निर्वाचन के
			लिये समय नियत करना ।
<b>7</b> 7	S.O. 930, dated 5th March, 1970.	Do.	Appointment of dates for the biennial election to the Council of States of Kerala.
	एस० श्रो० 930, दिनांक	तदैव	केरल की राज्य सभा के
	5 मार्च, 1970।		लिए होने वाले द्विवार्षिक
			निर्वाचन के लिए तारीखें
			नियत करना ।
	S.O. 931, dated 5th March, 1970,	D <sub>0</sub> .	Designating the Sceretary, Kerala Legislative Assembly, to be the Returning Officer for the biennial election to the Council of States of Kerala.
	एस० श्रो० 931, दिनांक	तदैव	केरल राज्य में राज्य सभा के
	5 मार्च, 1970 I		लिए होने वाले द्वि-
	·		वार्षिक निर्वाचन के लिए
			सचिव, केरल विधान सभा
			को रिटर्निंग ग्राफिसर पदा-
			भिहित करना ।
	S.O. 932, dated 5th March, 1970.	Do. <u>"</u>	Appointing the Joint Secretary, Kerala Legislative Assembly to assist the Returning Officer for the biennial election to the Council of States of Kerala.
	एस० स्रो० 932, दिनांक	तदैन	केरल राज्य में राज्य सभा के
	5 मार्च, 1970।		लिए होने वाले द्विवार्षिक
			निर्वाचन के लिए संयुक्त
			सचिव, केरल विधान सभा को
			रिर्टिनग श्राफिसर की सहायता
			करने के लिए नियुक्त करना ।
	S.O. 933, dated 5th March, 1970.	D <sub>0</sub> .	Fixation of hours for the biennial election to the Council of States of the State of Kerala.
	एस० ग्रो० 933, दिनांक	तदैव	केरल राज्य में राज्य सभा के
	5 मार्च, 1970।		लिए होने वाले द्विवार्षिक
			निर्घाचन के लिए समय नियत
			करना ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
78 S.	O. 934, dated 5th March, 1970.	Ministry of Law	Calling upon the elected mem- bers of the Legislative Assemb- lies of the State of Kerala, Maharashtra and Punjab to elect their respective members for the Council of States.
	का० भ्रा० 934, दिनांक 5 मार्च, 1970 ।	विधि मंत्रालय	केरल, पंजाब श्रीर महाराष्ट्र राज्य की विधान सभाश्रों के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए सदस्य निर्वाचित करना ।
7.9	S.O. 935, dated 5th March 1970.	Election Commission of India.	Calling upon the elected members of the Legislative Assembly of the State of Mysore to elect a person to the Council of States.
	का० ग्रा० 935, दिनांक 5 मार्चे, 1970 I	भारत निर्वाचन ग्रायोग	मैसूर राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों मे राज्य सभा के लिए सदस्य का निर्वाचन करना ।
	O. 936, dated 5th March, 1970.	Do.	Appointment of dates for the above election, (S.O. 935).
	का० श्रा० 936, दिनांक 5 मार्चे, 1970 I	तदैव	ऊपर के निर्वाचन के लिए तारीखें नियुक्त करना (का० श्रा० 935) ।
s.	O. 937, dated 5th March, 1970.	Do.	Pixation of hours for the above election (S.O. 935).
	का० म्रा० 937, दिनांक 5 मार्च, 1970।	त <b>दै</b> व	उपर के निर्वाचन के लिए समय नियन करना (का० श्रा० 935)।
S.	O. 398, dated 5th March, 1970.	Do.	Designating Shri K. S. Thimmappa Gowda, Joint Secretary, Mysore Legislature to be the Returning Officer for the above election. (S.O. 935).
	का० स्ना० 938, दिनांक 5 मार्चे, 1970 I	त <b>दै</b> व	उपर के निर्वाचन के लिए श्री के० एस० थिम्मप्पा गाउडा संयुक्त स <b>चिव मैसूर</b> विधान मंडल को रिटर्निंग श्राफिसर के रूप में पदाभिहित करना।

551 C O.	No. and Date	Issued by	Subject
S	.O. 939, dated 5th Murch, 1970.	Election Commission of India	Applicating Shri V. B. Dishmikh, Dy. Secretary, Mysore Legislature, to assist the Returning Officer for the above election. (S.O. 935).
	का० भ्रा० 939, दिनांक 5 मार्चे, 1970 ।	तइीव	ऊपर के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग प्राफिसर को उसके कृत्यों के पालन में सहायता करने के लिए श्री त्री० दी० देशमुख, उप-सचिव मैसूर विधान मंडल को नियुक्त करना ।
ন্ত	S.O. 940, dated 7th March, 1970.	D٥,	Erritum to Norification No. 464/ Mht/70 (iv) (i.O. No. 926) Cated 5th March, 1970.
81	S.O. 941, dated 7th Murch, 1970.	Mi distry of Home Affairs	Declaring the duty by ever person securing in Jamm't & Kashmir for a period of three months as active duty.
	S. O. 942, dated 7th March, 1970.	D3.	Declaring the duty by ever person serving in union terr, tory of Chandigarh for period of three months a active duty.
	S.O. 943, dated 7th March, 1970.	Do.	Declaring the duty by every person serving in Assam for a period of three months active duty.
	S. O. 944, dated 7th Much, 1970.	D <sub>2</sub> .	Declaring the duty by every person serving in U ion territor of Tripura for a period of the months as active duty.
	S.O. 945, dated 7th Mirch, 1970.	Do.	Declaring the duty by every pe son serving in Punjab for period of three months active duty.
:8:2	S.O. 946, dated 7th March, 1970.  S.O. 947, dated 7th March		Declaring the duty by every positive gin Gujarat for period of three months active duty.
	1970.	ing,	in the Schedule therein.
	एस० भ्रो० 947, दिनां <sup>र</sup>	•1	भ्रनुसूची में दी गई फिल्मों क ————————————————————————————————————
	7 मार्च, 1970 I S.O. 948, dated 7th March, 1970.	मंत्रालय Do.	स्वीकृत करना । Approval of the film as speci- in the Schedule therein.
	एस० भ्रो० 948, दिनां	क तर्दैव	अनुसूची में दी गई फिल्म
	9 मार्च, 1970।		स्वीकृत करना ।
	S. O. 949, dated 7th March 1970.	n, Do.7	Approval of the film as speci in the Schedule therein.
	एस० श्रो० 949, दिनां	क तर्दैव	श्रनुसूची में दी गई फिल्म
	7 मार्च, 1970 I		स्वीकृत करना ।

Issue No	No. and Date	Issued by	Subject
	S.O. 950, dated 7th March, 1970.	Minis ry of Information and Broadcasting	- Approval of the film as specified: in the schedule therein.
	एस० श्रो० 950, दिनांक	•	श्रासूची में दी [गई फिल्म को
	7 मार्च, 1970 ।	मंत्रालय	स्वीकृत करना ।
	S.O. 951, dated 7th March, 1970.	Do.	Approval of the film as specified, in the schedule therein.
	एस० स्रो० 951, दिनांक 7 मार्च, 1970 ।	तवैव	श्रतुसूची में दी गई फिल्म को स्वीकृत करना ।
	S.O. 952, dated 7th March, 1970.	Do.]	Approval of the film as specified in the schedule therein.
	एस० ग्रो० 952, दिनांक 7 मार्च, 1970 ।	त्दैव	ब्रनुसूची में दी गई फिल्म को स्वीकृत करना ।
	S.O. 953, dated 7th Murch, 1970.	D).	Approval of the film 'as specified in the schedule therein.
	एस० म्री० 953, दिनांक 8 मार्च, 1970।	तरैव	श्रनुसूची में दीगई फिल्म को: स्वीकृत करना।
83	S.O. 954, dated 10th March,	Ministry of Home	Prohibiting strikes in any trans-

क्रपर लिखे श्रसाधारण राजपत्नों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मागपन्न भेजने पर भेज की जाएंगी। मागपत प्रबन्धक के पास धन राजपत्नों के जारी होने की नारीख. से 10 दिन के भीतर पहुच जाने खाहिएं।

Affairs.

1970.

port service (other than Rail-

way service), etc. declared as essertial services in the Union Territory of Himchal Pradesh.

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi, Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

### भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

### PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा संत्रालण को छं।इकर) भारत सरकार क मत्रालयों ग्रौर (संघ क्षेत्र प्रशादन को छोड़कर) केन्द्रीय प्रायकरामें द्वारा जारी किये गए विधिक ग्रावेश ग्रौर ग्रीमसचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

### **ELECTION COMMISSION OF INDIA**

New Delhi, the 13th March 1970

**S.O.** 1200.—In pursuance of section 111 of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the Report dated 20th January, 1970, forwarded by the High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow, Bench, in Election Petition. 7 of 1967.

### IN THE HON'BLE HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD, LUCKNOW BENCH, LUCKNOW

Election Petition No. 7 of 1967

Krishna Behari-Petitioner.

### Versus

Jitendra Bahadur Singh and others-Respondents.

Election Petition under Section 80 of the Representation of People Act pertaining. to election to 15 Shahabad Constituency of Lok Sabha

Lucknow Dated 20th January, 1970

For petitioners.—Sri M. P. Srivastava and Sri Umesh Chandra Srivastava.

For respondent no. v.—Sri Bishu Singh, Sri Ramesh Singh, Sri R. P. Singh, and Sri Vishal Singh.

Hon'ble K. C. Puri, J.

Present respondent no. 1. None else is present.

This Election Petition was filed by Krishna Behari praying that the election of Sri Jitendra Bahadur Singh, respondent No. 1, as Member of the Lok Sabha from the 15 Sahabad Constituency, be declared to be void, and that Sri Navatia. Rameshwar Prasad, respondent No. 9 be declared duly elected as Member of the Lok Sabha from the said Constituency. Notices of the election petition were issued to the respondent No. 1 and to the respondent No. 9, as well as, to the other respondent No. 1, Jitendra Bahadur Singh, the respondent No. 3 Gokul, and the respondent No. 4 Janki Prasad, originally contested the election petition. The remaining respondents were directed to be proceeded against ex parte. At a later stage, the respondent No. 4 also absented hunself and he was also directed to be proceeded against ex parte. The respondents 1 and 3 only continued to contest the election petition thereafter.

On the 19th of November, 1969, Krishna Behari, the petitioner, submitted Civil Miscellaneous Application No. 83(E) of 1969 praying that he may be allowed to withdraw the election petition. Notice concerning the said application were issued to all the respondents, and the same were published in the official Gazette as required by sub-section (2) of section 109 of the Representation of the People Act. Notice was also published in the Daily Swatantra Bharat, Lucknow. The date of hearing fixed for the disposal of the said application was 15th of December, 1969. Service of the notices issued as above had been effected on the respondents 2 to 5 and 7 to 10. No notice sent under registered cover was personally served on the respondents. dent No. 6, but the publication of the notice in the Swatantra Bharat was considered sufficient on all the respondents including the respondent No. 6. The respondent No. 1 was present at the time of the said hearing pursuant to the service of the said notice effected on him. Publication of the said notice had been duly effected in the Central Gazette as well. There did not appear arything on the record to conclude that the said application had been induced by any bargain or consideration and, as such, there was nothing to persuade the Court not to allow The application for withdrawal was consecuently granted vide order dated 15th of December, 1969, while passing the said order, it was directed that the petitioner shall pay Rs. 250/- as costs to the respondent No. 1 only. It was also directed that a notice of the withdrawal shall be published in the official Gazette (Gazette of India) stating that the petitioner has been allowed to withdraw his petition and that any person, who might himself have been the petitioner, may within 14 days of the publication, apply to be substituted as petitioner in place of the petitioner whose application for withdrawal had been granted. It was also directed that the said notice shall also be published in the Swantantra Bharat, a Daily of Lucknow. The publication to be effected in the official Gazette referred to above was to be made in the issue of the 3rd of January, 1970, and the publication in the aforesald newspaper also was to be effected in the issue of the said date, and the case was directed to be litted to endow under seater the the date, and the case was directed to be listed for orders under section 111 of the Representation of the People Act for today. The publication in the Central Gazette newspaper has been made in accordingly.

As mentioned above, except for the respondent No. 1 no one else has cared to put in appearance, nor has anyone applied to be substituted as petitioner in place.

of the original petitioner who has withdrawn from the petition. A report of the above that an examinate, to made to the Election Commission of India under section 111 of the said Act for no publication in the official Gazette.

K. C. Puri,

20-1-70.

[No. 82/7 of 1967/UP/69(LB).]

### ORDERS

### New Delhi, the 9th March 1970

S.O. 1201.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Timru Oraon, Benchat T. E., P. O. Banerhat, District Jalpaiguri, a contesting candidate for the mid-term election held in February, 1969, to the West Bengal Legislative Assembly from Nagarkata constituency, has falled to lodge an account of his election expenses as required by he Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has not good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Timru Oraon to be disqualited for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/15/69(6).]

### भारत निर्वापन ग्राय ग

### ग्रारेश

### नई दिल्ली, 9 मार्च, 1970

ए '० श्र ० 1201.—यत: निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी 1969 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए मध्याविध निर्वाचन के लिए नगरकता निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री ि स्रू श्रोरोन बनेरहट टी० ई० डाकघर—बनेरहट जिला जलापाइगुरी लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम 1951 तथा दत्तधीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं।

श्रौर, यत: उक्त उम्मीदवार उसे सम्य्क सूचना दिए जाने पर भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहा है श्रौर उसने श्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है तथा निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है }

श्रतः, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री तिस्र श्रोरोन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथधा विधान परिषद के सदस्य गुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए, निर्राहत भ्योषित करता है ।

### New Delhi, the 13th March 1970

- **S.O.** 1202.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhairab Datt, S/o Shri Bhola Datt, R/o Tara Lodge, Cantt, Nainital, Uttar Pradesh, a contesting candidate for mid-term general election held in February, 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 15-Nainital Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;
- 2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or exp anation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;
- 3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhairab Datt, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the-Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/15/69(15).]

### नई दिल्ली, 13 मार्च, 1970

एस॰ हो ॰ 1202.—यतः, निर्वाचन द्यायोग का ममाधान हो गया है कि फरवरी, 1969 को हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावित्र साधारण निर्वाचन के लिए 15—नैनीताल सभा निर्वाचन—क्षेत्र मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भैरव दत्त सुपृत्र श्रो भोला दत्त, निवासी तारालोज, कैण्ट, नैनीताल, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

- 2 और, यतः, उक्त उम्मीदशार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भो, श्रपनी इस श्रक्षफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है। कि उनके पास इन असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;
- 3 श्राः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भैरव दत्त को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं०–उ० प्र०–वि० स०/15/69 (15)]

### New Delhi, the 16th March 1970

- S.O. 1203.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balvir Singh, S/o Shri Babu Singh, R/o village Nabi Pur, Post Office Hasayan, District Aligarh, Uttar Pradesh a contesting candidate for mid-term general election held in February, 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 373-Sikandra Rao Assembly Constituency, has failed to loge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thercunder;
- 2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;
- 3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election-Commission hereby declares the said Shri Balvir Singh, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/373/69(16).]

By Order,

A. N. SEN, Secy...

### नई दिल्ली, 16 मार्च, 1970।

एस० ग्री० 1203.—यत: निर्वाचन ग्रायोग का सामाधान हो गया है कि फरवरी 1969 को हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यार्वाध साधारण निर्वाचन के लिए 373-सिकन्दरावाद राऊ सभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बलबीर सिंह गुपुत्र श्री वाब् सिंह निवासी गांव नवीपुर, डा०—हगाया, जिला—ग्रालीगढ़, उत्तर प्रदेण लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा ग्रपेक्षित रीति से ग्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखल करने में ज्यसफल रहे हैं;

2. श्रीर यतः उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस श्रसफ-लता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री बलबीर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[मं० उ० प्र०--वि० स०/373/69(16)]
श्रादेश से,
ए० एम० सैन, सचित्र।

### **ORDERS**

### New Delhi, the 27th February 1970

- S.O. 1204.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Basta Soren R/o Village Jhaprisol, P.O. Ghatsila, District Singhbhum (Bihar), a contesting candidate for mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in 1969 from 283-Ghatsila Assembly Constituency, has falled to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;
- 2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;
- 3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Basta Soren, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/283/69(77).]

### म्रा३ेश

### नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1970

ए ि औं े 1204.—यतः निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के 1969 में हुए मध्यावधि निर्वाचन के लिए 283-घाटशीला निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बास्ता सोरेन, निवासी ग्राम झगड़ीसोल, डा० घाटशीला, जिला-सिहभूम (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रिपेक्षित श्रपने निर्वाचन स्थयों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, श्रपनी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन श्रायोग को यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बास्ता सोरेन को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के जिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं ० बिहार-वि०स०/283/69(77.)]

### New Delhi, the 18th March 1970

- S.O. 1205.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Basant Singh, 16/1, Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi a contesting candidate for election to the House of the People from South Delhi Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;
- 2. And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and whereas the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;
- 3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Basant Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/2/67-]

By Order,

ROSHAN LAL, Secy.

### नई दिल्ली, 18 मार्च, 1970

एस० ग्रो॰ 1205.—यत: निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि लोक सभा के निर्वाचन के लिए दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री असन्त सिंह 16/1 श्रायं समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः उक्त उम्मीदवार उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहा है श्रीर उसने श्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्दारा उक्त श्री बसन्त सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए, इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहत घोषित करता है।

[सं० दि०-लो० स० 2/67]

म्रादेश से,

रोशन लाल, सचिव।

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 21st March 1970

**8.0.** 1206.—The Central Government is pleased to notify that Yuvaraj Shri Jayaveerandrasinhji and Maharajkumar Shri Amarendra Sinhji sons of the Raja of Bansde (Gujarat) have been nominated by the said Ruler for the purpose of entry 2(b) of Schedule I annexed to the Ministry of Home Affairs Notification No. 15/13/59(V).P-IV, dated the 13th July, 1962 [GSR 991, published in the Gazette of India, Part II, Section 2, Sub-section (ii) dated the 28th July, 1962].

[No. 16/2/70-GPA.II.]

C. B. BUDGUJAR, Under Secy.

### गृह मंत्राल⊰

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1970

एस० थ्राँ.० 1206.—भारत सरकार को यह श्रिष्ठमूचित करते हुए हर्ष है कि बन्सदा के शासकः के पुत्र युवराज श्री जयविरेन्द्र सिंह जी श्रीर गहाराज कुमार श्री श्रमरेन्द्र सिंह जी गृह मंत्रालय की 13 जुलाई 1962 की श्रिष्ठमूचना संख्या 15/13/59—(5)—पी०4 के साथ संलग्न प्रथम श्रनुसूची की प्रविष्टि 2(ख) [भारंत के राजपत्र भाग H खण्ड 3, उपखण्ड (II) दिनांक जुलाई 28, 1962 में प्रकाशित जी० एस० श्रार० संख्या 991] के लिए उक्त णासक द्वारा नामित किये गये हैं।

[सं० 16/2/70-जी०पी०ए०-2]

च० भ० बङ्गूजर, ग्रवर सचिव ।

### New Delhi, the 24th March 1970

- S.O. 1207.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules to amend the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Conduct) Second Amendment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, for sub-rule (4) of rule 16, the following sub-rule shall be substituted, namely:—
  - "4. (i) No Government servant shall, save in the ordinary course of business with a bank or a public limited company, either himself or through any member of his family or any other person acting on his behalf,—
    - (a) lend or borrow or deposit money, as a principal or an agent, to, or from, or with, any person or firm or private limited company within the local limits of his authority or with whom he is like'y to have official dealings or otherwise place himself under any pecuniary obligation to such person or firm or private limited company; or
    - (b) lend money to any person at interest or in a manner whereby return in money or in kind is charged or paid:
      - Provided that a Government servant may, give to, or accept from, a relative or a personal friend, a purely temporary loan of a small amount free of interest, or operate a credit account with a bona fide tradesman or make an advance of pay to his private employee:
      - Provided further that nothing in this sub-rule shall apply in respect of any transaction entered into by a Government servant with the previous sanction of the Government.

(ii) When a Government servant is appointed or transferred to a post of such nature as would involve him in the breach of any of the provisions of sub-rule (2) or sub-rule (4), he shall forthwith report the circumstances to the prescribed authority and sha'l thereafter act in accordance with such order as may be made by such authority."

[No. 25/36/69-Ests(A).]

P. S. VENKATESWARAN, Under Secy.

### नई दिल्ली, 24 मार्च, 1970

कां आ 1207.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक से भारतीय संपरीक्षा भीर लेखा विभाग में सेवा कर रहे व्यक्तियों के बारे में परामर्श करने के पश्चात् राष्ट्रेपित केन्द्रीय सिविल सेवा (प्राचरण) नियम 1964 में संशोधन करने के लिए एतव्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं भर्यातः—

- 1. (1) ये नियम केन्द्रीय सिविल सेवा (श्राचरण) द्वितीय संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेगे।
  - (2) ये शासकीय राजपत्न में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. केन्द्रीय सिविल सेवा (श्राचरण) नियम, 1964 में नियम, 16 के उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा प्रथितः
  - 4)(i) कोई भी सरकारी सेवक, बेंक या पब्लिक लिमिटेंड कम्पनी के साथ कारबार के मामूली भनुकम में के सिवाय, स्वयं या भ्रपने कुटुम्ब के किसी सदस्य या ग्रपनी श्रोर से कार्य करते हुए किसी श्रन्य व्यक्ति की मार्फत
- (क) प्रधान या अभिकर्ता के रूप में किसी ऐसे व्यक्ति या फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी को जो उसके प्राधिकार को स्थानीय सीमाओं के भीतर हो या जिसके साथ उसका शासकीय व्यवहार होना संभाव्य हो, न तो धन उधार देगा, न उससे धन उधार लेगा और न उसके पास धन निक्षिप्त करेगा और न ऐसे व्यक्ति, फर्म, या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के प्रति किसी धन संबंधी बाध्यता के अधीन अपने को रखेगा; या
- (ख) किसी व्यक्ति को धन, ब्याज पर या किसी ऐसी रीति में जिससे धन के रूप में या वस्तु रूप में वापसी प्राभारित की जाए या संदत्त की जाए, नहीं देगा ;
  परन्तु सरकारी सेवक किसी नातेदार या निजी मित्र को छोटी रकम का ब्याज से मुक्त नितान्त ग्रस्थायी उधार दे सकेगा या उससे ऐसा उधार ले सकेगा ग्रथवा किसी सद्भाविक व्यापारी के साथ प्रत्यय लेखा चालू रख सकेगा या ग्रपने प्राइवेट कर्मचारी को ग्रग्रिम वेतन दे सकेगा ;
  - परन्तु यह और भी कि इस उप-नियम की कोई भी बात किसी ऐसे संव्यवहार के बारे में लागू नहीं होगी जो किसी सरकारी सेवक द्वारा सरकार की पूर्व भ्रनुमति से किया गया हो।
- (ii) जब सरकारी सेवक किसी ऐसे प्रकार के पद पर नियुक्त या ग्रंतरित किया जाए जो उसे उपनियम (2) या उपनियम (4) के उपबंधों में से किसी के भंग में

भन्तर्वेलित करेगा, तो वह तत्काल विहित प्राधिकारी को परिस्थितियों की रिपोर्ट देगा भीर तत्पश्चात् ऐसे भावेश के भनुसार कार्य करेगा जो ऐसे प्राधिकारी द्वारा दिए जाएं।

> [संख्या 25/36/69-स्थापना (ग्र)] पी० एस० वेंकटेश्वरन्, भवर सचिव ।

### New Delhi, the 25th March 1970

- **8.0.** 1208.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the "Tripura Employees (Revision of Pay and Allowances) Rules 1963", namely:—
- 1. These rules may be called the "Tripura Employees (Revision of Pay and Allowances) Amendment Rules, 1970."
- 2. In Schedule I to the Tripura Employees (Revision of Pay and Allowances) Rules, 1963, under the heading "CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT", in column 5 against entry 13 relating to the post of Accountant under the sub-heading "FOOD SECTION" the words "To be redesignated as Junior Accountant" shall be omitted.

[No. 2/21/69-HMT.]

H. S. DUBEY, Dy. Secy.

### नई दिल्ली, 25 मार्च, 1970

का॰ मा॰ 1208 — राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए "तिपुरा कर्मचारी (वेतन व भत्तों का पुनरीक्षण) नियमावली 1963" में श्रीर धागे संशोधन करते हुए, एतद द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रम्ति:—

- 1. ये नियम "विपुरा कर्मैचारी (वेतन व भत्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1970" कहे जा सकेंगे।
- 2. त्रिपुरा कर्मचारी (वेतन व भत्तों का पुनरीक्षण) नियमावली 1963 की श्रनुसूची 1 में, "सिविल पूर्ति विभाग" शीर्ष के श्रंतर्गत "खाद्य श्रनुभाग" उपन्शीर्ष के नीचे लेखाकार के पद से संबंधित प्रविध्टि 13 के सामने कालम 5 में, "कनिष्ठ लेखाकार के रूप में पुनर्पंदनामित किये जाने योग्य" शब्द छोड़ दिये जायेंगे।

[संख्या 2/21/69-एच॰एम॰(टी)} एच॰ एस॰ दुवे, उप सचिव ।

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF IN COME-TAX, ORISSA, BHUBANESW AR

Bhuhaneshwar the 18th February 1970

8.0. 1309.—In exercise of the powers conferred on him under sub-section (1) of Section 127 of the income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Orissa, Ehubaneswar hereby transfers the cases particulars of which are

given in column (2) of the Schedule hereto annexed, from the Income-tax Officer mentioned in column (3) to the Income-tax Officer mentioned in column (4) thereof :—

### SCHEDULE

Sl. No.	Name of the assessee	From the Income-tax Officer	To the Income-tax Officer
t	2	3	4
1	M's. Balram Das & Bros. Mahendragada, Dt. Ganjam.	Income-tax Officer, Ward—C, Berhammur	Additional Income- Tax Officer, Ward—A, Berham- pur,
12	M/s. Bommana Suryanarayana and	Do.	Do.
-3	Partners, Parlakhemidi Sri Balaji Sahu, Contractor, Badakesas-	Do.	Do.
.4	hali, Dt. Ganjam. Dr. U.C. Behara, Medical College, Ber-	Do.	Do.
"5	hampur.  Sri Bommana Lingaraju, C/o M/s.  Bommana Suryanarayana and Partners,  Barlokhamidi	Do.	Do.
-6	Parlakhemidi Sri Udyanarayana Choudhury, C/o	Do.	Do.
7	Sitaram & Co. Rambha.  Sri Bommana Suryanarayana, C/o M/s.  Bommana Suryanarayana and Partners,  Parlakhemidi	Do.	Do.
۰8	Dr. Biswanath Chatterji, Mohana	Do.	Do.
9	Dr. S. N. Chakravarty, Berhampur	Do.	Do.
яc	Sri S. K. N. Deo, Mohiri Raja, Berhampur K	Do.	Do.
ıf Ţ	Sri S.K. Deo, Rambha Palace, Rambha	Do.	Do.
112 113	Dr. Shyamsundar Das, Rambha . Sri P. C. Dutta, Health Officer, Berham-	Do.	Do.
н 5	pur.	Do.	Do.
44	Sri Epari Subba Rao, Berhampur .	Do.	Do.
ч5 <b>д</b> б	Sri I. Saryanarayana, Berhampur Sri Jam nula Narasimhulu, Berhampur	Do. Do.	Do. Do.
и7	Sri Jammula Mohan Rao, C/o M/s.	<b>D</b> 0.	D0.
	Jammula Venkataswamy & Sons, Berhampur	Do.	Do.
48	Sri Jammula Venkata Swamy, C/o Above		Do.
119		Do.	Do.
.21 :20	Sri Kalu Sabate & Sons, Berhampur Sri K. Kasi Patre & Others, Berhampur	Do.	Do.
32		Do.	Do
23	Sri Ramchandra Misra, Berhampur Sri Parikhit Naik, Contractor, Tharlda,	Do. Do.	Do. Do.
_	Post Hinijilicatu, Ganjam	201	20.
24	Orissa Cloth Emporium, Berhampur	Do.	Do.
25	Sri Lingaraj Panigrahi, Berhampur	Do.	Do.
26	Sri Sashibhushan Patnaik, Badekhemidi Sahi, Berhampur.	Do.	Do.
<b>2</b> 7	Sri Pekala Shyamsundar Patre, Kavisur- yanagar (Ganjam)	Do.	Do.
28	Shri Kesav Panigrahi, Jayantipur (Gan-	Do.	Do.
29	M/s. Patre Stores, Kavisuryanagar (Ganian	Do,	Do.
-30	Sri Prafulla Chandra Panigrahi, S/o Ariun Panigrahi, Digapahandi (Gan-	Do.	Do.
31	jam) Dr. (Miss) P. Patnaik, Medical College, Berhampur	Do.	Do.
32	Dr. S. B. Patnaik	Do.	Do.
33	Dr. A. K. Patre	Do.	Do.

[No. Adm. I. T. XIII-10/69.]

### Blubaneswar, the 26th February 1970

S.O. 1210.—In exercise of the powers conferred by Sub-rection (1) of Section 124 of the Incomp-tax Act, 1951 (43 of 1951) and in supersession of all the previous orders on the subject, the Commissioner of Incomp-tax, Orissa. Bhubaneswar hereby directs that the Incometax Officers mentioned in column 2 of the 301 fulle below, shall perform their functions in respect of such areas and/or such persons or classes of persons and/or such incomes or classes of incomes as are mentioned against their names in column 4 of the said schedule excluding cases allotted to any other Incomp-tax Officer by the orders of the Commissioners of Incomp-tax, Orissa, Bhubaneswar or by the Contral Board of Direct Taxes, New Dolhi under section 127 of the Income-tax Act, 1961 or under the corresponding provisions of the Indian Income tax Act, 1922.

### District or Circle Designation of the Head Jurisdiction Income-tax Officer Quarters

Schedule

Sundergarh Circle, Incompetax Officer, Rourkela Ward-A, Rourkela.

Sec. 3(ii).1

- Rourkela (I) All persons or classes of persors residing in and/or having their principal place of business, profession or vocation or having ucome from other sources within the revenue district of Sundergarh whose latest completed regular assessment as on 25-8-1968 is on a total income of Rs. 30,000 or above except those assigned to Income-tax Officer, Ward-C, Rourkela.
  - (II) All limited companies, cooperative Societies and Association of Persons with their registered offices within the revenue district of Sundergarh.
  - (III) All Directors and Managing Agents of Companies included in (II) above.
  - (IV) All cases of partners of firms included in (II) above.
  - (V) All partners and members of the firm; Cooperative Societies and Associations of persons included in (II) and (III) above.

1	2	3	4
Sundergath Circle, Rourkela.	Incometax Officer, Ward-B, Rourkela.	Rourkela	(I) All persons or classes of persors residing in and/or having their principal place of business, profession or vocation or having income from other sources within the revenue district of Sundergarh whose latest completed regular assessment as on 25-8-1958 is on a total income of Rs. 15,000/- or above but less than Rs. 30,000/- except those assigned to the Income-tax Officers, Ward-A and Ward-C, Rourkela.  (II) All cases of partners of firms included in (I) above.  (III) All persons or classes of persons residing in and/or having their principal place of business, profession or vocation or having other sources of income within the revenue district of Sundergarh who have not hitherto been assessed to tax.
Sun letgarh Circle, Rourkela.	Income-tax Officer, Ward-C, Rourkela	Rourkela	(I) All Persons deriving income chargeable under the head "Salaries' within the revenue district of Sundergarh, no portion of whose income falls to be assessed under sec. 28 of the I.T. Act, 1951 (43 of 1961) of Sec. 10 of the Indian Incometax Act, 1922 except those assigned to the Income-tax Officer, Salaries Circle, Bhubaneswar. (II) All persons or classes of persons, residing in and/or having their principal place of business, profession or vocation or having other sources of income within the revenue district of Sundergarh whose latest completed regular assessment as on 25-8-1968 is on a total income of Rs. 10,000/- or above but less than Rs. 15,000/- except those assigned to Incometax Officer, W-A, Rourkela. (III) All cases of partners of firms included in (II) above.
Sun lergarh Circle, Rourkela.	Incometax Officer, Ward-D, Rourkela.	Rourkela	

Provided that:-(a) If a person is a partner in more than one firm falling under jurisdiction of different Income-tax Officers, Income-tax Officer whose designation appears first in the above table will have jurisdiction over his case.

This order shall come into force on 1-3-1970.

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX, MADHYA I DAPESH NAGPUR

Nagpur, the 13th March 1970

**S.O. 1211**—.Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and the other particulars relating to tax defaulters who are in default of Rs. 25,000/- or more, as on the last day of the financial year commencing from 1968-69 and onwards.

And whereas in exercise of the powers conferred by section 287 of Incometax Act, 1961 3 of 1961) in this behalf on me by the Central Government by its order dated 9th June, 1969;

I, the Commissioner of Incometax, M.P., Nagpur & Bhandara, Nagpur herely publisher ames and other particulars in Schedules I to III hereto annexed:

### SCHEDULE I

(a) Persons in default for periods exceeding a months but not exceeding one year and a morths.

Sr. Co.	Name and address of the assessee	Amounts in default	Remarks
1	2	3	į
		Rs.	
I	Asanbux P/O M/s. Maulabux Rahimbux, Satna	71,151	
2	B. D. Shukla, C/o Jabalpur Timber, Jabalpur	4,332	
3	Islam Bux P/O M/s. Maulabux Rahimbux, Satna		
4	M/s. Jwalasingh Ladhasingh. Sohagpur	35,270	
5	Kalka Prasad Choube, Gor dia	4,619	
6	M/s. Maulabux Rahimbux, Satna	52,240	
7 8	Maulabux P/O M/s. Maulabux Rahimbux, Satna	76,014	
0	Ramchandra Bhaiyalal, Katni Rahimbux P/O M/s. Maulabux Rahimbux, Satna	. 32,118	
Ų	Sardarsingh Ramlal, Ghoradongri, Betul	. 77.361 . 78.459	

### SCHEDULE II

(b) Persons in default for periods of one year and 3 months and above but not exceeding a costs and 3 months.

ľ	2			3	4
_				Rs.	
11	Babulal Eachhulal, P/O M/s. Jaora Oil Mills, J	aora	a .	26,089	
12	B. D. Shukla, C/o Jabalpur Timber, Jabalpur			663	
13	Dharamdas Agarwal, Katni			28,137	
14	II. R. Chopra & Sons. Jabalpur			26, 164	
15	M/s. Jaora New Gin Factory, Jaora	٠		100,091	
16	Kalka Prasad Choube, Gondia	٠		2,593	
17	M/s. Pasari Flour Mills Ltd., Vidisha .			18.301	
8 n	Ramchandra Bhiyalal, Katni			29.696	
01	Rampratap Singh Bhagu andayal Singh, Betul			39,818	
20	M/s. United Transport Pvt. Ltd., Gwalior			1,00,190	
21	United Transport Co., Damoh			23,900	

### SCHEDULE III

(c) Persons in default for periods of two years and 3 months and above.

I	2	3	4
		Rs.	
22	Abdul Wahid, Gautam Pura, Indore	58.969	
	Abdullahbhai Sururi, Burhanpur	38.269	
	Abdi Bhai A Wali, Nagpur	30,560	
25	B. D. Shukla, C/o Jabalpur Timber, Jabalpur.	51.503	
26	Balchand Malaiya. Sagar	47.743	
27	M/s. Badrinaravan Rameshwar, Bada Sarafa, Indore.	3,43,167	
28	M/s. Bhopal Textiles Limited (In Liquidation), through Shri J. K. Shrivastava, Contributor, "Kailash" Nawab-	_	
	gani Road, Kanpur. (U.P.)	4,76,448	
29 30	M/s. Citadal Trading Co Shahpur Central Hindustan Orange & Cold Storage Co., Limi-	48,967	
	ted, Nagpur	1,82,126	
31	Central Hindustan Industrial Corpn., Nagpur	2,15,381	
32	Central Hindustan Italian & Trading Co., Nagpur	2,81,476	
33	Chocks Canning & Mining Co., Nagpur	1,01,994	
34	C. T. Chiaty C/o Dr. S. M. Hasan, Nagpur ,	70.91 <u>3</u>	
35 36	Deonarayan Trivedi, Jabalpur G. Pashupatinath, Indore	57.504 43.321	
37	G. H. Cook, Katni	2.08,404	
38	G. W. Mandpe, Nagpur	54,389	
39	Hindustan Oil Mills, Ghat Road, Nagpur	95.533	
40	M/s. Joharlal Mathuralal, Indore	34.564	
41	J. C. Jall, Maxi Road, Ujiain	37.827	
42	Jaswant Singh Meharsingh, Bordehi	66,131	
43	M/s. Khalsa Juneja Timber Trading Co., Indore	28,912	
	Prop.:—Darshansingh Triloksingh.	·	
44	M/s. Kishandas Shyamlal, Timber Merchant, Sagar	92,293	
45	Kishanbhai Kundanlal, Ghoradongri	55,006	
46	Karamsingh Attarsingh, Ghoradongri	50.308	
47	Kishan Sahai, Bhagirath, Ghoradongri	47,317	
48	Kalkaprasad Chaubey, Gondia	2,19,528	
49	Mohd. Wasir L. H. of Shahbuddin Vakil, Jaora	73,138	
50	M.R. Malhotra, 53 Napier Town, Jabalpur, presently		
	199 princess Street, Bombay	36,089	
<u>5</u> I	M/s. Maheshwar Mining & Trading Co. Ltd., Nagpur	1,26,936	
52	M/s. New Bhopal Textiles Ltd., Bhopal	13,89,531	
53	Onkarlal Mishrilal, Mandsaur	6,53,613	
54	Paluram Dhanania, Rajgarh	2,66,217	
55	M/s. Pasari Flour Mills, Ltd., Vidisha	1,50.730	
56	Pauchamsingh Umaria, Katni M/s. Patel Motilal & Co. Ghoradongri	70,589 1,52,829	
57 <b>⊀</b> 8	M/s. Ranjit Forest Contracting Co., Indore	28.214	
59	Ramlal L/H of Shri Laxmichand Mishrilal C/o	201214	
39	Dhanraj & Co., Siyaganj, Indore	31,624	
60	Ranchodbhai Prop: Jagdishchand Kanhaiyalal, Bama-	<b>5</b> -5	
	nia	86,883	
61	M/s. Ramjibhai Shah, Jabalpur	1,28,660	
62		18,001	
63		42,757	
64		60,414	
65	Shivprasad Laxminarayan, Kharsia	2,70,272	
66	Suraimal Gendalal, Indore	13,39,447	
67	Sardar Bahadursingh & Co. Pvt. Ltd., Jabalpur	54,912	
68	Sardar Harbansingh Mamik, Napier Town, Jabalpur	1,10,197	
69	Shamnarayan Trivedi, Jabalpur	60.258	
70	M/s. Saifuddin Inavat Hussain, Burhanpur	1,46,829	
71	Late S. Abedin Through L. M. Peter, New-Colony,	* 00 455	
	Nagpur	1,99,427	
72	Udmiram Ramswarup, Raigarh	1,06,702 56,290	
73	United Transport Co., Damoh	20,290	

2 4 I 3 Rs. M/s. United Capital Construction Co., Nagpur 56,193 71 Vidarbha Minerals Syndicate Pyt, Ltd., Nagpur 75 1,18,000 W. N. Sareen & Co., Nap'er Town, Jabalpur, presently 76 accountant of M/s. Birbal Khanna & Co., Jabalpur 30,068 [No. C.S. 20/69-70.] AVTAR SINGH. Commissioner of Income-tax.

### MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

### (Department of Agriculture)

New Delhi, the 25th February 1970

- **S.O.** 1212.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (9 of 1898), the Central Government hereby permits importation of caprine species of livestock (Goats) from Israel to India by land, air or sea for a period of four months only viz., from 1st March, 1970 to 30th June, 1970 provided that:—
  - they are healthy and were held in quarantine for a period of at least 10 days immediately prior to exportation under direct observation of a qualified salaried Veterinarian of the State/Central Government;
  - they have been suitably treated for ecto and endo parasites during the quarantine period.
  - 3. they are accompanied with valid health certificates granted by a qualified Veterinarian in the service of the State Government from where the livestock originates, against diseases of Goats specified in Schedule II and Schedule III of the Livestock (Import) Quarantine Rules:

Provided further that the certificates in respect of items 1, 2 and 3 are countersigned by the Chief Veterinary Officer of the National Government who has jurisdiction over the health of livestock in the country.

[No. 50-1/69-LH (LDT).]

SANTOKH SINGH, Under Secy.

### (Department of Agriculture)

New Delhi, the 16th March 1970

**S.O. 1213.**—The following draft of the Jute Grading and Marking Rules, 1970, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and in supersession of the Jute Grading and Marking Rules, 1961, is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 14th April. 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date aforesaid will be considered by the Central Government.

### THE JUTE GRADING AND MARKING RULES, 1970\*

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Jute Grading and Marking Rules, 1970.

<sup>\*</sup>Adopted from the Indian Standards specification for 'Grading of white, Tossa and Daisee un-cut Indian Jute' (IS 1969).

- (2) They shall apply to-
  - (i) raw jute from which roots have not been cut, known commercially as white jute (Corchorus capsularis):
  - (ii) raw jute from which roots have not been cut, known commercially as-Tossa jute (Corchorus litarius); and
  - (iii) raw jute from which roots have not been cut, known commercially as Daisee jute.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
- (a) "Centre-root (Bukchhal)" means the hard barky region into the middle-part of the reed which requires additional softening treatment,
- (b) "colour" means the property of a fibre which distinguishes its appearance as redness, yellowness, greyness and the like;

Explanation.—(i) Terminology of colour for white jute as given in column (1) of the Table below shall be the colour as specified in the corresponding entry incolumn (2) thereof, namely:—

### TABLE

(1)	(2)
Very good	Light creamy to white
Good	Creamy pink to brownish white
Fairly good	Brownish to reddish white with some light grey.
Fair average	Brownish to light grey
Average	Grey to dark grey.

(ii) Terminology of colour for Tossa jute as given in column (1) of the Tablebelow shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely:—

### TABLE

(1)	(2)
Very good Good Fairly good Fair average Average	Golden to reddish white Reddish to brownish white Reddish brownish with some light grey. Light grey to copper colour Grey to dark grey.

(iii) Terminology of colour for Daisee jute as given in column (1) of the Table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2)-thereof, namely:—

### TABLE

(1)	(2)
Very good Good Fairly good Fair average Average	Reddish Reddish to brownish with some light grey- Brownish/light grey with some grey Light grey Grey to dark grey.

- (c) "croppy fibre" means the fibre with top ends rough and hard (but not barky) caused by careless retting;
- (d) "dazed fibre" means the fibre which is weak in strength and dull in appearance, due usually to being stored in moist condition;
  - (e) "density" means mass per unit volume of the fibre including its air-spaces.
- (f) "effective reed length" means the length of the reed after the root and croc and have been removed;
- (g) "fineness" means a measure of diameter (width) and/or weight per unit length of the fibre filament;
- (h) "gummy fibres" means the fibres held together by undissolved pectinous matter;
- (i) "hunka" means the very hard barky fibre running continuously from the lower end to almost the tip of the reed;
  - (j) "leaf" means spots of dry leaf which may appear in the strand;
- (k) "lustre" means the display of light reflected from the libre exposed tonormal light;
- (l) "major defect" means the centre-root, runner, speck and croppy, dazed and over-retted fibre;
  - (m) "minor defect" means the gummy fibre, leaf and sticks;
- (n) "over-retted fibre" means an over-retted fibre which has lost its strength and brightness on decomposing due to long retting;
- (o) "parcel" means a consignment containing a certain number of bales, bundlesor drums;
  - (p) "reed" means the fibre system from one individual jute plant:
  - (q) "reed length" means the entire length of the reed including the root and tip:
- (r) "root" means the hard barky region at the lower end of the reed which requires additional softening treatment;
- (s) "runners" means the hard barky fibre running from the lower end to the middle region, more or less continuously;
  - (t) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;
- (u) "specks" means the bark and knotty fibre regions in the body of the strand which break the continuity of the fibre;
- (v) "sticks" means the remnants of woody part of jute plant over which the fibre sheath is formed;
- (w) "strength" means the ability of the fibre to resist strain or rupture induced by external forces.
- 3. Grade designations.—Grade designations to indicate the characteristics and quality of jute of specified trade descriptions are set out in column (1) of Schedules I and II.
- 4. **Definition of quality.**—The definitions of quality indicated by the grade designations are specified in columns (2) to (10) of Schedules I and II.
- 5. Grade designation mark.—The grade designation mark to be applied to each bale, bundle or drum of jute, shall consist of a label bearing the design set out in Schedule III specifying the grade designation.
- 6. Method of marking.—The grade designation mark shall be securely attached to each bale, bundle or drum of jute in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India. In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly marked on the lebel, namely:—
  - (a) Serial number,
  - (b) Description of the jute,
  - (c) Year of harvest,
  - (d) Date of pressing; and
  - (e) Place of packing.
- 7. Method of Packing.—Jute shall be packed in bales, drums or bundles of customary weight approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

SCHEDULE 1
(See rules 3 and 4)
Requirements for each Grade of White Jule

Grade	Requirements	Strength	Colour	Lusture	Density	Fineness	Maximum root content (by weight)	Defects	Total score
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
₩I(Special Top)	colour and strength; very	Very good	Very good	Good	Heavy bodied	Very Fine	10 per cent	Free	10
	fine, heavy bodied fibre with roots not exceeding 10 percent; free from defects.	(29)	(15)	(5)	(5)	(7)	(27)	(12)	
W2(Top)	. Good lustre, good colour and strength; fine heavy-	Good	Good	Good	Heavy bodied	Fine	15 percent	Free	75
	bodied fibre with roots (20) not exceeding 15 percent; free from defects.	(9)	(5)	(5)	(3)	(21)	(12)		
₩3(Special Middle)	Lustrous, fairly good colour, strong, medium-bodied	Strong	Fairly good	Lustrous	Medium bodied	2	o percent	Substantially free	60
	fibre with roots not exceeding 20 percent substantially free from defects.	(17)	(7)	(4)	(3)	(19)	(10)		
₩4(Middle)	Slightly lustrous, fair average colour, strong,	Strong	Fair average	Slightly lustrous	Medium bodied	:	25 percent	Free from major defects	45
	m:dium-bodied fibre with roots not exceed-ing 25 percent and free from major defects.	(17)	(5)	(1)	(3)		(13)		
W5(Bottom)	Average colour and strength, roots not ex- eceding 35 percent, free	Average	_ Average	••	* *		oercent	Free from major defects except	30
	from major defects except specks.	(11)	(4)					specks (3)	

B.—Bottom)	Any colour, average strength with roots not exceeding 45 percent free from hunka and sticks.	Average (11)	Any (0)	••	••	••	45 percent Free from (5) HUNKA and sticks (2)	18
W7(X.—Bottom)	Any colour, straight morah, not suitable for any higher grades; roots not more than 55 percent; with some weak and dazed fibre, free from hunka and sticks.	Weak mixed (4)	Any (0)			••	55 percent Free from (2) HUNKA and sticks (2)	8
₩8(Habi-Jabi)	Tangled and revelled jute of any description free from hunka and sticks.				••		Free from HUNKA and sticks (2)	3
Note 1.	The minimum reed length:	shauld be 150	cm or the	effective reed leng	gt <b>h</b> should n	ot be less than	120 cm except for Habi Jabi.	

Note 1. The minimum reed length should be 150 Note 2. Jute should be in dry storable condition.

Note 3. The fibres should be free from dust and mud.

Note 4. A parcel of jute which would not score full marks for a particular grade shall still be considered for that grade with suitable discount to be settled between the buyer and the seller, provided:—

- (a) its score is not less, by more than 50 per cent of the difference between the maximum scores for that and the next lower grade, and (b) the deficit is not due to more than two characteristics, scoring less than what is required for these characteristics when put in the
- (b) the deficitis not due to more than two characteristics, scoring less than what is required for these characteristics when put in the next lower grade,

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Requirements for each Grade of Tossa and Daisee Jute

Grade	Requirements	Strength	Colour	Lustre	Density	Fineness	Maximum Root content by weight	Defects	Total
I	3	3	4	5	6	7	8	9	10
TDr(Special Top)	Good lustre, very good co- lour and strength, very fine, heavy-bodied fibre, with roots not exceeding 5 percent, free from de- fects.	Very Good (29)	Very Good (15)	i Good (5)	Heavy-bodied (5)	Very Fine (7)	5 percent (27)	Free (12)	100
TD2(Top)	Good lustre, good colour and strength, fine, heavy bodied fibre, with roots not exceeding 10 per- cent, free from defects.	Good (20)	Good (9)	Good (5)	Heavy-bodied (5)	Fine (3)	10 percent (21)	Free (12)	75
ITD3(Special middle)	Lustrous, fairly good colour, strong, medium-bodied fibre, with roots not exceed ing 15 percent substan- tially free from defects.	(17)	Fairly good (7)	Lustrous (4)	Medium died (3)	••	15 percent (19)	Substantially (10)	<b>(</b> 0
FD4(Middle)	Slightly lustrous, fair average colour, strong, medium-bodied fibre with roots not exceeding 20 percent and free from major defects.	Strong (17)	Fair average (5)	Slightly lustrous (1)	Medium bodied (3)	20	percent Fremaj (13)	ee from or defects (6)	45
TD5(Bottom)	Average colour and strength, with roots not exceeding 25 percent free from major defects except specks.	Average (11)	Average (4)	••	**	4		Free from major defects except specks (3)	<b>30</b>

T' 136(Boltom)	Àny cólour, avéráge strength with roots not exceeding 35 percent, free from hunka and aticks	Average (11)	Any Colour (2)		•••	35 pērčent ( <b>5</b> )	Free from HUNKA and sticks (2)	iš ;
ŤD <b>y(X.</b> →Bottom)	Any colour, straight mo- rah not suitables for any higher grades, roots not exceeding 40 percent with some weak and dazed fibre free from hunka and sticks.	Weak mixed (4)	Any colour (o)	**	14	 40 percent (2)	Free from HUNKA and sticks (2)	8
TD8(Habi-Jabi)	Tangled and ravelled jute of any description free from hunka and sticks.	••	••	••	••	 	Free from HUNKA and sticks (2)	2

Note 1. The minimum reed length should be 150 cm or the effective reed length after cutting the roots should not, except for Habi Jabi, be less than 120 cm.

Note 2. Jute should be in dry storable condition.

Note 3. The fibres should be free from dust and mud.

Note 4. A parcel of jute which would not score full marks for a particular grade, shall still be considered for that grade with suitable discount to be settled between the buyer and the seller, provided:—

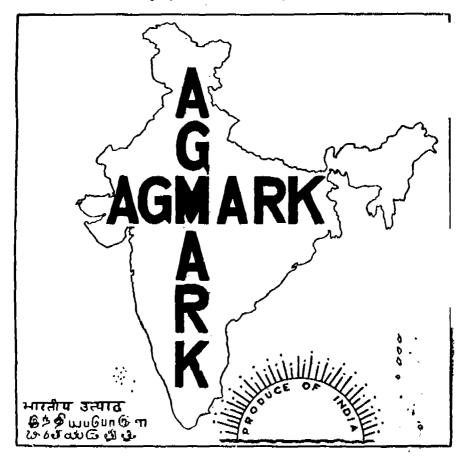
<sup>(</sup>a) the score is not less by more than 50 per cent of the difference between the maximum scores for that and the next lower grade, and

<sup>(</sup>b) the deficit is not due to more than two characteristics, scoring less than what is required for these characteristics when put in the next lower grade.

Schedule III

(See rule 5)

Design for the Grade Designation Mark



[No. F. 13-21/69-LA.] B. R. KAPOOR, Under Secy-

### खाद्य कृषि सामुदायिक विकास ग्रौर सहकारिता मंत्रालय ( हृषि विभाग )

नई दिल्ली 16 मार्च 1970

का० ग्रा० 1213.—जूट श्रेणीकरण श्रोर चिहनन नियम 1970, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण श्रोर चिहनन) ग्रिधिनयम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रोर जूट श्रेणीकरण श्रोर चिहनन नियम 1961, को ग्रिधिकात करते हुए निम्निलिखित नियम बनाने का प्रस्ताय करती है निम्निलिखित प्रारूप का श्रोर उक्त धारों की अपेका के श्रनुसार, उन सब व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है श्रौर एनद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 31-3-1970 को या उसके प्रभाव् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से पूर्वोक्त तारीख से पूर्व जो ग्राक्षेप या सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

### जूट ओर्गी हर्ए ग्रीर चिल्लम नियम, 1970 (छ)

- 1. संक्षिप्त नाम ग्रौर प्रारम्य --- (1) ये नियम जूट श्रेणीकरण ग्रौर चिह्नन नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।
- (ছ) ''सफेद, तोसा ग्रौर देसी बिना कहे जूट के श्रेणीकरण'' के लिए भारतीय मानक विशिष्ट (भा० भा० 1969) से रुपांतरित
  - (2) ये---
    - (i) कच्चे जूट, जिस में से जड़े नहीं काटी गई हैं और जिसे वाणिज्यिक रूप में सफेद जूट (कोस्कोरस कैपसुलरिस) कहा जाता है;
    - (ii) कच्चे जूट, जिसमें से जड़ें नहीं काटी गई है श्रीर जिसे वाणिज्यिक रूप में तोसा जूट (कोस्कोरस श्रोलिटैरियस) कहा जाता है; श्रौर
    - (iii) कच्चे जूट, जिसमें से जड़ें नहीं काटी गई हैं श्रीर जिसे वाणिज्यिक रूप में देशी जूट कहा जाता है, पर लागू होंगे ?
  - 2. परिभाशाएं:-इन नियमों में, यदि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो --
    - (क) केन्द्रीय जड़ (बक्छाल) से नरसल के बीच के भाग का कड़ी छाल वाला स्थान, जिसे नम करने के लिए श्रतिरिक्त उपचार की ग्रपेक्षा है, ग्राभिप्रेत है;
    - (ख) "रंग से रेशे का गुण जो उसकी आकृति को लालपन, पीलेपन, भूरेपन भौर तत्समान के रूप में सुभिन्न बनाता है, श्रभिन्नेत हैं;

स्पः द्वीकरण्—(1) नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में सफेद जूट के लिए दिये गए रंग की परिभाषा वह रंग होगा जो उसके स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं, ग्रथीत्:—

# (1) (2) बहुत श्रच्छा . हल्के क्रीम से सफेद तक श्रच्छा . . क्रीम गुलाबी से भूरापन लिए सफेद तक सामान्यतः श्रच्छा . . भूरेपन से लालिमा युक्त सफेद तक साथ ही कुछ हल्का धूसर हो । सामान्य श्रीसत . . भूरे से हल्का धूसर तक

(ii) नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में तोसा जूट के लिए दिए गए रंग की परिभाषा वह रंग होगा जो उसके स्तम्भ (2) की ततस्थानी प्रविष्टि में विनिद्दिष्ट हैं, श्रथीत्:—

### सारगी

(1)			(2)				
			सुनहरे से लालिमायुक्त सफेद तक				
मच्छा .			लालिमा से भूरापन लिए सफेद तक				
सामान्यतः श्रच्छा			लालिमायुक्त भूरा, साय ही कु <b>छ</b> हल्का	धूसर			
सामान्य भौसत	•		हल्के धूसर से तांबे के रंग का	•			
<b>भौस</b> त .	•	•	धूसर से गहरा धूसर तक				

(iii) नीचे वी गई सारणी के स्तम्भ (1) में देसी जूट के लिए दिये गये रंग की परिभाषा वह रंग होगा जो उसके स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, प्रथित् हैं ;

### सारगी

	(1)			(2)					
बहुत श्रष्टाः श्रष्टा		•	•		लालिमायुक्त लालिमा से भूरापन लिए हुए, साय ही कुछ हल्का				
सामान्यतः ग्र	181	•			धूसर भूरापन लिए हल्का धूसर, साथ ही धूसर				
सामान्य श्रौसर				•	हल्का धूसर				
भ्रोस न	•	•	•	•	धूसर से गहरे धूसर तक				

- (ग) "क्रापी रेथे" से श्रसावधानता से गलाए जाने के कारण ऊपरी छोरों पर खुरदरा एवं कड़ा (किन्तु छाल वाला नहीं) रह जाने वाला रेशा श्रभिप्रेत हैं;
- (घ) "मलीन रेशे" से ऐसे रेशे श्रभिप्रेत हैं जो शक्ति में कमजोर हैं और देखने में मलीन । जो नमी श्रवस्था में भण्डारीकृत करने से ऐसे हो जाते हैं ;
- (ड़) "घनत्व" से रेश के वायुस्थान सम्मिलित प्रति एकक भ्रायतन की सहित भ्रभिप्रेत है ;
- ्च) ''प्रभावपूर्ण ग्रुनरसल लम्बाई'' से जड़े एवं रेशे निकाल दिये जाने के पश्चात् नरसल की सम्बाई अभिन्नेत है ;
- (छ) "सूक्ष्मता" से व्यास (चौड़ाई का माप) श्रौर या रेशे तंतु की प्रति एकक लम्बाई का भार अभिप्रेत है;

- (ज) "गोंदी रेशे" से न घुले पैक्टिनस द्रब्य से रुक दूसरे से चिपके रेशे श्रभिप्रेत हैं;
- (झ) "हुका" से बहुत कड़ी छाल वाला रेशा जो नरसल के निचले छोर से लेकर लगभग उसके सिरे तक गया हो, श्रभिप्रेत है ;
  - (হা) ''पत्ते'' से सुखे पत्ते के घब्बे, जो तन्तु (स्ट्रन्ड) में दिखायी दें, प्रभिप्रेत है;
- (ट) "चमक" से सामान्य प्रकाश में रखने पर प्रन्तु से परिवर्तित होने वाला प्रकाश श्रभिप्रेत है ;
- (ठ) ''मुख्य दोष'' से बीच की जड़, उपरि भूस्तारी, चित्ती श्रौर क्रांपी, मलीन<sup>7</sup>तथा श्रधिक गला रेशा श्रभित्रेत है ;
  - (ड) "लघ दोष" से गोंदी रेशा, पत्ता श्रीर इंठल ग्रभिप्रेत है ;
- (ढ) ''ग्रधिक गले रेगे'' से ऐसा ग्रधिक गला रेशा जिसकी शक्ति भौर चमक बहुत देर तक गलने के कारण श्रपघटन होने से नष्ट हो चुकी है, श्रभिप्रेत है ;
  - (ण) ''पार्सल'' से ऐसा प्रेषण श्रभिप्रेत है जिसमें निष्चित संख्या में गांठें, बंडल या ड्रम हो ;
  - (त) "नरसल" से जूट के किसी एक पौधे की रेशा-प्रणाली अभिप्रेत है ;
- (थ) "नरसल की लम्बाई" से नरसल की सम्पूर्ण लम्बाई जिसमें जड़ श्रौर सिरा सम्मिलित है, श्रीभिन्नेत है ;
- (द) "जड़" से नरसल के निचले छोर का कड़ी छाल वाला भाग जिसे नमीदार करने के लि**ए** श्रातिरिक्त उपचार की भ्रपेक्षा है,भ्रभिप्रेत है ;
- (घ) "उपरि भूस्तारी" से निचले छोर से मध्य भाग तक लगभग लगातार रहने वाला कड़ी छाल वाला रेशा स्रभिन्नेत है ;
  - (न) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (प) "चित्तियों " से छाल ग्रौर तन्तु पर के गांठदार रेगे के स्थान जो तन्तु की एक सूज्रता को नष्ट कर देते हैं, ग्रभिग्रेत है ;
- (फ) "इंटल" से जूट पौधे के लकड़ी वाले अवशेष जिसपर रेशे का छादन धनना है, ध्रभिप्रेत हैं ;
- (ब) "शक्ति" से रेशे की बाहरी खिचाव से होने वाले दबाव भ्रौर टूटने का प्रतिरोध करने की सामर्थ्य, श्रभिप्रेत हैं ;
- 3. **अेगो स्रभिधान**—विनिर्दिष्ट व्यापार वर्णनों के जूट के लक्षण स्रौर क्वालिटी दर्शाने वाले श्रोणी स्रभिद्यान स्रनुसूची 1 स्रौर 2 के स्तम्भ (1) में वर्णित हैं।
- 4. क्वालिटी की परिभाषा—श्रेणी श्रभिधानों द्वारा दर्शायी गई क्वालिटी की परिभाषाएं श्रनुसूची 1 भौर 2 के स्तम्भ (2) से (10) तक में विनिर्दिष्ट की गई है।
- 5. श्रेणी **म्रभिषान चिह्न--जूट** की प्रत्येक गांठ, बंडल या दूम पर लगाया जाने वाला श्रेणी म्रभिधान चिन्ह लेबल का होगा जिस पर प्रनुसूची 8 में दिया गया श्रेणी म्रभिधान विनिर्विष्ट करने वाला डिजाइन होगा ।

- 6. जिह्नन की पद्धति —जूट की प्रत्येक गांठ, बंडल या ड्रम पर भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा श्रनुमोदित प्रकार से श्रेणी श्रमिद्यान चिह्न सुरक्षापूर्वक लगाया जाएगा । श्रेणी श्रमिद्यान चिह्न के श्रतिरिक्त लेबल पर निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्ट रूप से चिह्नित की जाएगी, श्रथांत्:—
  - (क) ऋम संख्या,
  - (ख) जूट का वर्णन,
  - (ग) फसल का वर्षः,
  - (घ) बेलने की तारीखा, घौर
  - (इ) पैकिंग का स्थान ।
- 7. पैंकिंग की पद्धति—जूट को कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रचलित भार की गांठों, इमों या बंडलों में पैक किया जाएगा ।

ा, द्रूमीया बंडलो में पैक किया जाएगा।		
		ग्रनु <b>सूची</b>
	ŧ	रेखें नियम 3
	सफेद	जूट की प्रत्येक
श्रपेक्षाएं	मावित	रंग
2	3	4
. •	बहुत म्रच्छे	<b>बहु</b> त भ्रच्छा
जड़ें 10 प्रतिशत से भ्रधिक न हों; दोष रहित	(29)	(15)
श्रच्छी चमक, श्रच्छा रंग, भ्रौर शक्ति; सूक्ष्म	भ्रच्छी	श्रच्छा
गुरूकाय रेशा जिसमें कि जड़ें 15 प्रति- शत से श्रधिक न हों; दोष रहित	(20)	(e)
चमकदार, सामान्यतः भ्रच्छा रंग, शक्तिशाली	गक्तिशाली	सामान्यतः₋
मध्यकाय रेशा जिसमें कि जर्ड़े 20 प्रति- शत से श्रधिक न हों सारतः दोष रहित	(17)	(7)
हल्का चमकदार, सामान्य श्रौसत रंग, शक्ति-	शक्तिशाली	सामान्य
शाली, मध्यमकाय रेशा जिसमें कि जड़े 25 प्रतिशत से श्रधिक न हों श्रौर बड़े दोषों से रहित	(17)	(5)
	श्रमेक्षाएं  य  प्रच्छी श्रमक, बहुत श्रच्छा रंग श्रौर शक्ति; बहुत सूक्ष्म गुरुकाय रेशा जिसमें कि जड़ें 10 प्रतिशत से श्रिष्ठक न हों; दोष रहित  श्रच्छी चमक, श्रच्छा रंग, श्रौर शक्ति; सूक्ष्म गुरूकाय रेशा जिसमें कि जड़ें 15 प्रति- शत से श्रिष्ठक न हों; दोष रहित  चमकदार, सामान्यतः श्रच्छा रंग, शक्तिशाली मध्यकाय रेशा जिसमें कि जड़ें 20 प्रति- शत से श्रिष्ठक न हों सारतः बोष रहित  हल्का चमकदार, सामान्य श्रौसत रंग, शक्ति- शाली, मध्यमकाय रेशा जिसमें कि जड़ें 25 प्रतिशत से श्रिष्ठक न हों श्रौर	श्रपेक्षाएं शक्ति  श्रपेक्षाएं शक्ति  श्रपेक्षाएं शक्ति  श्रपेक्षाएं शक्ति  श्रप्ति  श्रप्ति

1 षीर 4)

श्रेणी के लिए प्रपेक्षाएं

चमक	धन <b>त्य</b>	सूक्षमता	भ्रधिकतम जड़ मात्रा (वजन के हिसाब से)	दोष	कुल स्को <b>र</b>
5	6	7	8	9	10
ग्र <del>च</del> छे (5)	गुरूकाय ( 5)	ग्रति स्कम (7)	10 प्रतिशत (27)	मुक्त (12)	100
<b>धच्</b> छी (5)	गुरूकाय ( 5)	सूक्ष्म (3)	15 प्रतिशत (21)	मुक्त (12)	75
भ्रच्छा चमकदार (4)	मध्यकाय (3)		20 प्रतिशत (19)	सारतः <b>मुक्</b> त (10)	60
भीसत हरका चमकदार (1)	मध्यकाय ( 3)	••	25 प्रतिशत (13)	बड़े दोषों से मुक्त (6)	45
(*/	(0)		(10)	( • )	

1	2	3	4
सफेद 5 (निचली)	ग्रीसत रंग श्रीर शक्ति, जड़ें 35 प्रतिशत से अधिक नहीं चित्तियां छोड़कर बड़ें योषों से रहित		भ्रौसत ( 4)
सफेद 6 (काली नि <b>च</b> ली)	कोई भी रंग, श्रौसत गक्ति, जड़ें 45 प्रति- गत से श्रधिक न हों, हुंका श्रौर डंठलों से रहित		कोई भी (0)
सफेद 7 (निचली)	कोई भी रंग सींच मोढ़े, किसी भी उच्चसर श्रेणी के लिए श्रनुपयुक्त; कुछ कमजोर, श्रीर मलीन रेशों सहित जड़ें 55 प्रतिशत से श्रधिक नहीं; हुंका श्रीर डंठलों से रहित		कोई भी (0).
सफेद 8 (हबी जबी)	हुंका भ्रौर डंठलों से रहित किसी भी प्रकार का उलझा हुम्रा संपाणित जूट	••	••

विष्यर्गी 1 :--नरसल कम से कम 150 सेन्टीमीटर लम्बा होना चाहिए ग्रथवा हुबी जबी को छोड़कर नरसल

- 2:-जूट भण्डारकरण योग्य सूखा होना चाहिएं।
- 3 :-रेशा घूल और कीचड़ से रहित होने चाहिएं।
- 4: जूट का कोई भी पार्सेल जो कि किसी श्रेणी विशेष के लिए पूरे ग्रंक नहीं पायेगा उसे तक विचारार्थ ले लिया जायेगा परन्तु-
- (क) उसका स्कोर उसके लिए भौर उससे ठीक निचली श्रोणा क मधिकतम स्कोरों
   (ख) घाटा उन दो लक्षणों से भिधक के कारण न हो ॄ जो उतने स्कोर से कम की हों जितना।

rec. 3(:i)] THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 4, 1970/CHAITRA 14, 1892			1569	
6	7	8	9	10
		35 प्रतिशत	चित्तियां छोड़कर बड़े दोषते से मुक्त	30
		(12)	(3)	
• •		45 ग्रतिशत	हुंका ग्रौर डंठलों से सक्त	18
		(5)	(2)	
		45 प्रतिशत	हुका भौर इंठलों के प्रस्त	8
		(2)	(2)	
• •	• •		हुंका भौर ढंठलों	2
			6 7 8 35 प्रतिशत (12) 45 श्रतिशत (5) 45 प्रतिशत	35 प्रतिशत चित्तियां छोड़कर बड़े दोषते से मुक्त (12) (3) 45 श्रतिशत हुंका श्रौर डंठलों से मुक्त (5) (2) 45 प्रतिशत हुंका श्रौर इंठलों से मुक्त (2) (2)

की प्रभावी लम्बाई 120 सेन्टीमीटर से कम नहीं होनी चाहिए।

भी केता भीर विकेशा के बीच उपयुक्त बट्टा निर्घारित हो जाने पर उसी श्रेणी के लिए

के बीच के मन्तर का 50 प्रतिशत से भश्रिक कम न हो; भौर इन लक्षणों के लिए तब भपेक्षित है जब वे निचली श्रेणी में रखे जाएं।

ग्ननुसूची (नियम 3 **ग्रौ**र

तोसा ग्रीर देसी जूट की प्रत्येक

श्रेणी	<b>भ</b> पेक्षाएं	शक्ति	रंग
1	2	3	4
क्षो० दे० (विशेष सर्वोच्च)	श्रच्छी चमक, बहुत श्रच्छा रंग श्रीर शक्ति, बहुत सूक्ष्म, गुरू-काय रेशा, जिसमें कि जड़ें 5 प्रतिशत से श्रधिक न हों, दोष रहित ।		बहुत श्रच्छा (15)
तो० दे० 2 (सर्वोच्च	) श्रच्छी चमक, श्रच्छा रंग श्रीर शक्ति, सूक्ष्म, गुरू-काय रेणा, जिसमें कि जड़ें 10 प्रतिशत से ग्रधिक न हों, दोष रहित	भ्र <del>ग्</del> छी ( 20)	শ্ব <b>ভ</b> ন্তা ( 9)
सो० दे० 3 (विशेष मध्यम)	चमकदार, सामान्यतः श्रच्छा रंग, शक्ति- शाली, मध्य-काय रेशा, जिसमें कि जड़ें 15 प्रतिशत से श्रधिक न हों, सारतः दोष रहित ।	शक्तिशाली (17)	सामान्यतः ( 7)
तो०दे० 4. (मध्यम)	हरूका चमकदार, सामान्य श्रौसत रंग शक्तिशाली, मध्यऱ्काय देशा, जिसमें कि जड़ें 20 प्रतिशत से श्रधिक न हों, श्रौर बड़े दोषों से रहित	शक्तिशाली (17)	सामान्य ( 5)
तो० दे० 5 (निचली)	श्रौसत रंग भ्रौर शक्ति, जड़ें 25 प्रतिशत से श्रधिक न हों, चित्तियों को छोड़कर भ्रन्य बड़े दोषों से रहित		श्रीसत ( 4)
तौ०दे० 6 (काली निचली)	भ्रौसत रंग भ्रौर मजबृती, जड़ें 35 प्रतिशत से श्रधिक नहीं, हुंका भ्रौर डंटलों से रहित ।		ोई भी रंग (0)

ΙΙ

	_	~	•
4	7	ख	١
•	٦.	~	,

श्रेणी के लिए धपेक्षाएं

चमक	घनत्य	सूक्ष्मता	ग्रधिकतम जड्- माद्रा (वजन से)	दोष	कुल स्कोर
5	6	7	8	9	10
য়াষ্ঠ্রী (5)	गुरू <del>-क</del> ाय ( 5)	बहुत सूक्ष्म (7)	5 प्रतिणत (27)	मुक्त ( 1 2)	100
য়াভন্তী ( 5)	ग <del>ुरू-का</del> य ( 5)	सूक्ष्म (3)	10 प्रतिशत (21)	मुक्त (12)	75
श्रच्छा/ चमकदार	मध्य-काय	• •	15 प्रतिशत	सारतः मुक्त	60
(4)	(3)		(19)	(10)	
<b>श्रोस</b> त/हल्का <b>च</b> मकदार	<b>मध्य</b> ऱ्काय	• •	20 प्रतिशत	बड़े दोषों से मुक्त	45
(1)	(3)		(13)	(6)	
••		••	25 प्रतिशत (12)	चित्तियों के भ्रलाः वा भ्रन्य बड़े दोषों ] से मुक्त (6)	45
	• •	••	35 प्रतिशत (5)	हुंका श्रौर डंठलों से मुक्त (2)	18

1	2	3	4
तो० <b>दे० 7</b> (नि <b>च</b> ली)	कोई भी रंग, सीधे मोढे, किसी भी उच्चतर श्रेणी के लिए श्रनुपयुक्त ; कुछ कमजोर श्रीर मलीन रेशों के साथ जड़ें, 40 प्रतिगत से श्रिधक न हों; हुंका श्रीर इंठलों से रहित ।	कमजोर मिश्रित (4)	कोई भी रंग (0)
सो० दे० 8 (हबी जबी)	किसी भी वर्णन का उलक्षा हुन्ना श्रीर संपाशित जूट, हुंका श्रीर डंठलों से रहित ।		• •

टिप्पणी 1:-नरसल कम से कम 150 सेन्टीमीटर लप्बा होना चाहिए प्रथवा जड़ों को काट देने के बाद, चाहिए।

टिप्पणी 2:-जूट भण्डारकरण योग्य सूखा होना चाहिए।

टिप्पणी 3:-रेशे धूल भ्रौर कीचड़ से रहित होने चाहिए।

टिप्पणी 4:-जूट का कोई भी पारसल जो कि किसी भी श्रेणी विशेष के लिए पूरे अंक नहीं पायेगा उसे तब विचारार्थ ले लिया जायेगा, परन्तु-

- (क) उसका स्कोर उसके लिए और उससे ठीक निचली श्रेणी के प्रधिकतम स्कोरों के बीच
- (ख) घाटा उन दो लक्षणों से ग्रधिक के कारण न हो, जो उसके स्कोर से कम की हों जितना

SEC. 3(il)]	THE GAZE	TTE OF IN	DIA: APRIL 4.	1970/CHAITRA 14, 1892	157 <b>3</b>
5	6	7	8	9	1 <b>0</b>
		••	40 प्रतिषात (2)	हुंका श्रौर डंठलों से मुक्त (2)	8.
••		••	••	हुंका <b>धौ</b> र ढंठलों से मुक्त (2)	<b>2</b> ·

हुनी जबी को छोड़कर, नरसल की प्रभावी लम्बाई 120 सेन्टीमीटर से कम नहीं होनी

भी केता भौर विकेता के बीच उपयुक्त बट्टा निर्धारित हो जाने पर उसी श्रेणी के लिए

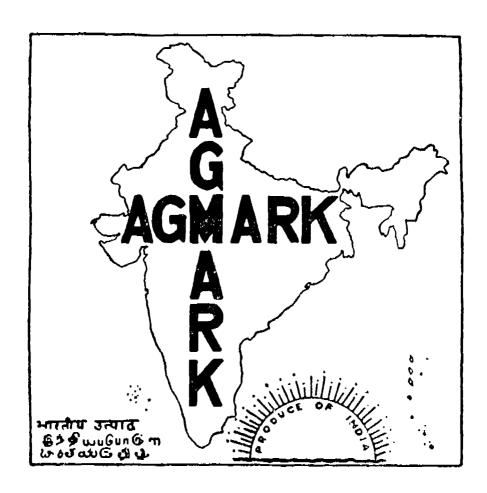
के अन्तर का 50 प्रतिशत से अधिक कम न हो; श्रौर

इन लक्षणों के लिए तब ध्रपेक्षित है जब वे निचली श्रेणी में रखे जाएं।

धनुसूची III

(देखें नियम 5)

श्रेणी धिभधान चिह्न के लिए डिजाइन



[सं० फा० 13-21/69-एल० ए०]

ब० र० कपूर, ग्रवर सचिव।

#### (Department of Agriculture)

New Delhi, the 20th March 1970

- of Agriculture) No. 10-58/59-FR dated the 19th July, 1960, namely:-
  - (1) These rules may be called the General Central Services Class III and Class IV posts (Central Mechanised Farm, Suratgarh) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
  - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the General Central Services Class III and Class IV posts (Central Mechanised Farm, Suratgarh) Recruitment Rules, 1960, against item 13 "Tractor Driver". in column 10, under the heading "Essential", for the entry "(a) Licence holder for driving heavy motor vehicles". The following entry shall be substituted namely:-
  - "(a) Licence holder for driving tractors."

[No. 10-13/69-FR.]

T. D. MAKHIJANI, Under Secy-

# (सहकारिता विभाग)]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1970

एस० घो० 759.—बह इकाई सहकारी सोसाइटी श्रिधनियम, 1942 (1942 का 6) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर भारत सरकार के खाब, कृषि, सामदायिक विकास भीर सहकारिता मंत्रालय (सहकारिता विभाग) की भ्रधिसूचना सं० एफ० 7-27/66-क्रेडिट तारीख 8 दिसम्बर, 1969 को प्रधिकान्त करते हुए केन्द्रीय सरकार खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (महकारिता विभाग) के संयक्त सचिव श्री एम० सुब्रमनयम को सहकारी सोसाइटियों के केन्द्रीय रिजस्टार के रूप में एतदढ़ारा नियुक्त करती है ।

> [सं० 7-27/66-केडिट] एस० सत्याभामा, उपसन्तिव ।

#### DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P. and T. Board)

New Delhi, the 21st March 1970

S.O. 1215.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th April, 1970 as the date on which the measured rate system will be introduced in Vasco-da-Gama, Goa, Telephone Exchange, Maharashtra Circle.

[No. 5-37/70-PHB.]

## संखार विभाग

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1970

एस० म्रो० 1215.--स्थायी म्रादेश कम संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लाग किये गए 1951 के भारतीय तार नियमों के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने वास होडे गामा (गोग्रा) टेलीकोन केन्द्र म से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-37/7०—पी० एच० बी०]

#### New Delhi, the 24th February 1970

**S.O. 1216.**—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director-General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th April, 1970, as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Hazaribagh Telephone Exchange, Bihar Circle.

[No. 5-32/70-PHB.]

#### नई दिल्ली, 24 मार्च 1970

एस० भी० 1216.—स्थायी श्रादेश कम संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गए 1951 के भारतीय तार नियमों के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के श्रनुसार डाक-तार महानिदेशक ने हजारीबाग टेलीफोन केन्द्र में 16-4-70 मे श्रमाणित दर श्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-32/70-पी० एच० बी०]

**S.O. 1217.**—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th April, 1970 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Jhansi Telephone Exchange U.P. Circle.

[No. 5-38/70-PHB.]

D. R. BAHL,

Assistant Director General (PHB).

एस० ग्रो० 1217 — स्थायी श्रादेश कम संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गए 1951 के भारतीय तार नियमों के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के श्रनुसार डाकन्तार महानिदेशक ने झांसी टेलीफोन केन्द्र में 16-4-1970 से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-38/70—पी० एचा० बी०]

श्री० श्रार० बहल,

सहा क महानिदेशक (पी० एच० बी०)

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

MERCHANT SHIPPING

New Delhi, the 18th March 1970

S.O. 1218.—In exercise of the powers conferred by section 218 am the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rules 3 and 4 of the National Welfare Board for Sea-farers Rules, 1963, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry

of Transport and Shipping (Transport Wing) No. S.O. 3906, dated the 25th October, 1968, namely:—

In the said notification, for the entries against serial number 44, the following entries shall be substituted, namely:—

"Deputy Director General of Shipping incharge of Sea men's Welfare (exofficio).—Member-Secretary".

[No. 14-MT(12)/68.]

B. ROY, Dy. Secy.

## जहाजरानी ग्रीर परिवहन मंत्राक्षय

(६रिवहन ६कंध)

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1970

फॉ॰ आ॰ 444.—-राष्ट्रीय पोत परिवहन बोर्ड नियम, 1960 के नियम 4 के उपनियम (2) के साथ पठित वाणिज्य पोत परिवहन श्रिधिनयम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 के द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री आर॰ दुराएस्वामी को श्री के॰ सी॰ मदण्पा कें स्थान पर राष्ट्रीय पोत परिवहन बोर्ड में केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य के रूप में, एतद्बारा नियुक्त करती है श्रीर भारत सरकार के जहाजरानी श्रीर परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध) की श्रिधिस्वना सं० का॰ श्रा० 3767 तारीख 8 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रथांत:-

उपत प्रधिसूचना में कम संख्या 12 के सामने "श्री के० सी० मदप्पा" प्रविध्टि के लिए "श्री स्नार० दुराएस्वामी" प्रविध्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।

[सं० 37/एम० डी० (6)/69]

#### মুদ্ধি দ্ব

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1969

का॰ मा॰ 5014.—भारत सरकार के जहाजरानी श्रौर परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध) की श्रिधिसूचना सं॰ का॰ श्रा॰ 3767 तारीख 8 सितम्बर 1969 में, जो भारत के राजपत्न, 1969 भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में पूष्ठ 4010-4011 पर प्रकाशित है, ऋम संख्या 11 के सामने "रियर एडमिरल" शब्दों के लिए "वाइस एडमिरल" पढ़ें।

सं॰ 37-एम॰डी॰ (6)/69]

जसवंत सिंह, भ्रवर सचिव ।

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 24th March 1970

- S.O. 1219.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Art Silk (Production and Distribution) Control (Amendment) Order, 1970.

- (2) It shall come into force at once.
- 2. In clause 2 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, for sub-clause (a), the following sub-clause shall be substituted, namely:—
  - '(a) "art silk yarn" means yarn manufactured from man-made cellulosic and non-cellulosic materials and includes—
    - (i) man-made cellulosic spun fibre yarn;
    - (ii) man-made non-cellulosic spun fibre yarn;
    - (iii) man-made cellulosic filament varn:
    - (iv) man-made non-cellulosic filament yarn; and
    - (v) man-made metallic yarn;'

[No. F. 2(10)Tax(F)/69.]

DAULAT RAM, Under Secy.

# (Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports) ORDER

New Delhi, the 12th February 1970

Subject:—Order Cancelling the Customs Purpose copy and Exchange Control Purpose copy of Lic. No. 1-/E/0167564, dated 21st December 1968, in connection with the issue of duplicate copy of the same.

S.O. 1220.—M/s. The Photo—Cine Sound Supplies, 8, Dalhousie Square East Calcutta-1, were granted import Licence No. P/E/0167564/C dated 21st December 1968, for Rs. 1000/- only (Rupees one thousand only).

They have now applied for issue of a duplicate copy of Customs Purposes Copy and Exchange Control Purposes Copy of the said licence on the ground that the original of both the copies have been lost. It is further stated that the original licence was neither registered with any Custom House ,and not utilised.

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit to the effect that both the original copies of the licence have been lost. I am satisfied that original Customs Purposes Copy and Exchange Control Purposes Copy of the licence No. P/E/0167564/C dated 21st December 1968 have been lost and directed that duplicate of both the copies of the licence in question should be sued to the applicant. The original copies of the licence are cancelled.

[No. 305-IV/1/A-M'69/EI-II.]

M. S. PURI.

Deputy Chief Controller of Imports and Exports, for Joint Chief Controller of Imports & Exports.

# (Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports) (Central Licensing Area)

#### ORDER

New Delhi, the 21st March 1970

S.O. 1221,—M/s. Gujaral Bros., Opp. Erose Cinema, Rly. Road, Gugaon were granted licence No. P/S/1615920/C/XX/33/D/27-28. dated 8th December, 1969 for Rs. 2.198/- for (1) ERW Boller Tubes (upto Rs. 879/-), (2) Cylinderical Roller Bearings other than those specified in App. 14(5) of AM-70 Red Book Vol. I, (3) Tungston Discs, Rivets and Screws, (4) Copper, (5) Tin. (6) Lead and (7) Zinc from General Currency Area. They have applied for the issue of duplicate copy of the said licence for Exchange Control Purposes only on the ground that the original Exchange Control Copy has been lost/misplaced without having been utilized at all.

- 2. The applicants have filed an affidavit in support of their contention as required under para. 302 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1969. I am, therefore, satisfied that the original Exchange Control Copy of the licence in question has been lost/misplaced.
- 3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) Import (Control) Order, 1955, dated 7th December, 1955, I order the cancellation of Exchange Control Copy of Import Licence No. P/S/1615920/C/XX/33/D/27-28, dated 9th December, 1969.

The applicant is now being issued a duplicate copy of the aforesaid licence for Exchange Control Purposes only in accordance with the provision of para 302(4) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1969.

[No. F. IDA-50/HAR/AM-69/AU-HH/CLA/3461.]

A. L. BHALLA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports. for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

#### MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

#### (Department of Petroleum and Chemicals)

New Delhi, the 17th March 1970

S.O. 1222.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 19 of Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises each of the officers of the Government of Maharashtra specified in the Schedule below to exercise the powers specified in clauses (a), (b) and (c) of the said section in 30 far as they relate to the industry specified in sub-item (1) of item 26 of the First Schedule to the said Act.

#### SCHEDULE

- 1. Director of Prohibition and Excise.
- 2. Deputy Director of Prohibition and Excise.
- 3. Superintendent of Prohibition and Excise.
- 4. District Inspector of Prohibition and Excise.
- 5. Inspector of Prohibition and Excise.

[No. 4/2/68/Ch. LT

## पेट्रोलियम तथा रक्षायन घीर जान तथा बातु मंत्रालय

(पैट्रे.सि.म तथा रक्षाः न विभाग)

नई दिल्ली, 17 मार्च 1970

कां बार 1222.—इण्डस्ट्रीज (डिवैंटपमैंट एण्ड रेग्यूलेशन) एक्ट 1951 (1951 का 65) की धारा 19 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, महा-राष्ट्र सरकार के निम्न सूची में निर्दिष्ट प्रत्येक अफसर की उक्त धारा के (क), (ख) भौर (ग) खण्डों में निर्दिष्ट शक्तियों का जहां तक वे उक्त श्रधिनियम की प्रथम सूची के मद संख्या 26 के उपन्मद (1) में निखित उद्योग से सम्बन्धित हैं; प्रयोग करने का अधिकार देती है।

#### सूची

- 1 मद्य निषेध भौर उत्पादन शुरुक के निवेशक
- 2 मध निषेध भीर उत्पादन शुल्क के उपनिदेशक
- 3 मध निषेध भीर उत्पादन शुल्क के प्रधीक्षक
- 4 मद्य निषेध भौर उत्पादन मुल्क के जिला निरीक्षक
- 5 मद्य निषेध और उत्पादन शुल्क के निरीक्षक।

[सं 0 4/2/68/रसायन-1.]

S.O. 1223.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 19 of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises each of the officers of the Government of Gujarat specified in the Schedule below to exercise the powers specified in clauses (a), (b) and (c) of the said section in so far as they relate to the industry specified in sub-item (1) of item 26 of the First Schedule to the said Act.

#### SCHEDULE

- 1. Director of Prohibition and excise.
- 2. Deputy Director of Prohibition and Excise.
- 3. Superintendents of Prohibition and Excise.
- 4. District Inspectors of Prohibition.
- 5. Inspectors of Prohibition and Excise.
- 6. Sub-Inspectors of Prohibition and Excise.

[No. 4/2/68/Ch. I.]

R. S. GOPALAN, Under Secy.

का० ग्रा० 1223.—इन्डस्ट्रीज (डिवैल्पमेंट एण्ड रेग्यूलेशन) एक्ट 1951 (1951 का 65) की धारा 19 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार गुजरात सरकार के निम्न सूची में निर्विष्ट प्रत्येक झफसर को उक्त धारा के (क), (ख) और (ग) खण्डों में निर्विष्ट शक्तियों का जहां तक वे उक्त घितियम की प्रथम सूची के मद संख्या 26 के उपम्मद (1) में लिखित उद्योग से सम्बन्धित हैं; प्रयोग करने का ग्रक्षिकार देती है।

## सुची

- 1. मद्य निषेध भौर उत्पादन शुल्क के निदेशक
- 2. मद्य निषेध ग्रीर उत्पादन मुल्क के उप-निदेशक
- 3. मदा निवेध भीर उत्पादन शुल्क के ब्रधीक्षक
- 4. मधा निषध के जिला निरीक्षक
- 5. मद्य निषेध भौर उत्पादन शुल्क के निरीक्षक
- 6. मच निषेध भौर उत्पादन शुल्क के उप-निरीक्षक

[सं 4/2/68/रस/यन-1]

म्रार० एस० गोपालन, मबर सचिव।

## पैट्रोलियम ग्रौर रसायन ग्रौर सान तथा धातु मंत्रालय

## (पैट्रोलियम विभाग)

#### नई दिल्ली, 11 मार्च 1969

का॰ भा॰ 1079.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य के कलोल क्षेत्र में जी॰ जी॰ एस॰ I से जी॰ जी॰ एस॰ V तक पैट्रोलियम के परिबहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध धनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का मधिकार मिजत करना भावश्यक है;

ग्रतः ग्रब, पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का ग्रजैंन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का ग्रपना ग्राशय एतद्द्वारा घोषित किया है

3. उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए प्राक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी० एण्ड एम० डिवीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग) के कार्यालय, बरौदा के पश्चिमी क्षेत्र, शेड नं० 27, मकरपुरा रोड, सैण्ट्रल वर्कणाप के पास, वरौदा—4 को इस ग्रिक्षसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिण्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

भ्रतुसूची जी० जी० एस० I से जी० जी० एस० V तक पाइपलाइन का बिछाना

राज्य :	गुजरात	जिला: महसाना सालुका:		
गांव	सर्वेक्षण संख्या	<b>है</b> मटर	भार० पी०	म्रार•
<b>ग्र</b> रसोदिया	45		0 7	79
	44		0 9	51
	41		0 17	39
	वी० पी० कार्ट ट्रैक		0 1	11
	83		0 11	13
	87		0 4	05
	35	1	0 19	92
	88/1	ı	0 1	00
	<b>बी० पी० कार्द ट्रैक</b>		0 0	6 <b>9</b>
	34	•	0 14	46
	32		9 2	82
	31	(	1	00
	106	(	18	71

गांव	सर्वेक्षरा संस्था	हैक्टह	भ्रार० पी०	ग्रार०
	बी० पी० कार्ट ट्रैक	0	2	22
	130	0	4	0.5
	131	0	11	43
	162	0	12	14
	1 <del>6 3 /पेकी</del>	0	8	19
	1 6 3 ∕पेकी	0	12	34
	158	0	13	75
	157	0	1	00
	181	0	2	00
	182	0	5	06
	183	0	10	62
	179/1	0	19	62
	190	0	24	18
	189	0	8	29
	191	0	12	24
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	0	80
	192	0	29	84
	202/1/2	0	20	43

[संख्या 20/3/67-माई० म्रो० सी०/नेवर(6)]

का० मा० 1080 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हीता है कि लॉकहित में यह प्रायम्यक है कि गुजरात राज्य के कलोल क्षेत्र में जी० जी० एस० I से जी० जी० एस० V तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भ्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए भौर ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध श्रनुसूची में विंत भूमि में उपयोग का भ्रधिकार श्राजित करना श्रावश्यक है;

श्रतः श्रव, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रक्ष्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का श्रपना श्राशय एतव्द्वारा घोषित किया है ।

3. उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी० एण्ड एम० डिबीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस प्राधोग) के कार्यालय, बरौदा के पश्चिमी क्षेत्र, शेड नं० 27, मकरपुरा, रोड, सैण्ट्रल, वर्कशाप के सामने, बरौदा—4, को इस प्रधिस्चना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

# चनुसूची

जी०जी० एस० I से जी० जी० एस० V तक पाइपलाइन का बिछाना

राज्य : गुजरात		जिला : गांघीनगर		सालुका : गांधीनगर		
गांव	सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर	म्रार० पी०	<b>भार</b> ०	
भोयेन (रथ	ोडनी) 215/पेकी		0	14	16	
	2 1 5/ <del>पे</del> की		,1 2	94	0	
	216/पेकी		0	19	51	
	216 /पेकी		0	10	72	
	223/2		0	03	04	
	222/1		0	05	26	
	222/2		0	10	12	
	220		0	17	50	
	वी० पी० कार्ट ट्रैक		0	0	80	
	272/पे <del>फी</del>		0	13	95	
	272/पेकी <sup>-</sup>		0	14	46	
	270		0	1	00	
	271	•	0	10	72	
	275		0	5	66	
	276		0	24	58	
	280		0	16	69	
	299/1		0	9	41	
	299/2		0	27	11	
	<b>बी० पी० कार्ट ट्रैक</b>		0	1	41	
	317		0	11	13	
	316/1		0	21	85	
	316/2		0	12	54	
	328		0	15	06	
	329		0	22	26	
	334		0	7	26	
	338		0	1	0	
	330		0	6	20	
	333		0	24	68	
	341		0	10	62	
	343		0	10	42	
	342/1		0	1	61	
	342/4		0	10	42	
	342/3		0	10	12	
	352/1		0	12	14	

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार० पी	, घार०
	346/1 पेकी	0	17	80
	3 <b>4 6/ 1 पेकी</b>	0	5	86
	346/1 पे <b>की</b>	0	2	22
सरथा	1374	0	1	21
	1388	0	22	55
	1387	0	1	0
	1389 / 2	0	1	0
	1 3 9 0 / 2 /बी	0	13	85
	1 390/ 2/ए	0	10	12
	1394 / 1/ए	0	2	62
	1 39 4/ 1/बी	0	1	00
	1394/3 एएण्डवी	0	6	17
	1395/7	0	1	0.0
	1395/1	0	13	75⋅
	1395/4 पेकी	0	1	00
	1 3 9 5 / 4 पेकी	0	10	0 <b>0</b>
	1395/3	0	6	29
	1406	0	3	34
	1407	0	21	03
	1405/1	0	4	85
	1405 / 2ए	0	15	28
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	00
	1269	0	6	97
	1270	0	17	90
	1262	0	5	10
	1261	0	10	01
	1271/1	0	5	26
	1260	0	9	61
	1259	0	14	56
	1258/2	0	35	6 I
	1256	0	1	00
	वी० पी <b>०</b> कार्ट <mark>े</mark> ट्रैक	0	1	60
	1237	0	2	02
	1238/1	0	4	05
	1238/2	0	9	21
	1238/4	0	15	88
	1239/1	0	2	22

तालका : कलोल

का॰ भा॰ 1081.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि गुजरास राज्य क्षेत्र के कलोल क्षेत्र में जी॰ जी॰ एस॰ I से जी॰ जी॰ एस॰ V तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध भनुसूचीमें वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार भ्रजित करना भावश्यक है;

अतः श्रव, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का अर्थन ) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का श्रपना श्राणय एतद् द्वोरा घोषित किया है ।

3. उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी एण्ड एम डिवीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग) के कार्यालय, बरौदा के पश्चिमी क्षेत्र, शेड नं० 27 मकरपुरा रोड, सैण्ट्रल, वर्कशाप के सामने बरौदा—4, को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिण्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

राज्य: जगजरात

**धनुसूची** जी जी एस  $\, I \,$  से जी जी एस  $\, V \,$ तक पाइप लाइन बिछाना

जिला: मेहसाना

44.77		term o again				
गांव	सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर	ग्रार०	पी०मार०	
कलोल	252/312		0	1	01	
	252/311		0	16	89	
	252/309		0	7	28	
	252/308		0	1	00	
	252/307		0	8	39	
	2 5 2 / 3 0 6 पेकी		0	8	29	
	252/306 पेंकी		0	20	23	
	वी०पी० कार्ट ट्रैक		0	2	02	
	252/207/2		0	18	50	
	252/209/1		0	15	67	
	252/209/2		0	6	67	
	252/215/1		0	12	44	
	252/214		0	2	00	
	वी०पी० कार्ट ट्रैक		0	2	0.0	
	252/231		0	14	76	
	252/230/2		0	6	67	

गांव	सर्वेक्षण संख्य	<b>है</b> क्टर	भ्रार० पी०	भार०
	252/230/1		13	25
	195	0	16	69
	196	0	9	20
	177/1	0	8	00
	176/ <b>U</b>	0	16	27
	174/2	0	14	66
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	2	12
	72	0	7	68
	73	0	54	81
	57	0	1	00
	56	0	5	46
	58/2	, .	12	24
	58/1	0	9	51
	59	. 0	15	38
	वी० पी० कार्टं ट्रैक	0	2	00
	44	-0	14	36

[संख्या [ 20/3/67 माइ मो सी /लेबर (8)]

का० आ० 1082.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में जी० जी० एस I से जी० जी० एस० V तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों के विछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है;

श्रतः श्रव, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रष्टिकार का श्रर्जन) श्रिष्टिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तायों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रिष्टकार श्राजित करने का श्रपना श्राणय एत्र द्वारा श्रोणित किया है।

3. उका भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए भ्राक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी एण्ड एम डिवीजन (तेल भौर प्राकृतिक गैस भ्रायोग) के कार्यालय, बरौदा के, पश्चिमी क्षेत्र शेड नं० 27, मकरपुरा रोड, केन्द्रीय वर्कः शाप के पास, बरौदा -4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह भाइता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तियः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

धनुसधी

## जी० जी० एस० ${f I}$ से जी० जी० एस० ${f V}$ तक पाइपलाइन बिछाना

राज्य: गुजरात

जिला: मेहसाना तालुका: कलोल

गांब	सर्वेक्षण संख्या	<b>है</b> क्टर <b>्र</b> ्रे	भार०	पी०ग्रार
भोला	93	0	10	82
	1 0 1/ 1ए	0	17	19
	की० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	31
	91	0	23	06
	87	0	14	05
	88	0	13	85
	86/2	0	8	39
	86/1	0	12	74
	85/1	0	10	62
	85/2	0	1	00
	<b>वी०</b> पी० कार्ट ट्रैक	0	2	62
	128/3	0	10	62
	128/2	0	2	52
	1 2 8/1 पेकी	0	1	00
	131/3	0	2	00
	127	0	1	00
	1 2 8 / 1 पेकी	0	8	39
	132/2	0	9	11
	132/1	0	3	34
	131/1	0	6	47
	137	0	7	68
	133	0	1	51
	136/2	0	6	97
	136/1	0	10	62
	135	0	9	81
	141/1	0	1	00
	141/3	0	6	47
	142/1	0	5	76
	142/2	0	9	21
	144	0	2	02
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	21
	158/3	0	8	39

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार०पी०	भारo
भोला	153/9	0	10	82
	153/7 पेकी	0	1	51
	153/7 पेकी	0	1	00
	153/6	0	8	29⁄
	153/1	0	3	84
	153/5	0	3	64
	153/4	0	8	9-
	बी० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	70
	433/2	0	2	33
	434	0	21	94
	435	0	10	31
	<b>बी० पी० कार्ट ट्रैक</b>	0	4	5
	5 2 8 / 1 जी	0	8	99-
	527/2	0	21	35
	526/1	0	1	24
	527/3	0	3	00
	526/2	0	11	13
	$523/1 \times 2 \times 3$	0	11	92

[संख्या 20/3/67/--धाई म्रो सी/लेबर (9)]

कार बार 1083: यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में जी जी जी एस । I से जी जी जिए एक V तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है;

ग्रत: ग्रब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का ग्रज न) ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का ग्रपना भागय एतद् द्वारा घोषित किया है।

3. उका भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी एण्ड एम डिबीजन (तेल फ्रीर प्राकृतिक गैस) झायोग के कार्यालय, बरौदा के पश्चिमी क्षेत्र, गैंड नं० 27, मकरपुरा रोड, सैण्ट्रल, वर्कशाप के पास, बरौदा-4 को इस ग्रिधसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिण:

या किसी विधि व्यवसायी की मार्जन

**धनुसूची** जी०जी०एस० ${f I}$ से जी०जी०एस० ${f V}$ तक पाइप लाइन विछाना

राज्य । गु	अरात	जिला : मेहसाना		तालुका : 	कलाल
गांव	सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर	<b>भार० पी</b>	•भार०
इस्सदं	565		0	16	99
	567		0	22	0.5
	566		0	1	00
	568		0	9	41
	554/4		0	2	1 \$
	570/3		0	5	76
	570/5		0	8	39
	570/4		0	7	38
	553		0	14	56
	571/12		0	15	38
	571/11		0	10	0 1
	571/10		0	6	17
	571/1		0	6	17
	5 <b>71/2</b>		0	1	00
	बी० पी० केन		0	0	7 ሮ
	646		0	19	93
	647		0	13	04
	66 <b>6/पेकी</b>		0	11	93
	660/ पेकी		0	8	39
	664/4		0	4	25
	664/2		0	12	64
	663/1		0	19	11
	662		0	1	00
	674/1		0	18	20

[संख्या 20/3/67-माई मो सी/लेबर् (10)]

का० ग्रा० 1084.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि लोकहित में यह ग्रावश्यक है कि गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में जी ० जी० एस० I से जी० जी० एस V तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल ग्रीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ग्रीर ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध मनुसूची में विणित भूमि ग्रीर उपयोग का ग्राधिकार ग्राजित करना मावस्थक है;

स्रतः स्रवः, पैट्रोलियन पाइन लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का स्रर्जन) प्रिज्ञिनयम, 1962 (1962 का 50) की बारा 3की उनधारा (1) द्वारा प्रदेत मितियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उनयोग का स्रधिकार खर्जित करने का झनता खाशय एनइद्वारा चौषित किया है।

3. उना भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी० एण्ड एम० डिबीजन (तेल भौर प्राकृतिक गैस भायोग) के कार्यालय बरौदा के पिचमी क्षेत्र, शेड नं० 27 मकरपुरा रोड, सैण्ट्रल वर्कशाप के पास बरौदा—4 को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति शा हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

**धनुस्वी** जी० जी० एस० I से जी० जी० एस० V तक पाइप लाइन बिछाना

राज्य : गुज	रात जिस	रा : मेहसाना	तालुका : कलोल		
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	म्रार० पी	०ग्रार०	
सेज	779	0	9	31	
-	780	0	13	25	
	782	0	21	95	
	785	0	6	77	
	784	0	6	17	
	776	0	12	34	
गांव सैज क	ा थी० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	00	
	587	0	34	08	
	585/1-3	0	13	24	
	586/2	0	3	24	
	586/1 पेकी	0	5	16	
	586/1 पेकी	0	4	15	
	586/ 1 पे <del>की</del>	0	3	44	
	561/1	0	5	76	
	561/4	0	11	16	
	561/6	0	3	44	
	561/8	0	1	00	
	561/10	0	3	04	
	गांव पंचायत सैज का वी० पी०ी	हार्ट ट्रैक 0	1	00	
	471/2	0	4	35	
	471/1	0	20	33	
	472/ <b>4</b>	0	28	02	

गांव	सर्वेक्षए संख्या	<del>हैक</del> टर	श्रार० पी	भार
	472/5	0	6	97
	462	0	24	43
	463/1	0	4	25
	455	0	1	00
	456/2-11	0	11	23
	456/1-6	0	5	06
	456/1-5	0	4	65
	453/4	0	13	55
	453/5	0	8	49
	453/2	0	2	00
	453/1	0	12	75
	452	0	7	28

## [संख्या 20/3/.67-म्राई म्रो सी/लेबर (11)]

का गा 1086.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक, है कि गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में जी जी एस II से मेन कलक्टर लाइन तक पैट्रोलियमं के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल और प्राष्ट्रतिक गैस आधोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार आजित करना आवश्यक है;

श्रतः, श्रव, पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्विधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 को 50) की घारा 3 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोगः करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपना झाशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

3. उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी० एण्ड एम० डिबीजन (तेल ग्रौर प्राकृतिक गैस ग्रायोग) बरौदा के कार्यालय, बैस्टर्न रीजन. गैंड संख्या 27, मकरपुरा रोड़ (सैन्ट्रल विकंशाप क पास), बरौदा—4 को इस ग्रिधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिटत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फतहो ।

**प्र**नुसूची

जी० जी० एस०  $\mathbf{I}_{I}$  से मेन कलक्टर तक पाइप लाइन (फीडर लाइन) विछानेहेतु

राज्य: गुजरात		तालुका : कलोल	जिला : महेसाना		
गांव	सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर०	भार०	पी म्रार
सैंज	712/ए पेकी		0	28	0
	730		0	18	58
	729		0	5	26
	728/1		0	0	50
	<b>7</b> 3 5 <b>/पै</b> की		0	1	41
	7 3 5 <b>/पैक</b> ी	•	0	5	11
	7 3 5 <b>/पैकी</b>		0	5	11
	736		0	5	38
	737/1		0	1	50
	737/2		0	1	25
	737/3		0	2	03
	738/ <del>पैकी</del>		0	3	10
	738/पैकी		0	2	55
	7 3 8 <del>/ पैकी</del>		0	3	48
	739		0	4	95
	740		0	11	13
	741/2		0	4	19
	741/3		0	4	37
	741/4		0	3	94
	वीपी ौर्ट ट्रैक			0	70
	812/1		0	8	70
	811		0	8	35
	<b>812</b> /1/5		0	10	55
	812/1/4		0	6	07
	812/1/7		0	0	50
	812/1/8		0	22	84
	809/7		0	4	53
	089/6		0	1	00
	813		0	10	9.6
	814		0	6	12
	815		0	1	95
	816		0	2	12
	817		0	2	12

का॰ आ॰ 1087.-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक .है कि गजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में कुग्रा संख्या 106 (के० एच० एन०) के व्यवन स्थलों से जी जी एस<sup>6</sup> तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल और प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का भ्रधिकार भ्रजित करना भ्रावश्यक है ;

म्रतः, मन, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतवृद्वारा घोषित किया है ।

3: उक्तभूमि में हितबद कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी , सी एण्ड एम डिबीजन (तेल और प्राकृतिक गैस ग्रायोग), बरौदा के कार्यालय नैस्टेन रीजन, शैंड संख्या 27, मकरपुरा रोड (सैप्ट्रल वर्कशाप के पास), बरौदा-4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह जाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

ग्रनुसूची कूमां संख्या 108 (के० एच० एन०) से जी जी एस 6 तक पाइपलाइम

राज्य :	गुजरात	जिला:	मेहासन	ा तालुका	ाः म	<b>जडी</b>
गांव		सर्वेक्षण संख्या	<b>है</b> क्टर	<b>भा</b> र०	पी०	भार
<b>बदा</b> सन	<b>7</b> 5/1 पेक	 ነ		0	1	18
	75/1 पेर्क	t		0	8	75
	75 / 1 पेकी			0	0	50
	77/वेकी			0	5	68
	77 <sup>/</sup> पेकी			0	3	04
	77ं/पेकी			0	7	43
	78/1			0	0	50
	82/2			0	10	03
	<b>7</b> 9/पेकी			0	4	65
	79ं/पेकी			0	5	24
	80			0	4	90
	वी पी रोड			0	2	37
	36/2			0	3	16
	36/1			0	3	23
	33			0	1	01
	34 पेकी			0	3	49
	34 पेकी			0	2	59

गोव	<b>स रेंक्ष</b> ण संख्या	<b>हैक्टर भा</b> र	पी०	मार०
	35	0	7	78
	24	0	6	75
	25	0	1	00
	26/1	0	2	02
i	26/2	0	7	43
	27/1	0	1	70
	<b>बी पी कार्ट ट्रैक</b>	0	1	34
	16	0	3	16
	15	0	8	36
	14/1	0	10	85
	14/2	0	10	32

[संख्या 20/3/67-आई मो सी/लेबर (14)]

का० आ० 1080:--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में सी सी एफ से कुआं संख्या 80 साइड तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल और प्राकृति गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक हैं;

श्रतः, श्रब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश्च शक्तियों का प्रयोग करते हुए। केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रिजत करने का श्रेपना श्राणय एतद्द्वारा घोषित किया है।

3. उस्त भू... हित बद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी एण्ड एम डिकीजन (तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग) बरौदा के कार्यालय बैस्टर्न रीजन, गैड पड़्या 27 मकरपुरा रोड (सैण्ट्रल वर्कणाप), बरौदा—4 को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह वाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिणः हो या किसी वि धि व्यवस्थिति मार्फत।

## **श्रनुस**ूची

👚 सीटी एक (म ('क क र ल ई.') 🏻 कुप्रांसंख्य/ 80 स.इ. ड तक			फीडर ल	াহ্দ-ৰিন্তা	ने हेतु
राज्य:	<b>गुज</b> रात	ता <b>लु</b> काः	कलौल	जिला:	मेहसाना
गांव	सर्वेक्षण संख्या		<b>है</b> क्टर	भार०	पी <b>ं भा</b> र <i>•</i>
यानज	8		0	13	09
,	गांव धानज का वी पी कार्ट ट्रैक	t	0	1	21: 
	1 4		0	4	43

गांव	सर्वेक्षरा संख्या	है <i>भ</i> ट र 	भार प	ी भार
सज	963	0	31	55
	953	0	17	18
	955/2	0	3	61
	955/1	0	16	12
	952	0	12	56
	712/ए पेकी	0	24	20
	712 (वीपी कार्ट ट्रैक)	0	4	95
	7 1 2 ∕ पेकी /ए	0	16	25
	892/9	0	3	25
	892/6	0	4	77
	892/8	0	4	95
	892/7	0	5	06
	893	0	7	08
	19 (बी गी कार्ट ट्रैक)	0	1	04
	850	0	4	17
	851	0	11	58
	852	0	9	20
	853	0	8	69
	854	0	6	97
	840	0	10	98
	839	0	33	97
	821 वीपी कार्ट ट्रैक	0	1	58
	·	0	0	80
	815	0	4	80
	816 817	0	11	52
	818	0	9	38
	814	0	1	58
	798		12 9	83
<b>.</b>		0		95
सैरया	1181/1	0	5	26
	1 1 8 1 / 2 / <b>बेकी</b>	0	23	63
	1 1 8 1 / 2 /पेकी	0	6	58
	1 1 9 1 /पेकी	0	12	44
	1191/पेकी	0	1 -	83
	1192	0	7	22
	1193/1/2	0	9	91
	1219	0	5	06

गांव	स <b>र्वेक्ष</b> रण संख्या	हैंक्टर	भ्रार	भी आर
	1218/2 ए	0	1	0 %
	1221	0	18	Θ •
	1222/2	θ	18	23
	1223	0	1	46
	1224	0	31	43
	1234/4	0	3	37
	1237	0	6	43
	1236	0	10	34

[संख्या 20/3/67-भाई यो सी/लेबर (15)]

#### नई दिल्ली, 31 मार्च 1969

का॰ ग्रा॰ 1461 —यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्रधिकार का ग्रर्जन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधिन भारत सरकार के पैट्रोलियम ग्रीर रसायन मंत्रालय की ग्रिधिसूचना का॰ ग्रा॰ सं० 404 तारीख 17-1-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रिधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के ग्रिधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रिजित करने का ग्रपना ग्राशय घोषित कर दिया है ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

अौर यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्नः अनुसूचों में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है ।

श्रव, यतः, उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्दारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न, श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्स भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रिजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बंजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गंस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को, निहित होगा।

# धनुसूची कुआं संख्या के 80 से जीजी एस 2 कि पाइपलाइन विकास

राज्य:	गुजरात	जिला : मेहसाना	ता	लुका: कलोल
गांव	सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर	मार पीमार
	1215		0	10 25

#### नई दिल्ली, 10 श्रप्रैल, 1969

का॰ मा॰ 1462.——यत:, पैट्रोलियम , पाइप ल इन (भूमि के उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रौर रसायन मंत्रालय की श्रधिसूचना का॰ श्रा॰ सं० 729 तारीख 6—2—69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रजित करने का श्रपना श्राशय घोषित कर दिया है।

ग्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है ।

श्रीर यतः केन्द्रीय । सरकार ने उक्त स्पिटिं पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इम अधिमूचना से संलग्न अनुमूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैरा यायोग में, सभी विलगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**धनुसूवी** (त्री यू०—10 एन डी० —4 स<sup>े</sup> जी जी एस 11 तक पाइप लाइन बिछाना)

राज्य : गुजरात	ा जिला : कैरा	ता <b>लु</b> काः	मात	₹ .
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भार	पी म्नार
कठवाडा	697	0	10	12
	682	0	14	16
	684	0	7	98
	677	0	6	5 <b>3</b>
	685	0	6	71
	888	0	5	76
	बी पी रोड	0	0	75
	407	0	2	59
	405	0	13	04
	388	0	2	77
	387	0	7	80
	379	ũ	2	11
	380	0	5	27
	381/2	0	5	06
	381/1	0	0	23
4	3 <b>82</b> /पी	O	4	46

गांव		सर्वेक्षण संख्या	ह <b>ैक्ट</b> र	ग्रार	पी श्रार
	372/1		0	0	5 5
	372/3		0	0	3 5
	372/2	•	0	5	4
	371/3	-	0	0	33
	370/1		0	4	7
	138		0	8	0 9
	144/2		ð	9	4:
	148		0	5	93
	147/3		0	3	3 :

[सं॰ 29/7/68-म्बाई भ्रो सी/ लेबर (1)]

ा। श्रा॰ 1463.— यतः नैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठिकार का मर्जन) मिश्रिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की भ्रष्ठिसूचना का॰ श्रा॰ स॰ 724 तारीख 6-2-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए भ्रिजित करने का अपना भ्राग्न भ्रोष्टित कर दिया है।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दें दी है।

भीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रर्जित करने का विनिध्चय किया है।

अब, यत:, उन: प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक कैस आयोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## **प्रनुत्**ची

19,20 श्रौर 21 से जी जी एस-11 तक पाइप लाइन विछाना

राज्य: गुजरात ।जला: करा		भातर		
सर्वेक्षण संख्या	हैबटर	भार	पी म्रार	
सड़क/ 190/2 पी	0	0	53	
190/2	0	2	<b>7</b> 5	
165/2	0	18	14	
165/1	0	8	09	
	सर्वेक्षण सं <b>ख्या</b> सड़क/ 190/2 पी 190/2 165/2	सर्वेक्षण सं <b>ख्या</b> हैनटर सड़क/190/2 पी 0 190/2 0 165/2 0	सर्वेक्षण संख्या हैनटर आर सड़क/190/2 पी 0 0 190/2 0 2 165/2 0 18	

तालुका : मातर

राज्य:

गुजरात

ला० ग्रा० 1464.—यतः,पैट्रोलियम,पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिक्षकार का अर्जन) श्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की श्रिष्ठिसूचना का० थ्रा० त० 725 तारीख 6-2-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपधोग के श्रिष्ठिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोग के लिए श्राजित करने का श्रपना श्राशय घोषित कर दिया है।

श्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

श्रौर यतः केन्द्रीय सरकार ने उन्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीजित करने का विनिध्चय किया है ।

श्रव, यतः, उनत श्रधिनियमं की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के अजाय तेल भौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची
(बी भार से बी डी ई 29 तथा जी जी एत 11 तक पाइप लाइन बिछाना)

जिला: कैरा

गां <b>य</b>	सर्वेक्षण संख्या	<b>ફૈ</b> क्टर	भार	पी भार	
काठवाडा	292/3	0	8	53	
	बी पी रोड	0	1	41	
	247/1	0	5	799	
	248/3	0	5	06	
	250	0	2	56	
	253	0	10	66	
	255/2	0	5	79	
	256	0	8	43	
	258	0	15	39	
	170	0	5	86	
	169	0	5	46	
	168/1	0	1	23	
	144/6	0	0	10	
	145/2	0	1	11	
	145/1	0	3	24	

गांव	सर्वेक्षण संख्या	ह्यस्य	श्राप्त प	. —— ग्रीधार ———
	146	0	4	05
	147/2	0	1	81
	1 4 7 / 3	0	1	57

[सं० 29/7/68-माई म्रो सी/लेबर (3)]

ा॰ आ॰ 1465.—यतः, पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिक्षिकार का श्रर्जन) श्रिवित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंद्रालय की श्रिविस्ताना का॰ श्रा० स॰ 726 तारीख 6-2-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिवस्त्वना से संलग्न श्रनुस्ची में विनिद्धिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिविकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रिजित करने का श्रपना श्राणय घोषित कर दिया है।

श्रीरयतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकारको रिपोर्ट दे दी है।

श्रौर, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रक्षिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रिधकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, यतः उन्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्रजित किया जाता है श्रौर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाणन की इस सारीख को निहित होगा ।

ं भ्रतुसूची (बी 4 से जी जी एस 11 कह पाइव लाइन विद्याना)

राज्यः गुजरात जिलाः भैरा		ता	तालुका : मातर		
गांब	सर्वेक्षण संख्या	<b>है</b> क्टर	भ्रार	पी <b>म्रा</b> र	
काठवाडा	133	0	12	19	
	134	0	9	44	
	135	0	6	65	
	150	0	7	08	
	144/1	0	0	86	
	148	0	1	92	
	1 4 9/ 1	0	3	39	
	149/2	0	3	42	
	147/3	0	2	70	

1601

तालुका : मातर

का० ग्रा० 1466.—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्रधिकार का ग्रर्जन) ग्रिधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की जपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पैट्रो-लियम श्रौर रसायन मंत्रालय की ग्रधिसूचना का० ग्रा० सं० 727 तारीख 6-2-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रजित करने का ग्रथना ग्राग्य घोषित कर दिया है।

Sze. 3(ii)]

राज्य : ग्जरात

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चास इस श्रक्षिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोगका श्रिधकार श्रिजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस ग्रिधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विळाने के प्रयोजन के लिए एतदहारा अजित किया जाता है श्रौर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस शोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**धनुसूची** 

जिला: कैरा

ı	( 39 बी क्यू	से जी जी	एस 1	1 तक पाइप	लाइन बिछाना)

गांव	सर्वेक्षण संख्या	<del>है</del> क्टर	भ्रार	पी स्नार -
काठवाडा	120	0	0	92
	121	0	1	3 1
	119	0	13	48
	118	0	1	13
	123	0	7	24
	159	0	12	26
	258	0	18	47
	157/2	0	13	83
	156	0	19	50
	166	0	4	60
	165/1	0	1	4 1
	167	0	19	5 (

का० ग्रा० 1467.—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्रधिकार का ग्रार्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की ग्रधिसूचना का० ग्रा० त० 72 तारीख 6—2—69 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रींजिस करने का ग्रपना ग्राह्म घोषित कर दिया है।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा  $\hat{k}$  6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी ह

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्स रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीष्ठकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, यतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रजित किया खाता है श्रीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## मनुसूची

जिला

राज्य : गुजरात

(बी॰ सी॰-45 और जी॰ डी॰ बी॰ डी॰ एफ॰-38 से जी॰ जी॰ एस॰ II तक पाइप लाइन विकाना)

कैरा

गांव	सर्वेक्षण संख्या	<b>हैक्ट</b> र	म्रार	पी	मार
काठवाडा	152/2	0	19		98
	127	0	7		58
	151/1	0	12		79
	151/2	0	4		05
	152/1	0	1		91

[सं॰ 29/7/68-माई॰ ग्री॰ सी॰/लेबर (6)]

तालका

मातर

का० 1468.--यतः पैट्रोलिबस, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रर्जन) सिंधितियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंद्रालय की श्रिष्ठसूचना का० आ० सं० 407 तारीख 17--1-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीष्ठसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित्व भूमियों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइप लाइनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए श्रुजित करने का श्रपना श्राग्रय घोषित कर दिया है।

श्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है ।

श्रम, यतः उनत श्राधिनयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रथल शिवत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उवत भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा श्रीजत किया जाता है श्रीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उवत भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारी का निहित होगा।

**ग्रनुसूची** (जी० जी० एस० 1 से सी० टी० एफ० तक कलक्टर पाइप लाइन विछाना)

राज्य: गुजरात			तालुका:	मातर	
सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर	भार	पी -	भ्रार}
863		0	25		89
859/2		0	0		62
बी० पी० रोड		0	2		51
161		0	0		55
162/ <b>3</b>		0	7		61
1 6 3/ए/ 5		0	1		49
157		0	1		76
154		0	11		04
155		0	13		32
186		0	4		26
1000		0	15		99
999/2		0	0		87
998/4]		0	3		04
998/1		0	0		40
998/5]		0	1		27
998/3		0	9		14
998/2]		0	7		48
995/2		0	0		78
996		0	7		42
993		0	0		44
992/1		0	6		09
992/2		0	9		90
986		0	1		20
989		0	9		58
988		0	3		52
	सर्वेक्षण संख्या  863 859/2 बी॰ पी॰ रोड 161 162/3 163/ए/5 157 154 155 186 1000 999/2 998/4 998/4 998/5 998/3 998/3 998/2 995/2 996 993 992/1 992/2 986 989	सर्वेक्षण संख्या  863 859/2 बी० पी० रोड 161 162/3 163/ए/5 157 154 155 186 1000 999/2 998/4 998/4 998/1 998/5 998/3 998/3 998/2 998/2 996 993 992/1 992/2 986 989	सर्वेक्षण संख्या हैस्टर  863 0 859/2 0 बी॰ पी॰ रोड 0 161 0 162/3 0 163/ए/5 0 157 0 154 0 155 0 186 0 1000 0 999/2 0 998/4 0 998/1 0 998/1 0 998/5 0 998/2 0 998/2 0 998/2 0 998/2 0 998/2 0 998/2 0 998/2 0 998/2 0 998/3 0 998/2 0 998/2 0 998/3 0 998/2 0 998/8 0	सर्वेक्षण संख्या हैस्टर मार  863 0 25  859/2 0 0  बी॰ पी॰ रोड 0 2  161 0 0  162/3 0 7  163/ए/5 0 1  157 0 1  155 0 13  186 0 4  1000 0 15  999/2 0 0  998/4 0 0  998/5 0 0  998/5 0 0  998/7 0 0  998/8 0 0  998/8 0 0  998/8 0 0	सर्वेक्षण संख्या हैंबटर धार पी  863 0 25  859/2 0 0  बी॰ पी॰ रोड 0 2  161 0 0  162/3 0 7  163/ए/5 0 1  157 0 1  154 0 11  155 0 13  186 0 4  1000 0 15  999/2 0 0  998/4 0 0  998/4 0 0  998/5 0 0  998/3 0 9  998/2 0 0  998/2 0 0  998/2 0 0  998/2 0 0  998/3 0 9  998/2 0 0  998/2 0 0  998/2 0 0  998/2 0 0  998/2 0 0  998/3 0 0  998/2 0 0

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	श्चार पी	ग्रार
नवागांव	970/1	0	17	42
	971/2	0	3	81
	971/1	0	0	36
	974	0	13	15
	973	0	20	93
	963	0	0	60
	962	0	9	42
	957/2	0	0	75
	964	0	9	41
	956	0	3	62
	955	0	9	81
	954	0	16	03
	880	0	24	38
	879	0	25	64
	872	0	14	91
	871	0	17	52
	वी पी रोड	0	2	66
	870	0	6	09
	869	0	5	41
काठवाडा	456	0	9	66
	457	0	2	18
	458	0	8	91
	4 5 5/पी	0	6	97
	305/1	0	6	07
	<b>4</b> 55/पी	0	13	58
	305/2	0	6	85
	305/4	0	10	29
	304/1	0	0	<b>5</b> 5
	304/2	0	7	43

[सं० 29/7/68-आई० भ्रो० सी०/लेबर (7)]

्रा० आ० 1469 — यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (मूमि के उपयोग के भ्रधिकार का भ्रजंन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम भ्रौर रसायन मंत्राजय की भ्रधिसूचना का० भ्रा० सं०723 तारीख 6-2-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रधिसूचना में संलग्न भ्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के श्रधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रीजत करने का ग्रपना श्राशय घोषित कर दिया है।

श्रीर यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तालका: मातर

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चातु इस प्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार श्रर्जित करने का विनिश्चिय किया है।

श्रव, यतः उन्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसदहारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्रजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती हैं कि उवत भिमयों में उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

**ग्र**तुस्ची (बी० ए० एफ०-14 से जी० जी० एम०-11 तक पाइप लाइन क्षिष्ठाना) जिला : कैरा

गजरात

राज्य

			5	
गांब	सर्वेक्षरा संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी म्रार
काठवाडा काठवाडा	271/1	0	2	80
	271/2	0	0	27
	275	0	0	23
	268/2	0	3	34
	267/2	0	1	76
	267/1	0	4	31
	266/2	0	5	79
	351/4	0	3	34
	260	0	3	12
	143	0	19	68
	144/6	0	0	50
	138/3	0	0	14
	144/5	0	5	57
	146	0	0	60
	147/2	0	1	36
	147/1	0	1	42
	147/3	0	3	04

[सं० 29/7/68-माई० म्रो० सी०/लेबर (8)]

श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रो-लियम श्रौर रसायन मंत्रालय की श्रधिसूचना का० ग्रा० सं० 405 तारीख 17-1-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसुचना से संलग्न ग्रनसूची में विनिर्दिष्ट भिमग्रों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का ग्रपना ग्राशय घोषित कर दिया है।

तालकाः कार्यः

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी  $\stackrel{?}{R}$  ।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संसन्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, यतः उक्त श्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में बिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा श्राजित किया जाता है श्रीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विद्रित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची (जी जी एस संख्या 2 से टर्निंग प्वाइंट के 2 के पास अंकशन प्वाइंट तक पाइप लाइन विक्राता)

जिला । औरा

<b>है</b> क्टर श्र	ार ¶ीम्रार
0.	
	4 19
0	4 22
0	• 92
o	8 37
0 1	.1 64
0	0 45
<b>9</b> 1	4 86
0 1	5 24
e	9 52
0	0 36
0	0 45
o	2 92
0	2 32
0	3 49
0	3 30
o	4 27
0	1 75
0 2	1 63
0 1	0 48
0 1	2 23
0	3 04
	0 0 0 1 0 1 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0

गांव	सर्वेक्षण संबग	<b>हैक्ट</b> र	श्चार प	ो प्रार
———— काठवाडा	वी पी रोड	0	4	57
	289	0	7	79
	288/3	0	0	41
	269/3	0	6	74
	290	0	10	12
	294/2	0	4	41
	294/3	0	3	81
	295/1	0	11	43
	295/2	0	9	76
	300/6	0	6	62
	300/7	0	0	75
	300/5	0	27	40
	308/5	0	12	94
	308/4	0	13	15
	306/1	0	0	83
	306/2	0	1	63
	306/3	0	4	46
	रोड	0	7	24
	305/2	0	3	<b>62</b>
	305/1	0	3	85

[मं० 29/7/68-आई ग्रो सी/लेबर (9)]

# नई दिल्ली, 16 म्रप्रैल, 1969

का॰ आ॰ 1588.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में कलोल तेल क्षेत्र में जी जी एस 4 से मुख्य कलक्टर लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए श्रौर ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपावढ श्रनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रिषकार भिजत करना श्रावश्यक

श्रतः स्रब, पैट्रोलियम पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनिवम, ' 962 (1962 का 50) की घारा 3 की अपधारा (1)द्वारा प्रदक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रर्जित करने का श्रपना श्राग्य एतद्द्वारा घोषित किया है।

3. उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाईन विछाने के लिए श्राक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, सी० एण्ड एम० डिबीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग) के कार्यालय, बरौदा के पश्चिमी क्षेत्र, शेड नं० 27, मकरपुरा रोड, केन्द्रीय वर्कणाप के पास बरौदा-4 को इस श्रिष्ठसूचना की तारीज से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

श्चनुत्र ही

(जी० जी० एस० 6 से मुख्य कलक्टर लाइन तक पाइप लाइन बिछाने के लिए)

राज्य : गुजरात

जिला : मेहमाना तालुका : कलोल

मांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी भ्रार
कंलोल	251/40	0	10	99
	251/38	0	5	86
4.5	251/35, 36	0	17	22
	251/34	0	0	50
	251/33	0	12	43
	251/32	0	19	82
1	251/10	0	I	0
	251/11	0	9	29
	251/13	0	7	88
	251/12	0	16	77
•	251/1/2	0	1	0
	252/25	0	24	32
	252/24	0	1	00
	252/26	0	2	22
	252/23	0	16	44
	252/22	0	3	62
	252/30	0	27	31
	252/61	0	8	5 6
	252/66	0	19	0.0
	252/67	0	2	1 (
	252/69	0	3	70
	252/68	0	19	. 42
	बी० पी० कार्ट ट्रैक कलोल गांव	0	5	1 6
	215	0	16	85
	214	Ð	22	:
	252/223 <b>/</b> पी	0	10	68
	252/223/पी	0	4	2'
	252/223/पी	0	21	4
	252/22 <mark>3/</mark> पी	0	11	7
	252/225	0	4	6
	252/228	0	12	6
	252/230 पेकी	0	10	3
	252 <sup>/</sup> 230 पेकी	θ	3	4

गांव	मर्वेक्षण संख्या	ह्कटर	ग्रार	पी <b>ग्रा</b> र
ध मासन	894	0	4	64
	898	0	14	76
	899	0	7	05

[संख्या 20/3/67 श्राई श्रो सी लेबर (1)]

तालुका: काडी

का॰ मा॰ 1589 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक हैं कि गुजरात राज्य में कलोल तेल क्षेत्र में जी॰ जी॰ एस० 6 से कुआं संख्या 90 (के॰ बी॰ एस) तक पैट्रोलियम के पिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध भ्रनुसूची में विणित मूमि में उपयोग का श्रिष्टकार श्रीजत करना भ्रावश्यक है

श्रतः स्रव, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपकांग के ग्रिधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रर्जित करने का श्रपना श्राशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

3. उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीच पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी सी एण्ड एम डिवीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग) के कार्यालय बरौदा के पिचमी क्षेत्र गड नं 27 मकरपुरा रोड सैण्ट्रल वर्कणाप के पास बरौदा-4 को इस श्रिधसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा आक्षेप करके वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यसवसायी की मार्फत।

**ग्रनुस्**ची जी० जी० एस० 6 कुग्रां संख्या 90 (के० बी० एस०) तक पाइप लाइन **बि**छाना

राज्य: गुजरात

जिला: महसाना

हैक्टर गांव सर्वेक्षण संख्या श्रार पी म्रार ĭ जुलासन 557 0 41 558/1 तथा 558/श्रो 0 59 **558**/ए 0 37 बी० पी० कार्ट रोड 0 2 82 559/1 0 25 36 559/2 0 6 27 चादासन 411 0 90 416 0 18 21

गांव	स <b>र्वेक्षण सं</b> ख्या	ह <b>ैक्ट</b> र	भ्रार	पी म्रार
	343	0	15	98
	342	0	22	04
	357	0	7	07
	358	0	6	17
	359/1	0	8	02
	<b>वी०</b> पी०			
	रोड	0	2	1 2
	312	0	16	98
	301	0	1	0.0

[संख्या 203/67-माई मो सी /लेबर (2)]

का० आ० 1590 — यतः केन्द्रीय सरकार तो यह प्रतीत होता कि लोकहित में बहु आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कलोल तेल क्षेत्र में कुआ संख्या अ8 (के० एच० सी०) से जो जी०एस 6 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग हारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रिष्ठिकार श्रिजित करना श्रावण्यक है;

श्रतः, श्रवः पट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्नीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का भ्रपना ग्राणय एतद्दारा घोषित किया है।

3. उन्स भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी सी एण्ड एम डिवीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग) के कार्यालय बरोदा के पित्रचमी क्षेत्र गैंड नं० 27, मकरपुरा रोड संण्ट्रल वर्कणाप के पास बरोदा 4 को इस ग्रधिसूचना की तारीख मे 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: बह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की भार्फत।

## **ग्र**नुसूची

कुमां नंख्या 98 (के॰ एच॰ पी॰) से जी॰ जी॰ एस॰ 6 तक पाइप लाइन बिछाने के सिये

राज्य : गुजरात

जिला : महसाना

तालुका : कलोल

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भार	पी ग्रार
पंसार	111/2	0	3	74
	111/2 112/6	0	18	21
	112/5	0	5	16
	112/4	0	4	65

गांव	सर्वेक्षण संख्या	<b>है</b> क्टर	भार	पी <b>ग्रा</b> र
	112/3	0	4	75
	112/1	0	7	48
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	0	45
जुलासन	वी पी कार्ट ट्रैक	0	0	45
-	535/4	0	3	74
	535/5	θ	3	24
	535/3	0	1	21
	535/2	0	3	24
	535/1	0	3	52
	536/5	0	5	26
	536/1	0	4	05
	536/4	0	2	00
	557	0	12	14

[मंख्या 20/3/67/श्राई ० श्रो० सी०/लेखर (37)]

का आ 1591:—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में कलोल तेल क्षेत्र में कुश्रां सख्या 99 (के ० एच० एम०) से जी० जी० एस० 6 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भ्रायोश द्वारा बिलाई जानी चाहिए। और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद द्वारा भ्रनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रीधकार भ्रजित करना भ्रावश्यक है;

श्रतः श्रव पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजंन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त शवितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपना श्राग्य एतद द्वारा घोषित किया है।

3. उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षप सक्षम प्राधिकारी, सी० एस० एम० डिबीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग) के कार्यालय बरोदा के पश्चिमी क्षेत्र शैंड नं० 27 मकरपुरा रोड सैण्ट्रल वर्कशाप के पास बरोदा-4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

श्रनुसूची
कुधां संख्या 99 (के॰ एच॰ एस॰) से जी॰ जी॰ एस॰ 6 तक पाइप लाइन बिछाना के लिये
राज्य : गुजरात जिला : महसाना तालुका : काडी

नांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	म्रार	पी म्रार
<b>जुला</b> सन	626/1	0	3	24
-	626/1 626/2	0	8	09
	562	0	11	63

गांव	सर्वेक्षण	हैकटर	ग्रार	पी द्यार
	560	0	9	51
	षी पी कार्ट ट्र <del>ै</del> क	0	0	80
	558 ए	0	3	24
	558 <b>बी तथा 558/1</b>	0	8	5 <b>9</b>
	557/1	0	1	41

[सख्या 20/3/67-माई० घो० सी०/सेवर (4)]

का० मा० 1592:—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कलोल तेल क्षेत्र में कुआं संख्या 103 (के. एच० श्रार०) से जी० जी० एस० 6 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए शौर ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ए₁द्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रविकार श्रजित करना श्रावश्यक है;

ग्रतः श्रव पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का ग्रर्जन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का ग्रधिकार ग्राजित करने का श्रपना श्राशय एतद् द्वारा घोषित किया है ;

3. उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी सी० एण्ड एम० डिवीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग) के कार्यालय, बरोदा के पिच्चमी क्षेत्र भैंड नं० 27 मकरपुरा रोड सैन्ट्रल वर्केशाप के पास बरोदा-4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनाई व्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

## **ग्रनुसची**

कुन्नां संख्या 103 (के० एच० न्नार०) से जी० जी० एस० 6 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात

जिला : महसाना

तालुका: काडी

गांव	सर्वेक्षण संख्या	<del>हैक</del> ्टर	म्रार	पी म्रार
चदासन	416	0	16	89
जुलासन	536/1	0	5	46

का॰ मा॰ 1593.—यतः केम्ब्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह मावश्यक है कि गुजरात राज्य में कलोल तेल क्षेत्र में कुथां संख्या 46 (के॰ सी॰ ए॰) से 99 (के॰ एच॰ एस॰) तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाब द अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रिकार भजित कारना आवश्यक है;

श्रतः श्रव पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का श्रर्जन) ग्रधिनियम, 1962 र्ष 1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रधिकार श्रजित करने का श्रपना ग्राशय एतद्वारा घोषित किया है।

3. जक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी सो० एण्ड एम० डिजीजन (तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग) के कार्यालय बरोदा के पश्चिमी क्षत्र शैंड नं० 27 मकरपुरा रोड केन्द्रीय वर्कशाप के पास बरोदा 4 को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसाय की मार्फत।

#### ग्रनुसुची

कुआं संख्या 46 (के० सी० ए०) में कुआं संख्या 99 (के० एव० एस०) इन तक पाइक लाइत बिछाने के लिए

राज्य: गुजरात

जिला: महसाना

तालुका:काडी

गांब	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भार	पी <b>भार</b>
<u>-</u> बलासन	955	0	7	21
	954	0	5	06
	953	0	6	33
	959/1	0	4	3
	960	9	8	8
	961	0	23	5
	वी० पी० कार्ट हैक	0	1	1
	664/2	0	13	6
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	0	5
	657/1	0	17	2
	635	0	11	9
	616/3	0	1	6
	616/1 सथा 2	0	12	8
	629/2	0	11	7

## नई दिल्ली, 22 मप्रैल 1969

का० भा० 1595.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठिकार का अर्जन) सिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रीर रसायन मंद्रालय की श्रिष्ठसूचना का० ग्रा० सं० 193 तारीख 4-1-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिष्ठसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइफ लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रीजिस करने का श्रपना श्राणय घोषित कर दिया है।

ग्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से सं लग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रुजित करने का विनिश्चिय किया है ।

श्रव यतः उन्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवेश शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्टउक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा श्राजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश सेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में सभी विर्लंगमों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भ्रनु**स्**ची केवल 2 ए से प्लेर पाइनट तक पाइप लाइन ब्रिफाना

राज्य: गजरात

गांव	सर्वेक्षण संख्या	ह <mark>ै</mark> क्टर	ग्रार	पी श्रार
इ न्डरेडा	107	0	7	48

जिला : गांधी नगर

[सं॰ 20/3/67-माई॰ भ्रो॰ सी॰/लेबर]

तालका : गांधी नगर

## नई दिल्ली, 12 मई 1969

का॰ आर॰ 1926.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठिकार का धर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की श्रिष्ठित्तम का॰ ग्रा॰ सं॰ 1079 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिध्सूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइप काइनों को बिछाने के श्रयोजन के लिए श्रुजित करने का श्रपना श्रागय घोषित कर दिया हैं।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

श्रीर यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संसम्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है। भय यतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती हैं कि इस श्रिधिस्चना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा श्रीजत किया जाता है भौर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदन् शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में सभी विलंगमों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

भ्रनुसूची कुभ्रां संख्या 70 (के० एन०) से जी० जी० एस० 5 तक पाइप लाइन बिछाना

राज्य: गुजरात तालुका: कलोल			जिला :	महेसाना
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भार०	पो म्रार०
<b>मो</b> ला	135	0	10	42
	167	0	5	56
	168	0	4	55
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	0	50
	160/1	0	1	00
	158/1	0	6	17
	1 5 3/पी	0	I 2	14
	1 5 3/पी	0	7	28
	<b>बी पी कार्ट ट्रैक</b>	0	0	50
	434	0	13	25
	433/2	0	2	75
	435	0	4	45
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	. 1	31
	528/1/बी	0	10	01
	528/1/Q	0	2	00
	527/2	0	1	00
	527/3	<u>,</u> 0	4	55
	526/2	0	6	77
	524/1	0	5	6 <b>6</b>
इसँद	564	0	12	34
	559	θ	1	91
	558	0	6	17
	55.4/3	, <b>O</b>	6	.67
	554/1	ø	5	46
	554/4	0	2	82
	554/2	,6	<u>,4</u>	25
	5,51	0	,	11

गोव	सर्वेक्षरा संख्या	ह <sup>ै क</sup> ट र	भार०	पी मार०
-	552	0	2	82
	<b>5 7 3/</b> पी	0	3	44
	573/पी	0	3	64
	<b>573</b> /पी	0	1	61
	5 7 3/पी	0	1	61
	572	θ	9	11
	571/9	0	5	46
	57115	0	4	0 5
	571/4	0	1	00
	641	0	11	5 <b>3</b> .
	642/2	0	6	97
	642/1	0	1	31
	643	0	2	3 <b>2</b> ·
	668	ð	13	95
	567/2	4	4	75
	671	0	6	27
	676	0	13	<b>6</b> 5⋅
	681	0	0	65
	682	0	4	00

[सं॰ 20/3/67 ग्राई॰ ग्रो॰ सी॰/लेबर (1)]

का॰ आ॰ 1927.—यतः पैट्रोलियमं पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचमा का॰ आ॰ 1075 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया हैं।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट मूमियों में उपयोग का मधिकार मणित करने का विनिश्चिय किया हैं।

मन यतः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भोषित करती है कि इस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा प्रजित किया जात द्वार और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश किती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को। निहित होगा ।

## धनुसूची

कुमा संख्या के 49 से जी० जी० एस० 6 तक (जी० जी० एस० 11 से जम्कशन पाइनट) पाइप लाइन बिछाना

तालुका: काडी जिला: महसाना राज्य: गुजरात सर्वेक्षण संख्या पी० मार० मांव हैक्टर भार० बम्बवपुर 105/2 14/4 कार्ट ट्रैक 

13/4 13/2 तथा 3 13/1 θ Ó 39/5 30/1 कार्ट ट्रैक 47/1 तथा 2 49/1 49/2 ğ 54/1 53/3 53/1 62/2 64/3 

θ

64/2

64/1

66/1

66/2

गांव	सरक्षण संख्या	ह <b>क्टर</b>	घार पी०	<u>प्रार</u> ०
<del></del>	68	0	24	6
जु न	557	0	4	8
<b>च</b> दासन	416	0	68	

[सं० 20/3/67-माई० म्रो० सी०/लेबर(2)]

का० आ१० 1928.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठिकार का श्रर्जं न) श्रिष्ठितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंज्ञालय की श्रिष्ठसूचना का० श्रा० सं० 1076 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिष्ठमूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रिज्त करने का श्रप्तना श्राप्त घोषत कर दिया है।

श्रोर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर यतः केन्द्रीय सरकार व उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न धनुसूत्री में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करने का विनिश्चिय किया है ।

श्रव, यतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संख्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रणित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक ग्रैस श्रायोग में सभी विलगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

## **ग्रनुसूची**

कुम्रां संख्या के बजी बएच ० (104) से के ब एच ० पी० (98) तक मौर जी ० जी ० एस ० ६ तक पाइप लाइन विख्नाना

राज्य : गुजरात	शालुका: काडी		जिला	: मेहसाना
गोव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	<b>प्रा</b> र०	पी∙ द्यार∙
ग्रम्बवपुरा	78/1/ए	0	19	61
-	31/9	0	2	12
	31/6/7	0	4	15
	31/5	0	2	02
	31/4/पी	0	3	84
	31/4/पी	0	1	00
	72/पी	0	28	83
	72/पी	•	6	<b>⊕</b> 7
	74	θ	3	5
	68 <b>वी पी</b> गोचर भूमि	0	2	92
		<del></del>		

का० झा० 1929 — यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का झर्जन) यिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंद्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 1077 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिओं के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया हैं।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रौर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चिय किया है ।

श्रव, यतः उक्त श्रिधिनयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा र्झाजत किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीर प्राकृतिक औस श्रायोग में सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भ्रनु सूची

कुआ संख्या 94 (के० पी० एस०) से जी० जी० एस० 5 तक पाइप लाइन बिछाना

राज्य: गुजरात

तालुका:कलोल

जिला: मेहसाना

गांच	सर्वेकण संख्या	है <del>व</del> टर	म्रार	<b>पी म्नार</b>
<b>इ</b> संव	698/4	0	4	7.5
	699	0	1	40
	6 <b>98/</b> 2	σ	9	96
	697	0	6	17
	696	0	5	2●
	693	0	4	1 ●
	वीपी कार्ट ट्रैक	θ	1	11
	<del>७</del> 2 <i>9</i> /पेकी	O'	2	62
	€30/पेली	0	5	86
	629/पेकी	•	6	27
	631/पेकी	0	11	1.3
	6.3.1 ∕प्रेकी		5	<del>5 6</del>
	685/5	•	4	<b>`.●</b> 5
	685/4	ď	4	15
	695/5	•1	2	. 2
	67.8/2	•	2	72
	67 <del>.8</del> /1	•	4	9.5

गांव	स <b>र्वेक्ष</b> र्णसंख⊓	<b>है</b> क्टर	भार	पी ग्रा
	679/7	0	5	96
	678/8	0	1	00
	680 <sup>/</sup> पेकी	0	5	64
	681	0	4	75
	682	0	4	75
	680/¶की	0	4	0.5

[सं॰ 20/3/67 धाई॰ घो॰ सी॰/लंबर (4)]

का॰ आ॰ 1930.—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के मधिकार का मर्जन) भिधिनयम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम भौर रसायन मंत्रालय की भिधिसूचना का॰ आ॰ सं॰ 1078 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के मधिकार को पाइप नाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए मजित करने का मपना माम्य घोषत कर दिया हैं।

कीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीर्म सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

भीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्राजित करने का विनिध्चिय किया है।

भन, यतः उन्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्राणित किया जाता है भीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश हैती है कि उन्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीर जाकृतिक गैस ग्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निद्धित होगा ।

चनुसूची कुद्यां संख्या 4 (के० सी० टी०) से जी० जी० एस० 5 तक पाइप लाइन बिछाना राज्य: गुजरात तालुका: कलोल जिला: मेहसाना

सर्वेक्षण संख्या	हैसटर	मार	पी भार
501/2	0	4	35
500	0	7	48
409	0	11	02
498	<b>6</b> .	9	71
	0	11	93
	501/2 500 409	501/2 0 500 0 409 0	501/2     0     4       500     0     7       409     0     11       498     0     9

र्गाव	सर्वे क्षण संख्या	हैक्टर	म्रार	पी भार
	490/1 <del></del>	0	2	42
	462/3	0	4	3 5
	462/2	0	1	00
	461/1	0	1	00
	464	0	11	5
	466	0	5	1
	465	0	3	6
	471	o	7	2
	472	0	8	3
	456	0	5	30
	435	0	7	8
	454/1	0	3	2
	454/2	0	4	6

[सं॰ 20/3/67-माई॰ मो॰ सी॰/लेबर(5)]

का॰ आ॰ 1931.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्रधिकार का ग्रर्जन) विधिनयम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के बैट्रोलियम गौर रसायन मंत्रालय की ग्रिधिसूचना का॰ ग्रा॰ सं॰ 1079 सारीख 11—3—69 द्वारा केन्द्रीय बरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिविष्ट भूमि के उपयोग के ग्रधिकार को पाइपः) नाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्राजित करने का ग्रपना श्रामय घोषित कर दिया है।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन ू सरकर को रिपोर्ट दे थी है।

भौर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संसग्न भनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार भ्राजित करने का निश्चय किया है।

श्रव यतः उनत श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शनितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा घोषित करती हैं कि इस श्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट उनत भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइम बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्रारा श्रजित किया खाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रंइत शिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उनत भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के श्रजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में सभी विलंगमों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

**ग्रनुस्**ची

जीव जीव एवं 1 से जीव जीव एसव 5 तक पाइप लाइन बिछाना

राज्य: गुजरात तालुका: कलोल जिला: मेहसाना

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भार	पी भार
श्रा रसादिया	45	0	7	79
	44	0	9	51
	41	0	17	59
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	1	11
	83	0	11	13
	87	0	4	0 5
	35	0	19	92
	88/2	0	1	00
	बी पी कार्ट ट्रैक	0	0	6●
	34	0	14	4.6
	32	0	2	82
	31	0	1	00
	106	0	18	7 1
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	2	22
	130	0	4	0.5
	131	0	.1.1	.43
	162	0	12	14
	1 6 3 <b>/पेकी</b>	0	8	19
	1 6 3 /पेक <u>ी</u>	0	1 2	34
	158	0	13	73
	157	0	1	-00
	181	0	2	00
	182	0	∙5	06
	183	0	1.0	62
	179/1	•	19	62
	190	0	24	18
	189	0	8	29
	191	0	12	24
	<b>नी पी कार्ट ड्रैक</b>	0	-,9	80
	192	0	29	84
	202/1-2	.€	20	45

का॰ भा॰ 1932.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (मूमि के उपयोग के भ्रधिकार का भ्रजैन) मिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम भीर रसायन मंत्रालय की भ्रधिसूचना का॰ भ्रा॰ तं॰ 1080 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रधिसूचना से संलग्न भ्रनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों के उपयोग के भ्रधिकार को बाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए भ्रजित करने का भ्रपना श्राभय घोषित कर दिया है।

भीर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी हैं।

भौर यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार श्रीजित करने का विनिष्चय किया है।

ग्रम यतः उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्राक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना से संख्यन ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्तः भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइप लाइन विश्वाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा ग्राजित किया जाता है भीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा की प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**भनुसूनी** जी० जी० एस० 1 से जी० जी० एस० 5 तक पाइपलाइन बिछाना

राज्य: गुजरात तालका: गांधीनगर

जिला: गांधी नगर

राज्य . गुजर	ाव वायुगाः नावानगर		191111 . 11	
मांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	श्रार	पी भार
भोयेन (स्थोदनी)		<u> </u>	14	16
	2 1 5 /पेकी	12	94	0.0
	2 1 6/पेकी	0	19	51
	2 1 6/पेकी	0	10	72
	223/2	0	03	0 4
	222/1	0	05	26
	222/2	0	10	12
	220	0	17	50
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	0	80
	2 7 2 /पेकी	0	13	9.5
	272/पेक <u>ी</u>	0	14	46
	270	0	1	0.0
	271	0	10	72
	275	0	5	66
	276	0	24	58
	280	o	16	69

\$624 THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 4, 1970/CHATTRA 14, 1892 [PART II-

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हंक्टर	मार०	पी॰ <b>मार</b> •
	299/1	0	9	41
	299/1	0	27	11
	<b>बी</b> ० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	41
	317	0	11	1 2
	316/1	0	21	8.5
	316/2	0	1 <b>2</b>	5 4
	328	0	15	0.0
	329	0	22	20
	334	0	7	20
	, 338	0	1	9 (
	330	0	6	2
	333	Q	24	6
	341	0	10	6
	343	0	10	4
	342/1	0	1	6
	320/4	0	10	4
	342/3	0	10	1
	352/1	0	1 2	1
	3 <b>4</b> 6/ 1पेकी	0	17	8
	346/1पेकी	0	5	8
	346/1पेकी	0	2	2
<b>से रथा</b>	1374	0	1	2
	1388	0	22	5
	1387	0	1	0
	1389/2	. 0	1	0
	1 390/2जी	0	13	ε
	1 3 9 0 / 2 <mark>प</mark>	0	10	1
	1 3 9 4/1U	()	2	$\epsilon$
	1 39 4/ 1वी	0	1	C
	1 3 9 4 / 3ए तथा <i>बी</i>	0	6	1
	1395/7	0	1	G
	1395/1	0	13	7
	1 3 9 5 <sup>/</sup> 4पेकी	0	1	C
	1 3 9 5 <sup>/</sup> 4 पेकी	o	1 0	C
	1395/3	0	6	3
	1406	ø	1 11 21 12 15 22 7 1 6 24 10 10 10 12 17 5 2 1 22 1 1 13 10 2 1 6 1 13 10	:
	1407	0		(
	1405/1	0		8

गांव	सर्वेक्षग संख्या	<b>हैंक्ट</b> र —	मार	पी मार
	1 4 0 5 / 2ए	0	15	28
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	1	••
	1269	0	8	97
	1270	0	17	9 •
	1262	0	5	10
	1271/1	0	5	26
	1261	0	10	01
	1260	0	9	61
	1259	0	14	55
	1258/2	0	35	61
	1256	0	1	0 0
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	1	6 <b>0</b>
	1237	0	2	02
	1238/1	0	4	05
	1230	0	2	22

[सं० 20/3/67-प्राई० ग्रो० सी० लेबर (7)]

कां बा 1933.—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन मारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना का आं का 1081, तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि दिष्ट भूमिओं के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया है।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे थी है।

श्रौर, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस ग्रधिसूचना से संस्थन श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का विनिष्टिय किया है।

श्रव, यतः, उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुभूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

**ग्रनुसूची** जीजीएस / सेजीजीएस 5 तक पाइप **लाइन बिछा**ना

राज्य :	गुजरात	तालुका:	कलोल	जिला :	मेहसाना
गोव	सर्वेक्षण संख्या		हैक्टर	भ्रार	पी ग्रार
कलोल	252/312		0	1	01
	252/311		0	16	89
	252/309		0	7	28
	252/308		0	1	00
	252/907		0	8	39
	252/306 पेकी		0	8	29
	252/306 पेकी	Г	0	20	23
	वी पी कार्ट ट्रैक		0	2	02
	252/207/2		0	18	50
	252/209/1		0	15	67
	252/209/2		0	6	67
	252/215/1		0	12	44
	252/214		0	2	00
	वी पी कार्ट ट्रैक		0	2	00
	252/231		0	14	76
	252/230/2		0	6	67
	252/230/1		0	13	25
	195		0	16	69,
	196		0	9	20
	177/1		0	8	00
	176		•	16	27
	174/2		0	14	66
	बीपी कार्ट ट्रैक		0	2	1 2
	72		0	7	68
	73		0	5 <b>4</b>	8 13
	57		0	1	00
	56		0	5	46
	58/2		0	12	24
	58/1		0	9	51
	59		0	15	38
	वी पी कार्ट ट्रैक		0	2	0 0,
	44		0		

क्षा॰ 1934.-यतः, पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के मश्रिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैदोलियम श्रौर रसायन मंत्रालय की श्रधिसचना का० श्रा० स० 1082. सारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनसुची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया है।

भौर, यत:, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट धे दी है।

भौर, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रम, यतः, उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त मुमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदहारा ग्राजित किया जाता है भौर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भ्रायोग में, सभी विलंगमों से मक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनसभी जी जी एस 1 से जी जी एस 5 तक पाइप लाइन बिछाना

कस्रोत

	ः गुजरात तालुकाः कर	गाल ।जलाः	महसाना 	
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	ग्रार	पी म्रार
<b>ग्रो</b> ला	93	0	10	82
	101/1ए	0	17	19
	वीपीकार्ट ट्रैक	0	1	31
	91	0	23	06
	87	0	14	05
	88	0	13	85
	86/2	0	8	39
	86/1	0	12	74
	85/1	0	10	62
	85/2	0	1	00
	वीपीकार्ट ट्रैक	0	2	52
	128/3	0	10	62
'	128/2	0	2	52
	1 2 8 / 1 पेकी	0	1	00
	131/3	0	2	00
	•			

0

1

00

127

1628. THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 4, 1970/CHAITRA 14, 1892 [PART II...

गांव	सर्वेक्षण संख्पा	ह <mark>ैक्टर</mark>	भ्रार	पी भार
	128/1 पेकी	0	8	39
	132/2	0	9	11
	132/1	0	3	34
	131/1	0	6	47
	137	0	7	68
	133	0	1	51
	136/2	0	6	97
	136/1	0	10	62
	135	0	9	81
	141/1	0	1	00
	141/3	0	6	47
	142/1	0	5	76
	142/2	0	9	21
	144	0	2	20
	<b>बी पी कार्ट ट्रैक</b>	0	1	21
	158/3	0	8	39
	153/9	0	10	82
	153/7 पेकी	0	1	51
	153/7 पेकी	0	1	00
	153/6	0	8	29
	153/1	0	3	84
	153/5	0	3	64
	153/4	0	8	9
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	1	70
	433/2	0	2	33
	434	0	21	94
	435	0	10	31
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	4	5
	528/1बी	0	8	99
	<b>527</b> /2	0	21	35
	526/1	0	1	00
	527/3	0	3	24
	526/2	0	11	13
	523/1/2/3	0	11	92

[सं० 2/0/3/67-म्राई० म्रो० सी०/लेबर 6]

का॰ द्या॰ 1935.—यतः, पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के झिंछकार का अर्जन) धिर्मित्यम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायम मंत्रालय की श्रिधसूचना का॰ श्रा॰ स॰ 1083, तारीख 11-3-69 द्वारा

केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के <mark>श्रधिकार को</mark> पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रजित करने का श्रपना श्राणय घोषित कर दिया है।

ग्रीर यतः, सक्षम, प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्राधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीजित करने का विनिश्चिय किया है ।

ग्रब, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रवत्त गाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतदहारा अजित किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त गाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश वैती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**ध्रनुसूची** जी० जी० एस० 1 से जी० जी० एस० 5 तक पा**इप** लाइन **बि**छाना

राज्य :-गुजरात	जिलामे :-हसाना	तालुकाः –कलोल
राज्य :—गुजरात	(जलान :—हस्राना	तालकाः—कलाल

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी भ्रार
इसंब	565	0	16	99
	567	0	22	0.5
	566	0	1	0 (
	568	0	9	4 1
	554/4	0	2	1 1
	570/3	0	5	76
	570/5	0	8	38
	570/4	0	7	38
	553	0	14	5 (
	571/12	0	15	38
	571/11	0	10	0
	571/10	0	6	1
	571/1	0	6	1 '
	571/2	0	1	0
	वीपीकन्स	0	0	79
	646	0	19	9
	647	0	13	0
	666/ <b>पेकी</b>	0	11	9
	663/पे <b>की</b>	0	8	3
	664/4	0	4	2 :

1	2	3	4	5
	664/2	0	12	64
	663/1	0	19	11
	662	0	1	00
	674/1	0	16	20

[सं० 20/3/67-प्राई० स्रो० सी०/लेबर (10)]

का॰ था॰ 1936.—यतः, पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रजंन) स्मिधिनयम, 1962 (1962 का 50) गी धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रीर रसायन मंत्रालय की श्रिष्ठसूचना का॰ ग्रा०स॰ 1084, तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रिध्सूचना से संलग्न श्रमुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के ग्रिष्ठकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रुप्तिस करने का श्रपना श्राणय घोषित कर दिया है।

ग्रौर,यत:, सक्सम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ग्रीर, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ग्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का विनिश्चिय किया है ।

श्रव, यतः, उक्त श्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा श्राजित किया जाता है भीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

# **भनुसूची** जी० जी० **एस**० 1 से०जी० जी० एस० 5 तक पाइप लाइन बिछाना

जिला:-मेहसाना तालुका :-कलोल राज्य:-गुजरात सर्वेक्षण संख्या हैक्टर पी श्रार भ्रार गांव संज 9 779 0 31 780 O 13 25 21 95 782 0 785 6 77 784 6 Ó 17 776 12 0 34 गांव सैज का वी पी कार्ट दैक 1 00 587 0 34 08

गांव	सबक्षण संख्या	ह <b>ैक्ट</b> र	भार	पी श्रार
	585/1/3	0	13	24
	586/2	0	3	24
	586/1 पेकी	0	5	16
	586/1 पेक <u>ी</u>	0	4	15
	586/1 <b>पे</b> की	0	3	44
	561/1	0	5	76
	561/4	0	11	16
	561/6	0	3	44
	561/8	0	1	00
	561/10	0	3	04
	गांव पंचायत का वी पी कार्ट ट्रैक			
	सैज	0	1	00
	471/2	0	4	35
	471/1	0	20	53
	472/4	0	28	02
	472/5	0	6	97
	462	0	24	43
	463/1	0	4	25
	455	0	1	00
	456/1/11	0	11	23
	456/1/6	0	5	06
	456/1/5	0	4	65
	453/4	0	13	55
	453/5	0	8	49
सैज	453/2	0	2	00
	453/1	0	12	75
	452	0	7	28

[सं॰ 20/3/67-माई॰ मो॰ सी॰-लेबर (11)]

का॰ आ॰ 1937.—यत:, पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का धर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रीर रसायन मंत्रालय की ग्रधिसूचना का ब्या॰ सं० 1085, दारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रिजित करने का अपना भ्रामय घोषित कर दिया है।

भीर,यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भ्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

भौर, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चातृ इस अधिसूचना से संलक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रुणित करने का विनिष्चय किया है ।

श्रव, यतः, उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) क्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है श्रीर उस धारा की उपघारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**प्रनुसुधी** के एन जी (के 114) मे जी जी एस 6 तक पाइप लाइन बिछाना

ग्राई वी पी दैक

414 वी पी गोघर

11/1/3

836/1

537

राज्य : गवि चदासन

गुजरात	तालुका: काडी	जिला :	मेहः	साना
सर्वेध	भण संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी श्रार
20		0	13	44
18		0	11	85
17		0	6	37
16		0	4	15
15		0	6	37
14	/2/4	0	9	11

[सं० 20/3/67-माई० भ्रो० सी०/लेबर-(12)]

9

10

28

5

11

91

15

85

66

13

0

0

का० ग्रा॰ 1938 --- यतः, पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्रधिकार का ग्रर्जन) म्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैदोलियम श्रौर रसायन मंत्रालय की श्रधिसूचना का० श्रा० सं० 1086, तारीख 1-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिमुखना से संलग्न ग्रनुमुची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रजित करने का श्रपना श्राशय घोषित कर दिया है।

ग्रौर, यत:, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन मरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रौर, यत:, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विभार करने के पश्चात इस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

श्रव, यत:, उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिद्धिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का स्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा स्रजित किया जाता है भौर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रौर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

ग्रनसूची

राज्य—गुजरात	तालुकाकलो	ल जि	ला—मेहसा	ना
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी भ्रार
<del> </del>	712/ए पेकी	0	28	0
	730	0	18	58
	729	0	5	28
	728/1	0	0	50
	7 3 5 पेकी	0	1	41
	7 3 5 / पेकी	0	श्रीर 28 18 5 0 1 5 5 5 1 1 2 3 2 3 4 11 4 4 3 1 7 8 10 6 0 22 4 1 10 6 10 6 10 6 10 6 10 6 10 6 10 6	11
	735/पेकी	0	5	11
	736	0	5	38
	<b>73</b> 7/1	0	1	50
	737/2	0	1	25
	737/3	0	2	03
	738/पेकी	0	3	20
	738 <sup>/</sup> पेकी	0	2	55
	7 3 <b>8 /पे</b> की	0	3	48
	739	0	4	95
	740	0	11	13
	741/2	0	4	19
	741/3	0	28 18 5 0 1 5 5 5 1 1 2 3 2 3 4 11 4 3 1 7 8 10 6 0 22 4 1 10 6 1	37
	741/4	0	3	94
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	1	70
	812/1	0	7	70
	811	Q	8	35
	812/1/5	0	10	55
	812/1/4	0	6	07
	812/1/7	0	0	50
	812/1/8	0	22	84
	809/7	0	4	33
	809/6	0	1	00
	813	0	28 18 5 0 1 5 5 5 1 1 2 3 2 3 4 11 4 3 1 7 8 10 6 0 22 4 1 10 6 1 2	96
	814	0		12
	815	0	1	95
	816	0	2	12
	817	0	2	12

तालका—काडी

राज्य---गजरात

कां जां 1939.-यत: पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्राधिकार का गर्जेंन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) के ब्रधीन भारत सरकार के पैटोलियम भीर रसायन मंत्रालय की भिध्युचना का०भा० सं० 1087 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के ग्रधिकार की पाइप लाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया है।

स्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस भिधसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

मन, यत: उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचमा से संलग्न प्रनुसूची में विनिद्धिष्ट उक्त भमियों में उपयोग का श्रीधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा भीजत किया जाता है भीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश वैती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक. गैस भाषोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निष्ठित होगा।

ग्रनुसूची कुमां संख्या 106 (के॰ एम॰ एन॰) से जी॰ जी॰ एस॰ 5 तक पाइप लाइन बिछाना

जिला--मेहसाना

dad Parata		·Qui		
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	षार	पी भ्रार
चवासन	<b>75/1पेकी</b>	0	1	18
	<b>7</b> 5/1पेकी	0	8	75
	75/ 1पेक <u>ी</u>	0	0	50
	<b>7</b> 7/पे <b>की</b>	0	5	68
	<i>77  </i> पेकी	0	3	04
	<i>77</i> /पेकी	0	7	43
	78/1	0	0	50
	82/1	0	10	03
	79 <sup>/</sup> पेकी	0	4	65
	79 <sup>/</sup> पिकी	0	5	24
	80	0	4	90
	वी पी रोड	0	2	37
	36/2	0	3	16
	36/1	0	3	23
	33	0	1	01
	3.4 ∕पेकी	0	3	49
	34 <sup>/</sup> पेकी	0	2	59

गांव	सर्वेक्षण संक्या	ह <mark>ैक्ट</mark> र	ग्रार	पी श्रार
चदासन-जारी	35	0	7	78
	24	0	6	75
	25	0	1	00
	26/1	0	2	02
	26/2	0	7	43
	27/1	0	1	70
	वीपीकार्टट्रैक	0	1	34
	16	0	3	16
	15	0	8	36
	14/1	0	10	83
	14/2	0	10	32

[सं॰ 20/3/67-म्ब्राई॰ भ्रो॰ सी॰/लेबर (14)]

का० भा० 1940-यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रधिकार का धर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रीर रसायन मंत्रालय की श्रधिसूचना का० ग्रा० सं० 1088 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रजित करने का श्रपना ग्राणय घोषित कर दिया है।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न प्रमुखी में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रुजित करने का निश्चय किया है।

भव, यतः उक्त श्रिष्ठित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिष्ठसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्राजित किया जाता है श्रीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

भनुसूची
जी०टी० एफ० (मेन कलक्टर लाइन) से कुआं संख्या 80 साइड तक फीडर लाइन बिछाना
राज्य—गजरात तालका—कलोल जिला—मेक्साना

and the same			1-1/11 110	1-141 AGALIA	
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी श्रार	
धनाज	8	0	13	09	
	गांव धनाज का वी पी कार्ट ट्रैक्ट	0	1	21	
	14	0	4.	43	

1636 THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 4. 1970/CHAFTRA 14, 1892 [PART II-

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भार	पी <b>ग्रार</b>
सैंज	963	0	31	55
	959	0	17	18
	955/2	0	3	61
	955/1	0	16	12
	952	0	12	5 <b>8</b>
	712/ए/पेकी	0	24	20
	712 (वीपीकार्टंट्रैक्ट)	0	4	95
	912/एपेकी	0	16	25
	892/9	0	3	25
	892/6	0	4	77
	892/8	0	4	95
	892/7	0	5	06
	893	0	7	08
	19 (वी पी कार्ट ट्रैक्ट)	0	1	04
	850	0	4	17
	851	0	11	58
	852	0	9	20
	853	0	8	69
	854	0	6	97
	840	0	10	98
	839	0	33	97
	821	0	1	58
	वी पी कार्ट ट्रैक्ट	0	0	80
	815	0	4	80
	816	0	11	52
	817	0	9	38
	818	0	1	58
	814	0	12	93
	798	0	9	95
सरथा	1181/1	0	5	26
	1 1 8 1 / 2 /पेकी	0	23	63
	1 1 8 1 / 2 /पे <i>क</i> ी	0	6	56
	1 1 9 1 /पेकी	0	12	44
	1 1 9 1 <sup>/</sup> पेकी	0	1	83
	1192	0	7	22
	1193/1/2	0	9	91
	1219	0	5	06

Υ		
- 1.	-	•

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैंश्टर	भ्रार	पी भ्रार
	1 2 1 8 / 2 / <del>Q</del>	0	1	00
	1221	0	18	00
	1 <b>222</b> /2	0	18	23
	1223	0	1	46
	1224	0	31	43
	1234/4	0	3	37
	1237	0	6	43
	1236	0	10	34

[सं० 20/3/67-श्राई० म्रो० सी०/लेबर (15)]

का० गा० 1941:—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रजीन) भिष्ठितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम भीर रसायन मंत्रालय की भ्रधिसूचना का० ग्रा० सं० 1089 तारीख 13-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिद्धित भूमिग्नों के उपयोग के भ्रधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्राजित करने का ग्रपना भाषाय घोषित कर दिया है।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रींजत करने का विनिग्चय किया है ।

श्रव, यतः जनत श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस ध्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा श्रणित किया जाता है भीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकामन की इस तारीख को निहित होना ।

## **ग्र**नुसूची

जी० जी० एस० 111 (कुन्नां संख्या 49) से जी० जी० एस० 6 तक पाइप लाइन बिछाना

राज्यगुजरात	तालुका-—कलाल		जिलामेहसाना	
गां <b>ष</b>	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	श्रार	पी श्रार
पनसार	112/6	0	21	4
	112/7	0	14	0
	112/5	0	2	4

[सं॰ 20/3/67-माई॰ म्रो॰ सी॰/लेबर (16)]

तालका--कलोल

का॰ भा॰ 1942:—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठिकार का श्रजैंन) श्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रीर रसायन मंद्रालय की श्रिष्ठसूचना का॰ श्रा॰ सं० 1090 तारीख 11--3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिष्ठसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिशों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइप लाइनों को विखाने के प्रयोजन के लिए श्राजित करने का श्रपना श्राणय घोषित कर दिया है।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे थी है ।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का विनिष्चय किया है ।

अब, यतः उक्त श्रिधितयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रिधिस्थना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा ग्रिजित किया जाता है श्रीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उत्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### धनुसूची

कुद्रां 45 (के० सी० टी०) से कुछां 79 (के० जैड०) तक पाइप लाइन विछाना

जिला---मेहसाना

राज्य---गुजरात

गांव	सर्वेक्षण संख्या	 हैक्टर	श्रार	पी ग्रार
	~ <u> </u>			
छत्तराल	510	0	8	49
	511	0	3	74
	512	0	6	07
	513/5	0	3	64
	513/4	0	8	09
	513/1	0	6	<b>67</b>
	513/2	0	1	00
	516	0	10	01
	577	0	2	02
	578	0	11	23
	579/2	0	8	50
	वी पी रोड	0	1	61
	661	0	2	42

का० आ० 1943:—यतः पैद्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) मिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैद्रोलियम और रसायन मंतालय की अधिसूचना का० आ० सं० 1091 तारीख 11-3-69 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिओं के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया है।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रौर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का विनिश्चय किया है ।

अव, यतः उक्त श्रिधिनयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिद्धि उक्स भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है श्रीर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस बोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**श्रनुसनी** कुम्रां संख्या के० ए० जी०/32 से कुम्रां संख्या के० श्राई० सी०/113 तक पाइप लाइन विछाना

राज्यगुजरात	तालुकाकला	Н	ાગલા	महसाना
गोध	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	भ्रार	पी श्रार
पन्सार	83/2	0	7	07
	83/1	0	4	45
	84/1	0	5	56
	वीपीपन्सार रोड	0	0	60
	139	0	17	00

[सं॰ 20/3/67-ग्राई॰ ग्रो॰ सी॰/लेबर (18)]

का॰ आ॰ 1944:—यतः पैट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रिष्ठिकार का श्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की श्रिष्ठसूचना का॰ ग्रा॰ सं॰ 1092 तारीख 11-3-69 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिष्ठसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिश्रों के उपयोग के श्रिष्ठकार को पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए श्र्रीजत करने का श्रपमा श्रामय थोषित कर दिया है।

भ्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का विनिण्चय किया है । श्रव, यतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्दारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोग के लिए एतद्द्वारा श्रींजत किया जाता है और उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निषेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी विलंगमों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**श्रनुसूची** कुम्रां संख्या 182 से 58 तक श्रौर जी० जी० एस० 1 तक पाइप लाइन बिछाना

राज्यगुजरात	तालुकाश्रंभ	जिला— <b>धरौच</b>		
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	ग्रार	पी म्नार
सारथन	66/1	0	8	09
	74/2	0	8	09
	74/3	0	8	09
	65/3	0	4	05

[सं० 31/67/63-माई० भ्रो० सी०/लेबर]

## शुद्धि पत्र

नई दि: ली, 11 मार्च 1969

क्षा॰ आ॰ 1093:—भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रौर रसायन मं झालय की श्रिधसूचना संख्या 31/38/63-श्रो॰ एन० जी॰ दिनांक 29 श्रप्रैल, 1964 के जिसका कानूनी श्रावेश संख्या 1597 के श्रन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उपखण्ड (ii) दिनांक 9-5-1964 को प्रकाशन हुआ था, पृष्ठ संख्या 1885 श्रौर गांव मियागाम पर सर्वेक्षण संख्या 1210 के स्थान पर सर्वेक्षण संख्या 1219 पिंहए ।

[संख्या 31/38/63-म्रो० एन० जी०/लेखर]

श्रार० के० सिन्हा, श्रवर सचिव।

### (पैट्रं,लियम श्रीर रसायन विभाग)

### प्रावेश

### नई दिल्ली, 11 फरवरी 1970

का॰ आर॰ 763:—पैट्रोलियम प्रोडक्टस् (क्लेकशन ग्राफ इनफारमेशन) ग्रार्डर, 1966की कण्डिका 3 की उप-कण्डिका (3) के ग्रनुसार, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा कानूनी ग्रावश संख्या 2723 को, जिस का भारत के राजपत्र में 12-7-1969 को प्रकाशन हुग्राथा, मंसुख (विखंडित) करती है।

> [फाइल संख्या 45 (5)/69 श्राई० भ्रो० सी०] एच० सी० शर्मा, ग्रवर सचिव।

### (सान नया धातु विभाग)

#### आदेश

### नई दिल्ली 20 मार्च, 1970

सं आरः 1103:— अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10वां) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

- 1. सं क्षेप्त शिर्वक, सीमा (विस्तार) तथा प्रारंभए। --- (1) इस प्रादेश को एल्यूमिनयम (नियन्त्रण) श्रादेश, 1970 कहा जा सकेगा।
- (2) यह ब्रावेश जम्मू तथा काश्मीर राज्य के ब्रितिरिक्त सारे भारत पर लागू होगा।
- (3) यह धावेश एकवम लागू होगा ।
- 2. परिभाषाएं :--इस म्रादेश में जब तक कि संदर्भ में म्रन्य प्रकार से श्रपेक्षित न हो,--
- (क) "एल्यूमिनियम" का अर्थ अनुसूची में बताए गये किसी भी रूप में एल्यूमिनियम है तथा इसमें उसके उत्पाद तथा अर्थ-उत्पाद सम्मिलित हैं;
- (ख) "नियन्त्रक" का भ्रर्थ वह व्यक्ति है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस भ्रादेश के उद्देश्यों के लिए एल्यूमिनियम का नियन्त्रक नियुक्त किया गया हो ;
- (ग) "व्यापारी" का अर्थ वह व्यक्ति है जो एल्यूमिनियम धातु श्रौर एल्यूमिनियम धातु के उत्पादों एवं श्रर्द्ध-उत्पादों के कय तथा विकय का व्यापार करता, है, चाहे वह किसी श्रन्य व्यापार के संयोजन से हो या न हो श्रौर इस में उनका उत्पादक श्रथवा निर्माता सम्मिलित है ;
- (घ) "निर्माता" का अर्थ है, उद्योग (विकास तथा विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65वां) के भ्रन्तर्गत भ्रनु अप्त या पंजीकृत कोई ऐसा व्यक्ति, ओ एल्यूमिनियम का निर्माण करता हो ;
- (ङ) "उत्पादक" का घर्ष है, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65वां) के अन्तर्गत अनुज्ञात या पंजीकृत कोई ऐसा व्यक्ति, जो बाक्साइट तथा एल्यूमिना से एल्यूमिनियम का उत्पादन करता है;

- (च) "विकय मूल्य" का अर्थ है, निर्माता या उत्पादक या व्यापारी को एल्यूमिनियम के विकय के लिए देय फैक्टरी-बाह्या मूल्य, जिस में व्यापारी का कमीशन सम्मिलत है परन्सु उत्पादन शुल्क, केन्द्रीय विकी कर या स्थानीय कर, यदि कोई हो, सम्मिलत नहीं और इस में परिवहन प्रभार या इंशोरेन्स प्रभार, यदि कोई हो, भी सम्मिलत नहीं।
- (छ) "अनुसूची" का ग्रर्थ है, इस ग्रादेश के साथ संलग्न अनुसूची।
- 3. विकय मूल्य का नियन्त्रएा: कोई भी उत्पादक या निर्माता या व्यापारी या कोई ग्रन्थ व्यक्ति धारा 4 के ग्रनुसार नियस किये जाने वाले विकथ मूल्य से ग्रधिक विकथ मूल्य पर एल्यूमिनियम नहीं बेचेगा, या बेचने को सहमत होगा या उसका श्रन्य प्रकार से निपटान करेगा ;
- 4. विकार मूल्य का निर्धारण :—केन्द्रीय सरकार या नियन्त्रक, सरकारी राजपत्न में प्रिष्ठि-सूचित करके, समय समय पर, भारत में उत्पादित या निर्मित एल्यूमिनियम के उत्पादन की अनुमानित लागत को विचार में रख कर इस प्रकार उत्पादित या निर्मित एल्यूमिनियम का विकय मूल्य नियत कर सकता है श्रीर भारत में उत्पादित या निर्मित विभिन्न श्राकारों एवं विशिष्टताश्रों के एल्यू-मिनियम के सम्बन्ध में या भारत में विभिन्न क्षेत्रों या विभिन्न फैक्टरियों में उत्पादित या निर्मित एल्यू-मिनियम के सम्बन्ध में विभिन्न विकाय मूल्य भी नियत किये जा सकते हैं।
- 5. एल्यू मिनियम को बिक्री को निहित्यत हरने के श्राधिकार :---केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपल में श्रिधिसूचना के द्वारा, यह निदेश दे सकती है कि उत्पादक, या निर्माता या व्यापारी, एल्यू-मिनियम का विक्रय केवल नियन्त्रक या इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा विनिर्विष्ट किसी व्यक्ति या व्यक्तियों या कम्पनियों को ही करेगा।
- 6. मूल्य सूची का ज्यातार के स्थान पर विकाया जाना :—प्रश्येक उत्पादक या निर्माता या ज्यापारी उस स्थान पर, जहां वह एल्यूमिनियम का घ्रपना व्यापार करता है, बिक्री के लिये रखी विभिन्न मदों के विक्रय मूल्यों की सूची इस प्रकार प्रमुख रूप से लटकायेगा कि उस स्थान पर धाने वाला कोई भी केता उसे देखने के लिये घासानी से उस स्थान तक पहुंच सके।
- 7. उत्तवक, निर्माता या व्यापारी बिकी को इश्कार नहीं कर सकता या माल नहीं बच्च सकता :—कोई उत्पादक, निर्माता या व्यापारी भारत में उत्पादित या निर्मित और ग्रामतीर पर बिकी के लिए रखे एल्य् मिनियम को बिकी से नहीं बचा सकता ।
- 8. निवेश देने तथा सूचना मंगवाने के ग्रिथिकार :—नियन्त्रक या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में प्राधिकृत केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार का कोई ग्रिधिकारी आदेश द्वारा निर्देश वे सकता है कि ;—
  - (क) "उत्पादक" निर्माता या व्यापारी एस्यूमिनियम के उत्पादन या निर्माण या ऋय या विक्रय या किसी भ्रन्य लेनदेन के सम्बन्ध में नियन्त्रक या इस सम्बन्ध में प्राधिकृत श्रिधिकारी दारा भ्राविभित यथा प्रसंग लेखे रखे;
  - (ख) वह प्रधिकारी ऐसी विधि भी बता सकता है कि जिसके अनुसार उत्पादक, निर्माता या व्यापारी एल्यूमिनियम के किसी उत्पादन, निर्माण, ऋय, विक्रय या अन्य जिनवेन के लेखे रखे;
  - (ग) वह ग्रिष्ठकारी किसी उत्पादक या निर्माता या व्यापारी को, भावेश में निर्दिष्ट रूपों में,
    एल्यूमिनियम के उत्पादन, निर्माण, क्रय या विक्रय या अन्य लेनदेन के सम्बन्ध में अपेक्षिस
    सूचना, विवरण या रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कह सकता है;

- 9. निरोक्षरा, प्रवेश तथा तलाशी का भ्रषिकार.—नियन्त्रक या इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार का श्रधिकारी :—
  - (क) निम्नलिखित निरीक्षण कर सकता है या निरीक्षण के लिये किसी व्यक्ति को ग्रिधकृत कर सकता है :--
    - (1) एल्यूमिनियम के उत्पादन या निर्माण से सम्बन्धित तथा उत्पादक या निर्माता की या उनके द्वारा नियन्त्रति कोई किताबें लेख या रिकार्ड;
    - (2) एल्यूमिनियम के ऋय, विऋय या भ्रन्य लेन देन से सम्बन्धित व्यापारी की या उसके द्वारा नियन्त्रक कोई कितावें. लेख या रिकार्ड;
    - (3) किसी उत्पादक, निर्माताया व्यापारी के या उनके नियन्त्रण में एल्यूमिनियम के स्टाक ।
  - (ख) ऐसे स्थान पर जहां एल्यूमिनियम का उत्पादन निर्माण या विक्रय होता है या जिस स्थान के सम्बन्ध में नियन्त्रक या इस सम्बन्ध में प्राधिकृत श्रधिकारी को शक हो कि वहां इस ग्रावेश का उल्लंधन हुग्रा है हो रहा है या होने वाला है, वह प्रवेंश कर सकता है, या तलाशी ले सकता है या किसी ग्रन्य व्यक्ति को प्रवेश करने या तलाशी लेने के लिये ग्रधिकृत कर सकता है।
- 10. **आदेशों** का प्रालम :—प्रत्येक उत्पादक, निर्माता या व्यापारी या कोई श्रन्य व्यक्ति, जिसे इस आदेश द्वारा प्रदत्त या इसके अन्तर्गत प्रधिकारों के अधीन कोई आदेश या निदेश दिया जाता है, उसे उस आदेश या निदेश या पालन करना होगा।
- 11. पुनरावेदन :—कोई भी उत्पादक, निर्माता या व्यापारी या कोई अन्य व्यक्ति जो इस आदेश के अन्तर्गत जारी किये गये श्रावेश या निदेश से अपकृत हो वह उस आदेश या निदेश की प्रति प्राप्त होने की तिथि से 30 दिन की अविध में केन्द्रीय सरकार को पुनरावेदन कर सकता है और उस पर केन्द्रीय सरकार उस आदेश या निदेश को पुष्ट, रह् अथवा संशोधित कर सकती है।

# भ्रनुसूची (धारा 2 देखें)

- 1. सिलों, सलाखों, खण्डों पट्टियों, छड़ों तथा छरीं सहित किसी भी रूप में अनगढ़ा एल्यूमिनियम ।
- 2. चहरों, पत्तरों, किशनदार पत्तरों, चक्रों, पट्टियों, नालिकान्नों, नालियों, निःसावित, आकारों एवं त्रनुभागों, छड़ियों एवं पन्नियों के रूप में गढ़ा हुन्ना एल्यू मिनियम ।

[सं॰ 5/28/मेटल/70(1)]

सं आ 1104.—एल्यूमिनियम (नियन्त्रण) आदेश, 1970 की धारा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उत्पादकों, निर्माताओं या व्यापारियों की विभिन्न मदों के 28 फरवरी, 1970 को चालू फैक्टरी—बाहय मूल्यों को विभिन्न उत्पादकों, निर्माताओं या व्यापारियों के लिये एल्यूमिनियम के विकय मूल्य नियत करती है।

[सं• 5/2/8मेटल/70 (2)

टी • एन • लक्ष्मीनारायणन, संयुक्त सिच्च ।

# MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING AND WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT

#### (Department of Health)

New Delhi, the 21st March 1970

S.O.1224.—In pursuance of clause (d) of rule 2 of the Indian Medical Council Rules, 1957, the Central Government hereby appoints Shri S. Padmanabha Iyer, Registrar, State Medical Council, Trivandrum, as Returning Officer for the conduct of election of a member to the Medical Council of India under clause (c) of subsection (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) in the State of Kerala.

[No. F.4-26/69-MPT.]

S.O. 1225.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India hereby makes the following amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule,—

(i) in the entries relating to the University of Utkal, after the entry 'Doctor of Medicine (Dermatology and Venereology) M.D. (Dermatology and Venereology)', the following entries shall be inserted, namely:—

"Master of Surgery (Surgery) . . . . M. S. (Surg.), Utkal";

(ii) in the entries relating to the University of Rajasthan, after the entry "Diploma in Anaesthesiology....D.A." the following entry shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Pharmacology) . . . M. D. (Pharm.) Rajasthan";

(iii) in the entries relating to the M.S. University of Baroda, after the entry "Diploma in Ophthalmology....D.O.", the following entry shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Paediatrics) . . . M. D. (Paed.); Baroda"

(iv) in the entries relating to the Banaras Hindu University, after the existing entry, the following entries shall be inserted, namely:—

Banaras.

Madurai.

Doctor of Medicine (Pharmacology) . . . M. D. (Pharm.); Banaras

Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine) M. D. (Soc. & Prev. Med.)
Banaras.

(v) in the entries relating to the Madurai University, after the entry "Diploma in Medical Radiology Diagnosis...D.M.R.D.", the following entries shall be inserted, namely:

entries shall be inserted, namely:
"Doctor of Medicine (Obstetrics and Gynaecology) . M. D. (Obst. & Gynae.);

Diploma in Oto-Rhino-Laryngology . D.L.O.; Madrai

Master of Surgery (Oto-Rhino-Laryngology)

M.S. (Oto-Rhino-Laryngology);
Madurai".

[No. F.18-5/70-MPT.]

- 8.0. 1226.—Whereas the Central Government have, in pursuance of the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), nominated, in consultation with the State Governments concerned, the following persons to be members of the Medical Council of India with effect from the date noted against each:—
- I. Dr. I. Bhooshana Rao, M. D. Director of Medical and Health Services, Hyderabad. . . . . . . . 6-2-1970 Andhra Pradesh.

And, whereas, in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the following persons have been elected by the University specified against each of them to be members of the said Council with effect from the date noted against each, namely:—

 Dr. S. N. Sen., M. B., M. R. C.P. (Edin), F.R. C.P. (Edin), F.S.M. F. (Bengal) De an of the Faculty of Medicine, Calcutta University, Calcutta (Re-elected).

Calcutta University 6-3-1970.

2. Dr. Jayant Bhagwandas Haribhakti, M.B.B.S., F.R.C.S., Poly-clinic, Lal Darwaja, Ahmedabad-r Gujarat University

7-1-1970.

Dr. S. N. Sarma, M.B., F.R.C.S., F.I.C.S.,
 D.L.O., Principal, Gauhati Medical College
 and Dean of the Faculty of Medicine, Gauhati
 University, Gauhati-14. (Re-elected)
 Gauhati University

30-4-1970

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that Doctors I. Bhooshana Rao, S. N. Sen and S. N. Sarma shall continue to be members of the Medical Council of India and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification: -

- (i) under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3,", after serial No. 16 and the entry relating thereto, the following serial No. and entry shall be inserted, namely:—
  - "17. Dr. T. Ao, Director of Health Services, Nagaland, Kohima"
- (ii) under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for the existing entry against serial No. 11, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "Dr. Jayant Bhagwandas Haribhakti, M.B.B.S., F.R.C.S., Poly-clinic, Lal Darwaja, Ahmedabad-1".

[No. F.4-26/69-MPT.]

S.O. 1227.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. G. Santhakumari, Professor of Pharmacology, Medical College, Trivandrum, has been elected by the University of Kerala to be a member of the Medical Council of India with effect from the 6th February, 1970;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of subsection (1) of section 3 for the existing entry against serial No. 2, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. G. Santhakumari, Professor of Pharmacology, Medical College, Trivandrum".

#### New Delhi, the 25th March 1970

S.O. 1228.—In pursuance of clause (d) of rule 2 of the Indian Medical Council Rules, 1957, the Central Government hereby appoints Dr. K. N. Ojha, Additional Director of Health Services, Orlssa, as Returning Officer for the conduct of election of a member to the Medical Council of India under clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) in the State of Orissa.

[No. F. 4-26/69-MPT.]

R. MURTHI, Under Secy.

#### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

#### (Department of Industrial Development)

New Delhi, the 13th March 1970

- S.O. 1229.—A sub-Committee of the Development Council for Heavy Electrical Industries has prepared a report for economising foreign exchange required for imported raw materials and components through suvstitution and use of advanced technology. The above report was considered by the Development Council for Heavy Electrical Industries at its 30th meeting held on 10th February, The Council fully endorsed the views expressed in the 1969 at Ernakulam. report and proposed that a small committee should be appointed to prepare draft recommendations in this regard. The Central Government in exercise of the powers conferred by Rule 18 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, have decided to appoint a Committee to prepare recommendations to be submitted to Government on the report of the Sub-Committee of the Development Council for Heavy Electrical Industries with special reference to:
  - thermally stabilised insulation materials (i) the requirments of various suitable for electrical industry with the object of saving raw materials and foreign exchange; and
  - (ii) the revision of temperature ratings/standards of electrical equipments in relation to (1) above with a view to save copper, steel etc. and conserve foreign exchange.

The composition of the Committee will be as follows:

8. Dr. Vakil Ahmed.

ne composition of the Committee	мш р	e as	IOHOMS:	
1. Shri O.S. Murthy				Chairman
2. Shri Ravi L. Kirloskar.				Member.
<ol><li>Shri S. S. Kakade.</li></ol>				Member.
4. Shri K. M. Sinclair.				Member.
<ol><li>Shri Y. S. Venkateswaran.</li></ol>				Member.
6. Shri T. R. Gupta.				Member.
<ol><li>Shri K. Doraiswamy.</li></ol>				Member.
alternative				
Shri S. B. Banat.				

The Committee will meet as often as necessary and at such places as be decided and will submit its report to the Government of India.

[No. EEI-19(I)/69.]

Member.

M. SETH, Dy. Secv.

# श्रोद्योगिक विकास, भ्रान्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1970

एस० ग्रो० 1229.—श्रायातित कच्चे सामान तथा उपकरणों के लिए ग्रपेक्षित विदेशी मद्रा में बचत करने के लिए श्रायात प्रतिस्थापन तथा प्रोन्नत प्राद्योगिकी का प्रयोग करके विकास परिषद् की एक उपसमिति ने भारी वैद्युत उद्योगों के लिए एक रिपोर्ट तैयार की हैं। एनिकुलम में 10 फरवरी, 1969 को हुई श्रपनी 30वीं बैठक में भारी वैद्युत उद्योगों की विकास परिषद् ने रिपोर्ट पर विचार किया था। परिषद् ने रिपोर्ट में निहित विचारों से पूर्ण सहमित प्रगट की तथा प्रस्ताव किया कि इस सम्बन्ध में सिफारिश करने के लिए एक छोटी समिति का गठन होना चाहिए। विकास परिषद् (कार्यविधिक) नियम, 1952 के नियम 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने एक समिति नियुक्त करने का निश्चय किया है जो भारी वैद्युत उद्योग के लिए विकास परिषद् की उप समिति के प्रतिवेदन पर सरकार को प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशें तैयार करे जिसमें विशेष रूप से इस संदर्भ में :—

- (1) कच्चे मालों तथा विवेशी मुद्रा की बचत हेतु विद्युत उद्योग के लिए उपयुक्त, ताप से स्थिर हुए इन्स्युलेशन सामान की विभिन्न आवश्यकताएं; तथा
- (2) तांबा, स्पात श्रादि तथा विदेशी मुद्रा को बचाने की दृष्टि से उपयुक्त (1) से सम्बन्धित वैद्युत उपकरणों के ताप स्तरों/मानकों में परिशोधन करना।

समिति का गठन इस प्रकार होगा :---

1.	श्री म्रो० एस० मृति	मध्यक्ष
2.	श्री रवि एल० किर्लोस्कर	सवस्य
3.	श्री एस० एस० काकाड़े	सदस्य
4.	श्री के० एम० सनिक्लेर	सदस्य
5.	श्री वाई० एस० वैंकेटस्वरन्	सदस्य
6.	श्री टी० म्रार० गुप्त	सदस्य
7.	श्री के० डोरैस्वामी विकल्प श्री एस०	
	बी० वापट	सदस्य
8.	डा० वकील श्रहमद	सदस्य

समिति की बैठकों श्रावश्यकतानुसार निश्चित किए स्थानों पर होंगी तथा भारत सरकार को श्रपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी ।

> [सं॰ ईई म्राई-19(1)/69.] कु॰ भीरा सेठ, उप सचिव

#### (Department of Industrial Development)

#### ERRATA

#### New Delhi, the 21st March 1970

S.O. 1230.—In the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 5052/18/IDRA/70, dated the 26th December,

1969, published at pages 1515-1516 of the Gazette of India, Extra-ordinary, Part II Section 3, Sub-Section (ii), dated the 26th December, 1969, the following amendments may be made:—

For the existing number of notification "S.O. 5052/18/IDRA/69" read "S.O. 5052/18A/IDRA/69".

For the words "and industrial undertaking," appearing in second and third line read "an industrial undertaking."

[No. F.9(9)/Lice Pol./69.] R. C. SETHI, Under Secy.

#### (Department of Internal Trade)

New Delhi, the 28th March 1970

- **S.O. 1231.**—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Forward Contracts (Regulation) Rules, 1954, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Forward Contracts (Regulation) Amendment Rules, 1970.
  - (2) They shall come into force at once.
- 2. In the Forward Contracts (Regulation) Rules, 1954, in sub-rule (3) of rule 4, for the figures and words "XXXVI—Miscellaneous Receipts—Forward Markets Commission—Items adjustable by the Deputy Director of Audit, Food, Rehabilitation, Supply, Commerce, Steel and Mines, Bombay", the figures and words "XXI Miscellaneous Receipts—Forward Markets Commission—Items Adjustable by the Deputy Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, Bombay", shall be substituted.

[No. **F**. 11(1)-IT/70.]

P. SITARAMAN, Dy. Secy.

# (म्रातंरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, 28 मार्चे 1970

का० ग्रा॰ 1231.—ग्रिप्रिम संविदा (विनियमन) ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 28 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, श्रिप्रम संविदा (विनियमन) नियम, 1954 में ग्रीर श्रागे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्निखित नियम बनाती हैं, श्रर्थात् :-

- 1. (1) ये नियम ग्रग्रिम संविदा (त्रिनियमन) संशोधन नियम, 1970 क हे जा सर्वेगे।
  - (2) वे सुरन्त प्रवृक्त होंगे।
- 2. भग्निम संविदा (विनियमन) नियम, 1954, नियम 4 के उप-नियम (3) में "XXXVI— प्रकीर्ण प्राप्तियां—वासदा बाजार श्रायोग—उप निवेशक संपरीक्षा, खाध, पुनर्वास, पूर्ति, वाणिज्य, इस्पात और खान, मुम्बई द्वारा समायोजन योग्य मदें", श्रंकों श्रौर शब्दों के स्थान पर "XXI प्रकीर्ण प्राप्तियां—वायक्षा बाजार भायोग—उप महा लेखापाल, वाणिज्य संकंग श्रौर प्रकीर्ण, मुम्बई द्वारा समायोजन योग्य मदें;" श्रंक श्रौर शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[सं० फा० 11(1)-ग्राई० टी०/70]

प० सीतारामन, उपसचिव।

### (Department of Industrial Development)

#### (Indian Standards Institution)

New Delhi, the 12th March 1970

S. O. 1232.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design (2) of which together with the verval description of the design(s) and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 16 March, 1970:

#### THE SCHEDULE

		_ <del>_</del>		
Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standa rd Mark
I	2	3	4	5
	IS: 3236  IS: 3236	Hypodermic syringe for general purpo- ses	s IS: 3236-81965 Spe- fication for hypo- dermic syringes for general purposes.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. 2, the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top or on the outer right-hand side of the monogram as indicated in the designs.

[No. CMD/13:9]

S. O. 1233.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for hypodermic syringes, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 16 March 1970:

#### THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
	2	3	4	5
	Hypodermic syringes for general pur- poses.	IS: 3236-1965 Specification for hypodermic syringes for general purposes.	100 Syringes	50 Paise

#### New Delhi, the 13th March 1970

S. O. 1234.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time and subsequent upon publication of IS: 3574 (Part I)—1965, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled:

#### THE SCHEDULE

SI. No.	No. and Title of the Indian Standard Cancelled	No. and Date of Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified
	2	3
1	IS: 59-1950 Specification for pigment dyestuff for paints	S. R. O. 658 dated 26 March, 1955 published in the Gazette of India, Part II, Section 3 dated 26 March, 1955.
2	IS: 60-1950 Specification for lake pig- ment for paints	S. R. O. 658 dated 26 March 1955 published in the Gazette of India, Part II, Section 3 dated 26 March, 1955.

[No. CMD/13:7]

S. C. 2350.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that fortyone licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted authorizing the licensees to use the Standard Marks:

~	C	
THE	SCHEDULE.	

Serial No.	Licence No. (CM/L/)	Period of	Validit <del>y</del>	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS: Designation
2101	(0141) 15/7	From To			the Morality of Deaganter
r	2	3	4	5	6
I	CM/L-2075 22-9-1969	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Indian Wire & Steel Products, 10, Stark Road, Liluah, Howrah.	Mild Steel Wire for General Engineering Purposes—IS: 280-1962.
2	CM/L-2230 3-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Bharat Pulverising Mills Private Ltd., 1074, THIRUVOTTIYUR High Road, Madras-19.	D.D.T. Emulsifiable Concentrates—IS:633- 1956.
3	CM/L-2231 3-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	Do.	Aldrin Dusting Powders—IS: 1308-1959.
4	CM/L-2232 9-2-1970	1-3-1970	28-2-1971	Lloyd Bitumen Products Private Ltd., B 7 & B 8, Ambattur Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.	Bitumen Felts for Waterproofing and Damp- Proofing, Type 3, Grade I—IS: 1322-1965.
5	CM/L-2233 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Laxmi Cattle Feed Industries Fafadih, Raipur (N.P.) having their office at 15/61, Jawahar Nagar, Raipur (M.P.).	Balanced Feed Mixtures for Cattle—IS : 2052-1968.
6	CM/L-2234 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Alkali & Chemical Corporation of India Ltd., HOBO- KEN Godown Shed No. 11, Opposite Coal Depot, Kidde pore Dock, Calcutta having their Office at 17 Strand Road Calcutta-1.	т- 1958.
7	CM/L-2235 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Metro Wood & Engineering Works Pvt. Ltd., Near Seven Garnala Kalol, (Gujarat) having their office at Ashram Road, Navrangpura, Ahmedabad-9.	All Metal Reeds with Plate Baulks IS: 3022-1965.
8	CM, L-2236 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Bharat Pulverising Mills Private Ltd., 1074, THIRUVOTTIYUR High Road, Madras-19.	BHC Emulsifiable Concentrates IS: 632-1966.
_	CM/L-2237 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	Do.	Aldrin Emulsifiable Concentrates IS: 1307-1958.
10	CM/L-2238 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	M/s. South India Wire Ropes Limited, Edathala P.O. (Via Alwaye) Kerala State.	<ul> <li>(i) Steel Wire Ropes for Winding Purposes in Mines—IS: 1855-1961 and</li> <li>(ii) Steel Wire Ropes for Haulage Purposes in Mines—IS: 1856-1961.</li> </ul>
11	CM/L-2239 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	Do.	Steel Wire Ropes for General Engineering Purposes—IS: 2266-1963.

	2	3	4	5	6
12	CM/L-2240 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. A.J. Lope & Sons Ernakulam, Cochin-18 (Kerala State).	Tea-Chest Batters—IS: 10-1964.
13	CM/L-2241 9-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. South India Plywood Industries, Market Landing, Kottayam (Kerala State).	Tea-Chest Battens—IS: 10-1964.
14	CM/L-2242 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	M/s. Ganges Manufacturing Co. Ltd., Bansberia, Distt. Hooghly (West Bengal) havng their Office at Rabindra Sarani, Calcutta-1.	New Jute Wool Pack—IS: 4856-1968.
15	CM/L-2243 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., (Albion Mills) Budge Budge, 24, Parganas (West Bengal) having their Office at 11, Clive Row, Calcutta-1.	New Jute Wool Pack—IS: 4856-1968.
16	CM/L-2244 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., (Lothian Mills) Budge Budge, 24 Parganas (West Bengal) having their Office at 11, Clive Row, Calcutta-1.	New Jute Wool Pack—IS: 4856-1968.
17	CM/L-2245 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	M/s. General Industrial Society Ltd., (Gondalpara Jute Mill), Gondalpara, CHANDERNAGORE, Distt. Hooghly (W. Bengal) having their office at 8, India Exchange Place, Calcutta-1.	New Jute Wool Pack—IS: 4856-1968.
18	CM/L-2246 9-2-1970	<b>1-2</b> -1970	31-1-1971	M/s. Empire Jute Mills Co. Ltd., Titagarh Post Office Tal- pukur, 24, Parganas (West Bengal) having their office at 3, Netaii Subhas Road, Calcutta-1.	New Jute Wool Pack—IS: 4856-1968.
19	CM/L-2247 9-2-1970	1-2-1970	31-1-1971	M/s. Anglo India Jute Mills Co. Ltd., P.O. Jagatdal, 24 Parganas (W. Bengal) having their office at 31 Netaji Subhas Road, Calcutta-1.	New Jute Wool Pack—IS: 4856-1968,
20	CM/L-2248 10- <b>2-1</b> 970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Assam Conductors & Tubes Ltd., P.O. BAHUNI-MAJDAN, Gauhati-21 (Assam).	AAC and ACSR Conductors— IS: 398-1961
21	CM/L-2249 10-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. NOCTE Timber Company Private Ltd., P. O. Deomali (Khonsa Division), NEFA.	Tea-Chest Plywood Panels—IS: 10-1964.
22	A 1 + 1 - 1	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Govt. Precision Instruments Factory, Aishbagh Read, Lucknew (U.P.).	Water Meters Inferential Type 'A'. Dry- Dial 15 mm size only—IS: 779-1968.
23	CM/L-2251 10-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Vijay Timber Trading Co., Dhangu Road, P.O. Pathankot Distt. Gurdaspur (Punjab).	Plywood Tea-Chest Battens-IS: 10-1964.
24	0117	16-2-1970	15-2-1971	M/s Uttam Singh and Sons, 12, Basti Nau, Juliundur City.	Hockey Sticks—IS: 829-1965.
25		16-2-1970	15-2-1971	M/s. S.K.D. Well Pack Industries, Kilakaranai Village, SINGAPERUMAL KOIL, P. O., G. S. T. Road, CHINGLEPUT, Tamil Nadu having their office at 10, Karanees Warar Koil St. Saidapet, Madras-15.	2052-1968.
26	CM/L-2254 16-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Ruby Industries, 17/89, Ramnarain Bazar, Kanpur.	Safety Leather Boots and Shoes with Leather Sole only-IS: 1989-1967.

1653

27	CM/L-2255 16-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Pack Well Industries, 21, Gala Industrial Estate, Dumping Road, Mulund West, Bombay-80.	BHC water Dispersible Powder Concentrate —IS: 562-1962.
28	CM/L-2256 16-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	Do.	Parathion Emulsifiable Concentrates—IS: 2129-1962.
29	CM/L-2257 16-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Pack Well Industries, 21, Gala Industrial Estate, Dumping Road, Mulund West, Bombay-80.	DDT Water Dispersible Powder Concentrates —IS: 565-1961.
30	CM/L-2258 16-2-1970	16-2-1970	15-2-1971	M/s. Moti Electric Industries Private Ltd., 15-A, Naiaf- garh Road, New Delhi-15.	Weatherproof, Polythene Insulated, Taped/ Untaped, Braided and Compounded Cables Aluminium Conductors, Single Core, 250/ 440 and 650/1100 volts Grade, and Flat twin Core, 650/1100 volts grade—1S: 3035 (Pt. II) 1965.
31	CM/L-2259 20-2-1970	1-3-1970	28-2-1971	M/s. Waxwall & Company, 6/90, PALARIVATTOM, TRIPUNI-THURA Road, Palarivattom, Ernakulam, Kerala State having their office at XIV/536, Chittor Road, Ernakulam, Cochin-18, Kerala State.	Tea-Chest Battens—IS: 10-1964.
32	CM/L-2260 20-2-1970	I-12-1970	30-11-1970	M/s. Hyderabad Engineering Industries, Balanagar, Township, Hyderabad-37.	Small AC and Universal Electric Motors, Universal type, 0.037 kW (1/20 HP) with Class 'A' Insulation—IS: 996-1964.
33	CM/L-2261 25-2-1970	1-3-1970	28-2-1971	M/s. Tannery and Footwear Corporation of India Ltd., 13/300, Civil Lines, Kanpur.	Miner's Safety Leather Boots and shoes—IS:
34	CM/L-2262 25-2-1970	16-3-1970	15-3-1971		Hypodermic Syringes for General Purposes—3236-1965.
35	CM/L-2263 25-2-1970	1-3-1970	28-2-1971	M/s. U.P. Cable Company, 4, DLF Industrial Area, Naiaf- garhRoad, New Delhi, having their office at Old Ganesh Mills Building, Kishangani, Delhi-6.	Weatherproof, Polythene insulated. Taped or Untaped, Braided and Compounded Cables, Twin Core. Aluminium Conductor, 250/440 Volts Grade—IS: 3035 (Part II)—1065.
36	CM/L-2264 26-2-1970	1-3-1970	18-2-1971	M/s. Indian Wire & Steel Products, 10, Stark Road, Liluah, Howrah, (West Bengal)	
37	CM/L-2265 26-2-1970	1-3-1970	28-2-1971	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality)—IS:
38		1-3-1970	28-2-1971	M/s. Jayalakshmi Fertilizers, G.N.T. Road, Madhavaram, Madras-60.	BHC Water Dispersible Powder Concentrates IS: 572-1962.
39	CM/L-2267 27-2-1970	1-3-1970	28-2-1971	Do.	Endrin Emulsifiable Concentrates IS: 1310-
40	CM/L-2268 27-11-1970	1-3-1970	28-2-1971	M/s. Bharat Pulverising Mills, Pvt. Ltd., 1074, Thiuvotti- yur High Road, Madras-19.	Endosulfan Emulsifiable Concentrates—IS: 4323-1967.
41	CM/L-2269 27-2-1970	1-3-1 <b>97</b> 0	28-2-1971	M/s. Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate, Loni Road, Distt. Meerut (U.P.).	Malathion Emulsifiable Concentrates—IS: 2567-1963.

[No. CMD/13:11]

#### New Delhi, the 17th March 1970

S.O.1236.—In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s) particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been established during the period of 16 February to 15 March 1970:

#### THE SCHEDULE

	THE SCHEDULE							
Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard Established	No. and Title of the Indis Standard if any, super- seded by the new Indian Standard	Brief Particulars					
	(1) (2)	(3)	(4)					
I	IS: 356-1969 Specification for ester gum (First Revision)	IS: 356-1952 Specification for ester gum for paints and various varnishes	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for ester gum used in paints, varnishes printing inks, certain waterproofing compounds, etc. (Price Rs. 3.50)					
2	IS: 1151-1969 Specification for refined sugar (First Revision)	IS: 1151-1958 Specifica- tion for refined sugar	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for refined sugar. (Price Rs. 3.50)					
3	IS: 1448 [P:66] 1969 Flash point (open) and fire point by pensky-martens apparatus	••	This method is intended for the determination of the open flash point and the fire point of petroleum products except when the Cleveland open cup is specified. (Price Rs. 1.50)					
4	lSt 1448 [p:69]—1969 Flash and fire point by Cleve- land (open ) cup		This method describes the procedure for determining the flash and fire points of petroleum products, except fuel oils and those products having an open cup flash below 79°C. (Price Rs. 2.00)					
5	IS: 1478-1969 Specification for clay flooring tiles (First Revision).	IS: 1478-1959 Specifica- tion for clay flooring tiles	This standard specifies the requirements for dimensions, quality and strength for clay flooring tiles. (Price Rs. 4.00)					
6	IS: 1767-1969 Specification for dicalcium phosphate for dentifrice (First Revision)	IS: 1767-1961 Specifica- tion for dicalcium phos- phate for dentifrice	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for calcium phosphate for dentifrice. (Price Rs. 6.50).					

SEC. 3(ii)] (3)(4)(I)(2)This standard prescribes 7 IS: 2046-1969 Specification IS: 2046-1962 Specificathe requirements and the methods of sampling tion for decorative therfor decorative thermosetmosetting synthetic resin ting synthetic resin bonand test for aminoplastic ded laminated sheets bonded laminated sheets (First Revision) faced phenolic laminated sheets having coloured and/or patterned surfaces incorporated during manufacture. The material is intended for interior use. (Price Rs. 9.00) his standard prescribes the methods of sampling under normal inspection 8 IS: 2614-1969 Methods for IS: 2614-1964 Methods This sampling of fasteners (First for sampling of fasteners Revision) and the criteria fasteconformity for ners. It also provides for changeover to tightened and reduce inspection. (Price Rs. 5.00) 9 IS: 3290-1969 Specification IS: 3290-1965 Specifica-This standard lavs down for thread take up levers tion for thread take up the requirements for for cam type sewing malevers for cam type setwo types of thread take wing machines for house-hold purposes chines for household purup levers for cam type poses (First Revision) sewing machines for household purposes. (Price Rs. 4.00) to IS: 3299-1969 Specification IS: 3299-1965 Specification for oscillating rock shafts tion for oscillating rock This standard lays down the requirements for for sewing machines for shafts for sewing maoscillating rock shafts household purposes chines for househld purf∈r sewing machines for household purposes. (Price Rs. 3.50) II IS: 3400 (Part XI)-1969 his standard prescribes Methods of test for vul-canized rubbers Part XI determination of rebound methods for determining the rebound resilience of vulcanized rubbers resilience 1 (Price Rs. 6.00) 12 IS: 4667-(Part II).-1969 This standard prescribes Methods of chemicals analysis of silver-copper methods of chemical analysis for tin, silver brazing alloys and copper in alloys Part II determination of BA-CuAg7 and BAsilver, copper and tin CuAg8 as specified in IS: 2927-1964. (Price Rs. 2.50) 13 IS: 4804 (Part III)-1969 This standard covers the Specification for resistance essential electrical and weldi g equipment Part III single-phase spot mechanical features pertaining to standard and projection welding sizes of stationery single

14 IS: 5107-1969 Recommendation of nominal pressures for oil-hydraulic system elements

machines

chines. (Price Rs. 5.00) Prescribes nominal pressures for oil-hydraulic system elements. (Price Rs. 3.00)

phase ac transformer, press type spot and projection I welding ma-

for chloroform technical and analytical

This standard

methods

the requirements and the

and test for chloroform, technical and analytical grades. (Price Rs. 6.00)

prescribes

of sampling

(1)	(2)	(3)	(4)
21	IS: 5297-1969 Specification for perchloroethylene (tet- rachloroethylene), technical	••	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for perchloroethylene (tertachloroethylene) technical. (Price Rs. 5.50).
22	IS: 53∞-1969 Specification for porcelain guy strain insulators		This standard prescribes the requirements and tests for strain type porcelain guy insulators used in the transmission and distribution of electrical energy. (Price Rs. 5.50)
23	IS: 8301-1969 Specification for sodium chlorate	••	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for sodium chlorate. (Price Rs. 5.00)
24	IS: 5307-1969 Glossary of mining terms (boring and exploration)		This standard covers the definitions of terms used in mining industry in connection with boring and exploration. (Price Rs. 4.00).
25	IS: 3309 (Part I)-1969 Specification for brooders. Part I bittery brooders		This standard lays down the requirements and the performance tests of electrically-heated battery brooders. (Price Rs. 4.00).
26	IS: 5314-1969 Specification for graduated drinking vescels for lifeboats and life- raftssea-going ships		This standard specifies the material, dimension and other requirements for graduated drinking vessels for lifeboats and life rafts for sea-going ships. (Price Rs. 2.00).
27	IS: 5315-1969 Methods for sampling for milled cereals and pulses products		This standard prescribes the methods of sampling for processed cereals, pulses, oliseeds and oilcakes, in powder, particulate or agglomerated forms, such as flour, Maida and Suji. (Price Rs. 3.50).
28	IS: 5316-1969 Specification for ammonium carbonate		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test forammonium carbonate, analytical reagent and technical, (Price Rs. 5.00).
29	IS:5322-1969 Specification for polythylene wash-bowls		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for circular, square and rectangular was bowls made from polythylene. (Price Rs. 4.00).

38 IS: 5360-1969 Dimensions for

driving tenons.

This standard specifies di-

tenons. (Price Rs. 3.00).

mensions for driving

(1)	(2)	(3)	(4)
39	IS: 5375-1969 Data for pro- curement of cylindrical gear,		This standard specifies the information to be given on cylindrical gear drawing and in tables which shall be included in the same drawing sheet.  (Price Rs. 1.50).
40	IS: 5376-1969 Specification for dioptric lenges for navigational lanterns.		This standard specifies the requirements for dioptric lenses for use on all masthead, side and stern lanterns of sea going vessels. (Price Rs. 2.00).
41	IS: 5378-1969 Specification for polyethylene cane.		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for polyethylene cane. (Price Rs. 2.00).
42	IS: 5379-1969 Specification for ammonium thiosulphate, photographic grade.		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for ammonium thiosulphate used for processing sensitized photographic materials. (Price Rs. 4.00)
43	IS: 5380-1969 Specification for sodium bromide, photographic grade.		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for sodium bromide for processing of sensitized photographic materials. (Price Rs. 4.00).
44	IS: 5384-1969 Specification for aluminium I-beams.		This standard lays down the dimensions of structura aluminium I-beam section (Price Rs. 2.00).
45	IS: 5387-1969 Dimensions for stillages.		This standard covers the main dimensions of still ages which will enable easy and efficient transportation of goods by standard trucks. (Price Rs. 1.50).
46	IS: 5391-1969 Specification for adjustable metal chairs for use of typists and operators in telephone exchanges.		This standard lays down requirements of material construction and dimen sions for chairs for use of telephone operators and the typists. (Price Rs. 3.50)
47	IS: 5423-1969 General requirements for hydraulic shock absorbers for automobile suspension, direct acting telescopic type.		This standard covers the general requirements for direct acting telescopt shock absorbers used in automobile suspension (Price Rs. 2.00).

1660 THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 4, 1970/CHAITRA 14, 1892

PART II—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at (i) 534 Sardar Vallabhbhai Patel Road, Bombay-7 (ii) 5, Chowringhee Approach Road, Calcutta-13 (iii) 54 General Patters, Road, Mairas-2 (iv) 117/418 B, Sarvodaya Nagar, Kanpur and (v) 5-9-201/2 Chirag Ali Lane, Hyderabad-1.

### New Delhi, the 18 March 1970

\$.O. 1237.—Renewal of Certification Marks licences, details of which are mentioned in the Schedule given below, has been deferred as shown against each licence:

IJCCIICC	•		SCHEDULE		
Sl. No.	Licence No. and Date of issue	Licensee's Name and Address	Article/Process and the Relevant IS: No.	S.O. Number and Date of the Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I	CM/L-528 18-4-1963	Hajipur Plywood Factory, Konharaghat, Hajipur, Distt. Muzaffarpur (Bihar) having their Office at 9 Clive Row, Calcutta-1.	Tea-chest plywood panels— IS: 10-1964	S.O. 1383 dated 18-5-1963	Deferred after 30-4-1969
2	CM/L-1184 17-12-1965	Texmo Industries, Mottupalayam Road, R.S. Puram Post, Coimbatore-2	Three-phase induction motors up to 7.5 kW (10 HP) only with class 'A' insulation— IS: 325-1961		Deferred from 1-2-1970 to 28-2-1970
3	CM/L-1366 16-12-1966	Bramec Suri Pvt Ltd., G.T. Road, Ghazia- bad having their Office at 1655 S.P. Mukerij Marg, Delhi	Automotive brake lining, types I-A and I-B—IS: 2742-1964	S.O. 243 dated 21-1-1967	Deferred after 15-12-1969
4	CM/L-1521 15-9-1967	Tata Fison Industries Ltd., Plot No. 94, Industrial Estate, Ambattur, Madras -58	DDT water dispersible powder concentrates IS: 565-1961	S.O. 3733 dated 21-10-1967	Deferred after 15-2-1970
5	CM/L-1642 23-2-1968	Annapurna Pulverising Mills, Industrial Estate, Eluru, West Godavari Distt.	Malation emulsifiable concentrates— IS: 2567-1963	S.O. 1195 dated 30-3-1968	Deferred after 28-2-1970
6	CM/L-1903 24-1-1969	Miniature Bulb Industries of India, 131 Kanwali Road, Dehra Dun (U.P.)	Bulb (Lamps) for miners' cap-lamps— IS: 2596-1964	S.O. 720 dated 22-2-1969	Deferred after 31-1-1970
7	CM/L-1914 7-2-1969	The General Engineering Co., Mottupalayam Road, Coimbatore-11	Three-phase induction motors, 2·2 kW (3 HP) with class 'A' insulation— IS: 325-1961	S.O. 1256 dated 5-4-1969	Deferred after 14-2-1970
8	CM/L-1922 18-2-1969	Balaji Agrochemicals Corporation, Assisted Private Industrial Estate, Chittoor (A.P.)	Parathion emulsifiable concentrates— IS: 2129-1962	S.O. 1256 dated 5-4-1969	Deferred after 28-2-1970
g	CM/L-1928 25-2-1969	Balaji Agrochemicals Corporation, Assisted Private Industrial Estate, Chittoor (A.P.)	Endrin emulsifiable concentrates— IS: 1310-1958	S.O. 1256 dated 5-4-1969	Deferred after 28-2-1970

[PART II-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10	CM/L-1930 27-2-1969	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Siruguppa Road, Avammabavi, Bellary.	BHC water dispersible powder concentrates— IS: 562-1962	S.O. 1256 dated 5-4-1969	Deferred afte r 28-2-1970
II	CM/L-1937 17-3-1969	Balaji Agrochemicals Corporation, Assisted Private Industrial Estate, Chittoor (A.P.)	BHC water dispersible powder	S.Q. 1639 dated 3-5-1969	Deferred after 28-2-1970
12	CM/L-1938 17-3-1969	Balaji Agrochemicals Corporation, Assisted Private Industrial Estate, Chittoor (A.P.)	DDT water dispersible powder concentrates— IS: 565-1961	S.Ö. 1639 dated 3-5-1969	Deferred after 28-2-1970

JNo. CMD(13:14.)

S.O. 1238.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 16 March 1970.

#### THE SCHEDULE

F SI. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No, and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal descrption of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

IS:1606

Automobile lumps IS: 1606-1966 Specification for automobile lamps (revised)

The monogram of the Indian Institution, Standards consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number designation of the Indian Standard being superscribed the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

S.O. 1239.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for automobile lamps, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee(s) shall come into force with effect from 16 Marks 1972. from 16 March 1970.

#### THE SCHEDUE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Automobile lamps	IS:1606-1966 Specifica- tion for automobile lamps (revised)	100 lamps	(i) 50 paise per unit for the first 5,00,000 units and (ii) 20 paise per unit for the remaining units.

[No. CMD/13:10[

A. K. GUPTA.

Deputy Director General.

#### MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 25th March 1970

S.O. 1240.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948, the Central Government hereby authorises Shil P. S. Bedi, Assistant in the Vice Consulate of India, Zamdan, to perform the duties of a Consular Agent, with effect from the 4th February. 1970, until further orders.

[No. F. T.4330/2/70.]

S.O. 1241.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948, the Central Government hereby authorises Shri Joginder Singh, Personal Assistant, Consulate of India, Khorramshahr, to perform the duties of a Consular Agent, with effect from the 14th February, 1970, until further orders.

[No. F. T.4330/2/70.]

P. C. BHATTACHARJEE, Under Secy.

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (Department of Banking)

New Delhi, the 24th March 1970

S.O. 1242. In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that till the 9th June 1970 or the date on which the Martandam Commercial Bank Ltd., Trivandrum converts itself into a non-banking company, whichever is earlier, the provisions of subclause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the Banking Regulation Act, 1949 shall not apply to the said banking company, in so far as the said provisions prohibit it from being managed by Shri P. K. Koruth, its Managing Director (Chief Executive Officer) who is also a director of the Federal Bank Ltd. Alwaye.

[No. F. 15(17)-BC/68.];

K. YESURATNAM, Under Secy.

# विस मंत्रालय (वैकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 20 फरवरी 1970

ए १० औं ० 733.— बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10वां) की धारा 45 की उपधारा (7) के अनुसार केन्द्रीय सरकार एतब्द्वारा नेशनल बैंक आफ लाहौर लिमिटेंड के स्टेट बैंक आफ इण्डिया के साथ मिलाये जाने से सम्बन्धित योजना के विषय में जिसे उक्त उपधारा के उपबन्धों के अधीन केन्द्रीय सरकार ने मंजूर किया है, 23 फरवरी 1970 को विहित तारीख के रूप में निविध्ट करती है।

[संख्या एफ॰ 17(2)-बी॰ सी॰/70(1)]

एस० झो० 734.— वैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10वां) की धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय की 9 जनवरी 1970 की अधिसूचना संख्या एफ० 17 (2) बी० सी०/70 के संशोधन में केन्द्रीय सरकार एतव्हारा यह निवेश वेती है कि नेशनल बैंक भाफ लाहौर लिमिटेड दिल्ली पर लगाया गया भवायगी पर रोक सम्बन्धी आदेश 22 फरवरी 1970 तक लागू रहेगा ।

[संख्या एफ॰ 17/2/70-वी॰ सी॰ 70 (2)]

के० येसुरत्नम, धनुसनिष ।

# (Office of the Controller of Capital Issues)

New Delhi, the 26th March 1970

S.O. 1243.—In pursuance of sub-clause (ix) of clause 5 of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 558, dated the 1st February, 1969, the Central Government hereby directs that during the calender year 1970, no offer of securities of a nominal value of Rs. 250 lakhs or above (exclusive of the amounts to be subscribed by the Government and non-residents) by a public limited company shall be made or kept open during the period between the 1st June, 1970 and the 18th July, 1970 (both days inclusive) and between the 1st September, 1970 and 17th October, 1970 (both days inclusive) without obtaining the prior permission of the Central Government as to the timing of the offer.

[No. F. 2(18)-CCI/67.]

P. D. KASBEKAR, Controller of Capital Issues.

(बाधिक कार्य विभाग)

## (पंजी पुरोष्तियां सियन्त्रक्त का कार्यालय)

नई दिल्ली, 26 मार्च 1970

एस० ग्रो० 1243.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (ग्रांथिक कार्य विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० का० ग्रा० 558 तारीख 1 फरवरी 1969 के साथ प्रकाशित पूंजी पुरोधृतियां (छट) ग्रादेश 1969 के खण्ड 5 के उपखण्ड (ix) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि कलैण्डर वर्ष 1970 के दौरान किसी लोक लिमिटेड कम्पनी द्वारा (सरकार ग्रौर ग्रनिवासियों द्वारा प्रतिश्रुत की जाने वाली रकमों को ग्रपवर्जित करते हुए ) 250 लाख रुपयों या उससे ग्रधिक के ग्रंकिन मूख्य की प्रतिभृतियां की कोई प्रस्थापना, प्रस्थापना के समय की बाबत केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुजा प्रापा किए बिना, न तो की जाएगी ग्रौर न 1 जून, 1970 से 18 जुलाई, 1970 (जिसमें ये दोनों दिन भी शामिल हैं) ग्रौर 1 सिनम्बर, 1970 से 17 प्रक्टूबर, 1970 (जिसमें ये दोनों दिन भी शामिल हैं) के बीच की कालाविध के दौरान खुली रखी जाएगी।

[सं० 2(18)-सी० सी० म्राई०/67]

पी० डी० कस्बेकर, पूंजी पुरोघृतियां नियन्त्रक ।

### (Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 18th March 1970

S. O. 1244.—In pursuance of paragraph (9) of the Scheme of Wat Risks Insurance of Marine Halls, the Central Government hereby publishes, as follows, an account of the sums received into and paid out of the Wat Risks (Marine Halls Re-insurance Fund during the year ending with the 31st March,

1969, namely:—
Account of the sums received into and paid out of the 'Wit Risks (Marine Hulls) Re-insurance Fund, during the year ending with 31st March, 1969.

RECEIPTS			EX	EXPENDITURE		
	Amount	Progress of receipt up to the end of March, 1969		Amount	Progress of Expenditure up to the end of March, 1969	
1	2	3	4	5	6	
r Insurance Premium	Rs. 98,48,122·38	Rs. 2,00,01,983·01	1. Administrative expenses of the	Rs.	Rs.	
			Life Insurance Corporation of India	6,048·00 ()*3,000·00	25,377.84	
2 Advance from Consolidated Fund of India under paragraph 8(iii)			2. Payment of liabilities under the War Risks (Marine Hulls) Reinsurance Scheme under paragraph 8(ii) (showing details if	3,048-00		
			necessary.)  3. Repayments of advances made under paragraph 8 (ii).  4. Miscellaneous expenditure (showing details if necessary)	 3,000-00 (+)*3,000-00	 6,000,00	
			<ul> <li>5. Refunds of premium</li> <li>6. Sums disposed of in accordance with paragraph 8 (iv).</li> </ul>	6,000.00	::	
Total	98,48,122.38	2,00,01,983-01		9,048.00	31,377 · 84	
*Relates to the year 1967-68.				[No. F. 52(1 B. N. BAGCH		

## (राजस्व तथा बीमा विभाग)

नई दिल्ली 18 मार्च, 1970

का॰ ग्रा॰ 1244 — समुद्री जहाजों की युद्ध जोखिम बीमा योजना के पैराग्राफ (9) के ग्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 31 मार्च 1969 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान युद्ध जोखिम (समुद्री जहाज) पुनर्बीमा निधि में प्राप्त तथा उसमें से निकाली गई रकमों का लेखा नीचे लिखे ग्रनुसार प्रकाशित करती है ग्रर्थात्:—

31 मार्च 1969 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान युद्ध जोबिन (समुद्री जहाज) पुनर्वीमा निधि मे प्राप्त तथा उसमें से निकाली गई रकमों का लेखा

	प्राप्तियां			व्यय		
	रकम	मार्च 1969 के ग्रन्त तक जमा की स्थिति		रकम	मार्च 1969 के ग्रत्त तक व्यय की स्थिति	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
	₹०	₹०		रु०	रुठ	
. बीमा किस्त	94,48,122.38	2,00,01,983.01	<ol> <li>भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रशासनिक खर्च</li> </ol>	* 6,048.00 (-) 3,000.00 	25,377.84	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
्र पैरा 8 (।।।) के ग्रन्त-		••	2. पैराग्राफ 8 (।।) के		
र्गत मारत की समेकित			ग्रन्तर्गत युद्ध जोखिम		
निधि से पेशगी			(समुद्री जहाज) पुनर्वीक		
			योजना के श्रधीन देनदारियों की स्रदायगी		
			दनदारिया का अदायगा (यदि भ्रावश्यक हो तो		
			व्यारे दिए जाए)		
			3. पैराग्राफ 8(II) के		
			श्चन्तुगेत पेशगियों की	• •	
			भ्रदायगियां		
			4. विविधि व्यय (यदि		
			ग्रावश्यक हो तो ब्यौरे		
			दिए जाएं) ।	3,000.00	6,000.00
				(+)3,000.00*	
				6,000.00	
			5. किस्तों की वापसी		

31,377.84

[सं॰ फा॰ 52(1)-बीमा-1/69]

बी० एन० बागची, अवर सचिव

٢
4
1970,
CHA
<b>LTRA</b>
14,
Ξ

<b>७.</b> पराभा	ብ ይ(14)
<b>ग्र</b> नुसार	रकमों का निपन
टान ।	

	टान ।				
<del></del>	···				
जोड़	98,48,122.38	2,00,01,983.01	9,048.00		

<sup>\*</sup>वर्ष 1967-68 से सम्बन्धित ।

e flamme of iv)

#### (Department of Revenue and Insurance)

#### ESTATE DUTY

#### New Delhi, the 28th March, 1970

S.O. 1245.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 4 of the Estate Duty Act, 1953, (34 of 1953), the Central Government hereby appoints Shri R. N. Limaye, Director of Inspection (investigation) as an Appellate Controller of Estate Duty with Head Quarters at Delhi and makes the following amendments in the Schedule to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue and Company Law) No. 35/F. No. 1/20/64-E.D. dated 22nd May, 1964, namely:—

In the Schedule to the said notification for, the entry,

"Shri H. A. Shah, Director of Inspection (Income-tax) Delhi."

The following entry shall be substituted, namely:

"Shri R. N. Limaye, Director of Inspection (Investigation) Delhi.

2. This notification shall be deemed to have come into force on the 23rd August, 1969 (F.N.).

[No. F.1/9/67-E.D.]

BALBIR SINGH, Dy. Secy.

#### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

#### ESTATE DUTY

#### New Delhi, the 28th March 1970

- S.O. 1246.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 4 of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953) and in partial modification of its notification No. 32/F. No. 1/9/67-E.D. dated 30th November, 1968 published as S.O. 4432 in Part II Section 3(ii) of the Gazette of India dated 14th December, 1968, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Shri R. N. Limaye, Director of Inspection, shall perform the functions of an Appellate Controller of Estate Duty throughout India in respect of:—
  - (a) The estates of deceased persons assessed to Estate Duty on or after the 1st July, 1960 by a Deputy Controller of Estate Duty exercising his functions as such.
  - (b) The estates of deceased persons in relation to which an appeal lies under Section 62 of the Estate Duty Act, 1953, against an order passed on or after the 1st July, 1960, by a Deputy Controller of Estate Duty exercising his functions as such.
- 2. This notification shall be deemed to have come into force on the 23rd August, 1969 (F.N.).

[No. F. 1/9/67-E.D.]

BALBYR SINGH, Secy.

#### INCOME-TAX

#### Now Delhi, the 28th March 1970

S.O. 1247.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 20 (F. No. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963 published as

S.O. 1293 on pages 1454—1457 of the Gazette of India Part II Section 3 Sub-section (ii) dated the 11th May, 1963 as amended from time to time;—

I. Existing entries under Columns (1), (2) and (3), against S. No. 2 shall be substituted by the following entries:—

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction
I	2	3
2. Andhra Prajesh-I.	Hyderabad  the following shall be add	1. Circle III, Hyderabad. 2. Salary Circle, Hyderabad. 3. Srikakulam. 4. Visakhapatnam 5. Bobbili. 6. Vizianagaram. 7. Anakapalle. 8. Rajahmundry. 9. Amalapuram. 10. Circle I, Kakinada. 11. Circle II, Kakinada. 12. Eluru. 13. Palakol. 14. Tanuku. 15. Vijayawada. 16. Machilipatanam. 17. Gudiyada. 18. Tax Recovery Circle, Hyderabad. 19. Tax Recovery Circle, Vijayawada. 20. Estate Duty-cum-Incometax Circle, Hyderabad. 21. Estate Duty-cum-Incometax Circle, Kakinada. 22. Estate Duty-cum-Incometax Circle, Kakinada.
II. After the existing S. No. 2,	_	
A. Andhra Pradesh-II.	. Hyderabad.	<ol> <li>Circle II, Hyderbad.</li> <li>Special Circle, Hyderabad.</li> <li>Project Circle, Hyderabad.</li> <li>Nizamabad.</li> <li>Sangareddy.</li> <li>Nirmal.</li> <li>Circle I, Hyderabad.</li> <li>Warangal.</li> <li>Khammam.</li> <li>Kothagudem.</li> <li>Karimragar.</li> <li>Guntur.</li> <li>Tenali.</li> <li>Bapatla.</li> <li>Nellore.</li> <li>Chittoor.</li> <li>Tirupati.</li> <li>Cuddapah.</li> <li>Proddatur.</li> <li>Anantapur.</li> <li>Hirdupur.</li> <li>Kurnool.</li> <li>Nandyal.</li> <li>Mahabubnagar.</li> </ol>

#### Explanatory Note

This notification has been issued on account of the creation of one more Commissioner's charge in Andhra Pradesh.

(The above note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 35/F. No. 187/3/70-IT(AI).]

S.O. 1248.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 20 (F. No. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963, published as S.O. 1293 on pages 1454—1457 of the Gazette of India, Par II Section 3 sub-section (ii) dated the 11th May, 1963 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. No. 11 and 11A shall be substituted by the following entries and entry No. 11B shall be added afer 11A:—

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction 3	
I	2		
II. Gujarat-I	. Ahmedabad.	<ol> <li>Circle-I, Ahmedabad.</li> <li>Circle-III, Ahmedabad.</li> <li>Circle-VI, Ahmedabad.</li> <li>Circle-X, Ahmedabad.</li> <li>Group Circle-I, Ahmedabad.</li> <li>Nadiad Circle.</li> <li>Mehsana Circle.</li> <li>Palanpur Circle.</li> <li>E.Dcum-I, T. Circle, Ahmedabad.</li> <li>E.D. cum-I.T. Circle, Baroda</li> <li>E.D. cum-I. T. Circle, Raj-kot.</li> </ol>	
Gu rat-II 🕠	• Ahmedba č.	<ol> <li>Circle-II, Ahmedabad.</li> <li>Group Circle-II, Ahmedabad</li> <li>Baroda Circle.</li> <li>Petlad Circle.</li> <li>Godhra Circle.</li> <li>Broach Circle.</li> </ol>	

I	2	3
IIB. Gujacat-III .	. Ahmelabai.	7. Circle-I, Surat. 8. Circle-III, Surat. 9. Circle-III, Surat. 10. Navsari Circle. 11. Bulsar Circle. 1. Circle-IV, Ahmedabad 2. Group Circle-III, Ahmedabad. 3. Bhavnagar Circle. 4. Amreli Circle. 5. Rajkot Circle. 6 Morvi Circle. 7. Surendranagar Circle. 8. Jamnagar Circle. 9. Junagalh Circle.
		10. Porbandar Circle. 11. Bhuj Circle.

This notification shall take effect from 1st April 1970.

[No. 36 (F. No. 187/4/70-IT(AL)]

S.O. 1249.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 20 (F. No. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963 published as S.O. 1293 on pages 1454 to 1457 of the Gazette of India Part II Section 3 sub-section (ii) dated the 11th May, 1963, as amended from time to time.

Existing entries under Columns (1) (2) and (3) against S. No. 13 shall be substituted by the following entries:—

Income-tax Commissioner	Headquarters	Jurksdiction	
I	2	3	
13. Punjab, Jammu & Kushmir and Chandigarh.	Pariala.	States of Punjab, Jammu & Kashmir and Union Territory of Chandigarh excluding Central Circles at Ludhiana, Amritsar and Srinagar.	

This Notification shall take effect from 1st April 1970.

S.O. 1250.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 20 (F. No. 55/1/62-IT) dated 30th April, 1963, published as S.O. 1293 on pages 1454—1457 of the Gazette of India, Part II Section 3, sub-section (ii), dated the 11th May, 1963, as amended from time to time:—

Existing entries under columns 1, 2 and 3 against serial No. 14, shall be substituted by the following entries:

Income-tax Commiss of er			 Headquarters	Jurisdiction		
14. Poons		,		,	Poona.	State of Maharashtra excluding the Districts of Greater Bombay, Nagpur, Bhandara, Wardha, Chanda, Amravati, Yeotmal, Akola, Buldhana, Nanded, Parbhani, Aungabad, Bhir, and Osmarabad.

This Notification shall take effect from 1st April 1970.

[No. 39 (F. No. 187/7/70-IT(AI).]

S.O. 1251.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 20 (F. No. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963, published as S.O. 1293 at pages 1454—1457 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 11th May, 1963, as amended from time to time.

The existing entries under Columns 1, 2 and 3 against S. No. 12 shall be substituted and further entries made against new S. No. 12-A as under:—

Income-tax Comm	ssion	er	Headquarters	Jurisdictio <sub>n</sub>	
I			2	3	
12. Madhya Pradesh. 12-A. Nagpur.			<del>-</del>	State of Madhya Pradesh.  Nagpur, Bhandara, Wardha' Chanda, Amrayati Yeotmal' Akola, Buldana, Nanded, Parbhani, Aurangabad, Bhir and Osmanabad Districts of the State of MAHARASHTRA.	

This Notification will take effect from 1-4-70.

## MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 12th March 1970

- 8.0. 1252.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class I posts in the Punjab Engineering College, Chandigarh, under Chandigarh Administration, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Punjab Engineering College, Chandigarh Administration (Class I posts) Recruitment Rules, 1970.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said posts, the age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.
- 5. Disqualification.—(i) No person, who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said posts.
- (ii) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said posts.
- (iii) The Central Government may, if it is satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.
- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

_	_	
	***	
		i

								_
Name of Post	of	No. of posts	Classifi- cation	Scale of pay	Whether selection post or non-selec- tion post	Age for direct recruits	Educational and oth qualifications to quired for directions	re-

	1	2	3	4	5	6	7
- <b>-</b> -	Principal	ī	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 2000— 75—2150— 100—2250		Preferably below 50 years	Essentials:—Either (A)  (i) Post- Graduate degree in Engineering preceded by Engineering degree in the branch concerned from a recognised University/Institute or equivalent;
							(ii) Minimum administrative experience of three years as Head of Engineering Department of a recognised Engineering Institution;
							(iii) Total experience of 20 years in one or more of the following fields;
							(a) Teaching
							(b) Research
							(c) Industries, including public Sector Engineering Departments, State Electricity Board. etc.
							(Qualifications relax- able at Commis- sion's discretion in case of candi- dates otherwise we qualified).

## Desirable :--

Full membership of any recognised institution of engineers.

OR (B)

Eminence in Engine ering Profession.

## SCHEDULE.

Whether age and educationnal qualifications prescribed for direct recruitments; will apply in the case of Promottees

Period of Method of Probation, rectt. whether by direct reif any. cruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion /deputation/transfer grades from which promotion/ deputation/transfer to be made

Circumstances If a DPC exists, what in which is its Union Public Service composition Commission is to be consulted in making recruitment.

8

9

13

12

Age :-- No Two years Qualifications:-Yes.

By promotion failing which by direct recruitment.

10

promotion :-Professors (Post-Graduate Classes) with 3 years service Promotion in the grade ren- Committee, dered after appointment thereto on a regular basis.

II

Class I As required I cpartur der the Union Public mental Service Commission Examption from consultation) Regulation, 1958.

I	2	3	4	5	6	7
2. Professor (Post Graduate Courses):  (a) Electrical Power System.  (b) Hydraulics and Irrigation  (c) Retodynamics Machines  (d) Structural Engineering  (e) Highway Engineering	1 1 1 1	General Central Service Class I Gazetted	50—2000	Selection	Preferably below 50 years.	Essential:—  (i) Doctorate of Master's degree in the appropriate branch of Engineering from a recognised University or equivalent with specific subjects (according to the requirements of the posts)  (ii) At least 13 years in the case of Master's degree holders) teaching, reserch, practical or design experience including at least 10 years teaching at least 10 years teaching experience of degree or post-graduate classes.  (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well
3. Professors (Senior Scale) (a) Civil Engineering (b) Mechnical Engineering (c) Electrical Engineering (d) Electronics and Electrical Communications (e) Metallurgy (f) Aeronautical Engineering (g) Applied Sciences.	I I I I I I I I I I I I I I I I I I I	Do.	Rs. 1500—1750.	-50 Do.		qualified).  Essential:—  (a) For Technical posts.  (i) Doctorate of Master's Degree in the appropriate branch of Engineering from a recognised University or equivalent with specialization in one or more specified subjects (According to the requirements of the post).  (ii) At least 11 years in the case of Master's degree holders) teaching, research and practical or desigen experience, including at least 8 years teaching experience of degree classes.  (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwipe well qualified).

Do. Do. Do. Promotion: Do. Do. Associate Professors with 3 years service in the grale rendered after appointment thereto on a regular basis.

I 2 3 5 6 7 4

> (B). For Non-technical posts.

## Essential.

- (i) Doctorate with at least 2nd class master's degree in appropriate branch of study from a recognised University OI equivalent.
- (ii) At least II yearh teaching or researcs experience, including at least 8 years teaching experience of degree classes in Engineering or of post graduate classes.

(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.

## Desirable :-

Research work of applied type 29.9 evidenced published work.

(Junior Scale) (a) Civil Engineering (b) Mechanical Engineering (c) Electrical Engineering (d) Applied Sciences

τ

2

4. Professor

(d) Production Engineering Diploma Course,

General Central Service 50-1500 Class I Gazetted.

Rs. 1000- Selection 45 years (A) For Tech 50-1250- and below Essential: (A) For Technical posts (Relaxable (i) Doctorate of Master's for

degree in Governthe appropriate ment branch of Engi-Servants). neering from a recognised University or equivalent with specialization one or more specified subjects (accor-

> (ii) At least 8 years (10 years in the case of Master's degree holders) teaching, research practical or design experience inclu-ding at least 5 years teaching experience of degree classes.

ding to the requirements of the post).

(Qualifications laxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Sec. 3(ii)]	THE GAZ	RITE OF INDIA	A: APRIL 4, 197	0/CHAITRA 14, 1892	1681
	9	10	11	1 <b>2</b>	13

Age: No Two Qualifications years. yes. By Promotion failing which by direct recruitment. Promotion
Associate Professors,
with 3 years service in the grade
rendered after Committee.
appointment there
to on a regular basis.

Class I As required under the Union Public Service Committee. (Exemption from Consultation) Regulation 1958.

682 THE GAZETI	E O	F INDIA	: APRIL	4, 1970/CI	IAITRA 14	, 1892 [PART II—
I	2	3	4	5	6	7
						(B) For Non-technica posts Eenssial:—  (i) Doctorate with at least 2nd Clas Master's degree in the appropriat branch of stud from a recognise. University or equivalent.  (ii) At least years teaching or research experience including at least 5 years teachin experience of degree classes in Engi- neering or of pos- graduate classe (Qualifications re laxable at Commi- solon's discretio in case of cand- dates otherwise
						well qualified).  Desirable:—  Research work ( applied type a evidenced b published work.
Associate Profes- BOTS  (a) Post Graduate  Courses		General Central Service Class I	1025/50- 1275	o- Selection	and below (Relaxable for Go-	(i) Doctorate in th
Electrical Power System Hydraulics and	2	Gazetted.			vernment Servants)	appropriate branc of engineering from a recognised Univer- sity or equivaler
Irrigation Rotodynamics Machine 4. Structural	2 I					with specialisations one or more speci fled subjects (accor- ding to the require
Engineering Highway Engi- neering	2 I					ments of the posts (ii) Atleast 3 year
b) Degree courses						teaching experience of degree classes.
. Civil Engineering Mechanical Engi- neering	8 8					(Qualifications related to the state of the
3. Electrical Engi- neering Aeronautical	7					candidates other wise well qualified)
Engineering . S. Electronics &	2					OR
Electrical Commu- nication. Metallurgy	I					Essential:—
Applied Sciences.	4					(i) Master's degree in the appropria
c) Diploma Courses (Production Engi- neering) 1. Mechanical En-						brauch of enginee ingfromarecognise University or equivalent with specialis
neering.	2					tion in one or mo

Age: No. Two years Qualifications: To the extent indicated in Col. 11.

by direct recruitment-50%

Вy direct recruitment-50 %

By promotion Promotions failing which Assistant Professors with 5 years service the grade. in rendered after appointment thereto

on a regular basis.

Class I Departmental Promotion Committee.

As required under the Union Public Service Commission. (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

Note: For eligibility for promotion to the posts of Associate Professors (Post-gra-duate Courses), Assistant Professors should possess post-graduate qualifications in the concerned branch of engineering; for promotion to the posts of Associate Professor in Degree/Diploma Courses, Assistant Professors possessing degree qualifications in the concerned branch of engi-neering would also be eligible.

I	2	3	4	5	6	7
Electrical Engineering						specified subjects (according to the requirements of the post).
						(ii) At least 5 years' teaching, research, practical or design experience including at least 3 years' teaching experience of degree classes. (Qualifications relaxable at Commissin's discretion in case of candidates otherwise well qualified).
						II -For Non-Technical Posts.
						Bssential:
						(i) Doctorate with at least 2nd Class Master's degree in the appropriate branch of study from a recognised University or equivalent.
						(ii) At least 3 years teaching experience of degree classes.
						(Qualifications relax- able at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).
						Desirable:
						Research work of applied type.
						OR Essential:
						(i) At least 2nd Class Master's degree in the appropriate branch of study from a recognized University or equivalent. (ii) At least 8 years' teaching and/or research experience including at least 3 years' teaching experience of degree Classes in an Engineering Institute. (Qualifications relaxable at Commission's
						discretion in case of candidates otherwise well qualified).  Desirable:

Sac. 3(ii)]	THE GAZI	RTTE OF INDIA	.: APRIL 4, 1	970/CHAJTRA	14, 1892	1685
8	9	10	II	12	13	<del></del>

1686	THE GAZ	ETTE (	OF INDL	A: APRIL	4, 1970/CI	HAITRA 1	4, 1892 [PART II
	r	2	3	4	5	6	7
	ning-cum- loyment Offi-	I	General Central Service Class I Gazetted	1250-50- 1500.	Not appli cable.	- 45 years and below (relax- able for Govern- ment servants).	(i) Degree in Engineering/Technology of a recognised University or equivalent.  (ii) About 10 years' experience in a supervisory capacity in workshop or factory or concern of repute engaged in production and/or in teaching in a recognised technical institution (iii) Working knowledge in Engineering and Building trades preferably of cottage and amail scale industries.  (iv) Administrative experience.  (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).  Desirable:  Experience of apprenticeship or other
7. Supe Work	rintendent, shop,	Ι	General Gentral Service Class I Gazetted.	Rs. 625-40- 1025-50- 1275. 4	Not applicable.	40 years and below (Relaxable for Govern- ment Ser- vants).	similar training Programme Schemes.  Bissential  (i) At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.  (ii) About five years' experience in an Engineering Workshop of repute.  (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

## New Delhi, the 24th March 1970

S.O. 1253.—in the matter of the Charitable Endowments Act, 1890 and in the matter of the Sarada Ranganatham Endowment for Library Science.

Whereas an application has been made to the Central Government for vesting funds specified in the Schedule appended hereto in the Treasurer of Charitable Endowments for India, to be applied in accordance with the scheme, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Education No. S.O. 3371, dated the 27th November, 1963.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Charitable Endowment Act, 1890 (6 of 1890) and upon the application as aforesaid, the Central Government hereby orders that the said Fund shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successor in office (subject to the provisions of the said Act and the rules framed thereunder from time to time by the Central Government) upon trust to hold the said Fund and the income thereof in accordance with the terms set out in the scheme set forth in Schedule B to the said notification of the Government of India in the Ministry of Education No. S.O. 3371 dated the 27th November, 1963.

## THE SCHEDULE

- 1. A sum of Rs. 25,000.00 (Rupees twenty five thousand only) has been invested in Fixed Deposit, with the Madras Industrial Investment Corporation Limited, Madras vide their Fixed Deposit Receipt No. 14317 dated the 25th July, 1968.
- 2. A sum of Rs. 50,000.00 (Rupees fifty thousand only) has been invested in Fixed Deposit with the Madras Industrial Investment Corporation Limited, Madras vide their Fixed Deposit Receipt No. 15956, dated the 22nd August, 1969.

[No. F. 3-11/67-C3.]

SARAN SINGH, Under Secy.

## शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

## नई दिल्ली, 20 फरवरी 1970

एस० झो० 760—विश्वविद्यालय अनुवान आयोग श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 25 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भूतपूर्व शिक्षा तथा वैज्ञानिक श्रनुसंधान मंत्रालय, भारत सरकार की श्रिधिसूचना संख्या एफ० 24—10/56 यू०-5 दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1957 के श्रन्तर्गत प्रकाशित विश्वविद्यालय श्रनुदान श्रायोग (विवरण तथा सूचना) नियम 1957 को और श्रागे संगोधित करने के लिए, निम्नलिखित नियमों का निर्माण करती है, श्रर्थात् :—-

- 1. इन नियमों को विश्वविद्यालय अनुदान श्रायोग (विधरण तथा सूचना) (संशोधन) नियम, 1970 कहा जायेगा।
- 2. विश्वविद्यालय प्रनुदान ब्रायोग (विवरण तथा सूचता) नियम 1957 म:---
  - (1) नियम 3 को हटा दिया जायेगा;
  - (2) नियम 4 में शथ्दों "भी भेजेगें" के स्थान पर "भेजेंगे" शब्द लिख दिया जाये।

[सं॰ एफ॰ 9-45/69-यू॰-2]

वियोगी नारायण, धवर सिच्च।

## MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 20th March 1970

S.O. 1254.— In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra Colliery of Messrs Karamchand Thapar and Brothers (Private) Limited, Central Office Bhowra, Post Office Bhowra, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th March, 1970.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE NO. 11 OF 1969

#### PARTIES:

Employers in relation to Bhowra Colliery, P.O. Bhowra, Dist., Dhanbad.

Their workman represented by the Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

#### PRESENT:

Shri Ram Asray Misra.—Presiding Officer.

## APPEARANCES:

For the Employers.—Shri K. C. Nandkeolyar, Chief Personnel Officer.

For the Workman.-Shri P. K. Bose. Advocate.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, dated the 5th March, 1970

## AWARD

Being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bhowra Colliery of M/s. Karamchand Thapar and Brothers (Private) Limited, Central Office Bhowra, Post Office Bhowra, District Dhanbad, and their workmen, the Central Government has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), by its order No. 2/157/68-LRII dated the 21st March, 1969 referred it for adjudication to this Tribunal. The detailed nature of the dispute is disclosed from the schedule, quoted below, which is a part of the order of reference:-

"Whether the claim of the workman Shri Ishak Khan, Mining Sirdar of Bhowra Colliery for the scale of Rs. 205-7-247-10-337 as recommended by the Central Wage Board for Coal Industry is justified? If so, to what relief is he entitled?"

- 2. As usual in response to the notice issued by the Tribunal, the Colliery Mazdoor Sangh, of which Shri Ishak Khan was a member, filed its written statement for his benefit. No written statement has been filed on behalf of the employers.
- 3. It, however, is not necessary to discuss the merits of the cases of the parties because they have filed a joint petition dated 24th February, 1970, in which it is stated that the dispute has been amicably resolved between them on terms incorporated in that petition and they have prayed that an award be passed in terms thereof. This settlement petition is signed by Shri K. C. Nandkeolyar, Dy. Chief Personnel Officer of the employers. Shri N. K. Lal, Secretary, Colliery Mazdoor Sangh and Shri Ishak Khan the workman concerned. Shri P. K. Bose, Advocate of the Colliery Mazdoor Sangh has also signed it. I have perused the petition and, in my opinion, the terms of settlement are fair and reasonable to both the parties and I accept them.

- 4. My award, therefore, is that as per terms of the joint settlement petition Shri Ishak Khan, Mining Sirdar, will be placed in the grade of Rs. 205—7—247—10—337 with effect from 1st January, 1969, with Rs. 219 basic per month from the date and the difference of wages would be paid to him by the employers on or before 31st March, 1970. The joint settlement petition dated 24th February. 1970, will also form part of my award.
- 5. Let a copy of this award be submitted to the Central Government as required by section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd/- Ram Asray Misra, Presiding Officer.

# BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD.

In the matter of Reference No. 11 of 1969.

Employers in relation to Bhowra Colliery

Vs.

Their workmen.

Joint petition of compromise:

The parties named above beg to submit as under:-

- 1. That the Central Government has referred the following dispute for adjudication to this Hon'ble Tribunal:—
  - "Whether the claim of the workman Shri Ishak Khan, Mining Sirdar of Bhowra Colliery for the scale of Rs. 205—7—247—10—337 as recommended by the Central Wage Board for Coal Industry is justified? If so, to what relief is he entitled."
  - 2. That the parties have resolved the dispute amicably as under:-
    - (a) That Shri Ishak Khan, M/Sirdar will be placed in the grade of Rs. 205—7—247—10—337 with effect from 1st January, 1969, with Rs. 219 basic per month from that date.
    - (b) That the difference of wages, will be paid to the workman concerned on or before 31st March, 1970.
- 3. Therefore it is prayed that this settlement may kindly be accepted by the Hon'ble Tribunal and an award may kindly be passed in terms hereof.

And for that act of kindness the parties above-named shall ever pray.

For the Workmen.

For the Employers.

Sd./- N. K. LAL,

Sd./- K. C. NANDREOLYAR.

Secretary,

Dy. Chief Personnel Officer.

Colliery Mazdoor Sangh.

Bhowra Branch.

Sd./- ISHAQUE KHAN,

Workman concerned.

Indentified by:

Sd./- P. C. C. Bose.

Advocate.

Dated: the 24th February, 1970.

[No. 2/157/68-LRII.]

## New Delhi, the 21st March 1970

S.O. 1255.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Sendra Colliery of Messrs Hind Shippers (Private) Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947

## REFERENCE No. 4 of 1969

#### PARTIES .

Employers in relation to Sendra Colliery of M/s. Hind Shippers (P) Ltd., P.O. Bansjora, (Dhanbad).

#### AND

Their Workmen, represented by the Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

## PRESENT:

Shri Ram Asray Misra, Presiding Officer.

#### AFFEARANCES:

For the Employers:—Shri M. V. Bljapurkar, Manager with Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen: -Shri S. Dasgupta, Secretary, Colliery Mazdoor Sangh.

STATE Bihar.

INDUSTRY: Coal

## Dhanbad, the 20th February, 1970

## AWARD

In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government has, by its order No. 2/211/68-LRII dated 4th December 1966, referred the 'industrial dispute', the details whereof appear from the schedule quoted below, for adjudication to this Tribunal.

## SCHEDULE

- "Whether the management of Sendra Colliery of Messrs Hind Shippers Private Limited, Office Bansjora, District Dhanbad, was justified in retrenching Shri Gobardhan Singh, Attendance Clerk, with effect from the 31st July, 1968? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2 The case was registered in this Tribunal as Reference No. 4 of 1969.
- 3. In response to the usual notice, the parties filed their written statements. Some documents were also filed by them on the 6th February, 1970 and with their consent 20th and 21st February, 1970 were fixed for filing of further documents by the parties, for recording evidence and for arguments: On 20th February, 1970, however, the representatives of the parties stated that they would not adduce any further evidence, whether oral or documentary, and they filed a joint petition stating that the dispute has been settled between them amicably on terms incorporated it and that an award be passed in accordance therewith. This joint petition is signed by Shri M. V. Bijapurkar, Manager, on behalf of the employers, and Shri S. Dasgupta, Secretary of the Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad, on behalf of the workman and the workman himself. They have all verified this petition before me.
- 4. I have perused the joint settlement petition which incorporates the terms on which the dispute has been settled between the parties and, in my opinion, they are fair and reasonable. I accept it.
- 5. My award, therefore, is that the dispute, which is the subject matter of this reference, be decided according to the terms and conditions incorporated in the joint settlement petition of the parties dated the 20th February, 1970, which will form a part of the award.
- 9. Let this award be submitted to the Central Government under section 15 of the Industrial Dispute: Act.

(Sd.) Ram Asray Misra, Presiding Officer.

## BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1) DHANBAD

## REFERENCE NO. 4 OF 1969

### PARTIES:

Employers in relation to Sendra Colliery of M/s. Hind Shippers (P) Ltd., P.O. Bansjora (Dhanbad).

#### AND

Their workmen, represented by the Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

Joint Petition for Compromise

The Parties abovenamed beg to submit that the following dispute has been referred to this Tribunal for adjudication:—

## SCHEDULE

"Whether the management of Sendra Colliery of Messrs Hind Shippers Private Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad was Justified in retrenching Shri Gobardhan Singh, Attendance Clerk with effect from the 31st July, 1968? If not, to what relief is the workman entitled?"

The parties abovenamed beg to submit further that the matter has been amicably settled mutually between the parties on the following terms and conditions:—

- (a) That the workman shall be paid one month's notice pay and retrenchment compensation under Section 25F of the Industrial Disputes Act, as offered by the management vide their letter dated 31st July, 1968;
- (b) That for the purpose of calculating the above payments the basic pay of the workman shall be taken to be his basic pay as on 31st July, 1968;
- (c) That in addition to the above the workman shall be paid all other arrears of legal dues including the salary of the workman for the month of July 1968, Quarterly Bonus for quarter ending June 1968, leave wages due for the year 1967, proportionate leave wages due for the year 1968 (upto 31st July), and single journey train fare;
- (d) That the management agrees to pay a further sum of Rs. 250/- (Rupees two hundred fifty) to Shri Gobardhan Singh as ex-gratia payment;
- (e) The management also agrees to pay Rs. 100/- (rupees one hundred) as cost;
- (f) That all the above payments shall be made within two (2) weeks from the date of this agreement.

That the matter having been compromised, it is prayed that the terms of settlement may kindly be accepted as fair and reasonable and an award be made accordingly on the basis of the above settlement.

For the Employers

For the Workmen

(Sd.) S. DASGUPTA,

(Sd.) M. BIJAPURKAR

(Manager)

20/2/70

For Colliery Mazdoor Sangh 20/2/70.

(Sd.) Illegible (Advocate)

(Sd.) GOBARDHAN SINGH,

20/2/70

Concerned Workman.

/70 C

20/2/70.

DHANBAD.

Dated: 20th February, 1970.

[No. 2/211/68-LR-II]

S.O. 1256.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal. (No. 1) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Agardih Colliery of Messrs Agardih Colliery Company, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th March, 1970.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947.

REFERENCE No. 33 of 1968

#### PARTIES

Employers in relation to the Agardih Colliery of Messrs Agardih Colliery Company, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad

And

Their Workman.

### PRESENT:

Shri Ram Asray Misra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES:

For the Employers: -Shri S. K. Gupta, Manager.

For the Workman:—Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha with Shri Nankoo Mia, workman concerned.

STATE Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, the 6th March, 1970

## AWARD

The 'industrial dispute' which is the subject matter of this reference is between the employers in relation to the Agardih Colliery of Messrs Agardih Colliery Company, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workman. It was first taken up before the Assistant Labour Commissioner (Central), Dhanbad-I for conciliation but since it could not be resolved there the Central Government has, by its order No. 2/51/68-LRII dated 14th May, 1968, referred it for adjudication to this Tribunal in accordance with section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947. The precise nature of the dispute is revealed from the schedule, quoted below, which is a part of the order of reference.

"Whether the management of Agardin Colliery of Messrs Agardin Colliery Company, Post Office Katrasgarh, District Dhanhad was justified in dismissing Shri Nankoo Mian, Miner, from service with effect from the 8th November, 1967? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. In response to the statutory notice, a written statement was filed by the Bihar Koyla Mazdoor Sabha of which Shri Nankoo Mian was a member. The employers also filed their written statement contesting Nankoo Mian's claim.
- 3. Before, however, the stage of recording of evidence was reached the employers and Shri Nankoo Mian (individually) filed a joint petition stating that the dispute has been amicably settled between them on terms incorporated in it and that an award be passed in accordance therewith. The Bihar Koyla Mazdoor Sabha did not join this petition. Since Nankoo Mian was individually not a party to the dispute I called upon the Bihar Koyla Mazdoor Sabha to state whether it has any objection to the prayer made in the petition of the employers and Shri Nankoo Mian. Accordingly Shri Lalit Burman, General Secretary of the Bihar Koyla Mazdoor Sabha, who had filed and signed the written statement on behalf of the Sabha, appeared before me and stated that he has no objection to the award being passed in accordance with the terms incorporated in that joint petition.
- 4. In the result, as per terms embodied in the joint settlement petition dated 3rd March, 1970, my award is that Shri Nankoo Mian has been allowed to resume duties from 2nd March, 1970 as a fresh employee of the Agardih Colliery of Messrs Agardih Colliery Company, P.O. Katrasgarh, District Dhanbad and he will not be entitled to any compensation or wages for the period during which he had to sit idle on account of his dismissal by the employers. The joint settlement petition dated 3rd March, 1970 will also form part of the award.
- 5. Let a copy of the award be submitted to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act. 1947.

(Sd.) RAM ASRAY MISRA, Presiding Officer

## EEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD

REFERENCE NO. 33 OF 1968

Employers in relation to Agardin colliery.

Vs.

Their workers.

The employers and its concerned workman Sri Nanku Mia beg to submit as follows:

- (1) That the dispute between the parties has been settled amicably on the following terms:—
  - (a) That without prejudice to the contention of the respective parties made before the Honourable Tribunal in their written statements, it is agreed that the concerned workman Sii Nanku Mia has already been allowed to resume the dutles with effect from 2nd March, 1970.
  - (b) That the concerned workman Sri Nanku Mia has been re-employed by the employer as a token of goodwill and to maintain cordial relation with the workman, with effect from 2nd March, 1970 and he has already joined the appointment as a miner. It is agreed that the appointment shall be treated as fresh appointment.
  - (c) That the terms of the compromise have been read over and explained to the concerned workman Sri Nanku Mig in Hindi and he has put his L.T.I. in token of acceptance of the same:
- It is, therefore, prayed that the honourable Tribunal will be pleased to record this compromise and give its award in terms thereof.

Dated 3rd day of March, 1970

L.T.I. of Shri Nanku Mian

(Sd.) Illegible for Employer.

[No. 2/51/63-LR:II]

S.O. 1257.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 3) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Ashakuty/Phularitand Collierv and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th March. 1970.

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

REFERENCE NO. 13 OF 1969

PRESENT.

Shri Sachidanad Sinha, M.A., M.L., Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the Ashakuty Phularitand Colliery.

Vs.

Their workmen.

APPEARANCES:

For employers-Shri D. Narsingh. Advocate.

For workmen-Shri Lalit Burman General Secretary.

INDUSTRY: Coal.

STATE: Bihar.

Dhanbad, dated the 25th of February, 1970.

1. The Central Government being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Ashakuty/Phularitand Colliery of Messrs Ashakuty Coal Company Limited, Post Office—Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen, by its order No. 2/252/68-LRII,

dated the 12th of February, 1969, referred under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the schedule annexed thereto. The Schedule is extracted below:—

#### SCHEDULE

- "Whether the management of Ashakuty/Phularitand Colliery of Messrs Ashakuty Coal Company Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad was justified in suspending the workman Shri Lakhi Chand Shaw, H. P. Miner, with effect from the 14th April, 1968, pending enquiries, and in dismissing him ultimately with effect from the 5th June. 1968? If not, 1) what relief is the workman entitled?"
- 2. The management filed the written statement on 28th March, 1969. Their case is that the concerned workman Sri Lakhi Chand Shaw was a hand-pick miner (H.P. Miner). While working as a H.P. Miner in the second shift on 11th April, 1968, the concerned workman was found robbing, i.e., cutting coal from the floor in No. 30 Dip, being a place where he had no right to cut any coal, which constitutes a misconduct. By unauthorisedly robbing or cutting coal from the floor, the workman also increased the height of the gallery beyond the prescribed limit of 10 ft. and thus endangered the safety of the mine. When challenged and warned by the mining sirdar and overman-in-charge, the concerned workman rebuked them in a most filthy language and committed further misconduct.
- 3. Thereafter, the Manager issued a chargesheet to the concerned workman on the 13th April, 1968 and he was also suspended pending enquiry. The workman replied to the chargesheet on the 14th of April, denying the allegations made in the chargesheet.
- 4. As the workman's reply to the chargesheet was not considered satisfactory by the management, he was notified by letter, dated 1st May, 1968 that an enquiry would be held in the matter on 3rd May, 1968 at 4 P.M. He was also informed by that notice that the enquiry would be conducted by Sri B. N. Pande, a Pleader of the Dhanbad Bar and also advised him to appear at the enquiry with his witnesses, if any. But the concerned workman did not appear for the enquiry on the 3rd May, 1968. He was therefore, given a further apportunity to defend himself by appearing at the enquiry on the 8th May, 1968 at 4-30 P.M. in the office of the Manager of the collicry. But the concerned workman did not appear at the enquiry on that date and therefore, no enquiry was held on that date. The management, however, gave the workman yet another opportunity to appear at the enquiry and defend himself with his witnesses, and the next date of enquiry was fixed on the 17th of May, 1968 at 4-30 P.M. The concerned workman, however, did not appear at the enquiry though he had received the management's registered notice. Therefore, the enquiry was held ex-parte on the 17th of May, 1963, by the Enquiring Officer, Sri B. N. Pandey.
- 5. The Enquirying Officer examined six witnesses at the enquiry and recorded their statements. He considered evidence and came to the conclusion that Sri Lakhi Chand Shaw was guilty of the misconduct contained in the chargesheet. The Enquirying Officer accordingly submitted his report of enquiry on 23rd May, 1968. The management then considered the report of the enquiry and agreeing with the anding of the Enquirying Officer dismissed the workman from service with effect from the 5th of June. 1968. Therefore, according to the management, they were justified in suspending the concerned workman Sri Lakhi Chand Shaw with effect from the 14th April. 1968, pendling enquiry into the chargesheet and in further dismissing him with effect from 5th June, 1968, as the misconduct was established at a proper enquiry and the concerned workman is not entitled to any relief.
- 6. The General Sccretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha filed the written statement on 24th March, 1969 on behalf of the concerned workman. Their case is that the concerned workman Sri Lakhi Chand Shaw has been working as a H. P. Miner in Ashakuty Phularitand colliery for long. With the formation of the branch of Bihar Koyla Mazdoor Sabha in Ashakuti/Phularitand colliery he stated taking active part in the Union work. The management opposed the formation of the branch of the Union in the colliery and started the policy of victimisation of the leading workers of the Union including the concerned workman.
- 7. In view of victimising the concerned workman the management issued a chargesheet dated 13th April, 1968 agains? Shri Lakhi Chand containing some faked charges and suspended the concerned workman from 14th April, 1968 pending enquiry. On 14th April, 1968 the concerned workman submitted his reply to the chargesheet denying all the allegations made against him.

- 8. The management proposed to hold the enquiry on 3rd May, 1968 and appointed one Sri B. N. Pandey, Pleader of Dhanbad for conducting the said enquiry. On 3rd May, 1968 the concerned workman presented himself for enquiry at the appointed place and time. But no enquiry was held on that date, as the Enquirying Officer Sri B. N. Pandey did not turn up. Thereafter the management fixed the enquiry on 17th May, 1968 and on that date also the concerned workman went to the office of the Manager of the colliery at the appointed time along with his witnesses. But Sri B. N. Pandey, Pleader did not turn up nor any enquiry was held. The concerned workman was told that a further notice fixing up another date for enquiry would be issued but to the great surprise of the concerned workman instead of fixing up the date of enquiry the management issued a letter dated 2nd June. 1968, stating that the workman deliberately avoided the enquiry and as the Enquiry Officer found him guilty of the charges in the exparte enquiry conducted on 17th May, 1963, he was dismissed with effect from 5th June, 1968. The whole story of the exparte enquiry is false and mala fide device adopted by the management in order to get rid of the workman without holding a proper and impartial enquiry. According to the Union the action of the management was mala fide and totally unjustified. The management acted with bad faith and victimised the workman, and therefore, the concerned workman is entitled to get the relief of reinstatement with full back wages for the entire period of suspension from 14th April, 1968.
- 9. On behalf of the management one witness was examined viz. Sri B. N. Pandey, the Enquiry Officer and 9 items of documents were exhibited and are marked as Ext. M-1 to M-9. On behalf of the Union 2 witnesses were examined including the concerned workman Sri Lakhi Chand Saw.
- 10. The point for consideration is whether the suspension of the concerned workman from 14th April, 1968 and his subsequent dismissal from the 5th June, 1968 is justified?
- 11. Ext. M-1 is the chargesheet. The concerned workman Sri Lakhi Chand Saw was chargesheeted on the allegation that on 11th April, 1968 in the 2nd shift he was found robbing the floor coal in 30 dip wherein he had heightened the gallery more than 10 ft. which is above statutory limit and that when he was questioned on this point by the Mining Sirdar and overman-incharge he rebuked them in most filthy language. He was therefore, charged under the Standing Order 18(c), 18(q) and 18(r). The concerned workman replied to the chargesheet denying the charges. According to him he was not found robbing the floor coal by anyone nor he abused the Mining Sirdar and Overman.
- 12. WW-1 is Sri Lakhi Chand Saw, the concerned workman. He has stated in his evidence that on 11th April, 1968 in the 2nd shift when he went to work he found a place where the floor coal was already cut and when this was pointed out to the Mining Sirdar and Overman of the shift concerned, they marked the place with chalk and he was instructed to work on the gallery fuce and on that date he did not cut the floor coal. But on that date he worked only in the gallery face. The Overman or the Mining Sirdar have not been examined to contradict his statement.
- 13. The case of the management is that the enquiry was to be held on 3rd May, 1968 and on 8th May, 1968 and that when the concerned workman did not appear on these dates the enquiry was held on 17th May, 1968 and even on that date the concerned workman did not appear and therefore, the enquiry was held exparte on 17th May, 1968. The case of the Union is that on all the aforesaid dates the concerned workman went to the Manager's office along with his witnesses. But no enquiry was held and later on a fake enquiry proceeding was done and on the basis of faked enquiry the Enquiry Officer wrote out the report. According to the Union the enquiry proceeding Ext. M-8 and the enquiry report are faked documents.
- 14. In this case the Enquirying Officer was Sri B. N. Pandey. He is an advocate, practising at local Dhanbad Bar. He is a young lawyer aged about 27 years and joined the Dhanbad Bar in June, 1967, and conducted the present enoury in May, 1968. He had not conducted any such enquiry previously. Generally in such proceedings the officer chosen to hold the enquiry is of high status to command the confidence of the employees. WW-1 Sri Lakhi Chand Saw has stated in his evidence that in this colliery the nomal practice is that the departmental enquiry is conduced by the Labour Welfare Officer and this point does not appear to be challenged in his cross-examination.

- 15. I have made the aforesaid observation regarding the Enquirying Officer as serious allegations have been made against him. MW-1 Sri B. N. Pandey has stated in his evidence that the statements of witnesses were recorded by him and that he recorded the statements of six witnesses. It was suggested to him that the depositions of the six witnesses are not in his pen because the writing differs from his signature which is appended at the foot of the deposition. It was also suggested to him that the depositions were already written by somebody else previously and that he only appended his signature at the foot of the deposition. The suggestion of the Union appears to me to be neither reckless nor unjustified. From the naked eye also it is clear that the Enquirying Officer has simply appended his signature. The depositions are in different ink and pen. The person who signed the depositions does not appear to be the same as the person who had written the deposition.
- 16. Ext. M-9 is the enquiry report. It is not the original enquiry report. It is only the copy of the original enquiry report. The original has not been filed by the management for the reasons best known to them. MW-1 has stated in his evidence that Ext. M-9 is not the original report and that this is only true copy of the original report. He emphatically asserted in his evidence that Ext. M-9 is not an original but it is true copy. No explanation has been given as to why the original has not been filed. Therefore, this enquiry report also appears to be suspicious. MW-1 has further stated in his evidence that only the Manager was present at the time of the enquiry besides witnesses. But the report Ext. M-9 does not mention that the enquiry was conducted in presence of the Manager nor the manager has been examined to prove this fact. The management has also not examined before me the Mining Sirdar Sri Sultan Mian and Sri P. N. Lal, Overman.
- 17. It is also pointed out to me on behalf of the Union that this enquiry is not proper and fair and that there is no finding that the Enquirying Officer has believed the statement of witnesses examined before him and that there is no finding by the Enquirying Officer that the concerned workman has violated the Standing Order 18(c), 19(q) and 18(r). The evidence discussed above does not go to show that the concerned workman refused to attend the enquiry delibarately and intentionally without any reasonable cause on the aforesaid dates. The enquiry does not appear to be fair and proper.
- 18. Therefore, my finding is that the domestic enquiry conducted by the management was not proper and fair. Accordingly I hold that the management was not justified in suspending the concerned workman Sri Lakhi Chand Saw (H. P. Miner) with effect from the 14th April, 1968 and in dismissing him ultimately with effect from the 5th of June 1968. The concerned workman Sri Lakhi Chand Saw, H. P. Miner is therefore, entitled to be reinstated with full back wages along with continuity of service.
- 19. This is my award. It may be submitted to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) Sachidanand Sinha, Presiding Officer. [No. 2/252/68-LR.IL.]

S.O. 1258.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudium Collieries (Andhra Pradeshn) and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th March, 1970.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

### PRESENT:

Sri Mohammad Najmuddin, M.A., B.L., Chairman, Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.

INDUSTRIAL DISPUTE No. 4 of 1969

## BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Ltd., P.O. Kothagudium Collieries.

Management of Singareni Collieries Company Ltd., P.O. Kothagudium Collieries.

## APPEARANCES:

Workmen remained absent.

Messrs. Bhaskarachary, Chief Personnel Officer, and M. V. Ramakrishna, Assistant Personnel Officer, for the Management.

## AWARD

The Government of India in its Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) had, by order No. 7/20/68LRII dated 24th February, 1969, referred this dispute to me for adjudication. The issue as per annexure to the notification is this:

Whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudium Collieries, is justified in denying the wages in the grade of Rs. 245—10—325—15—385 plus 10 per cent attendance bonus to the Lamp Room Incharges as recommended by the Central Wage Board for the Coal Mining Industry? If not, to what relief are these workmen entitled?

The Singareni Collieries Mazdoor Sangh represented by its General Secretary is party to the reference. Any other trade union operating within the territory of the Singareni Collieries is not party to the reference. The statement of claims was filed by and under the signature of Mr. S. Narayana Reddy, General Secretary, Andhra Pradesh Colliery Mazdoor Sangh. It will be noted that the Andhra Pradesh Colliery Mazdoor Sangh is different from Singareni Collieries Mazdoor Sangh, the latter alone being party to the reference. As the statement of claims that was actually filed was by a trade union not party to the reference, the Management of the Singareni Collieries did not choose to file counter to it, and was awaiting statement of claims to be filed by the Singareni Collieries Mazdoor Sangh which, as I said, is alone party to the reference. While so, a settlement under section 12(3) of the Industrial Disputes Act was received by registered post on 21st February, 1970. Two Registered Trade Unions, viz., Singareni Collieries Workers Union, Kothagudium, and the Tandur Coal Mines Labour Union, Belam palli, are party to that settlement. Dr. Raj Bahadur Gour, President, Mr. B. Gangaras Vice President, Mr. M. Komariah, General Secretary, and three other office bearers of the Singareni Collieries Workers Union have signed that settlement. On behalf of the Tandur Coal Mines Labour Union it is signed by Mr. S. Naglah Reddy, President of the said Union. On behalf of the Management it is signed by Mr. V. L. Karwande, General Manager, Mr. M. Vasudevan, Deputy General Manager, Mr. N. Bahaskara Chary, Chief Personnel Officer, and Mr. M. V. Ramakrishna Rao, Assistant Personnel Officer. This settlement covers 20 items, item 9 being the subject of issue in the reference. It will be noted that neither the Singareni Collieries Workers Union nor the Tandur Coal Mines Labour Union is party to the reference. That being so, it was not possible then Itself to make an award on the basis of the settlement under mention. I awaited applications

- 2. Mr. Bhasarachary the Chief Personnel Officer and Mr. Ramakrishnarao the Assistant Personnel Officer are present today. They presented two applications, one from the Singareni Collieries Workers Union and the other from the Tandur Coal Mines Labour Union. By each application the concerned Union seeks to be impleaded as party to the dispute. As I said earlier, these two Unions are party to the settlement. The application by the Singareni Collieries Workers Union is signed by Mr. Kumariah who is the General Secretary of the said Union. That by the Tandur Coal Mines Labour Union is signed by Mr. S. Naglah Reddy who is the President of the said Union. These two signatures are vouched by Mr. Bhaskarachary and by Mr. Ramakrishnarao. It is stated in the applications that as the two Union have entered into the aforesaid settlement, there was no need to file counter. It is prayed in the applications that award may be passed in terms of the Memorandum of Settlement. Mr. Karwande the General Manager endorsed at the end of the application by the Singareni Collieries Workers Union that the Management had no objection to the said Union being made party to the dispute and that an award on the basis of the settlement is invited. Similar is the endorsement made by Mr. Vasudevan the Deputy General Manager at the end of the application by the Tandur Coal Mines Labour Union. Accordingly I have just now impleaded both the Unions as party to the dispute.
- 3. It will be noticed that neither the Singareni Collieries Mazdoor Sangh, it alone being party to the reference, nor the Andhra Pradesh Colliery Mazdoor Sangh, which had actually filed the statement of claims, is party to the settlement.

I am not taking notice of the statement of claims filed by the Andhra Pradesh Colliery Mazdoor Sangh because it is not party to the reference, nor has it chosen to apply to be made party to the dispute. There remains the Singareni Collieries Mazdoor Sangh which alone, as I said, is party to the reference as originally made. It has not chosen to file statement of claims despite receipt of notice to file one which was sent to it after the reference was received from the Government of India. So far as concerns these two Mazdoor Sangh Unions, I leave it at that.

- 4. As I said, there are 20 items of settlement in the settlement dated 17th September, 1969, which is under Sec. 12(3) of the I.D. Act. Item 9 therein is in respect of the only issue in the reference, viz., in respect of grades for Lamp Room Incharges. Now that the two Unions that had negotlated this comprehensive settlement are impleaded as party to the dispute, I am clear that an award should follow on the basis of that settlement. The claim put forward by the Lamp Room Incharges has been conceded. I have perused the other clauses in the settlement. I find them fair and equitable between the parties. Before I pass on to the operative portion of this award, I wish to observe that the settlement in question was the consummation of continued purposeful endeavour on the part of Mr. O. Venkatachalam the Chief Labour Commissioner (Centra!) and of the equally helpful co-operation from the representatives of the two Unions and of the employer.
- 5. Award is herewith passed in terms of the Memorandum of Settlement dated 17th September, 1969, copy whereof is appended hereto.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, this the 9th day of March, 1970.

(Sd.) M. NAJMUDDIN, Industrial Tribunal.

Memorandum of settlement arrived at in the course of conciliation proceedings held by the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi under section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947, in the dispute between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workmen represented by the Singareni Collieries Workers Union, Kothagudem and the Tandur Coal Mines Labour Union, Belampalli.

#### PRESENT:

Shri O. Venkatachalam, Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.

### Representing the Management:

- 1. Shri Anil De, IAS., Managing Director.
- Shri V. L. Karwande, General Manager.
- 3. Shri M. Vasudevan, Dy. General Manager.
- 4. Shri N. Bhaskarachary, Chief
- Personnel Officer.
  5. Shri M. V. Ramakrishna Rao,
  Asst., Personnel Officer.

### Representing the Workmen;

- S. C. Workers' Union, Kothagudem.
  - Dr. Raj Bahadur Gour, President.
  - 2. Sri B. Gangaram, Vice President.
  - 3. Sri M. Komaraiah, Genl. Secy.
  - 4. Sri V. Rajeshwhara Rao, Jt., Secy.
  - 5. Sri M. Bhaskara Rao, Branch Secy., Ramagundam.
  - 6. Sri P. Ramulu, Treasurer, Ramagundam Branch.

Tandur Coal Mines Labour Union Belampalli.

1. Sri S. Nagaiah Reddy, President.

## Short Recital of the case:

The situation arising out of the threat of strike by the Singareni Collieries Workers' Union, Kothagudem and the Tandur Coal Mines Labour Union, Be'ampalli from the 8th September, 1969, which was postponed by the Unions in order to facilitate resumption of negotiations for a settlement of the dispute, was taken up for consideration with special reference to the charter of demands made by the Unions. As a result of the prolonged discussions held at Hyderabad from the 11th to 17th September, 1969, before the Chief Labour Commissioner (Central),

the following settlement has been arrived at under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

Agreement has been reached on the following demands of Unions:

## (1) Break-down musters (Fillers).

The parties have agreed that the C.L.C. will depute one of his A.L.Cs. to investigate the matter in order to ascertain the individual workers concerned and the extent of payments due to them on account of the breadown of supply of tubs to the fillers during the years 1956-1964 with the help of available records and after allowing for payments already made on this account. The General Manager of the Company will arrange necessary assistance to the A.L.C. in the enquiry. This matter will be disposed of within three months.

## (2) Measurement of lead (Fillers).

The management have agreed to measure the lead from the working face to the end of the track and after the same an extra distance of 15 ft. will be added to arrive at the total lead.

## (3) Provision of measurement slips to Fillers:

The management have agreed to supply measurement slips to each Filler once a week with relevant particulars.

## (4) Supply of shovels to Fillers:

The management have agreed to supply new shovels whenever the old ones become unserviceable.

## (5) Payment of II Class train fare to Fillers:

The basic earnings of a filler for the period of his leave salary will determine the class of his train fare in terms of Wage Board recommendations in this regard.

## (6) Shuttle car loading account:

The management have agreed to make the payment within a month.

## (7) Apprentices:

It is agreed that the apprentices in service will be paid not less than Category I wage with effect from 15th August, 1969, the other terms and conditions of their service remaining the same. The parties have further agreed to file a compromise on these terms before the I.T., Hyderabad.

## (8) Clay-pill makers of Godavari Khani.

The management have agreed to employ the workers concerned with effect from 1st October, 1969, on the initial wage of Rs. 500 (basic) per day at Category I employees. The Union have agreed to forego all other claims in respect of these workers relating to the past period. The management will be free to transfer them to other divisions or establishments if they find it necessary. The parties have further agreed to file a compromise in these terms before the Industrial Tribunal, Hyderabad.

## (9) Grades for Lamp-room Incharges:

It is agreed that the lamp rooms having 1,000 or more lamps will have an Incharge in Grade-I Clerical (Rs. 245—385) and that lamp rooms having less than 1,000 lamps will have an Incharge in Grade-II clerical (Rs. 205—325). It is also agreed that where a single mine Manager has two or more lamp rooms under his control, with total lamps exceeding 1,500, one of them will have an Incharge of Grade-I Clerical (Rs. 245—385) while other lamp rooms will be each held by an Incharge of Grade-II Clerical (Rs. 205—325). The existing incumbents holding posts to which Grade-II Clerical is to be allotted under this agreement will be placed in the grade of Rs. 245—385 (Grade I Clerical) as personal to themselves. The management will be free to absorb them in other departments. These arrangements will be implemented from 15th August, 1969. The parties have agreed to file a compromise in these terms before the Industrial Tribunal, Hyderabad, in I.D. 4 of 1969.

## (10) Tyndals working on surface:

It is agreed that the parties will arrive at a settlement within one month is respect of the surface Tyndals in Belampalli area, the problem in respect of Kothagudem and Yellandu mines having been already settled.

## (11) Payment of annual bonus for 1968-69:

It was agreed that the General Manager would make an announcement regarding payment of Profit Sharing Bonus at the usual time in all the Divisions before Deepavali.

## (12) Use of arm-strong air-breakers:

The specific difficulties experienced by the workers in the use of arm-strong air breakers will be discussed further between the management and the Union, and in case of failure to reach an agreement within a fortnight, the Union will be free to approach the conciliation machinery.

## (13) Abolition of underground masonry contract works:

The management have agreed to abolish these contracts in No. 5 Incline, Kothagudem within two months.

- (14) Reduction in V.D.A. for loading mazdoors:
- (14) Fall back wages for loading mazdoors:

The cases of shortfalls in V.D.A. and fall back wages paid to the loading mazdoors at M. Pit C.S.P. will be reviewed for the period from 1st January, 1969, and payments will be made to the workers concerned within a period of one month. In future such claims would be put up by the Unions within a month.

(16) Non-implementation of terms of settlement dated 24th March, 1968, in respect of Clerks and Tradesmen at Belampalli:

The management will take necessary action in this matter without delay.

## (17) Counting the service as Fillers:

The management will examine specific cases brought to their notice and take necessary action within a period of two months.

## (18) Disputes regarding age:

It is agreed that the individual employees who joined the Company's service before 1960 and whose age or date of birth as entered in the service record has not been verified by the Company's Medical Officer after the introduction of Gratuity Scheme in 1959 will be sent up by the Management for verification of age or date of birth by the Company's medical officer wherever the age or date of birth as entered in the service record is contested, and the opinion of the medical officer in this regard shall be final.

## (19) Fixed dates for payment of wages:

The management have agreed to arrange payment of monthly wages on the 7th of the succeeding month and if the 7th happens to be payday the payment will be made on the succeeding working day. These arrangements will be applicable to Kothagudem, Yellandu and Ramagundam Divisions. In respect of Belampalli, Mandamarri and Ramakrishnapur Divisions separate arrangements will be finalised by mutual discussions between the management and Tandur Coal Mines Labour Union.

## (20) Issue of Identity Cards:

The management have agreed to initiate action immediately for implementation of item No. 4 of Settlement dated 11th January, 1967.

- (B) MATTERS ON WHICH THE PARTIES HAVE AGREED THAT AN OFFICER OF C.L.C. SHOULD ASCERTAIN THE PRACTICES/ACTION TAKEN IN RESPECT OF THE COLLIERIES OF N.C.D.C., M/S. TATA IRON AND STEEL CO., AND M/S. BENGAL COAL COMPANY.
  - (1) Fitment and adjustment of grades.
  - (2) Grade and overtime for Mining Sirdars.
  - (3) Lead and lift payments to be treated as basic wages for quarterly bonus.
  - (4) Calculation of bonus on fall back wages
  - (5) Not counting pushing allowance for purpose of fall back wage.
  - (6) Roof bolting Mazdoors and Steel Prop Mazdoors/Maistries.
  - (7) Proper grades to Car and Lorry Drivers and Watchmen.
  - (8) Categorisation of Switch Board Attendants.

- (9) Inclusion of payments for sick leave for calculation of Attendance
- (10) Claim for paid holidays for 3rd, 4th and 5th May, 1969, on account of late President's demise.
- (11) Higher start for Graduate Clerks.
- (12) Grade of Assistant Head Clerks.
- (13) Grade for Charge-hands formerly in the grade of Rs. 70/158.
- (C) (i) The matters listed under (B) above and other demands caused by the Unions will be discussed on the 6th October, 1969, for an amicable settlement and whatever decisions are arrived at thereon will be implemented from 1st July, 1969, if they relate to quarterly bonus and from 15th August, 1969, if they relate to other matters.
  - (ii) The Unions have agreed to postpone the strike for the time being.

Representing the Workmen.

1, Singareni Collieries Workers' Union. Sd./- Dr. RAJ BAHADUR GOUR.

M. Komaraiah. Sd./- B. Ganga Ram. Sd./- V. Rajeswara Rao. Sd./- M. Bhaskara Rao.

Sd./- P. RAMULU.

2. Tandur Coal Mines Labour Union:

Sd. 7- S. NAGATAH REDDY.

Representaing the Management.

Sd./- V. L. KARWANDE.

Sd./- M. VASUDEVAN.

Sd./- N. BHASKARACHARY.

Sd./- M. V. RAMAKRISHNA RAO.

Sd./- O. VENRATACHALAM, Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.

#### Witnesses:

1. Sd./- G. S. SHAMANNA.

Sd./-N. Surya Rao.

Dated the 17th September, 1969, liyderabad:

(Sd.) M. Najmuddin, Industrial Tribunal [No. 7/20/68-LR, II.]

## New Delhi, the 26th March 1970

S.O. 1259.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the National Coal Development Corporation Limited, Ranchi, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th March, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

## PARTIES:

Shri Nandagiri Venkata Rao.—Presiding Officer.

## Reference No. 243 of 1967

In the matter of an industrial dispute under Section 10 (1)(4) of the Industrial Disputes Act, 1947.

## PRESENT:

Employers in relation to the National Coal Development Corporation Limited, Ranchi.

## AND

Their workmen.

## APPEARANCES:

On behalf of the employers.—Shri S. S. Mukherjee, Executive Committee Member, Indian Colliery Owners Association.

On behalf of the workmen,—Shri Karuna Nidhan Kashava, Advocate.

STATE: Bihar. Industry: Coal.

Dhanbad, 28th February, 1970

#### AWARD

The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the National Coal Development Corporation Limited, Ranchi and their workmen, by its order No. 2/130/65-LRII dated 15th July, 1967, referred to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the schedule annexed thereto. The schedule is extracted below:

#### SCHEDULE

- "(i) Whether any industrial dispute regarding payment of profit sharing bonus, between the employees of the headquarters organisation of the National Coal Development Corporation Limited, Ranchi, and the management of the Corporation was pending immediately before the promulgation of the Payment of Bonus Ordinance 1965 on the 29th May, 1965?
- (ii) Whether the said dispute is still pending?
- (iii) Having regard among other things to the Memorandum of Settlement dated the 21st September, 1965, whether the demand of the employees, belonging to the headquarters organisation of the Corporation for profit sharing bonus for the years 1961-62, 1962-63, 1963-64 on the basis of the profits made by the Corporation, is justified?
- (iv) If the said demand is justified, to what relief are the workmen entitled?"
- 2. Employers as well as the workmen filed their statement of demands.
- 3. From the pleading and admitted documents of parties the uncontroverted facts giving rise to the industrial dispute involved in the reference are these: In respect of payment of bonus to them for the years 1960-61 and onwards the workmen through the National Coal Organisation Employees Association (hereinafter referred to as the union) raised the industrial dispute against the National Coal Development Corporation (hereinafter referred to as the management). On 12th July, 1964, the union presented a charter of demands, which included the demand for bonus also. No particular action on this demand was taken till 25th February, 1965, when the union served a strike notice. The Conciliation Officer (C) Hazaribagh held conciliation proceedings. During the proceedings an agreement was reached between the parties on 21st September, 1965, and a memorandum of settlement was signed by the representatives of the parties in presence of the Conciliation Officer. Under term No. 10 of the settlement the management agreed to pay bonus in accordance with the provisions of the Bonus Ordinance. Thereafter correspondence continued between the union and the management in respect of of the settlement. Ultimately, the management took a decision and issued a memorandum dated 25th May, 1967, sanctioning ex-gratia payment to the workmen at 2 per cent of their salaries for each of the 3 years, 1961-62, 1962-63 and 1963-64 and a further payment of another amount equal to 2 per cent (2/3 per cent for each of the 3 years) for contribution to Bihar Draught Relief Fund in the name of the workmen, stating that it was not bonus but if either by an order of a Court of Law or in other circumstances bonus became payable for the period. the ex-graffa payment would be adjusted against such bonus. The union, not satisfied with the decision of the management raised the industrial dispute regardings non-implementation of the settlement by the management. The conciliation proceedings before the Conciliation Officer (C) Hazaribagh ended in failure. Consequently, the Central Government made the reference to this Tribunal for adjudication of the dispute.
- 4. The management filed written statement pleading that no industrial dispute regarding payment of profit sharing bonus by the management to the workmen was pending immediately before the promulgation of the Payment of Bonus Ordinance, 1965 on 29th May, 1965, that no such dispute is pending at present and that no profit sharing bonus is payable to the workmen for the years 1961-62, 1962-63 and 1963-64 under the settlement dated 21st September, 1965. They have also taken several legal objections against sustainability of the reference. The union filed written statement, denying the contentions raised by the management

and pleading that the industrial dispute regarding payment of bonus to them by the management was pending immediately before the promulgation of the payment of Bonus Ordinance, 1965 on 29th May, 1965, that the dispute is still pending and that as per term No. 10 of the settlement dated 21st September, 1965, they are entitled to profit sharing bonus for the years 1961-62, 1962-63, and 1963-64 in accordance with the provision of the Payment of Bonus Ordinance, 1965. The management filed rejoinder to the statement filed by the union and again the union filed a rejoinder to the rejoinder filed by the management. The management were represented by Shri S. S. Mukherjec, Executive Committee Member, Indian Colliery Owners Association and the union by Shri Kamna Nidhan Keshava, Advocate. On admission by the union, Exts. M1 to M19 for the management and on admission by the management, Exts. W.1 to W.13 for the union were marked. On behalf of the management one witness was examined. On behalf of the union 2 witnesses were examined and Exts. W.14 and W.15 for the Union and Exts. M20 and M21 for the management were marked.

the Union and Exts. M20 and M21 for the management were marked.

5. The first contention of the management is that no industrial dispute regarding payment of profit sharing bonus by the management to the workmen was pending immediately before the promulgation of the Payment of Bonus Ordinance, 1965 on 29th May, 1965. The case of the union is that in respect of payment to the workmen of bonus for the years 1960-61 and onwards by the management the dispute was pending on the above date. It is significant to note that the management have used the words "profit sharing bonus", while the union only the word "bonus" in their respective statments. In order to understand the contentions it is necessary to consider the context and the meaning in which the word "bonus" was used before the Payment of Bonus Ordinance came into force in 1965. At that time the word "bonus" was not necessarily linked up with the profits of the industrial concerns. There was in practice of payment of several kinds of bonuses, was as Puja bonus, incentive bonus, production bonus, etc. In this view before the Payment of Bonus Ordinance came into force the union could not describe the bonus claimed by them as "profit sharing bonus" and what they could claim could be termed only as "bonus". It is significant to observe that even the Government used the word only 'bonus'. The Bonus Commission submitted its report to the Government of India or 18th January, 1964, and the Government of India considered the report and adopted the same with slight modification by their resolution dated 9th February, 1964. While accepting the recommendations of the Commission the Government had expressed its desire to undertake legislation to embody the principles by which the tribunals or other judicial bodies should be guided if and when disputes regarding bonus came up for decision. Accordingly the Government of India promulgated the Payment of Bonus Ordinance, 1965 on 29th May, 1965. As several disputes in respect of payment of bonus were pending before the appropri

"Where immediately before the 2nd September, 1964, any industrial dispute regarding payment of bonus relating any accounting year ending on any day in the year 1962, and any subsequent accounting year was pending before the appropriate government or before any tribunal or other authority constituted under the Industrial Disputes Act, 1947 or under any corresponding law relating to investigation and settlement of industrial disputes in a State such dispute shall be decided in accordance with the provisions of this Ordinance.

Explanation.—A dispute shall be deemed to be pending before the appropriate government where no decision of the Government on any application made to it under the said Act or such corresponding law for reference of that dispute to adjudication have been made or where having received the report of the Conciliation Officer (by whatever designation known) under the said Act or law, the appropriate Government have not passed any order refusing to make such reference."

It can be seen that in order to bring it under the Section and decide it in accordance with the provisions of the Ordinance, the industrial dispute must have been pending before any of the appropriate authorities constituted under the Industrial Disputes Act, 1947, etc., on 2nd September, 1964. In this view the industrial dispute being pending on 29th May, 1965, on which date the Ordinance was promulgated, is not of any consequence. The admitted settlement, Ext. M2 itself shows in its preamble that a charter of 36 demands was submitted by the

union to the Conciliation Officer on 10th July, 1964, that the Conciliation Officer had taken into conciliation this charter as well as the strike notice, Ext. M1 submitted on 25th February, 1965, and that the representatives of both the parties came to the terms embodied in the settlement, Ext. M2. Admittedly, the strike notice, Ext. M1 did not contain the demand for bonus. Therefore the inference is that the demand was one of the 36 made in the charter submitted on 12th July, 1964, which is a date prior to 2nd September, 1964, mentioned in Section 33 of the payment of Bonus Ordinance. This apart, Ext. W. 13 the office memorandum prepared by the Under Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) shows Imployment and Rengolitation (Department of Labour and Employment) shows in para 2 that on 12th July, 1954, the union had presented a charter of demands, which included the demand for bonus also. Para 3 of the memorandum further states that an industrial dispute was raised by the union on this account and the dispute was before the Conciliation Officer prior to 2nd September, 1964. Ext. W.15 is a notice from the Conciliation Officer dated 29th July, 1964, to the Deputy General Manager of the management and the Secretary of the union regarding the charter of 36 demands. Shri J. N. Das, WW.2 who was the Conciliation officer concerned during the material period has deposed that the cuestion of payment concerned during the material period has deposed that the question of payment of bonus was also a point in dispute and it was settled as per para 10 of the settlement, Ext. M2. The General Secretary of the union, WW.1 has in his evidence that he had submitted the demand for bonus as long ago as on 4th January, 1964, and that in July, 1964, a charter of demands was submitted to the Conciliation Officer. This evidence is not rebuted. The term "industrial dispute" is defined in Section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947, as meaning also a dispute or difference between employers and workmen, which is connected with the terms of employment or with the conditions of labour, of any person. From this material it emerges that an industrial dispute between the union representing the workmen and the management in respect of bonus was pending before 2nd September, 1964, that the dispute was covered by section 33 of the Payment of Bonus Ordinance, that it was pending on 29th May, 1965, the date on which the Payment of Bonus Ordinance was promulgated and that it continued to pend till the settlement, Ext. M2 was arrived at by the parties on 21st September, 1965. In spite of the settlement, Ext. M2 containing a specific stipulation that the management would pay bonus in accordance with the provisions of the Bonus Ordinance, the management have not only not paid the honus but have been raising and even now are denying that they are liable to pay bonus to the workmen in accordance with the stipulation of the agreed settlement. It only means that the industrial dispute is still pending. Shri S. S. Mukherjee, the learned representative of the management has not argued but the written statement of the management contains a plea that legally the dispute was not pending as laid down in Section 33 of the Ordinance on 2nd September, 1964. It is that the charter of demands dated 12th July, 1964, containing the demand for honus cou'd not give rise to an industrial dispute and that the strike notice which could give rise to an industrial dispute did not contain the demand. For support Section 12 of the Industrial Disputes Act. 1947, is relied upon. Sub-section (1) of the Section gives discretion to the Conciliation Officer to hold conciliation proceedings where any industrial dispute exists or is apprehended but makes it mandatory for him to hold such proceedings where the dispute relates to a public utility service and a notice of strike under section 22 has been given. It does not follow that where the dispute relates to a public utility service, as it is in the present case, the Conciliation Officer is prohibited from holding conciliation proceedings where an industrial dispute exists or is apprehended or he has no power to hold such conciliation proceedings before a notice of strike under section 22 is given. In this view I do not find any substance in the legal objection and over rule it.

6. It is now to be seen how far the claim of the union for bonus for the years 1961-62, 1962-63 and 1963-64 on the basis of the settlement, Ext. M2 is justified. The denial of the claim by the management is based on one more legal objection contending that Sec. 33 of the Ordinance is struck down, and as such no bonus is payable in respect of the years 1961-62, 1962-63 and 1963-64. In the Payment of Bonus Ordinance there were 2 sections, section 10 and section 33. Section 10 deals with the minimum bonus payable to a workmen and section 33 is a saving clause making the Ordinance applicable to the pending disputes. The settlement, Ext. M2 only states that bonus is payable in accordance with the provisions of the Bonus Ordinance. It only means that the bonus payable is to be calculated and paid in accordance with the provisions of the Ordinance and it has no relation to section 33 containing the saving clause. The claim of the union for bonus for the years 1961-62, 1962-63 and 1963-64 is not based upon Sec. 33 of the Ordinance, but it is based upon the settlement, Ext.

M2 the management have agreed to pay bonus (as demanded for the three years) independently of Sec. 33 of the Ordinance. They have by the settlement. Ext. M2 agreed to pay the bonus in accordance with the provisions contained in the Bonus Ordinance viz., in accordance with section 16 thereof and in this view the decision of the Supreme Court in Jalan's case (1966-II-L.L.J. 546) has no application. Term No. 10 of the settlement, Ext. M2 did not say that the management would pay bonus if it is payable under the provisions of the Ordinance. They have undertaken to pay and the payment undertaken was to be calculated and paid in accordance with the provisions of the Ordinance. Consequently, I find no substance in the legal objection raised by the management. Though the claim of the union for bonus was for the years 1960-61 and onwards, Shri Karuna Nidhan Keshava, the learned Advocate for the union has stated that the workmen are entitled to the bonus only for the years 1961-62 and onwards as mentioned in the schedule of reference. It is also conceded by the learned Advocate for the union that after the Bonus Ordinance and Act the bonus that can legally be claimed under law is only the profit sharing bonus. Consequently, I have no hesitation to hold that the claim of the workmen for bonus for the years 1961-62, 1962-63 and 1963-64 on the basis of the profits made by the management is justified.

- 7. Adequate meterial is not brought on record showing what profits were made by the management, or what wages were earned by the workmen to enable the tribunal to calculate the bonus for the above years. That apart, the case of the management is that as per the memorandum, Ext. M4 dated 25th May, 1967, they had sanctioned an ex-gratia payment, partly to the workmen and partly to the Bhar Draught Relief Fund on their behalf and that the amounts require to be adjusted against the bonus. It requires further investigation to actermine the effect of the decision of the management in making the sasction and to see if the amounts sanctioned were actually paid and could be adjusted in the bonus entitled to by the workmen. These are the matters of calculation and can be determined by the Labour Court in pursuance of the award passed in this Reference in case the management do not calculate and pay the bonus correctly.
- 8. The legal objections taken by the management against the validity of the reference are three, as argued by Shri S. S. Mukherjee, the learned Advocate for the management. These arguments are based upon the pleadings of the union which are unfortunately not drafted happily and properly. In view of the admitted facts emerging out of the admitted documents the vague and irrelevant admissions by the union on questions of law are of no consequence. The first argument is that the Central Government, which has made the reference is not the "appropriate Government" within the definition provided in section 2(a) of the Industrial Disputes Act, 1947. The contention is that the dispute mentioned in the reference is confined to the employees of the headquarters organisation of the management and the organisation has nothing to do with the mining operations. As per the definition 'the appropriate Government' is the Central Government in relation to any industrial dispute concerning any industry carried on by or under the authority of the Central Government and also to the industrial dispute concerning a mine. The management have not denied that the National Coal Development Corporation Ltd., is a Government of India undertaking under the Minist y of Mines and Fuel as printed on the 7th Annual Report. 1962-63. Ext. M3. The very name "National Coal Development Corporation Ltd." shows that the industry is concerned with the coal mining operations. As pointed out by the management in paras 3 and 4 of their written statement, the headquarters organisation of the N.C.D.C. at Ranchi is divided into 2 sides, general administration and accounts and finance and that the general administration side has several secuons, viz. Planning, designing, electrical and mechanical, drilling and geology, purchase, stores, personnel, etc. Obviously, all these sections are concerned with the mining operations of N.C.D.C. In para 4 of the written statement the management also have pointed out that these sections are to guide and coordinate with the workings of the different collieries situated in different States. As the N.C.D.C. is concerned with the mining operations it does not lie with them to state that the Central Government is not the "appropriate Government" in relation to the dispute concerning their employee; even working at their headquarters. The objection is devoid of force. The 2nd objection is that the reference made to an Industrial Tribunal was incorrect as it ought to have been referred to a National Industrial Tribunal constituted under Section 7-B of the Industrial Disputes Act, 1947. The argument is that the collieries of the management N.C.D.C. are spread all over India in different States, that the dispute of bonus relates to all the employees working in the collieries, and that as such the

industrial dispute is of national importance requiring to be referred to a national industrial tribunal. Firstly Section 7-B merely gives descrition to the Central Government to constitute one or more national industrial tribunals for adjudication of industrial disputes which, in the opinion of the Central Government, involve questions of national importance or are of such a nature that industrial establishments situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by such disputes. As can be seen from the order of reference itself the Central Government was of opinion that the dispute in question was only an industrial dispute. Secondly, Section 7-B refers to the dispute relating to industrial establishments and not one establishment as the N.C.D.C. is in the present case. For these reasons 1 find no substance in the objection. The last objection is that the dispute was already settled when the parties arrived at the settlement, Ext. M2 and that no more dispute was left to be referred for adjudication. I have already held that the management could not breath hot and cold in the same breath pleading on one hand that the dispute regarding payment of bonus was settled by the settlement, Ext. M2 and contending on the other hand that no bonus was payable under the settlement. Consequently, I find no substance in any of the objections raised by the management against the sustainability of the reference.

- 9. As a result of my above discussions I hold that:-
  - (i) The industrial dispute regarding payment of profit sharing bonus between the employees of the headquarters organisation of the National Coal Development Corporation Ltd., Ranchi and the management of the Corporation was pending on 2nd September, 1964, and immediately before the promulgation of the Payment of Bonus Ordinance, 1965, on the 29th May, 1965.
  - (ii) The said dispute was still pending during pendency of the reference.
  - (iii) Having regard among other things to the memorandum of settlement dated 21st September, 1965 the demand of the employees belonging to the headquarters organisation of the Corporation for profit sharing bonus for the years 1961-62, 1962-63 and 1963-64 on the basis of the profits made by the Corporation is justified and
  - (iv) The employees are entitled to bonus for the above years in accordance with the provision of the Bonus Ordinance after adjusting the amounts received by them or on their behalf, if any.

The award is made accordingly and submitted under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) N. VENKATA RAO,

Central Govt., Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad.

[No. 2/130/65-LR. II.]

Presiding Officer.

S.O 1260.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Angarpathra Colliery of Messrs National Coal Company Private Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th March, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE No. 6 of 1969

## Parties:

Employers in relation to the Angarpathra Colliery of Messrs National Coal Company Private Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

## PRESENT:

Shri Ram Asray Misra, Presiding Officer

### APPEARANCES:

For the Employers—Shri Thakur Ram Gupta, Constituted Attorney.

For the Workmen—Shri Prasanta Burman, Vice-President, Mine Mazdoor Union, Dhanbad.

STATE: Bihar. Industry: Coal.

## Dhanbad, dated the 11th March, 1970

## AWARD

Being of opinion that an Industrial Dispute exists between the employers in relation to Angarpathra Colliery of M/s. National Coal Co. (P) Ltd., P.O. Katrasgarh, District Dhanbad, and their workmen, the Central Government has, by its Order No. 2/144/68-LRII, dated the 12th December, 1968, referred it for adjudication to this Tribunal in accordance with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947). The nature of the dispute, the names of the workmen concerned and their exact duties appear from the schedule, quoted below, which is incorporated in the order of reference.

### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Angarpathra Colliery of Messrs National Coal Company Private Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, in refusing employment of the following workmen with effect from the 8th January, 1968 to the dates mentioned against each was justified?

Sl. No.	Name					Designation		Date up to which kept idle
1		2				3		4
	Tulmani Mahata					Coal Cutter		24.2.1069
I 2	Lalmani Mahato Munarik Mahato	•	•	•	•	Do.		25-3-1968 Do.
	Ramdhani Bhuia	•	•	•	•	Do. Do.		27-3-1968
3	Mohan Bhuia	•	•	•	•	До. Do.		
4	Lulha Bhuia	•	•	•	•	Do, Do,		25-3-1968 Do.
5 6		•	•	•	٠	Do. Do.		Do. Do.
	Balwa Bhuia	•	•	•	•			
7	Bukhia Bhuia	•	•	•	•	Do.		Do. Do.
8	Lakhan Bhuia	•		•		Do.		Do. Do.
9	Biltu Bhuia No. 1	•	•	•	•	$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$		Do. Do.
IO	Dhanma Bhuia		•	•	•	Do.		
ΙI	Sarad Bouri					Do.		20-3-1968
12	Badshah Bouri		•	٠		D٥.		25-3-1968
13	Guru Pado Bouri		•	•		Do.		Do.
14	Raghu Bouri					Do.		Dо.
15	Dwije Pade Bouri					ро.		Dо.
16	Gobardhan Bouri					Dо.		$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$ .
17	Jagan Bhuis					Dо.		$\mathbf{p}_{o}$ .
18	Hulsa Bhuis					Do.		Dо.
19	Bundi Bhuia					<u>D</u> ٥.		Do.
20	Bideshi Bhuia .					$\mathbf{D}^{\mathrm{o}}$ .		27-3-1968
21	Sitaram Bhuia					Do.		<b>2</b> 6-3-1968
22	Kishan Bhura					Do.		$\mathbf{p}_{o}$ .
23	Bifan Bhuis					Do.		Do.
24						Do.		Do.
25	Faujdar Bhuia No.	Y				Do.		Do.
26						Do.		Dο.
27	Budhan Bhuia				:	S. Trammer		Do.
28		•	•	•		Do.		$\mathbf{p}_{o}$ .
29				-	•	$\overline{\mathbf{D}}_{0}$ .		Do.
30		•	•	•	•	Do.		Do.
31		•	•	•	•	U. G. Trammer		$D_{0}$
32		•	•	•	•	Do.	. '	$\mathbf{D}_{0}$ .
33	Khedan Bhuin	•	•	•	•	Do		27-3-1968
35 34		•	•	•	•	Bailing Mazdoor		23-4-1968
27	C-111/10 -1-1-1	•	•	•	•		•	1

I

4

							-			
35	Munarik Gope						Coul Cutter			25-3-1968
36	Sato Bouri						Haulage Khalasi			15-3-1968
37	Tetar Bhuia	_	_				Trammera Sardar	_	_	Do.
38	Bandhan Bhuia	•		·	·		Coal Cutter	·		10-1-1968
39	Mahabir Bhuia		•	•	•	•	Do.	•	•	10-1-1968
40	Munilal Malah	•	•	•	•	•	Trolleyman			9-1-1968
41	Dhiraii Bhuia	•	•	•	•	•	Bailing Majdoor		•	14-4-1968
42	Ramii Bhuia	•	•	•	•	•	Trammer	-	•	26-3-1968
	Radhe Bhuia	•	•	-	•	•	Hazree Labour	•	-	<b>2-4</b> -1968
43		•	•	•	•	•		•	٠	
44	Kalo Bouri	•		•	•	•	Coal Cutter	•		28-3-1968
45	Hiralal Pasi		•		-		Do.			Do.
46	Daswa Bhuia						_ Do.			31-3-1968
47	Ramna Bhuia						Trammer			27-3-1968
.48	Manbodh Rajwa	Г					Coal Cutter			<b>28</b> -3 <b>-</b> 1968
49	Banshi Singh						Trammer			1-4-1968
50	Gangu Bhuia		_	•			Do.	-	-	31-3-1968
51	Matadin Pasi	•	·		•		Fireman .			16-3-1968

3

If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

- 2. The above industrial dispute was raised for the benefit of the workmen concerned by the Mine Mazdoor Union, Dhanbad, of which they all were members. The written statement supporting the case of the workmen was also filed by the same union through its Vice-President. The employers also filed their written statement contesting the case of the union.
- 3. Eventually 11th February, 1970 was fixed for further proceedings in the case. On that date in the presence of the employers authorised attorney, the Vice-President of the Mine Mazdoor Union and its General Secretary filed a petition signed by both of them stating that the workmen concerned in the above dispute have settled their differences directly with the employers and the Mine Mazdoor Union has approved of the same and the union is, therefore, not interested in pursuing the present case any longer. It is further stated in this petition that the union will have no objection if an award of 'no dispute' is passed in the case by the Tribunal.
- 4. Prima-facie there appeared no reason to doubt the correctness of the statement of the Vice-President and the General Secretary of the Mine Mazdoor Union that the workmen concerned have settled their dispute with the employers directly and that it does not subsist any more. However, as a measure of sbundant caution and in order to satisfy myself that the interests of the workmen have not been allowed to suffer and the dispute has been really resolved to their satisfaction, I directed the representative of the employers and the office-bearers of the Mine Mazdoor Union to produce before me the workers concerned for verification of this fact. Accordingly the representative of the employers produced before me nine workmen Dukhia Bhuia, Lakhan Bhuia, Jagan Bhuia, Budhan Bhuia, Sanichar Bhuia, Bhaju Bhuia, Amarnath Turi, Khedan Bhuia and Telar Bhuia, out of the 51 concerned in the case. Questioned individually they all stated that they have reached an agreement with the employers regarding the dispute in question and they have no more grievance now against them. About the remaining workmen concerned the nine workmen who appeared before me as also the representative of the employers stated that they have left the service of this colliery and their whereabouts are not known. In these circumstances their presence could not be secured, nor was it considered necessary.
- 6. My award, therefore, in the case is that there is no dispute now between the parties and the matter should be deemed to be closed and not subsisting.
- 7. Let a copy of this award be submitted to the Central Government as required by section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

IN REFERENCE No. 6 of 1969

Employers in relation to Angarpathra Colliery of M/s. National Coal Co. (P) Ltd.

## AND

Their workmen through Mine Mazdoor Union.

Petition on behalf of the workmen

The humble petitioner on behalf of the workmen, begs most respectfully, to state:

- 1. That the workmen concerned in the above dispute, have mutually settled their differences directly with the employer, and the Union has approved of the same.
- 2. That the Union therefore, is not interested in persuing the present case any longer.
- 3. That the Union will have 'no objection' if an award of 'no dispute' is passed by the Honourable Tribunal, thus disposing the above reference.

And for this the petitioner shall ever pray.

Witnessed by:

(Sd.)\_Illegible,

Vice-President,

Mine Mazdoor Union.

Dated, 19th January, 1970.

For the Workmen

(Sd.) Illegible, General Secretary,

Mine Mazdoor Union.

[No. 2/144/68-LR.II.]

## New Delhi, the 30th March 1970

S.O. 1261.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the East Bastacolla Colliery, Post Office Dhansar (Dhanbad) and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th March, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

## REFERENCE No. 52 of 1968

## PARTIES:

Employers in relation to the East Bastacolla Colliery, P.O. Dhansar, (Dhanbad).

## AND

Their workmen.

#### PRESENT:

Shri Ram Asray Misra—Presiding Officer.

### APPEARANCES:

For the Employers-Shri Prasanta Burman, Advocate.

For the Workman—Shri Ram Mitra, Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha.

STATE: Bihar. INDU7TRY: Coal.

## Dhanbad, the 11th March, 1970

### AWARD

Exercising powers under clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government has, by its order No. 2/76/68-LRII, dated 29th June, 1968, referred "the industrial dispute" which appears from the schedule quoted below for adjudication to this Tribunal.

#### SCHEDULE

- "Whether the management of the East Bastacolla Colliery, Post Office Dhansar (Dhanbad) was justified in terminating the services of its workmen Binda Mahatain, Gangi Mahatain and Parbati Mahatain, Wagon Loaders, with effect from the 17th February, 1968? If not, to what relief are these workmen entitled?"
- 2. As usual in response to the notice issued by the Tribunal, the employers and Shri Ram Mitra, Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha, of which the workmen concerned were members, filed their written statements.
- 3. It is, however, not necessary to discuss the cases of the parties which have been set up in their respective written statements, because the dispute has been settled between them amicably and a joint petition dated 11th March, 1970 has been filed incorporating the terms of the settlement, with a prayer that an award be passed in accordance with them.
- 4. Under the terms of the settlement the employers have accepted the resignation of all the three workmen concerned including Smt. Parbati Mahatain who is now dead. The employers have further agreed to pay Rs. 350 to Binoda Mahatain and Gangia Mahatain each in full and final settlement of all their claims against the employers, including earned dues, within 15 days of the passing of the award. In lieu of the above payments the Bihar Koyla Mazdoor Sabha, which had raised the dispute for the benefit of the workmen concerned, has agreed not to press any other claim on behalf of the workmen concerned against the employers. Lastly, it is agreed between the parties that the dispute regarding Smt. Parbati's claim, who is now dead should be treated to have abated.
- 5. In my opinion the terms of the settlement are fair and reasonable to both the parties and I accept them.
- 6. Accordingly my award is that Smt. Parbati Mahatain, Binoda Mahatain and Gangia Mahatain the workmen concerned be deemed to have resigned their jobs from the East Bastacolla Colliery, and the employers shall pay Rs. 350 to Binoda Mahatain and Gangia Mahatain each within 15 days of the passing of this award in full and final settlement of all their claims including earned dues against them. As regards Smt. Parbati Mahatain who is dead, her claim will be deemed to have abated. The joint settlement petition dated 11th March 1970 will also form part of the award.
- 6. Let a copy of this award be submitted to the Central Government as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) Ram Asray Misra, Presiding Officer.

# GEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1.) AT DHANBAD.

IN REF. No. 52 OF 1968.

Employers in relation to East Bastacolla Colliery.

#### AND

Their Workmen—thro' Bihar Koyla Mazdoor Sabha.

Joint petition of compromise settlement

The humble petitioners, on behalf of the employer and the workmen respectively, most respectfully, beg to state:

- 1. That the parties above named have voluntarily agreed to settle the present dispute amicably, on the following terms of compromise, as stated below:—
- 2. That the union agrees not to dispute the fact of resignation by Sm. Parbatia Mahatain (now deceased), Binoda Mahatain, and Gangia Mahatain, with effect from 17th February, 1968.
- 3. That the employer agrees to pay a lump sum of Rs. 350 (Three hundred and Fifty rupees only each to Sm. Binoda Mahatain, and Gangia Mahatain, in full and final settlement of all their claims against the employer, including that of earned dues, and the union agrees not to press any other claim on their behalf.

- 4. That the employer agrees to make the payment of the above amount within 15 days of the passing of the award.
- 5. That the union agree that the dispute relating to Parbatia Mahatain abates on her death.

The humble petitioners, on behalf of both the parties, beg to pray that the Hon. Tribunal may be pleased to approve of the above terms of settlement and pass award in terms of the same.

And for this the petitioners shall ever pray.

Representative of Union.

Representative of Employer.

SRI RAM MITRA, Secretary, Bihar Koyala Mazdoor Sabha. Dated the 11th March, 1970.

SRI H. K. JHA,

Manager, East Bastacolla Colliery.

Advocate.

[No. 2/76/68-LR.II.]

# ORDER

# New Delhi, the 26th March 1970

S.O. 1262.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Mohd. and Sons Gypsum Contractor, Jodhpur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Gopal Narain Sharma, as Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal.

# SCHEDULE

"Having regard to the provisions of the pament of Bonus Act, 1965 whether the demand of the Gypsum Mine Workers' Union, Bhadwasi (Bikaner) for the payment of bonus at the rate of 10 per cent of the salary or wage earned by the employees employed by Messrs Mohd, and Sons, Contractor in their Gypsum mines at Bhadwasi during the accounting year 1967-68 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

[No. 24/77/69-LR.IV.]

P. C. MISRA, Under Secy.

#### (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 21st March 1970

S.O. 1263.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Satya Ranjan Bal to be an Inspector for the whole of the State of West Bengal and the Union territories of Tripura and Andaman and Nicobar Islands, for the purposes of the said Act and of any Scheme framed thereunder, in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry.

# श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय

(भम झौर रेजगार वि गा)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1970

का॰ भा॰ 1263:— कर्म वारी भविष्य निधि श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्बारा सत्य रंजन बाल को, उक्त श्रिधिनियम के श्रीर केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के बारे में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तैलक्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के बारे में तद्धीन बनाई गई किसी स्कीम के प्रयोजनों के लिए सम्पूर्ण पिचम बंगाल राज्य और त्रिपुरा और श्रन्दमान और निकोबार दीप समूहां के संघ राज्य क्षेत्रों के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं॰ 21(6)/69न्मी॰ एफ॰-1]

# New Delhi, the 24th March 1970

- S.O. 1264.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 29th day of March, 1970 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Maharashtra, namely:—
  - (i) The Municipal limits of Amalner town and
  - (ii) the revenue survey No. 583 of Kasba Amalner in the taluka of Amalner in the District of Jalgaon (East Khandesh)
  - (IIi) the Municipal limits of Pulgaon town and
  - (iv) the revenue survey numbers 395/1/K, 392/2, 399 to 402, 415 to 417, 419/1, 420, 436/1 and 436/2, of village Nachangaon in the taluka of Wardha in the District of Wardha.

[No. F. 604(2)/70-HI.]

# New Delhi, the 25th March 1970

S.O. 1265.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952) and in supersession of the Notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2079 dated the 25th August, 1961, in so far as it relates to Shri K. J. Mitra, the Central Government hereby appoints Shri K. J. Mitra to be an Inspector for the whole of the State of Andhra Pradesh for the purposes of the said Act and of any Scheme framed thereunder, in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry.

[No. 20(74)/64-PF.I.]

# नई दिल्ली, 25 मार्च 1970

का० गाँ० 1265:—कर्मचारी भविष्य निधि प्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भृतपूर्व श्रम और रोजगार मंद्रालय की श्रिधिसूचना संख्या का० ग्रा० 2079 तारी 25 ग्रगस्त 1961 को, जहां तक यह श्री के० जे० मिला से संबंधित हैं, श्रिधकांत करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के श्रीर, केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रण के प्रधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में श्रथवा किसी हैल कम्पनी, महापत्तन, ज्ञान या नेल क्षेत्र या किसी गियंत्रित उद्योग से सम्बन्ध किसी स्थापन के संबंध में, तद्धीन बनाई गई किसी स्कीम के प्रयोजन के लिए श्री के० जे० मिला को संपूर्ण श्रान्ध्र प्रदेश राज्य के लिए एतद्द्वारा निरीक्षक नियुक्त करती है।

# New Delhi, the 26th March 1970

S.O. 1266.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Luxmi Engineering Works, 17/4, Nabin Chandra Das Lane, Calcutta-50 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This Notification shall come into force on the 30th day of April, 1970.

[No. 8/177/69-PF. II(i).]

# नई दिल्ली, 26 मार्च, 1970

का॰ ग्रा॰ 1266:—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स, 17/4, नवीन चन्द्र दास लेन, कलकत्ता—50 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए ;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एनद्द्वारा लागू करती है।

यह श्रिधसूचना 1970 के श्रप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त होगी।

S.O. 1267.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies that, with effect from the 30th April, 1970 section 6 of the said Act shall in its application to Messrs Luxmi Engineering Works, 17/4, Nabin Chandra Das Lane. Calcutta-50 be subject to the modification that for the words "six and a quarter per cent", the words "eight per cent" were substituted.

[No. 8/177/69-PF.II(ii).]

का० घा० 1267:—कर्मचारी भविष्य निधि श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा यह विनिर्दिष्ट करती है कि उक्त श्रधिनियम की धारा 6 तीस श्रप्रैल 1970 से मैंसर्स लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स, 17/4, नवीन चन्द्र दास लेन, कलकसा-50 को लागू होने सम्बन्ध में इस उपान्तरण के अध्यधीन होगी कि "सवा छह प्रतिशत" गब्दों के स्थान पर "श्राठ प्रतिशत" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं।

# New Delhi, the 28th March 1970

S.O. 1268.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with Section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempt the Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Post Office Armapore Kanpur from all the provisions of the said Act for a period of one year with effect from the date of publication of the Notification in the Official Gazette.

[No. F. 6/66/69-HI.]

# (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 24th March 1970

S.O. 1269.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relaton to Messrs F. A. Abdulrehimankutty and Sons, Stevedores, Cochin and six others and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th March, 1970.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-11 of 1968

# PARTIES:

Employers in relation to M/s. P. A. Abdulrehlmankutty & Sons, Stevedors, Cochin and six others as mentioned in Schedule 1

#### AND

Their workmen.

#### PRESENT:

Shri A. T. Zambre, Presiding Officer.

#### APPEARANCES:

For the employers: Shri C. K. Viswanatha Iyer, Advocate for employers 1, 2, 3, 4, 5 and 7.

For employer No. 6: Shri K. V. R. Shenoi, Advocate.

For the workmen: Shri M. P. Menon, Advocate for the Coastal Steamer Tally Clerks' Association.

Shri T. C. N. Menon, Advocate, for the Cochin Dock Tally Clerks' Association with Shri K. A. Rajan, President of the Association.

STATE: Kerala

INDUSTRY: Ports and Docks.

Bombay, dated 21st February, 1970

# AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) had by their Order No. 28/101/67-LRIII dated 2nd November, 1967 referred an industrial dispute existing between the seven employers mentioned in Schedule 1 and their workmen for adjudication to the Industrial Tribunal of which Shri V. V. Subramania Iyer was the Presiding Officer with headquarters at Kozhikode in respect of the subject matter specified in Schedule II of the said order of reference.

#### Schedule 1

- 1. M/s. P. A. Abdulrehimankutty & Sons, Stevedores, Cochin-1.
- 2. M/s. B. J. Kohna, Stevedore, Cochin-2.
- M/s. Bharat Lines, Stevedores, Cochin-2.
- 4. M/s. O. P. Mamco, Stevedore, Cochin-2.
- 5. M/s. P. Paree & Sons. Stevedores, Cochin-2.
- 6. M/s. New Dholera Shipping & Trading Co., Stevedores, Cochin-2.
- 7. The Secretary. United Stevedores' Association of Cochin (P) Limited, River Road, Cochin-1.

# SCHEDULE II

Whether demand of the Cochin Dock Tally Clerks' Association, 6/71, Calvathy, Fort Cochin, Cochin-1 and the Coastal Steamer Tally Clerks' Association, Opposite Mattancherry Church, Bazar Road, Cochin-2, for payment of bonus for the year 1966-67 to the Registered Table and Tally Clerks at the rate of 0.15 Palse per Dead Weight Ton as paid to the other registered workers is justified?

2. During the pendency of this reference Shri Subramania Iyer retired and the reference was transferred to the Industrial Tribunal, Kozhikode, Shri R. K.

Venu Nayar by order No. 28/101/67 LRIII dated 1st March, 1968. But subsequently for the convenience of parties the said dispute was transferred to this Tribunal for adjudication by the same order number dated 11th July, 1968 with a direction to proceed with the dispute de novo and dispose of the same according to law.

- 3. The workmen involved in this reference are the tally clerks and table clerks working in the Cochin Docks. They are represented by two unions both of whom have submitted similar statements of claim. The workers had demanded bonus from the employers for the year 1966-67 and by their statements of claim they have contended that their demand of bonus for the year 1966-67 at the rate of 15 paise per dead weight ton of cargo loaded or discharged at the Cochin Port was justified. The employers numbers 1 to 6 are the registered employers under the Cochin Dock Workers Regulation of Employment Scheme and the labour employed by the stevedores are decasualised under the above scheme framed under the Dock Workers Regulation of Employment Act, 1948. The essential feature of the scheme is the common sharing of the services of those in the registered pool of workers and the scheme is administered by the Dock Labour Board.
- 4. The unions have alleged that in almost all parts of India the method of employing this type of labour is the same. Hence this bonus dispute should have been settled on a similar basis. It is also contended that the demand of the workmen for 15 per cent bonus was very fair and justified. All the pre-requisites for a legitimate claim for demanding the said bonus are satisfied and to deny these employees the same rate of bonus which has been offered to other dock workers is totally unjustified, and there was no justification for any such preferential treatment in the case of a section of workmen. In fact the table and tally clerks work in unison with the other workers and the very nature of the work itself is so interrelated that it is impossible to consider one section distinct from another and the terms and conditions of work are similar and hence these workers should be awarded bonus at the same rate as has been made available to the other category of workers. It is contended that during the relevant year the employers have made substantial profits. They have also the financial capacity to meet the claim and the employers should be directed to pay bonus to the tally and table clerks at the rate of 15 per cent for the year 1966-67.
- 5. Employers Nos. 1, 2, 3, 4, 5, and 7 have filled a common written statement. Employer No. 6 has filed a separate written statement. In both the written statements there are similar contentions but employer No. 6 has in addition, contended that the table and tally clerks concerned in this reference were not his employees. There were independent contractors engaged for tally and connected clerical work and there was no employer-employee relationship between the company and these persons, and they were not entitled to the bonus. The employers have also contended that the table and tally clerks were not entitled to bonus at the rate of 15 per cent as demanded by them. Some of the employers have paid the minimum bonus of 4 per cent of wages earned to the other employees and if at all the tally and table clerks are entitled to bonus they are not entitled to get more than 4 per cent because they are not entitled to get more than 4 per cent bonus.
- 6. The employers alleged that the duty of the tally clerks was only to record the output of the gang workers in loading and unloading together with the hours of actual work and idle time and as the tally clerks do not influence the type of loading or unloading they were not put on the piece-rate and they are not similar to the other stevedore workers in the matter of payment of bonus. They have denied that in almost all the major ports of India the method of employment of this type of labour was the same and the disputes were settled by agreement. The tally clerks belong to a separate category and the nature of the remuneration of the tally clerks and the profits made by the employees in respect of these employees have all to be taken in deciding the question of similarity. The employers have denied the allegations about their financial capacity to graut the demand in full. It is alleged that the employers were getting only 15 per cent over the actual rate paid to the tally clerks and out of the 15 per cent after incurring the supervisory and other charges it is not possible to pay even 1 per cent. They had agreed to the minimum of 4 per cent only with a view to avoid the tally clerks and better the property of the tally clerks. conflict although the Bonus Act is not applicable and hence the claim of the two unions to bonus on the basis of 15 paise or 15 per cent of the total tennage should be dismissed.

- 7. The employer No. 6 by the subsequent written statement and the other employers by their written statement had also opposed the reference on the contention that the claim of the unions to bonus is not sustainable as the employees registered or listed under the scheme made under the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, and employed by registered and listed employers are excluded under section 32 of the payment of Bonus Act, 1965 and the reference should be dismissed.
- 8. At the hearing the learned Counsel Shri Viswanath Iyer appearing for almost all the employers had requested the Tribunal to consider the preliminary question about the maintainability of the reference as the workers involved were the employees registered under the Dock Workers Regulation of Employment Scheme under the Dock Workers Regulation of Employment Act and as the question was going to the root of the reference the parties were heard on the point.
- 9. The learned Counsel Shri Viswanath lyer had invited my attention to section 32 of the Payment of Bonus Act and has submitted that the provisions of the Bonus Act are not applicable to the workers registered or listed under the scheme made by the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 and the workers are not entitled to claim bonus. The learned Counsel has also invited my attention to the judgement of the Hon'ble Supreme Court in Civil Appeals Nos. 1630 of 1967 and 1721 of 1967 (M/s Sanghawi Jeevraj Ghewar Chand others Vs. The Secretary Madras Chellies, Grains Kirana Merchants Workers' Union and another and Indian Telephone Industries Ltd. v. The workmen of the Indian Telephone Industries Ltd.) dated 16th July, 1968 which is reported in 1969 (1) ILLJ page 719 and the question is whether the present reference is maintainable.
- 10. It is not in dispute that the employees are the registered or listed employees and the employers are also registered or listed under the Scheme made by the Dock Workers Regulation of Employment Act, 1948 and in their written statements the unions have stated:—
  - "The workmen involved in the dispute are employed as table clerks and tally clerks for loading and unloading bulk and other cargo in the Cochin in port. The employers named as numbers 1 to 6 above are the registered employers under the Cochin Dock Workers Regulation of Employment Scheme. Labour employed by the stevedores are decasualised under the above scheme framed under the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948."

Thus it is clear that the employers are the registered employers and the employees also are registered under the scheme.

The relevant portion of section 32 of the Payment of Bonus Act reads:—

"Nothing in this Act shall apply to

(iii) employees registered or listed under any scheme under the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 and employed by registered or listed employers."

From this it is clear that the provisions of the Payment of Bonus Act will not be applicable to the workmen involved in this Reference, and they will not be entitled to claim bonus under the Act. It is also clear from the ruling cited above that the employees will not be entitled to claim bonus dehors the Act.

- 11. The question for decision in the above ruling was whether in view of the non-applicability of the Act to establishments not being factories and which employ less than 20 persons therein the employees could claim bonus debors the Act. In this judgement their Lordships have considered the history of the question of bonus, the background and the circumstances in which the Bonus Act was passed and have come to the conclusion that no right of bonus under the Industrial Disputes Act or any other corresponding Act was retained. They have observed:
  - "Therefore their is no question of a right to bonus under the Industrial Disputes Act or other corresponding Acts—having been retained or saved by section 39. Neither the Industrial Disputes Act nor any of the other corresponding laws provides for a right to bonus."

Their Lordships discussed the arguments advanced on behalf of the unions and have further observed:—

"It is true that the construction canvassed on behalf of the appellants leads, as argued by counsel for the respondents, to employees in public sector concerns being deprived of bonus which they would be getting by raising a dispute under the Industrial Disputes Act and other corresponding statutes. But such a result occurs in consequence of the exemption of establishments in public sector from the Act, though such establishments but for section 32(x) would have otherwise fallen within the purview of the Act. It appears to us that the exemption is enacted with a deliberate object, viz., not to subject establishments to the burden of bonus which are conducted without any profit motive and are run for public benefit......

The exemption in respect of stevedors labour contained in clause (iii) also seems to have been provided for in view of the peculiar nature of employment, the difficulty of calculating profits according to the normal methods and other such difficulties. The rest of the categories of establishments set out in section 32 appear to have been exempted on the ground of absence of any profit motive.... The contention therefore that the exemption under Section 32 excludes those employees from claiming bonus under the Act only and not from claiming bonus under the industrial Disputes Act or such other Act is not correct.... It is therefore incorrect to say that the right to bonus under this Act is in addition to and not in derogation of any right to bonus under those Acts.

In view of these observations it is clear that there can be no question of any claim for profit sharing bonus outside the provisions of the Payment of Bonus Act. The workmen employed are registered employees under the scheme. The provisions of the Payment of Bonus Act are not applicable to them and they are not entitled to claim bonus under the act. In view of the circumstances it shall have to be held that they are not entitled to claim any bonus and their demand for payment of bonus for the year 1966-67 is not justified and they are not entitled to any relief. Hence my award accordingly.

No order as to costs.

(Sd.) A. T. Zambre, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal Bombay.

[No. 28/101/67-IRIII/P&D]

8.0. 1270.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the supplementary award of the Industrial Tribunal, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs M. L. Banerjee and Sons, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th February, 1970, in continuation of the award dated the 30th January, 1970 published as No. S.O. 695 dated the 21st February, 1970 in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-Section (ii).

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947.

REFERENCE No. 62 OF 1968

PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. M. L. Banerjee and Sons, Calcutta.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri Ram Asray Misra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES:

For the Employers.—Shri Haralal Banerjee.

For the Workmen.-Shri H. L. Roy.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Dock.

Dhanbad, dated the 20th February, 1970

#### AWARD

This reference, by the Central Government, in accordance with section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), under its order No. 28(35)/68-LRIII, dated 15th July, 1968, is in respect of an industrial dispute between the employers in relation to M/s. M. L. Banerjee and Sons, F-59-A, Harishava Street, Calcutta and their workmen (Table Staff), represented by the Shipping Employees' Union, 38, Hemchandra Street, Calcutta-23. The precise nature and the details of the dispute between the parties will appear from the schedule guoted below which is incorporated in the order of reference.

#### SCHEDULE

"Whether the following demands of the Table Staff employed by Messrs M. L. Banerjee and Sons, Calcutta are justified? If so, to what rate and in what manner?

(1) Grant of pay scale of Rs. 350-15-425-20-625.

(2) Dearness Allowance on the basis of cost of living index.

(3) Provident Fund.

(4) Sick Leave and Casual Leave.

(5) Conveyance allowance.

(6) Medical benefit/allowance.

(7) Overtime allowance.

(8) Age of Superannuation; and

(9) Gratuity."

- 2. By a subsequent order of the Central Government No. 28/35/68-LRIII, dated 23rd December, 1968, the above schedulc was amended to include "Privilege Leave", also alongwith sick leave and casual leave in item No. 4.
- 3. The reference was registered in this Tribunal on 26th July, 1968 and after service of the usual notice, the parties filed their respective written statements. The written statement filed by the workmen is marked Ext. W1, and that of the employers has been marked Ext. M1. In reply to the written statement of the employers, the workmen have filed a rejoinder statement marked Ext. W2.
- 4. In their written statement and the rejoinder statement the workmen have tried to support their demands, elucidating them in detail. The employers have tried to counter their demands. It is, however, not necessary to discuss the details of the demands of the workmen and the stand of the employers with regard to them and the reasons given by the latter for denying them, because even before the stage of recording of evidence was reached, the parties mutually settled the whole dispute between themselves and, therefore, no decision on the controversial issues raised by them is now called for from me.
- 5. At this stage it has become necessary to mention that the Table Staff of M/s. M. L. Baneriee and Sons concerned in the present dispute consists of two-sets of workmen; the first set was of those who used to work exclusively on board the ship of M/s. American Export and Isbrandtsen Lines Inc., under the agency of M/s. Lionel Edwards Limited, Calcutta. In the other set were workmen who used to work only on board the vessels under the agency of M/s. Java Bengal Line, Calcutta. The first set of the workmen and the employers M/s. M. L. Baneriee and Sons., Calcutta entered into a settlement and they filed a joint petition dated 2nd December, 1969, incorporating the terms of the settlement, with a prayer that an award be passed in accordance therewith. The schedule annexed to the order of reference quoted above did not contain the names of the Table Staff (Workers) whose cases were referred to the Tribunal nor was there any indication in it that they were in two sets. It only mentions the "Table Staff employed by Messrs M. L. Banerjee and Sons." The aforesaid joint petition dated 2nd December, 1969 also did not disclose the fact that there were two sets of the Table Staff concerned in the dispute or that only one of those two sets had settled the dispute with the employers and the other set was still left out. Belleving that the whole dispute involved in the reference had been settled between the parties, the settlement was accepted by the Tribunal and an award was passed according to the terms of the settlement petition and was submitted to the Central Government in accordance with section 15 of the Industrial Disputes Act on 30th January, 1970.

- 6. Subsequently, however, it appears that the other set of workers (Table Staff) concerned in this dispute also reached a settlement with the employers and a joint petition dated 12th January, 1970 was received by this Tribunal on 3rd February, 1970, incorporating the terms of the present settlement and praying that the Tribunal should pass an another award on its basis. On the receipt of this application a doubt was expressed whether after having already passed one award and sent it to the Government another one could be passed in the same dispute. The parties, were therefore, ordered to appear before the Tribunal on 20th February, 1970 to clarify this position. In response to this notice the parties appeared through their representatives on the date fixed and filed a joint petition clarifying the entire course of events which lead to the filing of two settlement petitions and they have prayed that another award as a part of the earlier award be passed now in terms of the present joint settlement petition (dated 12th January, 1970) and they bind themselves to abide by it. I accept their prayer.
- 7. My supplementary award, therefore, is that the dispute referred to this Tribunal in so far as it relates to the employers and the workers (Table Staff) named in the joint petition dated 12th January, 1970 is concerned be decided in terms incorporated in it. The petition itself will form part of the award.
- 8. Let this award be also sent to the Central Government as a part of and in continuance of my earlier award in this reference in accordance with section 15 of the Industrial Disputes Act.

(Sd.) RAM ASRAY MISRA,

Presiding Officer.

Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 1, DHANBAD

IN THE MATTER OF REFERENCE No. 62/1968

#### AND

IN THE MATTER OF AN INDUSTRIAL DISPUTE

#### BETWEEN

M/s. M. L. Banerjee and Sons, P-59A, Harisava Street, Calcutta-23.

# AND

represented by The Shipping Employees' Their workmen (Table Staff) Union, 38, Hem Chandra Street, Calcutta-23.

In respect of the above dispute, the employer and the concerned workmen have arrived at a settlement, terms whereof are submitted herewith as Annexure-A to this petition.

The employer and the concerned workmen therefore pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to approve the terms of the settlement and pass an Award incorporating those terms of the settlement.

For M. L. Banerjee & Sons. (Sd.) H. L. BANERJEE,

;Signature of the Representhe Shipping tative of Union with Employees designation.

Signature of Employer. Signature of Workmen.

Sd./- ILLEGIBLE Jt. Secretary, Shipping Employees' Union.

(Sd.) R. K. NAG, (Sd.) K. C. DEY, (Sd.) S. K. GHATAK, (Sd.) S. K. MUKHERJEE, (Sd.) B. M. DEY SARKAR, (Sd.) P. K. BASU MAJUMDER, (Sd.) M. K. BANERJEE, (Sd.) S. C. DAS, (Sd.) S. C. PODDAR, (Sd.) S. C. MARIK, (Sd.) S. C. MURHERJEE. (Sd.) K. R. GHOSAL. (Sd.) S. K. BANERJEE.

#### ANNEXTIRE A.

# Terms of Settlement

- 1. (A) That the following named Table Staff working under Contractorship of M/s. M. L. Banerjee and Sons, P-59A, Harisava Street, Calcutta-23, on board the vessels under the Agency of Messrs Java Bengal Line, 1 and 3 Netaji Subhas Road, Calcutta-1 will be covered by this agreement viz:-
  - 1. Sri R. K. Nag.
  - 2. Sri K. C. Dey.
  - 3. Sri S. K. Ghatak.
  - 4. Sri S. K. Mukherjee.
  - 5. Sri B. M. Dey Sarkar.
  - 6. Sri P. K. Basu Majumder.
     7. Sri M. K. Banerjee.

  - 8. Sri S. C. Das. 9. Sri S. C. Poddar. 10. Sri S. C. Marik. 11. Sri S. C. Mukherjee. 12. Sri K. R. Ghosal.

  - 13. Sri S. K. Banerjee.

### Designation: --

- (B) That Sl. No. 1 to 8 will be treated as Assistant Clerks ("A" Category).
- (C) That SI. No. 9 to 13 will be treated as Assistant Clerks ("B" Category).

# Wages: —

- 2. (a) The daily rate of wages in respect of all the workmen from Sl. No. 1 to 13 will be @ Rs. 12,93 P. per each day shift and @ Rs. 13.93 P. per each afternoon and/or Night shift.
- (b) If any one of the Table Staff employed as Ship's Clerk he will be paid @ Rs. 16.14 P. per cach day shift and @ Rs. 17.14 P. per each afternoon and/or Night shift.

# Minimum Guarantee: -

- 3. That Sl. No. 1 to 8 will be entitled to minimum guaranteed wages of 21 shifts per each Calendar month irrespective of the number of working shifts. The minimum guaranteed wages for Sl. No. 9 to 13 will be 12 shifts per month.
- 4. The workers will be entitled to an amount @ Re. 1/- (Rupee one only) per every shift of work in afternoon and/or night shift over and above the minimum guaranteed wages in case of such employment.

### Working shifts:-

5. The workers will be obliged to work two consecutive shifts a day; provided he is fit to work at the exigencies of services required for efficient performance of dock work.

#### Roster Off:—

6. 4 days' Roster-Off a month fixed @ 1 day per week will be allowed to workers on staggering basis on their day shift wages.

# Payment on Holidays:

7. The workrs will be entitled to holidays as will be declared by C.D.L.B. and will be paid accordingly.

8. The workers will be entitled to Bonus as will be decided by C.M.S.A. and/or by the principal employer M/s. Java Bengal Line whichever is higher.

#### Leave:-

9. A worker will be entitled to 30 days privilege leave per year of service. 7 days medical leave per year of service. 5 days casual leave per year of service.

The above privilege leave may be accumulative for 2 years. The leave will be allowed with wages,

# Accident benefit:—

10. As per workermen's compensation Act.

# Retrenchment Compensation:-

- 11. For the purpose of superannuation (Age-60), retrenchment or otherwise termination of service, a worker shall be entitled to payment rate of 15 days wages for every year of service. And for the purpose of any such payments their service will be counted from 1st September, 1969. And the services rendered previous to 1st September. 1969 will be treated as casual service i.e. srvices rendered as and when work was available.
- 12. The Employer company agress to abide by the decision of any enactment and/or laws which will be implemented from time to time for extending the benefits and privileges to those Table Staff.
- 13. In case of creation of Reserve Pool of the Table Staff, the company reserves the right to send the workmen in the Reserve Pool after necessary compliance of registration by the appropriate authority.
- 14. It is further agreed that the continuance of employment of the workers shall always be dependent on the continuance of cantract with Messrs Java Bongal Line.
- 15. During the continuance of this agreement and/or any time thereafter if the contract of M/s. M. L. Banerjee and Sons is terminated by M/s. Java Bengal Line or if the contractor terminate the contract then the services of the Table Staff will be terminated by giving one month's notice or notice pay and retrenchment compensation.
- 16. That in case of change of contractorship, the Employers shall recommend for their employment with any other employer.
- 17. That the Table Staff will not work under any other contractor or employer while they work under this contractor.
- 18. The booking for work will be given either from the office or on hoard the ship at the convenience of the contractor.
- Table Staff will report for duty every day at 1-30 P.M. at 19. That the contractor's Office except when they are on duty on ships or on holidays or leave.
- 20. This agreement shall have the effect of enforcement on and from 1st September, 1969 and shall be binling for 1 year.

For M. L. Banerjee, and Sons. (Sd.) H. L. Banerjee.

Signature of Workmen. Signature of the Signature of the Representative of the Shipping Employees Union.

(Sd.) ILLEGIBLE Jt. Secy. Shipping Employees' Union.

> (Sd.) R. K. NAG, (Sd.) K. C. DEY, (Sd.) S. K. GHATAK,

(Sd.) S. K. Mukherjee, (Sd.) B. M. Dey Sarkar, (Sd.) P. K. Basu Majumder, (Sd.) M. K. Banerjee,

(Sd.) S. C. Das, (Sd.) S. C. Poddar, (Sd.) S. C. Marik. (Sd.) S. C. Mukherjee. (Sd.) S. C. Mukherjee. (Sd.) K. R. Ghosal. (Sd.) S. K. Banerjee.

(Sd.) RAM ASRAY MISRA. Presiding Officer. (No. 28/35/68-IR.III/P & D.]

#### New Delhi, the 25th March 1970

S.O. 1271.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Cochin Port Trust, Cochin and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th March, 1970.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-52 of 1966

#### PARTIES:

Employers in relation to the Cochin Port Trust, Cochin

#### AND

Their workmen

#### PRESENT:

Shri A. T. Zambre, Presiding Officer.

#### APPEARANCES:

For the employers—Shri P. K. Kurian, Advocate of Messrs. Menon and Pai. Advocates.

For the workmen--Shri T. C. N. Menon, Advocate and President, Cochin Port Employees Union.

Shri P. F. Thomas, Advocate and President, Cochin Port Workers Union.

STATE: Kerala.

INDUSTRY: Major Port and Docks.

# Bombay, dated 19th February 1970

#### DECISION

The Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, by their Order No. 28(64)/65-LRIV dated 23rd November 1966 have referred to this Tribunal for decision the following question in exercise of the powers conferred on it by section 36A of the Industrial Disputes Act:—

#### SCHEDULE

- "Whether keeping in view the terms of para 1 of the settlement dated the 9th August, 1965, arrived at between the employers in relation to Cochin Port Trust and their employees represented by the Cochin Port Workers' Union, Cochin and Cochin Port Employees Union, Cochin before the Conciliation Officer (C), Ernakulam termination of the services of casual labour as and when seasonal and other piece work cease to exist each year is in order?"
- 2. The Cochin Port Trust carries on its normal and continuous work in various sections such as mechanical, civil, dredging department etc., through their regular employees. Besides the regular work there is considerable amount of seasonal work special repair work and capital works and with a view to carry on the regular work and this additional work the Port Trust employs a large number of casual workmen. The workers had alleged that a large contingent of them who had put in several years continuous service and were employed on jobs of a permanent nature were designated by the Port Trust as casuals and were discharged from service arbitrarily without sufficient reasons and hence they had raised a dispute which was pending before the Conciliation Officer (Central). It was settled and there was an agreement dated 9th August, 1965. By this agreement the parties agreed to the procedure to fill up the vacancies by casual workers. The Port Trust was to assess the average number of man days employed in the work of continuous nature of different categories for the last three years from 1st July, 1965 and after setting off the total strength of permanent and temporary workmen against the average number of man days the remaining vacancies were to be filled in by absorbing the required number from the existing casual workers. It was further agreed that the casual worker who were to be absorbed were to be treated as temporary from 1st April, 1966 and the present dispute arises out of this settlement.

- 3. The employees have been represented by the Cochin Port Workers Union and the Cochin Port Employees Union. Both unions have filed statements of claim raising similar contentions. It is alleged that the Port Trust has not implemented the terms contained in para 1 of the settlement inasmuch as 10 . made of the number of man-days utilised in the work of a continuous nature for the period of three years mentioned in the settlement. No confirmation of the casual labour was also done and the Cochin Port Trust wanted to wriggle out of the terms of settlement and had made demands to retrench a number of workers who would have been confirmed in accordance with paragraph 1 of the settlement. They have alleged that the Port actually employs a large number of casual workmen for years together to do work of a permanent nautre like regular maintenance in workshops, civil dry dock, dredging mooring and electrical but they actually employed only about 60 per cent of the regular workmen required for regular work and it was an unfair method to designate the workers as casual though they were employed on permanent jobs and to discharge them according to whims and fancies of the management under the cover of retrenchment. They have alleged that after the settlement when the Port Trust discharged the workers every time the unions objected and the malter was taken up through proper authorities. There were indeneydent discussions with the Chairman of the Port Trust but the matter took a serious turn when the Port Trust issued notices of retrenchment on 20 carpenters and others. This was resisted by the union which issued a strike notice on 29th October, 1966 which resulted in the present reference under section 36A of the Industrial Disputes Act. 1947.
- 4. The employers have by their written statement contended that in addition to the regular work they have got a considerable amount of seasonal, special repair work and capital works which is done intermittently and according to necessities and a large number of workmen of various categories were employed for this work and they had to be retrenched when the work cease. They have contended that in view of the nature of work it was not possible to have permanent or monthly paid workmen for doing all these items of work and therefore it was essential that the Port Trust should be able to recruit casual workmen according to their needs and as such the employment of the casual workmen will be terminated as and when the work was over. They have denied the allegations about non-implementation of the settlement and it is submitted that the settlement was more than implemented as soon as the necessary data was compiled. According to them the number of monthly paid workmen employed in the various categories was more than sufficient for work of a continuous nature but since a good number of workmen had to be deputed for work on the Four Berths scheme during the period there was need for having a fairly good number of casual workmen employed for other works, and when the work was over and when the monthly paid workmen who were deputed for work to other capital works had returned, the casual workmen were retrenched following the principles laid down in the Industrial Disputes Act. After the settlement dated 9th August, 1965 a good number of casual workmen were absorbed into the temporary category and this was far more than were justified by the terms of the settlement and the retrenchment which was effected and which gave rise to the dispute was only of workmen who still continued to be casuals. The casual workmen are Jaily rated where as the temporary workmen are monthly rated and the management has every right to retrench temporary or other categories of workmen if the circumstances warranted the same and as the refrenchment has been effected in accordance with the Act and the provisions of the settlement the termination of the services of the casual labour was in order and the workman are not antifled to any relief.
- 5. After the statements, the parties had filed documents but as the question related to the cosmil labour (), parties have been requesting for adjournment with a view to settling the matter amicably. The employers had during the pendency of this reference made an application for permission to retrench some of the casual workmen and both these matters had to be kept pending for settlement.
- 6. At the time when the reference was called for hearing on 9th February, 1970 both the unions submitted that the matter was negotiated and almost settled and they did not want to press the demand. Shri T. C. N. Menon, President of the Cochin Port Employees Union and Shri P. F. Thomas President of the Cochin Port Workers Union have below the reference order made endorsements that they were not pressing for any relief and the reference was not pressed in view of the circumstance that both the unions do not want to proceed with the reference it shall have to be held that the termination of the services of the casual labour as and when seasonal and other piece of work ceases to exist each year is in order as per para 1 of the settlement dated 9th August 1965.

Hence my decision accordingly.

No order as to costs.

(Sd.) A. T. ZAMBRE,

Presiding Officer,

Central Government Industrial Tribunal,

Rombay.

[No. 28/64/65-LRIV, P&D.1

S.O. 1272.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Bombay Port Trust, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th March, 1970.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-2/1 of 1968

Employers in Relation to the Bombay Port Trust, Bombay

#### AND

### Their Workmen

PRESENT:

Shri N. K. Vani-Presiding Officer.

#### APPEARANCES:

For the employers: Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser, Bombay Port Trust, Bombay.

For the Workmen: 1. Shri S. K. Shetye, General Secretary, Bombay Port Trust Employees' Union, Bombay,

 Dr. S. Maitra, General Secretary, Bombay Port Trust General Workers' Union, Bombay.

INDUSTRY: Ports and Docks.

STAFF: Maharashtra.

# Bombay, the 12th March 1970

# AWARD

By Order No. 28/27/64-LRIV dated 19th May, 1964, the Government of India, in the Ministry of Labour and Employment in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred to the Central Government Industrial Tribunal, Bombay for adjudication, an industrial dispute existing between the employers in relation to the Bombay Port Trust, Bombay and their workmen in respect of the matters set forth in the schedule, mentioned below:—

# Scheoule

- "1. Whether the Bombay Port Trust Administration is justified in forming a unified cadre of Technical Assistants and Station Attendants of the Engineering Department?
- 2. Whether the inter so seniority in the unified cadre has been fixed on correct principles
- 3. To what relief are the Technical Assistants entitled?"
- 2. Later on, the Central Government transferred the reference to this Tribunal No. 2, Bombay for adjudication under Order No. 22/8/68-LRIII dated 25th November, 1968.
  - 3. The facts giving rise to this reference are as follows:—
- 4. The various categories of employees working in the Electrical Establishment of the Northern and Southern Divisions of the Bombay Port Trust prior to 22nd February, 1960 were as follows:—
  - (a) Scheduled
    - 1. Electrical Foreman
    - 2. Assistant Electrical Foreman

- 3. Outside Inspector Testing
- 4. Leadingman
- 5. Works Inspector (Elec. Temp.)
- 6. Telephone Supervisor
- 7. Jr. Outside Inspector (Temp.)
- 8. Chargeman

# (b) Non-Scheduled

- 9. Electrician I Grade
- 10. Electrician II Grade 11. Hireman
- 12. Assistant Wireman
- 13. Nowgani
- 14. Liftman
- 15. Greaser
- 16. Mazdoor.
- 5. The various categories of staff working in the Hydraulic pumping Stations prior to 22nd February, 1960 were as follows:—
  - (a) Scheduled
    - 1. Station Engineer, Grade I
    - 2. Station Engineer, Grade II
    - 3. Station Attendant
    - 4. Assistant Station Attendant.
  - (b) Non-Scheduled
    - Greaser
    - Nowgani
    - 7. Mazdoor.
- 6. Due to growing complexity of work in Electrical establishments, the Trustees by their Resolution No. 757 dated 25th August, 1959, decided to create separate cadres with separate channels of promotion for diploma holders and non-diploma holders under those establishments. For this purpose two new cadres of posts were created for diploma holders namely Junior Technical Assistants (Rs. 160-10-300) and Senior Technical Assistants (Rs. 260-15-350).
- 7. The diploma holders cadre in the Electrical Establishment proper now consists of two permanent and one temporary Electrical Foreman (Rs. 650-25-800) who are officers and 5 permanent and 3 temporary Assistant Electrical Foremen (A.S.E. 425-575-ASS. 2 Rs. 435-575) 6 permanent and 8 temporary Senior Technical Assistants (Rs. 335-425 A.S. 1 and 2) and 21 permanent and 3 temporary Junior Technical Assistants (Rs. 210-380 A.S. 1 and 2).
- 8. After 22nd February, 1960 the various categories of employees working in the Electrical Establishment of the Northern and Southern Division of the Bombay Port Trust were as follows:-

# Diploma Holders

- 1. Electrical Foreman
- 2. Assistant Electrical Foreman
- Senior Technical Assistant
   Junior Technical Assistant.

#### Non-diploma Holders

- 1. Outside Inspector (testing)
- 2. Leading-man
- 3. Senior Chargeman
- 4. Chargeman

# Non-Scheduled

- Electrician Ist Grade
- 6. Electrician IInd Grade
- Wireman
- 8. Assistant Wireman
- 9. Nowgani
- 10. Liftman
- Greaser
- 12. Mazdoor.

9. Even after 22nd February, 1960, the various categories of staff in Pumping Station continued to be as follows:-

#### Scheduled

- 1. Station Engineer Grade I
- 2. Station Engineer Grade II
- 3. Station Attendant
- 4. Assistant Station Attendant

#### Non-Scheduled

- Greaser
- Nowgani
   Mazdoor.
- 10. On 25th April, 1961, the Trustees of Port of Bambay passed resolution No. 278. The relevant portion of this resolution is as follows:—
  - "Integration of the cadres of Station Attendants Hydraulic Pumping Station, and Junior Technical Assistants, Electrical Section. Engineering Department.

General Manager's note dated 28th March, 1961.

Owing to the growing complexity of work in the Electrical Section of the Engineering Department, The Trustees, by their Resolution No. 757 dated 25th August, 1959, decided to create separate cadres for diploma holders and non-diploma holders in the Electrical Section and prescribed separate channels of promtion for each cadre. For this purpose, two new categories of posts were created for diploma holders viz., Junior Technical Assistant (Rs. 160—10—300) and Scnior Technical Assistant (Rs. 260-15-350), partly by the conversion of some of the existing posts of Electrician and Chargeman and partly by creating some new posts. The new cadres and channels of promotion were as follows:-

Cadre of non-diploma holders

Cadre of diploma holders

- B'antri Jan Grade (1 Rs. 93-4-125-5-130 I. Jr. Technical Assistant Rs. 160-10-300
- Electrician, Grade I Rs. 100-5-125-5-155 2. Sr. Tech ideal Assistant Rs. 260-15-350.
- Chargeman Rs. 155-6-185
- Assistant Electrical Foreman Rs. 350— 3. 25-500
- Leadingman Rs. 220—10—300
- 4. Electrical Foreman Rs. 650-25-800 plus Rs. 200 Conveyance allowance.
- 5. Outside Inspector (Testing) Rs. 220—10— 260-15-320.
  - When the above proposals were brought up for the Board's consideration, the Bambay Port Trust Employees' Union had urged that the posts of Station Attendants (Rs. 150-7-185-8-225-15-300) at the Hydraulic Pumping Stations, for whom also the prescribed qualification was a diploma in Electrical Engineering should be included in the cadre of diploma holders in the Electrical Section or in the alternative, their pay scales should be substantially improved. The Union had then pointed out that all the existing Station Attendants had been recruited originally in the Electrical Section and thereafter promoted to posts of Station Attendant, and that it was only in 1950 that the Chief Engineer had, by a departmental order, begun to treat the Station Attendants as a separate cadre outside the Electrical Section. As the implications of this demand needed detailed and careful examination and as the reorganisation of the Electrical Section forming the basis of T.R. No. 757 was of pressing urgency, the Union was informed that its representation would be taken up for consideration separately.

 The opportunities of promition available at present to the two groups of diploma holders in question are as follows:—

Electrical Establishment

Hydraulic Pumping Stations

Designation	No. of posts	Designation	No. of posts
Jr. Technical Assistant (Rs. 160-300)	20	Station Attendant (Rs. 150-300) .	12
Sr. Technical Assistant (Rs. 260—350)	8	Station Engineer, 2nd Grade (Rs. 500—700)	I
Asstt, Elec. Foreman (Rs. 350-500).	9	Station Engineer, 1st grade (Rs. 650—800)	I
Electrical Foreman (Rs. 650—800) .	2		

It will be seen that the promotion opportunities available to the Station Attendants compare very unfavourably with those available to the Junior and Senior Technical Assistants in the Electrical Establishment.

Whatever may have been the reasons for keeping the cadre of Station Attendants separate from the cadre of posts in the Electrical Section requiring similar qualifications, I consider that there are good reasons for merging the two cadres. The scale of pay of Station Attendants viz., Rs. 150-7-185-8-225-15-300 is only slightly different from the standard scale of Rs. 160-10-300 which has been prescribed for Junior Technical Assistants. The qualifications required for both the categories are identical viz. a diploma in Electrical Engineering. Their duties are similar in nature though they may differ in detail. There is therefore full justification for fixing the scale of pay of Rs. 160-10-300 for the post of Station Attendants. After a short period of familiarisation a Junior Technical Assistant should be able to perform the duties of a Station Attendant and vice versa. Prior to 1948 the cadre of Electrical Establishment and the Hydraulic Pumping Stations was a combined one, at and above the Assistant Foreman's level. Electricians, Grade I, from the Electrical Establishment have been appointed on the basis of seniority-cum-merit as Station Attendant and there have also been instances of Station Attendants being promoted as Assistant Foreman on the Electrical side. There is, therefore, no reason why these cadres should not be merged. The integration is also desirable from the point view of our future requirements as we have a programme of gradual electriflication of the Pumping Stations, and it will be desirable to integrate the two cadres at this state and avoid problems of retrenchment, etc. later on. The Chief Engineer had expressed an apprehension that the proposed merger might lead to too many transfers and reduce operational efficiency. This danger can be averted by ensuring that the promotions of Station Attendants to higher posts on the Electrical side are considered only for substantive or long term vacancles and that sufficiently well before the date of occurance of such vacancies the senior most Station Attendants are posted to suitable posts on the Electrical side for familiarising themselves with the work.

- 4. I, therefore, recommend that the existing twelve posts of Station Attendants (Rs. 150-300) be converted into those of Junior Technical Assistant (Rs. 160-10-300) in the Electrical Section with effect from the 22nd February, 1960, the date from which the posts of Junior Technical Assistant sanctioned by T.R. No. 757 of 1959 have been operated. The Chairman may be authorised to pass necessary orders on administrative details pertaining to the merger, such as the fixation of seniority, inter se of the incumbents of the posts in the two cadres on their merger.
- 5. It may be added that these proposls have been opposed by the Bombay Port Trust General Workers' Union, on behalf of the existing Senior

-----

and Junior Technical Assistans. The matter was taken up in conciliation by the Regional Europia Commissioner (Central) Bombay, but a sequencer could not be arrived as exempting, the Ministry of Labour and Employment have, by their letter no. 18700 007 ERIV dated 5th March, 1961, informed all the parties concerned that the proposal of the Bombay Port Trust does not seem to be unjustified and accordingly, the Government or India consider that there is not enough justification to refer the case for adjudication.

- 11. It is clear that T.R. No. 2/8 dated 25th April, 1901 converted 12 posts of Station Attendant into 12 posts of Junior Technical Assistant with effect from 22nd February, 1960 and brought about a merger of Station Attendants of H) disulic Pumping Station and Junior Technical Assistant of Electrical Establishments.
- 12. This T.R. No. 276 dated 25th April, 1961 was not implemented due to administrative difficulties and partly due to the fact that the integration proposals were opposed by the Diploma Holders of the Electrical Establishments proper on the ground that their prospects were adversely affected.
- 13. Later on, the Trustees of Bombay Port passed another Resolution No. 1063 on 17th December, 1963. As the Chairman's proposals set out in paragraphs 5, 8 and 9 of his note dated 2nd December, 1963, embodied in the resolution have been sanctioned, it is necessary to refer to paras. 5, 8 and 9, which are as follows:
  - with a view to facilitating the integration ordered in T.R. No. 278 of 1961, that twelve permanent Scheduled posts of Senior Technical Assistant (Rs. 335—15—425 A.S. 1 & 2) be created with enect from 22nd February, 1960, an equivalent number of permanent posts of Junior Technical Assistant peng held in abeyance or abolished, as the case may be. The intention is that appointments to the former posts for the back period from 22nd February 1960 and to 3rd December 1963 should be made, on an officiating basis, from among the Junior Technical Assistants amployed in the Hyderaulic Pumping Stations to the extent that such Jr. Technical Assistants are available and from among the Jr. Technical Assistants of the Electrical Establishments proper in respect of the remaining vacancies and trad, from the 4th December 1963 onwards, they should be filled, either in a substantive or in an officiating capacity, as the case may be from among persons borne on the integrated seniority list of Junior Technical Assistants. In the years to come, there is likely to be an expansion of our electrical services with a consequent need for the engagement of more qualified personnel. We may then consider whether there is any scope for reduction in the number of posts of Senior Technical Assistant.
  - 8. By T. R. No. 757 of 1959 it was decided that the overtime allowance payable to the Senior Technical Assistants should be at the single rate of pay only and subject to a maximum of Rs. (5 p.m. The Junior Technical Assistants, on the other hand, are entitled to overtime allowance on two bases mz. (i) at 12 times their pay and subject to a maximum of Rs. 40 p.m. for work done in excess of their normal hours of duty but not in excess of 9 hours on any day or 48 hours in any week; and (ii) at double the rate of their pay and allowances, and without any ceiling, for work done in excess of 9 hours on any day or 48 hours in any week. If my proposals for upgrading of 12 posts of Junior Technical Assistant to those of Senior Technical Assistant are agreed to by the Board, it would normally have been necessary to make adjustments in the overtime allowance paid, or payable, to the employees concerned. Having regard, however, to the peculiar circumstances in which the upgrading is being resorted to, it is felt that the overtime allowance paid, or payable, to the Junior Technical Assistants of the Hydraulic Pumping Stations for the period from 21st April 1961 to 3rd December 1963 should be allowed to stand. That is to say, the men concerned will not be paid any extra overtime even though they might be eligible for it on the basis of their enhanced pay as Senior Technical Assistants nor would the Administration recover from them any overtime allowance already paid to them and which may normally be due for refund upon their upgradation as Similar Technical Assistants.
  - 9. When the category of Junior Technical Assistants was created by T.R. No. 757 of 1959 it was decided that degree or diploma holders

who are recruited as Junior Technical Assistants and do not possess three years' experience should be allowed their flist increment only after the acquisition of 3 years' experience. On a reconsideration of the matter, we now find that it is not necessary that qualified personnel should have three years' experience and that the denial of increments to such personnel, sometimes for as many as three years, results in some hardship and discontent. I would, therefore, suggest, that the restriction on the drawal of increments by the Junior Technical Assistants who do not possess three years' experience be removed ab intito."

- 14. By the Trustees Resolution No. 1063 twelve permanent Scheduled posts of Senior Technical Assistants (Rs. 335—15—425 A.S. 1 & 2) are created with effect from 22nd February, 1960, holding in abeyance or abolishing an equal number of permanent posts of Junior Technical Assistants, as the case may be. The irrention in creating those posts is that appointments to the former posts for the back period from 22nd February, 1960 to 3rd December, 1963 should be made on an officiating basis, from among the Junior Technical Assistants employed in the Hydraulic Pumping Stations to the extent that Jr. Technical Assistants are available and from among the Jr. Technical Assistants of the Electrical Establishments proper in respect of the remaining vacancies and that, from the 4th December, 1963 onwards, they should be filled either in a substantive or in an officiating capacity, as the case may be from among persons borne on the integrated seniority list of the Jr. Technical Assistants.
- 15. As the objects of the above mentioned 3 Trustees Resolutions could not be implemented on account of the disputes raised by the Bombay Port Trust General Workers' Union, the Trustees passed T.R. No. 263 dated 7th April, 1964 for changing the date 3rd Docember, 1963 to 15th March, 1964 and the date 4th December, 1963 to 16th March, 1964. This T.R. brought into force the integrated seniority of Technical Assistants of the Electrical Establishments and Hydraulic Pumping Station with effect from 16th March, 1964.
- 16. As the integration of Technical Assistants and the Station Attendants of the Engineering Department of Bombay Port Trust was brought into frace with effect from 16th March, 1964, 26 Junior and Senior Technical Assistants of the Electrical Department of the Bombay Port Trust went on an indefinite strike as from the commencement of the first shift of 6th March, 1964.
- 17. At the instance of the Bombay Port Trust authorities the Regional Labour Commissioner (C), Bombay took up the matter in conciliation on 17th March, 1964. Shri D. M. Desai, Dy. Secretary, Bombay Port Trust and Shri S. Maitra, General Secretary, Bombay Port Trust General Workers' Union, attended the conciliation proceedings on behalf of the management and the workmen respectively.
- 18. Shrt Maitra referred to the list of demands submitted by him on 17th July, 1963. He produced a copy of the same before the Conciliation Officer.
- 19. After hearing Shri Maitra and Shri Desai, the Conciliation Officer tried to bring about conciliation but he failed to do so. He ultimately submitted his failure of conciliation Report to the Government.
- 20. On receipt of this report by the Government, the present dispute was referred to the Tribunal for adjudication.
- 21. Shri Maitra, General Secretary, Bombay Port Trust General Workers' Union, Bombay has filed statement of claim at Ex. 1/W. According to Shri Maitra:—
  - (1) As it was not incumbent on the Station Attendants prior to 27th August, 1949 to hold any diploma in Electrical or Mechnical Engineering, it cannot be said that the Station Attendants prior to 27th August, 1949 used to be recruited from amongst the Electricians 1st grade who from the very beginning are required to hold diploma in Electrical and Mechanical Engineering.
  - (ii) The Chief Engineer, who is the competent authority. under his letter No. E/1-6/22185 dated 2nd March, 1948 and his letter No. E/1-E/6495 dated 10th August. 1949 and No. E/1-6/1697 dated 19th April, 1950 had made it a part of the condition of service of the Electrical establishment personnel and the Pumping Station personnel that they have to seek promotion in their respective category and the same are not interchangeable (Annexure 'E' collectively).

- (iii) Undertakings were obtained from the Station Attendants and the Electricians holding diplomas to the effect that option once exercised shall be final and that there would be separate seniority list in the two categories of the Electrical establishment and Hydraulic Pumping Station for filling future vacancies and promotions (Annexure E-1' collectively.)
- (iv) The declaration made by the employees have never been revoked by the employees or cancelled by the employers.
- (v) If the categories of Station Attendants and the Technical Assistants are merged together various difficulties would be created as pointed out by the Chief Engineer, under his letter No. 8110 dated 23rd January, 1960.
- (vi) Since the two cadres were separated, no Station Attendants (except for an ad hoc decision in the case of Shri K. R. Patankar) had ever sought promotion in the Electrical Department.
- (vii) While making the proposals for merger of the two cadres on 28th March. 1961, the General Manager ignored the facts and the difficulties brought to his notice by the Chief Engineer. He also ingored the Trustees Resolution No. 757 of 25th August, 1959 under which only persons holding diploma in Electrical and Mechalical Engineering could be designated and promoted to the post of Technical Assistants and recommended that 12 posts of Station Attendants should be converted into those of Invier Technical Assistants and recommended that 12 posts of Station Attendants should be converted into those of Invier Technical Assistants. into those of Junior Technical Assistants, Electrical Section.
- (viii) The General Manager had no technical qualification to over-rule the considered opinion of the Technical Officers like Chief Engineer, and to assert that the two categories of Station Attendants and Technical Assistants should be integrated.
  - (ix) The General Manager's view that the integration of Station Attendants and the Technical Assistants is necessary;
    - (i) to provide avenues of promotion to Station Attendants, and
    - (ii) to avoid problems of retrenchment etc. at a later date on account of the gradual electrification of the pumping stations,
      - is not correct and tenable.
  - (x) The integration of the Station Attendants with that of Technical Assistants is not going to enhance efficiency in any effective manner.
  - (xi) In actual practice whenever Pumping Station staff was posted to work as Technical Assistants in the Electrical Section, their work was not at all found satisfactory.
  - (xii) The Pumping Station Attendants are not called upon to undertake erection, transmission of electrical equipment, maintenance of Electrical cranes and other ancilliaries and other Electrical projects such as at Butcher Island, the new Sub-station of 22 KV etc. They have been all these years attending to only the pumping stations. It cannot be said that they have maintained knowledge to enable them to work efficiently in the Electrical establishment.
- (xiii) There is no justification whatsoever for the Administration to integrate the post of Station Attendant with that of Technical Assistants.
- (xiv) Trustees Resolution No. 278 of 1961 is bad in law because it allows the designation of Junior or Senior Technical Assistants to the staff of Hydraulic Pumping Station attendants, without their having worked as Technical Assistants and discharged the duties and responsibilities of Technical Assistants.

#### 22. According to Shri Maitra.

- 1. Inter se seniority in the unified cadre has not been fixed on correct principle.
- 2. Under the normal procedure the seniority should have been fixed on the basis of the date on which the Trustees Resolution was passed and the Station Attendants were appointed as Technical Assistants.
- 3. There is not a single case in the history of the Port Trust Administration. where a category of workers, while integrating with another category were given seniority on the bacis of tehir total period of service.

- 4. (i) When a part of the Dunder Se tion of the Estate Department was merged and integrated with the cooks Department, the employees of the Bunder Section were not given the bencht of counting their total period of service for determining their scalourty in the Docks Department.
- (li)When the Grain Shop employees were integrated with other indoor clerical staff, they were not allowed the benefit to count the total period of service in the Grain Shop of the Labour Department for the purpose of granting seniority in the Departments in which they have been absorbed.
  - (iii) In the case of the integration of the Station Attendants with that of the Technical Assistants, this long standing usage, particle and principle were ignored and they were allowed to count their total service for the purpose of seniority with effect from the date on which Electricians were appointed as Technical Assistants.

# 23. According to Shri Maitra,-

- The Technical Assistants who were working as Station Attendants should retain their designation as Technical Assistants, and they should seek promotion only in the cadre of Station Attendants. They should not have common seniority with that of the Electricians, who were appointed as Technical Assistants under Trustees' Resolution No. 757 of 1959.
- 2. The seniority of the Station Attendants designated as 'Technical Assistants' and the Electricians designated as 'Technical Assistants' should continue to be separate.
- 24. Shri D. M. Desai, Secretary, Bombay Port Trust has filed written statement at Ex. 2/E on behalf of the Trusters of the Port of Bombay (hercinafter referred to as 'employer') on 16th February, 1965. According to employer;
  - (i) The terms of reference in this dispute are vakue. It is not possible to find out the exact grievance of the Union.
  - (ii) By unifying the two cadres of Technical Assistants and Station Attendants, they have discharged only an administrative function or a managerial responsibility with a view to bring about uniformity with regard to the future changes of promotions of the said two categories.
  - (iii) On the question of firstion of inter se seniority there are no principles laid down anywhrere in the Rules applicable to the employees concerned. Mere fixation of inter se seniority in one way or the other cannot give rise to a dispute on the part of the employees unless their interests with regard to their substantive employment are teopardized.
  - (iv) As there were no binding rules either for unification of the Sections or for the fixation of inter se centority, the decision to integrate two sections and to fix inter se sentority should be deemed an administrative function of the Employers. Hence it could not be made the subject of an industrial adjudication. This Tribunal has no jurisdiction to entertain and decide the reference.
  - (v) Shri R. C. Shah, Shri D. B. Shah and other employees whose names appear against Serial Nos. 12, and 13 and 15 in Annexure to Ex. 2/E are not workmen within the provisions of the Industrial Disputes Act, as they each are drawing Rs. 500/- per month and as they are Supervisors, they cannot raise this industrial dispute.
  - (vi) On account of integration and upgradation brought about by the Administration a substantial benefit has accrued to the members of the Bombay Port Trust General Workers' Union and not to the Station Attendants represented by the Bombay Port Trust Employees' Union.
  - (vii) This Reference was obtained from the Government of India. Ministry of Labour and Employment by way of coersion of a strike imposed upon the Bombay Port Trust by the Bombay Port Trust General Workers' Union from 16th March, 1964 to 24th March, 1964. The employees went on strike on the date on which the integrated senio-ority list was to come into force.

- (viii) For the purpose of fixing the joint seniority of Technical Assistants of the electrical Establishment and the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Stations, the Employers have thosen the dates of their naving been appointed as the 1st Grade Electricians in the Electrical Establishment and as the Station Atendant in the Hydrautic Pumping Stations respectively.
  - (ix) It has been the general practice to give the employee the benefit or his past service in a particular section when he is transferred to another section or Department at the instance of the Administration on account of exigencies of service. But wherever the Administration had to transfer certain employees either at the instance of the employee himself or because they had to otherwise retrench him on account of his having been rendered surplus, he has been put at the bottom of other employees similarly placed in the seniority list, notwithstanding the fact that the others are junior to him. The contention of the Union that they should be put at the bottom of the Senior and Junior Technical Assistants of the Electrical Establishment is not just and sound. The same be rejected.
  - (x) This Tribunal should reject the demand of the Union for the following reasons :-
    - 1. The Station Attendants of the Hydraulic Pumping Stations and the Technical Assistants of the Electrical Establishments have identical qualifications.
    - 2. It is incumbent upon the Administration to see that one section of employees with identical qualifications working under the same Head of the Department should not have unequal chances of promotion.
    - 3. All the present Station Attendants were originally appointed as Electricians in the Electrical Establishment of the Chief Engineer's Department and were transferred to the Hydraulic Pumping Stations as Station Attendants.
    - 4. In Reference Nos. CGIT 24 of 1960, CGIT 11 of 1957 and ITCG 2 of 1964, the Tribunals had approved the principles of integration and the fixation of inter se seniority in similar circumstances among other reasons.
  - (xi) If the demand of the Union in this reterence is conceded by the Tribunal, it would put obstructions in the way of speedy implementation of the development programmes.
  - (xii) There are bound to be a series of integrations among various sections either on account of implementation of development plans or on account of introduction of latest techniques of handling cargoes in the Docks.
  - (xiii) Their actions in bringing about integration and fixation of seniority of the joint cadre as mentioned above on the administrative ground are bonafide, fair, just and reasonable and be upheld, rejecting the demands of the Union.
- 25. The Assistant Sccretary, Bombay Port Trust Employees Union has filed written statement at Ex. 3/X. According to this Union, representing Station Attendants and other employees,-
  - 1. The Electric Section is a Section of the Engineering Department and the Hydraulic Pumping Stations are a part and parcel of the Electric Section. Though the Stations are called Hydraulic, their work is essentially electrical. There are three Pumping Stations, each in charge of a Station Attendant. Under him work Assistant Station Attendant, Greasers etc. These Station Attendants besides operating the Electrical Machinary are required to keep in efficient repairs and maintenance of the plant and equipment. If the nature of work that is done by the Station Attendants is compared with that done by Technical Assistants, it will be evident that the work at both the places is the same in several respects and in certain respects the former is superior to the latter.
  - 2. The Station Attendants are qualified Engineers. The requisite qualification of the Station Attendant is either a degree or diploma in Electrical Engineering of recognised institute. The qualified Electricians of Electric Section are automatically promoted to the post of Station Attendants on the basis of seniority.

- Somewhere in 1950, the Chief Engineer had by his latter quietly tried to treat the Station Attendants as a separate cadre outside the Electrical Section. This was not made known to the Station Attendants posted at the pumping Stations.
- 4. While introducing bifurcation, the Chief Engineer has not taken any care to ensure equal opportunities of promotion to the two groups of diploma holders. The promotion opportunities available to the Station Attendants compared very unfavourably with those available to their counter parts in the Electrical Section.
- 5. When the Station Attendants came to know that the Chief Engineer wanted to treat the Hydraulic Pumping Station as a separate Section, they made representation to the Administration that they should be promoted in the Electrical Section in future vacancies. This is quite evident from the Mechnical Superintendant's letter No. E/1-E/27986 dated 20th March, 1956 addressed to the Deputy Chief Engineer wherein reference is made to the representation from Shri N. V. Vale, a Station Attendant, who requested for retaining the seniority for promotion to the post in the Electrical Station (See Annexure B to Ex. 3/X).
- 6. As representations oral and written of the Station Attendants made to the Bombay Port Trust Administration were not heeded, they approached the Union (i.e. Bombay Port Trust Employees' Union) for representing their case that they should be considered cligible for the purpose of promotion to the post in the Electrical Establishment along with the cadre of Diploma holders in the Electrical Section. Accordingly in the year 1959, even prior to creation of Junior and Senior Technical Assistants posts in the Electrical Section vide T. R. No. 757 of 25th August, 1959, it (the Union) represented their case to the Administration for removing the injustice done to the Station Attendants. It requested the Administration that the posts of Station Attendants at the Hydraulic Pumping Station should be included in the cadre of Diploma Holders in the Electrical Engineering or in the alternative their pay scale should be substantially improved. The Bombay Port Trust administration assured the Union that its representation would be considered separately after passing T. R. No. 757 of 1959. Accordingly thereafter the Trustees of Bombay Port Trust passed another T. R. No. 278 of 1961 merging the cadres of Station Attendants and Technical Assistants.
- 7. By T. R. No. 278 of 1961 it was decided that 12 permanent posts of Station Attendants (Electric) would be converted into those of Junior Technical Assistant (Rs. 160—300) in the Electrical Section with effect from 22nd February, 1960, being the date on which T. R. No. 757 of 1959 was implemented. The proposal in this T. R. was opposed by the Bombay Port Trust General Workers' Union on behalf of the Senior and Junior Technical Assistants from the Electrical Sections. Hence this dispute was taken up in conciliation by the Regional Labour Commissioner (Central). Bombay, but a settlement could not be arrived at. Thereafter failure of conciliation Report was made to the Government but it refused to refer the dispute for adjudication.
- 8. As T. R. No. 278 of 1961 was not implemented for nearly 2½ years due to threats of the Bombay Port Trust General Workers' Union, another T. R. No. 1063 of 1963 was passed by the Trustees of Bombay Port Trust. This T. R. was followed by another T. R. No. 263 of 7th April, 1964 to facilitate integration between the Station Attendants and Technical Assistants. All the Trustees' Resolutions No. 278 of 1961, 1063 of 1963 and 263 of 1964 were given effect to from 16th March, 1964.
- 19. By passing Trustees' Resolutions mentioned above, the Administration have only tried to remove the injustice done to the Station Attendants. The proposals of the Administration embodied in the above mentioned Trustees' Resolutions were beneficial to members of both the Unions, viz. Bombay Port Trust Employees' Union and the Bombay Port Trust General Workers' Union. In fact, more benefit was accrued to the Technical Assistants from the Electrical Sections who are members of the Bombay Port Trust General Workers' Union.

- 10. For the purposes of fixing the joint seniority of Technical Assistants of the Hldraulic Pumping Statlons the employers have chosen the dates on their having been appointed as the 1st grade Electricians in the Electrical Establishment and as the Station Attendants in the Hydraulic Pumping Stations respectively. In fact, according to the principles followed in the past as shown in para. 19 of Ex. 3/X, common symiority should have been based on the date of appointment as Electrician in the Electrical Section in cases of both the groups of Diploma holders. However, it does not press for the same.
- The demand of the Bombay Port Trust General Workers' Union be rejected.
- 26. The Bombay Port Trust General Workers' Union has annexed annexures marked A to M to its written statement Ex. 1/W. It has produced several documents and statements which are admitted in evidence. They are exhibits 4/W to 25/W and 37/W.
- 27. Trustees of Bombay Port have annexed annexures A to I to their written-statement Ex. 2/E. They have produced some documents which are admitted in evidence. They are exhibits 25/E, 28/E, 29/E, 38/E and 39/E.
- 28. The Bombay Port Trust Employees' Union has annexed annexures A to B to its written statement Ex. 3/X. It has produced some documents which are admitted in evidence. They are exhibits 26/X, 27/X, 30/X, 31/X, 32/X, 33/X, 34/X, 35/X, 36/X. This Union has produced two more documents marked 40Y and 41Y.
- 29. The first point for consideration is whether the Bombay Port Trust Administration is justified in forming a unified cadre of Technical Assistants and Station Attendants of the Engineering Department. My finding on this point is in the affirmative for the following reasons:
- 30. Shri S. Maitra, General Secretary of the Bombay Port Trust General Workers' Union representing the original Technical Assistants from the Electrical Establishment (hereinafter referred to as 'Shri Maitra') contends that as it was not incumbent on the Station Attendants prior to 27th August, 1949 to hold any Diploma in Electrical or Mechanical Engineering, it cannot be said that the Station Attendants of Hydraulic Pumping Station prior to 27th August, 1949 used to be recruited from amongst the Electricians Ist Grade who from the very beginning are required to hold diploma in Electrical and Mechanical Engineering and on account of this there is no justification for integration of the two cadres. This contention cannot be accepted.
- 31. The Trustees of Bombay Port passed resolution No. 755 of 27th September, 1949 prescribing the qualification of Diploma in Electrical and Mechanical Engineering for the post of Station Attendant. In view of this resolution, it is crystal clear that qualification for the post of Station Attendant since 27th September, 1949 is Diploma or Degree in Electrical or Mechanical Engineering.
- 32. Even prior to 27th September, 1949, persons from Electrical Establishments used to be recruited as Station Attendants. Shri V. P. appikar (whose name appears at S. No. 2 of Exhibit 'E' in Ex. 2/E, which is a statement of Transfers from the Electrical Establishment to the Hydraulic Pumping Stations from 1942 to 1964) was Diploma Holder and was transferred to Hydraulic Pumping Station prior to 27th September, 1949. Similarly Shri J. A. Fernandes. S. No. 1 in the Statement Exhibit 'E' in Ex. 2/E, was also a Diploma Holder and was transferred to Hydraulic Pumping Station as Station Attendant with effect from 2nd May, 1943. These two instances show that Station Attendants used to be recruited from Electrical establishment even prior to 27th September, 1949.
- 33. Shri Maitra contends that the Chief Engineer, who is the competent authority under his letter No. E/1-6/22185, dated 2nd March. 1948 and his letter No. E/1-E/6495 dated 10th August. 1949 and his letter No. E/1-6/1697 dated 19th April. 1950 had made it a part of the condition of service of the Electrical Establishment personnel and the Pumping Station personnel that they have to seek promotion in their respective category and the same are not interchangeable (Annexure E' collectively to Ex. 1/W), and that on account of this, the two cadres namely Technical Assistants and Station Attendants cannot be integrated.
- 34. It is true that the Chief Engineer of the Bombay Port Trust is the competent authority to change and lay down certain conditions of service both for

the Station Attendants and the Senior and Junior Technical Assistants, but at the same time the General Manager, the Chairman and the Trustees of Port of Bombay are also equally competent to revise any decision taken by their Chief Engineer. As they are higher authorities and as they have power to revise any decision of the Chief Engineer, they have taken necessary steps for merging the two cadres etc. by passing series of resolutions. Resolution regarding merger of the two cadres passed by the Trustees of Port of Bombay does not become invalid simply because it changes the alleged decision, regarding service conditions etc. of the cadre in question taken by the Chief Engineer. Hence the contention raised by Shri Maitra cannot be upheld.

- 35. Shri Maitra contends that undertakings were obtained from the Station Attendants and the Electricians holding Diploma to the effect that the option once exercised shall be final and that there will be separate seniority list in the two categories of the Electrical Establishment and Hydraulic Pumping Station for filling future vacancies and promotions (vide Annexure 'E-1' collectively to Ex. 1/W). He also contends that the declarations made by the employees have not been revoked by the employees and cancelled by the employer.
- 36. Letter No. E/1-E/14 697 dated 25th October, 1952 from the Senior Assistant Mechanical Superintendent to the Electrical Foreman, produced at page 51 in Ex. 1/W is as follows:—
  - "Acting Appointment in the leave vacancies of Station Attendants.
  - I have to request you to obtain necessary undertakings in writing from 1st Grade and 2nd Grade Electricians who are Diploma or Degree Holders and have been recruited since April 1951, whether they wish to be considered for the posts of Station Attendants in the Hydraulic Pumping Stations or higher posts in the Electrical Sections, to enable this office to prepare separate Seniority lists for the purpose of filling future vacancies in Hydraulic Pumping Stations and Electrical Sections. They may also be informed that the option once exercised is final. You are also requested to submit the complete list of 1st and 2nd Grade Electricians giving their service particulars and qualifications."
- 37. In pursuance of this letter, undertakings in writing from the first Grade and Second Grade Electricians holding Diploma or Degree and recruited since April, 1951, were obtained—copies of some of those undertakings are at pages from 52 to 62 in Ex. 1/W.
- 38. On reading annexure 'E' to Ex. 1/W collectively including the above mentioned letter and the undertakings, it appears that the Department of the Chief Engineer took a decision to treat the Electrical and Pumping Station staff separate and that on this basis they started taking various steps namely, preparing two separate lists and obtaining necessary undertakings from the first Grade and the Second Grade Electricians.
- 39. The effect of taking undertakings from various employees would be that these undertakings would remain binding on them, so long as the two cadres continue to be separate. As soon as these two cadres cease to continue to be separate, these undertakings would automatically stand cancelled. After merger of the two cadres, it is not necessary either for the employees concerned to revoke the undertakings or for the employers to cancel the same. In my opinion the passing the resolution Nos. 278 of 1961, 1063 of 1963, 263 of 1964 and notice of change dated 3rd February, 1964 (vide page 88, Ex.1/W) should be deemed to have revoked and cancelled the declarations made by the employees on the question of their willingness or otherwise to accept the post of Station Attendants in Hydraulic Pumping Stations. It was not necessary to pass a specific order for cancelling the declaration in respect of each employee.
- 40. Shri Maitra contends that if the categories of Station Attendants and Technical Assistants are merged, various difficulties will be created as pointed out by the Chief Engineer under his letter No. 8110 of 23rd February, 1960.
- 41. The Chief Engineer's letter dated 23rd February, 1960 addressed to the "Secretary, Bombay Port Trust is as follows:—
  - "Creation of cadres of Sr. & Jr. Tech. Assistants—Elect. Sections—Station Attendants—post to Hyd. Pumping stations—
  - With reference to the General Manager's notice dated 1st February, 1960-I have to remark as under:

- 1. There is no objection to the grade of the Station Attendants (Rs. 150-7-185-8-225-15-300) being replaced by the new grade sanctioned for the Jr. T.A. (Rs. 160-10-300). Although the technical qualifications for both the posts are identical, for operative and administrative reasons the two cadre have been kept separate since 1950 to ensure efficient working and minimum dislocation of work. Furthermore, diploma holders at present in the electrical sections have declined to opt for the pumping stations even though the grade of pay later sanctioned prior to the erection of posts of Junior T.A. was considerably better. Also since the separation of the two cadres except for the ad hoc decision in the case of Mr. K. R. Patankar, Station Attendants have never put forward their claims for promotion of higher posts in the Electrical Sections.
- 2. Prior to 1950, the post of Station Engineer II Grade was filled either by promoting the Asstt. Elec. Foreman or by direct recruitment and not by the promotion of Station Attendants who were frozen at that position. However, with the scuaration of two sections, Station Attendants were given the opportunity for the first time to rise to the post of Station Engineer I Gr. and II Gr. respectively when MLs. Sethna and D'Mello filled these posts and the channel of promotions in the two independent sections are as under:-

Hydraulic Pumping Station

Electrical Sections

13 Station Attendants (150-300)	21 Jr.T.A. (160—300)
I Station Engineer II Gr. (500-700)	8 Sr. T.A. (260-350)
I Station Engineer I Gr. (650—800)	6 Asstt. E.F. (35c—500) 2 E.F. (650—800)

- 3. If the two sections are now to be integrated, it is observed that 8 Station Attendants would also rank senior to some of the Jr. TAs as shown in the accompanying statement marked Appendix 'A'. It may please be noted that out of 11 Station Attendants presently with us, three do not hold electrical diploma. If integration is to be brought about it can best be achieved subject to the following conditions:—
- (a) The ten existing Station Attendants listed in the attached statement—Appendix 'B' should be protected for promotion to the posts of Station Engineers I & II grade which they hitherto enjoyed.
  - (b) The Jr. TAs shown in the accompanying statement as should be protected for promotion in the channel of sanctioned T.R. 757 of 25th August, 1959.
  - (c) When a vacancy occurs in the E'ectrical Section it will be offered to the diploma holders from the Pumping stations and the consequantial vacancy filled by a new recruit who wi'l be given to understand that he will have to work with both the sections.
  - (d) The three station attendants who do not possess and electrical diploma will retain their present designation until they leave the port trust or absorbed in higher posts when their vacancies will be filled by JT.Ac. the remaining station attendants to be redesignated as Jr. T.As.
  - (e) Subject to the condition set out in the paras. (a) and (b) above, the two sections will be integrated according to the following channel of promotions. 34 posts Jr. TAs. (160-200) inclusive of 13 posts of Station Attendants.
- Designations of three non-diploma holders Station Attendants will be retained till such time they will be promoted or transferred and 3 posts of Jr.TAs. will be kept vacant against these posts of Sr. Asstt. and they will be filled in when the latter post will fall vacant.

<sup>8</sup> posts of Sr. T.A. (260 - 350)

<sup>8</sup> posts of or. 2...
6 posts Asstt. E.F. (350—500)
1 Station Engineer II Gr. (500—700) plus F.Q. (650—800) plus 200 Car. A 1 post St. Engineer I Gr. (650-800) plus F.Q.

- 3. Integration in any other manner, it is felt would cause discontent among the diploma holders of Elect. Estt. and may give rise to another dispute from the rival unions."
- 42. It is true that the Chief Engineer has informed the Secretary, Bombay Port Trust that if the integration is to be brought about it can best be achieved subject to the conditions mentioned by him in his letter, J ara 3(a) to (e) mentioned above, and that integration in any other manner would cause discontent among the Diploma holders of the Electrical establishments and may give rise to another dispute from the rival unions.
- 43. The Chief Engineer has pointed out as to how in his opinion the integration of the two cadres should be effected. The General Manager and the Trustees of Bombay Port are higher authorities. They have got powers to lay down principles and rules of service. It cannot be said that they have not considered the difficulties pointed out by the Chief Engineer in bringing out the integration of the two cadres. The General Manager has given detailed reasons in his note dated 28th March 1961 referred to above in para. 10, as to why in his opinion the integration of the two cadres is necessary. It cannot be said that integration of the two cadres should not have been effected because of the difficulties pointed out by the Chief Engineer. The difficulties pointed out by the Chief Engineer are not such as cannot be overcome.
- 44. Shri Maitra contends that since the two cadres separated, no Station Attendant (except for ad hoc decision in the case of Shri K. R. Patankar) had over sought promotion in the Electrical Department and that there was no justification for the integration of the two cadres. This contention cannot be upheld.
- 45. It appears from para 12 of Ex. 3/X that when the Station Attedants came to know that the Chief Engineer wanted to treat the Hydraulic Pumping Station as a separate Section, they made representation to the administration that they should be promoted in the Electrical Section in future vacancies (vide copy of the application dated 13th February 1956 from Shri N. V. Vaze) of Station Attendant's and Mechanical Superintendents letter No. E/1-E/27986 of 20th March 1956, annexed to the written Statement Ex. 3/X and collectively marked as Ex. 'B'. In tddition to the written representations claiming the seniority in the Electrical Section, these Station Attendants approached the Senior Assistant Mechanical Superintendent on many occasions and requested him to consider them for the purposes of promotion for the Electrical Section. As their request was not heeded, they approached the Union for making representation to the Administration on their behalf. The Bombay Port Trust Employees' Union, accordingly approached the Administration.
- 46. It appears that when the proposals to create separate cadres for Diploma Holders and non-diploma holders in Electrical Section, prescribing separate channel of promotion for each cadre were brought up for Board's consideration, the Bombay Port Trust Employees' Union had urged that post of Station Attendant (150—7—185—8—225—15—300) at the Hydraulic Pumping Station for whom also prescribed qualification was a diploma in Electrical Engineering should be included in the cadre of Diploma Holders. Electrical Section or in the alternative their pay scales should be substantially improved.
- 47. I am, therefore, of the view that the Station Attendants of the Pumping Station were claiming merger seniority, promotion etc.
- 48. Shri Maitra contends that while making proposals for merger of the two cadres, the General Manager ignored the facts and difficulties brought to his notice by the Chief Engineer, that he ignored the Trustees' Resolution No. 757 of 25th August 1959 under which only persons holding Diploma in Electrical and Mechanical Engineering could be designated and promoted to the post of Technical Assistant and recommended 12 posts of Station Attendants should be converted into those of Junior Technical Assistant, Electrical Section and that he had no technical qualification to over-rule the considered opinion of the Technically qualified officers like, Chief Engineer, and to assert that the categories of Station Attendants and the Technical Assistants should be integrated.
- 49. The merger Resolution has been passed by the Trustees of the Port of Bombay. The Chairman and the Trustees of the Port of Bombay are competent to over-rule the decision of other officers including the Chief Engineer, however, highly technically qualified, he may be. It is the Trustees who have passed the resolution and not the General Manager. Hence it cannot be said that the General Manager is responsible for over-riding the decision of the Chief Engineer while making the proposal for merger of the two cadres as contended by Shri Maitra. It appears from para. 3 of the Chief Engineer's letter dated 23rd February 1960.

referred to above in para, 41 that out of 11 Station Attendants 3 Station Attendants do not hold Electrical Diploma. In their respect the recommendation of the Chief Engineer was as follows:

- "The three Station Attendants who do not possess any electrical Diploma will retain their present designation until they leave the Port Trust or absorbed in higher posts. Their vacancies will be filled by Junior Technical Assistants. The remaining Station Attendants are to be redesignated as Junior Technical Assistants.
- 50. As per T. R. No. 757 of 25th August 1959, persons holding Diploma in Electrical and Mechanical Engineering could be designated and promoted to the post of Technical Assistants. Shri Maitra contends that in view of this T. R. the 3 Station Attendants should not have been designated and promoted to the post of Technical Assistant.
- 51. The 3 Station Attendants who were not said to be holding Diploma at the time of the merger are.
  - Shri J. A. Fernandes.
     J. S. D. D'Mello.

  - 3. M. F. D'Silva.
- 52. From the record it appears that Shri J. A. Fernandes had passed in the year 1945 Electrical Engineering practice final examination Parts I and II of the City and Guilds of London which is considered equivalent to a degree in Electrical Engineering by the Institute of Engineers (India) and accordingly he is being treated as a Diploma Holder. It cannot be, therefore, said that he was not a Diploma holder on the date of merger and that he should not be designated as Technical Assistant.
- 53. As regards Shri D'Mello, he has already been told that he would not be entitled to further promotion as Electrical Foreman in the Electrical catablishment since he does not possess Diploma in Electrical Engineering and that he will be eligible for promotion as Station Engineer, Gr. I (600—800) if only his work is found satisfactory in the Hydraulic Pumping Station (vide Chief Engineer's letter No. E/1-6/2935 dated 29th April 1964 annexed to Ex.2/E and marked as annexure 'G', page 63). In view of the specific understanding given to Shri D'Mello, it cannot be, said that in substance there has been any violation of the intention of the provisions of T. R. No. 757 of 25th August 1959.
- 54. As regards Shri M. F. D'Silva, acting Senior Technical Assistant, Hydraulic Pumping Station, ht has been informed that he was promoted to officiate as Senior Technical Assistant on purely temporary basis from 16th March 1964 and that he should obtain Electrical Engineering Diploma or pass the Departmental tests prescribed for the non-dipoma holders within a period of 3 years from 16th March 1964, failing which he will have to be reverted. It is clear that his appointment is conditional and for a particular period with a specific understanding. He has been informed that he would not be allowed to officiate in vacancies, permanent or temporary of higher posts such as Assistant Electrical Foreman/Station Engineer, Gr. II etc. till he obtains either Diploma or passes the Departmental test (vide Additional Mechanical Superintendent's letter No. E/1-E/1868 dated 18th April 1964 annexed to the written statement Ex. 2/E and Marked as Ex. 'H', page 64). It appears that by appointing Shri M. F. D'Silva as acting Senior Technical Assistant, appears that by appointing Shri M. F. D'Silva as acting Schlor Technical Assistant, Hydraulic Pumping Station, his original position has not been changed. He is only given the benefit of pay. Even the Chief Engineer had no objection (vide his letter dated 23rd February 1960. Annexpre 'J' to Ex. 1/W) to the grade of Station Attendants (Rs. 150—300) being replaced by new grade sanctioned for the Junior Technical Assistants (160—10—300). He only desired that the merger of the two cadres should be effected in the way suggested by him. Taking all these facts into consideration it cannot be said that there was any violating of the intention of the provisions of T. R. No. 757 of 25—8—1959 in giving acting appointment to Shri D'Silva on certain conditions and for a gravide paried to Shri D'Silva on certain conditions and for a specific period.
- 55. It is true that the General Manager has no technical qualification as such, but it is not possible to have only technically qualified persons at all levels of Administration. The General Manager had necessary authority and experience to consider the question of integration of Station Attendants and the Senior and Junior Technical Assistants and recommended such integration to the Chairman and the Trustees. It cannot be said that the decision to integrate the categories of Senior and Junior Technical Assistants with the Station Attendants was the decision of the General Manager alone. It was the ultimate decision of the Trustees of Port of Bombay. Integration T. R. cannot be said to be invalid simply because the proposal of

integration was issued by the General Manager who is not qualified like the Chief Engineer.

- 56. Shri Maitra contends that the General Manager's view that the integration of the Station Attendants and the Technical Assistants is necessary,
  - (i) to provide avenues of promotion, and
  - (ii) to avoid the problems of retrenchment etc. at a later date on account of gradual electrification of the Pumping Section,

# is not correct and tenable

57. Opportunities available to the two groups of Diploma Holders working in the Electrical establishment and the Hydraulic Pumping Stations before merger were as follows:—

Electrical Establishment			Hydraulic Pumping Stations		
Designation		No. of posts	Designation	No. of posts	
Jr. Technical Asstt. (160—300)		20	Station Attendants (Rs. 150-300).	12	
Sr. Technical Asstt. (260—350)		8	Station Engineer Hnd Gr. (500-700)	I	
Asstt. Ele. Foreman (Rs. 350—500)		9	Station Engineer 1st Gr. (Rs. 650-800)	I	
Electrical Foreman (Rs. 650-800)		2			

- 58. It would be clear from the above statement that promotion opportunities available to the Station Attendants compare very unfavourably with those available to the Jr. and Sr. Technical Assistants in the Electrical Establishment.
- 59. Electrical Section is a Section of the Electrical Department and the Hydraulic Pumping Stations are part and parcel of the Electrical Section. Though the Stations are called 'Hydraulic', their work is essentially of electrical. If the work done by the Station Attendants is compared with that done by the Technical Assistants, it will be evident that the work at both the places is the same in several respects.
- 60. The Station Attendants are qualified Engineers. The requisite qualification of Station Attendants is either a degree or diploma in Electrical Engineering of recognised Institute. The same is the qualification of the Technical Assistants. There is, therefore, no reason as to why two categories of employees having identical qualifications and similar duties, should be deprived of equal and legitimate chances of promotion in their careers. On account of merger increased avenues of promotions have been secured for the Station Attendants. I am, therefore, of the view that the General Manager's view that the integration of the two cadres is necessary to provide avenues of promotion to the Station Attendants, is logical, reasonable and correct.
- 61. Shri Maitra's contention, that the General Manager's view that the integration of the two cadres was also necessary to avoid problems of retrenchment etc. at a latter date on account of gradual electrification of the Pumping Station is not correct, appears to be prima facte tenable.
- 62. In the past the Pumping Station at Princess Dock used to work in two shifts Since 1955, the Princess Dock Pumping Station is working in 3 shifts. The Pumping Station has been shifted from its old site to a new site at a cost of Rs. 7,68,300. In 1971 budget there is a proposal for renovating the Pumping Station at Princess Dock. If the Pumping Station was going to be abolished, there would not have been any heavy capital expenditure and 3 shifts working would not have been started. Hence the only inference that can be drawn is that Pumping Stations were not going to be abolished and that there was no likelihood of any retrenchment of the Station Attendants on this account.
- 63. There are various reasons for the merger of the two cadres. If one of the reasons given by the General Manager for merging the two cadres is not found correct, the integration of the two cadres would not become invalid.

- 64. Shri Maitra contends that in actual practice whenever the Pumping Station staff was posted to work as Technical Assistant in Electrical Section, their work was not at all found satisfactory and that the integration of the Station Attendants with that of the Technical Assistants is not going to enhance efficiency in any effective manner.
- 65. As both the categories of the employees are Diploma holders, they would not find difficulty in handling the work. They will gradually learn the new work given to them. The Station Attendants who have been posted to work as Technical Assistant in the Electrical Section are adjusting themselves to the work in the Electrical Establishment. They would have no difficulty in their work in course of time.
- 66. It cannot also be said that the integration of the Station Attendants with that of Technical Assistants is not going to enhance the efficiency in any effective manner. In the initial stage, there may be some difficulties of adjustment either for the Technical Assistant or for the Station Attendant. This difficulty would be purely of a transitional nature. Gradually it would disappear and the employees would become efficient in their undertaking. Hence the objections ralsed by Shri Maitra in this respect fail.
- 67. Shri Maitra contends that the Pumping Station Attendants are not called upon to undertake erection, transmission of electrical equipments, maintenance of Electrical cranes and other ancelliaries and other Electrical projects such as at Butcher Island, the new sub-station of 22 Kv. etc., that they have been all these years attending to only the Pumping Stations and that it cannot be said that they have maintained knowledge to enable them to work efficiently in the Electrical establishment.
- 68. Station Attendants working at Pumping Station and the Technical Assistants working in the Electrical Establishments hold the same educational qualification. It would not be, therefore, difficult for them to adjust themselves to new work. It is true that in the beginning there are bound to be some minor difficulties. These so called difficulties would gradually disappear and they cannot therefore be obstructions or impediments in the implementation of the integration of the two cadres. Hence the contention raised by Shri Maitra in this respect is difficult to accept.
- 69. Shri Maitra contends that the Trustees' resolution No. 278 of 1961 is bad in law because it allowed the designation of Jr. and Sr. Technical Assistant to the staff of the Hydraulic Pumping Station Attendants without their having worked as Technical Assistants and discharged the duties and responsibilities of Technical Assistants.
- 70. The categories of Technical Assistants and the Station Attendants are comparable categories. These two categories are expected to have identical qualifications. Their nature of duties and work is somewhat similar and comparable. Hence there could not be any difficulty in merging the two cadreg and designating the Station Attendants as Technical Assistants under Trustees' Resolution No. 278 of 1961. In my opinion, Trustees' Resolution No. 278 of 1961 cannot be said to be bad in law on this account. I am, therefore, unable to accept the view of Shri Maitra in this respect.
- 71. Shri Maitra contends that there is no justification whatsoever for the administration to integrate posts of Station Attendants with that of Technical Assistants. On the other hand the Port Trust and the Bombay Port Trust Employees' Union contend that integration of the two categories was just and proper. I uphold the stands taken by the Bombay Port Trust and the Bombay Port Trust Employees' Union in respect of justification for integration of the two cadres.
- 72. In short, considering the pleadings, documents produced in this case and the arguments advanced by Shri Maitra, R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser of the Bombay Port Trust and Shri S. K. Shetye, General Secretary of the Bombay Port Trust Employees' Union, I am of the view that the merger of the two cadres is just because:
  - (i) the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station and the Technical Assistants of the Electrical Establishments have identical qualifications,
  - (ii) almost all the present Station Attendants were originally appointed as Electricians in the Electrical Establishment and were transferred to

the Hydraulic Pumping Station as Station Attendant (vide statement of transfers from Electrical Establishment of the Hydraulic Pumping Station from 1942 to 1964, Exhibit 'E' in Ex. 2/E. page 59),

- (iii) it is in the interest of the administration that employees holding the same qualification, discharging similar duties and responsibilities and working under the same head of Department in the same cadre and getting the same scales of pay should have equal and fair chances of promotion in their service,.
- (iv) it is incumbent upon the administration to see that one Section of the employees with identical qualifications working under the same head of Department should not have unequal chances of promotion.
- 73. By passing various Trustees' Resolutions mentioned above, the Administration has only tried to remove the injustice done to the Station Attendants and improve the prospects of both cadres viz. Technical Assistants and the original Station Attendants.
- 74. The second point for consideration is whether the *inter se* seniority in the unified cadre has been fixed on correct principles. My finding on this point is in the affirmative for the following reasons.
- 75. Shri Maitra contends that the inter se seniority in the unified cadre has not been fixed on correct principles, that under the normal procedure, the seniority should have been fixed on the basis of the date on which the Trustees' Resolution regarding integration was passed and the Station Attendants were appointed as Technical Assistants, that there is not a single case in the history of Port Trust administration where the category of workers, while integrating with another category of workers, were given seniority on the basis of total period of service.
- 76. In support of this contention raised by Shri Maitra referred to above, he relies on two instances of integration and fixation of seniority in the Bombay Port Trust.
- 77. According to Shri Meltra, when part of the Bunder Section of the Estate Department was merged and integrated with the Dock Department, the employees of the Bunder Section were not given the benefit of their total period of service for determining their sentority in the Docks Department.
- 78. It appears from para. 65 at page 40 of the written Statement of the Bombay Port Trust (Ex. 2/E) that while merging the Bunder staff with Docks Department, the inter se seniority was fixed according to the dates of confirmation of the staff in their substantive grades and that credit was given for the past services of the Bunder staff.
- 79. According to Shri Maitra, when Grain shop employees were integrated with other in-door clerical staff they were not allowed the benefit to count the total period of service in the Grain Shop of the Labour Department for the purpose of granting seniority in the Department in which they have been absorbed.
- 80. It appears from para. 55 in Ex. 2/E that directly recruited purely temporary grain shop employees were not given credit to their past service in the grain shops only for the purpose of promotions since it was decided to close down the grain shops but their past services in the grain shops were taken into consideration for the purposes of fixing their initial pay in the re-employment and other service benefits such as leave, provident fund, Special contribution to the Provident Fund, etc. (vide T. R. No. 214 of 1950—a copy annexed to written statement Ex. 2/E, marked Ex. I on page 65). The merger between the grain shops employees and other in-door clerical staff was not necessitated on account of exigencies of Fort Trust work, but purely on humanitarian grounds. Hence this case cannot be taken into consideration.
- 81. Shr! S. K. Shetve, General Secretary, Bombay Port Trust Employees' Urlon (hereinafter referred to as 'Shr! S. K. Shetve') has referred to certain instances in the written statement Ex. E/3 for showing as to how inter se seniority in the unified cadres, was fixed by the Port Trust in the past.
- 82. According to Shri S. K. Shetve, there was a merger of Dock Crew of F.C. Sarus' with the Dock Crew of the Dredging Section as may be seen from the Award on domand No. 18 in Reference No. CGIT-24 of 1960 (Government of India Gazette of 4th November 1961, Part II. Section III(ii) at page 2825— see extract at Ex. L. of 20th January 1970]. In this case the inter se seniority was determined as per

the date of appointments. Similar principle was followed while absorbing the stail of 'S. L. Ratan' of Salvege Section into that of Dredging Section. Further in CGIT No. 11 of 1959 [Government of India Gazette dated 27th June 1959, Part II, Section III(ii) at pages 1541 to 1543—see extract produced at Ex. B on 20th January 1970], it was decided that employees of Steam Loco Shed and Diesel Loco Shed should have common seniority based on the date of appointment.

- 83. According to Shri S. K. Shetye, for the purposes of fixing the joint seniority of the 'Technical Assistants of the Electrical Establishment and the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station, the employers (i.e. the Bombay Port Trust Authorities) have chosen the dates of their having been appointed as the 1st Grade Electricians in the Electrical Establishment and as the Station Attendants in the Hydraulic Pumping Station respectively. In fact, according to the principles followed in the past as shown above, common seniority should have been based on the date of appointment as Electricians in Electrical Section in case of both the groups of Diploma Holders. He, however, did not press for fixing the seniority on this basis, as he was anxious to settle the long standing dispute amicably.
- 84. It appears that both the unions namely the Bombay Port Trust General Workers' Union and the Bombay Port Trust Employees' Union are not satisfied with the fixation of seniority of the unified cadre of Technical Assistants of the Electrical Establishments and the Station Attendants of the Pumping Station, by the Bombay Port Trust, but the Bombay Port Trust Employees' Union does not want to challange the seniority. It accepts the same.
- 25. According to Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser for the Bombay Port Trust, there is no binding procedure laid down for fixation of any seniority for any category of employees. There are a large number of instances where various categories of employees had been merged together and their inter se seniority fixed with or without detriments to senior employees with regard to their future chances of promotion. It has been a general practice to give the employees the benefit of past service in a particular section when he is transferred to another section, or Department at the instance of Administration on account of exigencies of service. But whenever the Administration had to transfer certain employees either at the instance of the employee himself or because as they had to otherwise retrench him, on account of his having rendered surplus he has been put at the bottom of other employees similarly placed in the seniority list, in spite of the fact that others are junior to him.
- 36. As the integration of the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station with the Technical Assistants of the Electrical Establishment has been brought about on the ground of administrative convenience or exigencies of service, their seniority in the unified cadre has to be fixed in the way fixed by the Bombay Port Trust. Hence the contention raised by Shri Maitra that the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station should be put at the bottom of the Senior and Junior Technical Assistants of the Electrical Establishment is not sound and tenable.
- 87. Shri Maitra contends that the Port Trust authorities had committed error ir giving sentority to the Station Attendants over Technical Assistants. This contention cannot be upheld.
- 88. A perusal of the consolidated statement showing the integrated seniority position as from 16th March, 1964 and the service details of the Technical Assistants belonging to the Electrical Establishment and the Hydraulic Pumping Station given on pages from 44 to 47 of the written statement Ex. 2/E, shows that the Bombay Port Trust authorities treated the qualified Station Attendants who were senior in service to the Technical Assistants in Electrical Establishment, who were junior in service, senior in the integrated seniority list. It cannot be, therefore, said that there was any mala fide intention on the part of the Bombay Port Trust authorities in giving seniority to the Station Attendants over the Technical Assistants of the Electrical Establishment while merging the two cadres. The Station Attendants and the Technical Assistants had the same qualification and they were appointed in the Electrical Establishment originally. The Electrical Establishment and the Hydraulic Pumping Station are under one head of department viz. the Chief Engineer. The Electrical Establishment and the Hydraulic Pumping Station from 1942 to 1964 given on pages 59 and 60, Ex. 2/E). These facts also show that the principle

followed by the Bombay Port Trust in fixing the seniority of the unified cadre was just, proper and reasonable.

- 89. I have already referred to 4 Trustees' Resolutions in the beginning. It is clear from those resolutions that on account of integration of the two cadres and upgradation of 12 posts of Junior Technical Assistants to those of 12 posts of Senior Technical Assistants, both the cadres viz. Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station and the Technical Assistants of the Electrical Establishment have been benefited, that, injustice done to the Station Attendants was removed and equal promotion opportunities are made available to them.
- 90 The Bombay Port Trust authorities have produced a statement at Ex. 39. It shows the strength of the staff in the Electrical Establishment and the Hydraulic Pumping Station prior to merger of the two cadres of Technical Assistants of the Electrical Establishment and the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station in 1961 and the position as on 22nd January 1970.

#### In 1961, there were

- (i) 12 posts of Station Attendants
- (il) one post of Station Engineer-IInd Grade, and
- (iii) ore post of Station Engineer-1st Grade-

#### There were

- (i) 20 posts of Junior Technical Assistants.
- (ii) 8 posts of Senior Technical Assistants.
- (iii) 9 posts of Assistant Electrical Foreman.
- (iv) 2 posts of Electrical Foreman.

#### In 1970, there ate

- (i) 50 posts of Junior Technical Assistants.
- (ii) 34 posts of Senior Technical Assistants.
- (iii) 14 posts of Assistant Electrical Engineer.
- (iv) 1 Station Engineer, 2nd Grade.
- (v) 1 post of Station Engineer, 1st Grade.
- (vi) 4 Electrical Foreman.
- 91. The above mentioned facts clearly show as to how the promotion opportunities of both the original cadres have been increased after integration and on account of expansion of service and creation of additional higher posts.
- 92. As there were no particular binding rules of fixing seniority of unified cadre, it cannot be said that the Bombay Port Trust committed any breach of rules or regulations in fixing the seniority of the Technical Assistants of the Electrical Establishment and the Station Attendants of the Hydraulic Pumping Station according to the dates of their having been appointed as first grade Electricians in the Electrical Establishment and the Station Attendants in the Hydraulic Pumping Station respectively. In view of the facts brought on record which I have already referred above, it does not appear that principle followed by the Bombay Port Trust in fixing the seniority of the unified cadre was in any way unjust, improper, unnatural, unreasonable and against the principles of natural justice. On going through the documents and the pleadings on record and considering the arguments advanced before me by the parties I am convinced that inter se seniority in the unified cadre has been fixed on correct principles.
  - 93. The third point for consideration is whether the reference is tenable.
  - 94. My finding is in the affirmative for the following reasons.
- 95. Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser for Bombay Port Trust contends that the terms of reference in this dispute are vague and that it is not possible to find out the exact grievance of the Union. I am unable to accept this contention.
- 96. Considering the terms of reference and the pleading of the parties, it is crystal clear that the case of Technical Assistants of the Electrical Establishment is that seniority of the Station Attendants designated as 'Technical Assistants' and the Electricians designated as Technical Assistant should continue to be separate, that the Technical Assistants who were working as Station Attendants should retain their designation as Technical Assistants and they should seek promotion only

in the cadre of Station Attendants and that they should not have common seniority with that of Electricians who were appointed as Technical Assistants under Trustees' Resolution No. 757 of 1959, unified that the merger of the two cadres is not justified, that inter se seniority in the demand cadre has not been fixed on correct principles.

- 97. The terms of reference in this case, when considered in the light of pleadings and documents on record do not appear to be vague. The grievance of the Bombay Port Trust General Workers' Union is quite clear. The present reference is not, therefore, bad.
- 98. According to Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser for the Bombay Port Trust:
  - (i) By unifying the two cadres of Technical Assistants and the Station Attendants, the Bombay Port Trust authorities have discharged only administrative function or a managerial responsibility with a view to bring about uniformity with regard to the future chances of promotions of the said two cadres.
  - (ii) On the question of fixation of inter se seniority there are no principles laid down anywhere in the rules applicable to the employees concerned. More fixation of inter se seniority in one way or the other cannot give rise to a dispute on the part of the employees unless their interests with regard to their substantive employment are jeopardized.
  - (iii) As there are no binding rules either for unification of the Sections or for the fixation of inter se seniority, the decision to integrate two sections and to fix inter se seniority should be deemed an administrative function of the employers. Hence it could not be made the subject of industrial adjudication. This Tribunal has no jurisdiction to entertain and decide the reference.
- 99. Admittedly, there are no rules regarding merger and fixation of inter se seniority applicable to the employees concerned. Even then the Administration cannot merge the two cadres and fix their inter se seniority arbitarily. The Administration has to follow the principles of natural fustice and equity while merging the two cadres and fixing their inter se seniority. Past cases of merger and fixation of inter se seniority have to be taken into consideration alongwith the circumstances and facts prevailing in each case. The decision to merge the two cadres and to fix inter se seniority milight be an administrative function out the manner and the way in which the two cadres have been merged and inter se seniority is fixed cannot be an administrative function. The Tribunal has to see whether the merger and fixation of inter se seniority of the unified cadre have been done in accordance with the principles of natural justice and equity. The aggrieved employees can raise an industrial dispute contending that the manner and the way in which the merger of the two cadres and fixation of inter se seniority of the two cadres had taken place were not just, proper and correct and consistent with the principles of natural justice. I am, therefore, of the opinion that the Tribunal has jurisdiction to entertain and decide this reference. This reference is, therefore, tenable
- 100. Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser for the Bombay Port Trust also contends that Sarvashri R. C. Shah, D. B. Shah and other employees whose names appear in annexure to Ex. 2/E are not workmen under the provisions of the Industrial Disputes Act, as they are each drawing more than Rs. 500 per month and as they are Supervisors, they cannot raise this dispute. This contention raised by Shri Shetty appears to be misconceived.
- 101. This is not a reference in which the Tribunal is called upon to consider an individual case of Shri R. C. Shah, or Shri D. B. Shah. What the Tribunal is called upon to decide is whether the merger of the two cadres, most of whom are workmen within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified and whether the inter se seniority in the unified cadre has been fixed on correct principles or not. Hence there is no question of either Shri R. C. Shah, Shri D. B. Shah or any other employee raising an individual industrial dispute.
- 102. The fourth point for consideration is to what relief the Technical Assistants are entitled.
- 103. My finding on this point is that they are not entitled to any relief for the following reasons:

104. In view of the finding that the merger of the two cadres is just, proper and that inter se seniority in the unified cadre has been fixed on correct principles, the Technical Assistants are not entitled to any relief.

105. In the end I pass the following order:

#### ORDER

- (i) It is hereby declared that the Bombay Port Trust Administration is justified in forming a unified cadre of Technical Assistants and Station Attendants of the Engineering Department, that the inter se Seniority in the unified cadre has been fixed on correct principles and that the Technical Assistants are not entitled to any relief.
- (ii) Award is made accordingly.
- (iii) No order a3 to costs.

(Sd.) N. K. VANI,

Presiding Officer,

Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay-12.3.70.

[No. 28/27/64-LRIV/P&D]

#### ORDERS

# New Delhi, the 21st March 1970

S.O. 1273.—Whereas the Industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is before Shri A. Varudarajan, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras;

And whereas, the services of Shri A. Varadarajan have ceased to be available.

Now therefore in exercise of the powers conferred by section 7A, and subsection (1) of section 33(B) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thiru S. Swamikkannu as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri A. Varadarajan and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the directions that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law.

#### SCHEDULE

SI. No.	Parties to the dispute	No and date of reference S. O. No. of Gazette and to the Industrial Tribunal date of Publication				
1	Workmen and the manage- ment of Messrs. Best and Company, Madras-1	No. 29/64/69 Fac, II dated the 30th October, 1969.	S. O. No. 4493 8th November, 1969.	dated		

[No. 74/6/70-P&D.]

S.O. 1274.—Whereas the Industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is before Thiru B. S. Soma Sundaram, Presiding Officer, Industrial Tribunal Madras;

And whereas, the services of Thiru B. S. Soma Sundaram, have ceased to be available.

Now therefore in exercise of the powers conferred by section 7A, and subsection (1) of section 33(B) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thiru S. Swamikkannu as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Thiru B. S. Soma Sundaram and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the

said proceedings with the directions that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law.

#### SCHEDULE

SI. No.	Dispute No.	Notification No. and date	Parties to the Dispute
r	I.D.No. 61/68	No. 29 (8)/68-LR. III dated the 16th July, 1968	Workmen and the management of Messrs. S. G. Sambandam, Madras, Steamer Shipping and Clearing Agents.
2	I.D.No,73/68	No. 29 (28)/68-LR III dated 14th August, 1968	Morkmen and the management, of Messrs. Ambassador Steamships Private Ltd. Cochin.
3	I.D. No. 82/68	No. 29 (36)/68-LR. III dated 16th September, 1968	Workmen and the management of Messrs. Kay Corporation, Madras.

[No. 74/6/70-P&D.1

S.O. 1275.—Whereas the Industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is before Shri M. Tajammul Hussain, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras;

And whereas, the services of Shri M. Tajammul Hussain have ceased to be available.

Now thereofre in exercise of the powers conferred by section 7A, and sub-section (1) of section 33(B) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thiru S. Swamikkannu as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri M. Tajammul Hussain and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the directions that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law.

#### SCHEDULE

SI. No.	Dispute No.	Notification No. and date	Parties to the Dispute
ı I.	D. No. 91/68	No. 29/41/68-L. R. III dated 21st November, 1968	Workmen and the management of Messrs National Trans- port Company, Madras.

[No. 74/6/70-P&D.]

S.O. 1276.—Whereas the Industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is before Shri M. Tajammul Hussain, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras;

And whereas, the services of Shri M. Tajammul Hussain have ceased to be available.

Now therefore in exercise of the powers conferred by section 7A, and subsection (1) of section 33(B) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thiru S. Swamikkannu as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the

proceedings in relation to the said dispute from Shri M. Tajammul Hussain and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the directions that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law.

## SCHEDULE.

Sl.	Parties to the	No, and date of referene to the	S. O. No. of Gazette and date of Publication
No.	dispute	Industrial Tribunal	
I		ne No. 29/53/69-L W I. III/Fac. of II dated 25th August, 1969	S.O. No. 3473 dated 25th August, 1969

management of Messrs K. B.Jacob and Sons Stevedores, Cochin and other 12 managements.

[No. 74/6/70-P&D.]

C. RAMDAS, Dy. Secy-

# (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 24th March 1970

S.O. 1277.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs New Zealand Insurance Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th March, 1970.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-2/11 of 1968

Employers in relation to M/s New Zealand Insurance Co. Ltd.,

And

Their Workmen

PRESENT:

Shri N. K. Vani, Presiding Officer

#### APPEARANCES:

For the Employers—Shri P. K. Rele, Solicitor and Shri S. V. Mokashi, Labour Adviser.

For the Workmen—Shri P. S. Kulkarni, Acting Joint Secretary and Shri N. K. Suvarna, Group Secretary, General Insurance Employees Union, Western Zone.

INDUSTRY: General Insurance

State: Maharashtra.

Bombay, dated the 2nd March 1970

#### AWARD

By Order No. 74(2)/66-LRIV dated the 11th March, 1966, the Government of India, in the Ministry of Labour and Employment, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred to the Central Government Industrial Tribunal, Bombay for adjudication, an industrial dispute existing between the employers in relation to M/s New Zealand Insurance Company Limited, Bombay and their workmen represented

by the General Insurance Employees Union, Bombay in respect of the matter specified in the Schedule, mentioned below:

#### SCHEDULE

"Whether the following demands put forward by the workmen are justified?

#### CHARTER OF DEMANDS

All the demands contained herein below shall apply equally to all the employees employed in the New Zealand Insurance Co. Ltd., Bombay.

# 1. Classification of Employees:

The employees will be classified into the following categories:

- (a) Sweepers, Sepoys, Chaprasis and Head Peons shall be placed in Grade 'A'.
- (b) Drivers shall be placed in Grade 'B'.
- (c) Assistants, Telephone Operators, Typists, Receiving and Paying Cashiera, shall be placed in Grade 'C'.
- (d) Junior Supervisory Staff variously termed as Higher Grade Assistants, Special Assistants, Senior Assistant, Head Typist. Senior Cashier, Stenographers, Draughtsmen, etc. shall be placed in Grade 'D'.
- (e) Senior Supervisory Staff, variously termed as Superintendents, Assistant Superintendents, Head Clerks, Sectional Heads, Branch Accounts, etc. shall be placed in Grade 'E'.

# II. Scales of Pay:

Grade A: Rs. 120-5/6-150-6/7-192-8/6-240 in 19 years.

Grade B: Rs. 180-6/2-192-8/6-240-10/3-270 in 11 years.

Grade C: Rs. 200-10/4-240-15/10-390-20/4-470 in 10 years.

Grade D: Rs. 275-15/5-350-20/5-450-25/5-575 in 15 years.

Grade E: Rs. 350-30/6-530-40/4-690 in 10 years.

#### III. Dearness Allowance:

Dearness Allowance shall be paid at the rate of  $1\frac{1}{2}$  per cent of basic pay for every rise of 5 points over the cost of living index figure of 360 (1934 = 100 points) subject to a minimum of Rs. 40/-

The Bombay working class consumers Price Index shall be taken as the basis for calculating the Dearness Allowance.

# IV. Adjustments:

An employee shall be fitted into the new scales on a point to point basis. The basic pay and the dearness allowance as on 31st March, 1964, shall be treated as basic pay only for the purpose of adjustment of basic pay to the new scales of pay.

If an employee is drawing more basic pay than what is warranted after proper adjustment as above, he shall continue to receive the excess amount as personal pay and shall be also given usual annual increments.

# V. Special Allowance:

Employees engaged in work mentioned below and/or designated as below shall be entitled to Special Allowance per mensem in addition to their salaries and emoluments in the manner stated below:—

- (a) Bank Peons, Despatch Peons, Head Peons, and such other employees: Rs. 20/- per month.
- (b) Typists, Telephone Operators, Paying & Receiving Cashiers and Cashiers, and such other employees: Rs. 30/- per month.

#### VI. Special Increments:

Besides the above the employees under Grades 'C' and 'D' shall be entitled to Special Increments for passing the following examinations on the scale shown against each examination:

On Graduation

On passing the following examinations:

1. Licentiate or A.C.I.I.—Part I

- 2. A.F.I.I. Part I or A.C.I.I. Part II 3. A.F.I.I. Part II or A.C.I.I. Part III
- 4. Chartered Accountant

1 increment for each part.

N.B.: In case of Stenographers and Junior Supervisory Staff the total number of special increments shall not exceed three during that Grade. A Graduate appointed as an Assistant shall get a higher starting salary by two increments. Those Graduate Assistants who have not received the Graduation increments shall also get two increments.

# VII. Other Allowances:

(a) Overtime Allowance: An employee working overtime shall be entitled to overtime allowance for such period of work rendered at the rate of double the hourly rate of wages inclusive of Special Allowance and all other allowances. No employee shall be engaged in for overtime work for more than 90 hours in a calendar year.

# (b) Officiating Allowance:

- (i) If an employee is required to officiate in a higher post, he shall be entitled to an 'Acting Allowance' at the rate of 20 per cent of his salary for the period for which he officiates.
- (ii) If an employee is required to act in a post for which Special Pay is provided, he shall be entitled to pro-rata special allowance for the period of such work done.
- (c) House Rent Allowance: All the employees shall be paid as "House Rent" a sum at the rate of 10 per cent of their Basic Salary per mensem subject to a Minimum of Rs. 20/-.

# VIII. Amenities:

#### Subsidies:

- (i) Text Books for A.C.I.N. or Federation of Insurance Institute Examination shall be supplied by the Company in turn. Examination fee shall be paid by the employer after the employee passes the examination.
- (ii) Adequate subsidy shall be given for Sports, Recreation and Cultural Activities of the employees,
- (ii) All the employees shall be entitled to a Free Personal Accident (Annual) Policy, the premium of which shall be borne by the employers. The sum assured of such a policy shall be Rs. 10,000/-, Rs. 7,500/- Rs. 5000/- and Rs. 2,500/- to the employees in Grades E, D, C, B and A respectively.
- (vi) Adequate subsidy shall be given for cheap canteens for supply of wholesome food to the employees in each of the office premises.

# IX. Free Medical Aid:

All the employees shall be entitled to free medical aid for selves and their dependents. All the cost of hospitalisation, medicines and doctors' bills shall be borne by the employers.

#### X. Gratuity

On retirement, or retrenchment or on death or on total and permanent disability of an employee while in the service of the Company:

One month's basic salary for each year of continuous service.

On resignation from service after completion of 10 years continuous service:

One month's basic salary for each year of continuous service.

On termination of service by the Company:

One month's basic salary for each completed year of service.

The salary for the purpose of calculating Gratuity shall be the terminal basic salary drawable by the employee previous to death, disablement, retirement, resignation, retrenchment or termination of service as the case may be.

#### XI. Retirement Age:

The age of retirement of an employee shall be 60 years.

# XII. Provident Fund:

- All permanent employees including part-time employees should be made members of the Provident Fund.
- (ii) The rate of contribution should be 8.1/3 per cent of the total emoluments, i.e. basic pay plus dearness allowance, plus special allowances, if any, with equal contribution by the Company. The employees should, however, be allowed to contribute voluntarily upto 15 per cent of their salary without corresponding contribution from the Company.
- (iii) Interest at a minimum rate of 4½ per cent should be paid on the total contribution by the employees and the Company.
- (iv) Unclaimed fund should be distributed pro-rata every three years amongst the existing employees from time to time.
- (v) Full benefits of the Fund should be permitted to the employees on completion of five years of service.
- (vi) Loan from the Provident Fund to the extent of 6 months salary or 90 per cent of the employees' contribution whichever is less shall be granted to the employees at a time.

#### Board of Trustees:

On the Board of Provident Fund Trust, the employees and the employers should have equal number of representatives. The employees' representatives should be elected by themselves by simple majority of votes. Re-election of the employees' representatives should be held every three years unless necessitated earlier by death or resignation or recall by majority of the employees.

#### XIII. Leave:

Casual Leave: 15 days casual leave should be given in a calendar year. 6 days casual leave may be granted at a stretch. Casual leave may be prefixed or suffixed to holidays and Sundays.

Privilege (Earned) Leave: Privilege leave should be allowed to all employees at the rate of 1 day for every 11 calendar days. Employees should be allowed to accumulate leave upto 6 months. Return fare to the employee, his wife and dependents should be granted once in two years for going anywhere in India.

Sick Leave: Thirty days sick leave per year should be allowed on full pay to the employee $_5$  with a maximum accumulation of 12 months during the service period.

In case of prolonged illness further sick leave with half pay should be allowed upto six months and another six months without pay.

Maternity Leave: Maternity leave upto the period of three months shall be allowed to all female employees; but in no case more than six weeks leave will be allowed from the date of confinement.

Examination Leave: Employees shall be allowed adequate leave for appearing in all the recognised examinations in addition to all other leave.

Special Leave: Adequate leave shall be allowed to the Union Representatives and office bearers of the All India Insurance Employees' Association and/or its affiliated Units to enable them to attend meetings and conferences of the Unions and their Central Organisations and to participate in the Tribunals and Ceneiliations Proceedings.

# XIV. Security of Service:

No employee shall be victimised for trade union activities.

# XV. Working Hours:

The working hours for employees in Grade C. D and E shall be 33 hours a week and 36 hours for employees in Grade A & B. A grace time of 15 minutes shall be allowed before they are marked late.

#### XVI. Bonus:

Customary: Employees shall be paid three months basic salary as bonus per year.

XVII. Uniforms to Employees in the Grades A and B:

An employee of  $Grade_s$  A & B shall be provided with the following outfit annually:

- 1. Summar Uniforms: Three sets.
- 2. Umbrella: One

- 3. Footwear: Two pairs.
- 4. Rain Coat : One for those who are to do outdoor duties.
- 5. Caps or Turbans.

# XVIII. Allowance During Suspension:

During the suspension of an employee, he shall be paid an allowance equal to 15 per cent of his total wages.

#### XIX. Recruitments:

Recruitment shall be made from amongst the retrenched employees of the General Insurance Industry, registered in the Pool as demanded in the resolution adopted in the All India Convention of General Insurance Employees held on the 15th and 16th August, 1960, in Bombay under the auspices of the All India Insurance Employees' Association. Only in case such employees are not available in the Pool, recruitment might be made through local Employment Exchanges. In the Pool, recruitment from among the retrenched employees, due credit shall be given to the past service and all restriction regarding age, educational qualifications, etc., applicable to new recruits shall be waived.

## XX. Confirmation:

Employees shall be confirmed after 3 months probationary service automatically.

## XXI. Temporary Staff:

The Company may employ temporary employees for performing duties of purely temporary nature. But such staff in no instance shall exceed more than 6 months in temporary service, after which he shall be treated automatically in permanent service from the date of appointment.

#### XXII. Promotion:

No direct recruitment shall be made in Grade<sub>5</sub> D & E and all vacancies in this Grade shall be filled in by way of promotion. The promotions shall be made on the basis of seniority and merits of the employees. Employees in Grades A & B shall be absorbed in Grade 'C' on passing S.S.C., S.S.L.C. or equivalent.

# XXIII. Transfer:

No employee shall be transferred from one place to another without his prior consent.

#### XXIV. Date of Effect:

All benefits stated in this Charter of Demands shall have effect from 1st April, 1964.

#### XXV. Trade Union Rights:

The All India Insurance Employees' Association and its affiliated Units shall be given due recognition and such facilities as providing Trade Union Offices and holding Trade Union Meetings in office premises and hanging Notice Board of the Union should be granted.

#### XXVI. Existing Rights and Privileges:

Nothing contained in this Charter shall adversely affect or take away from any employee or group of employees any right, privileges or usages, practice or conventions amenities or enjoyed by such employee or group of employees.

- 2. Later on by Order No. 22/8/68-LRIII dated 25th November, 1968, the Central Government transferred this reference to this Tribunal No. 2, for adjudication.
- 3. The company has filed written statement on 22nd July, 1966 and rejoinder on 29th November, 1966 opposing the demands of the employees. The statement of claim on behalf of the employees in the company has been filed by Shri K. S. B. Pillai. General Secretary, the General Insurance Employees' Union, Bombay on 23rd September 1966.
- 4. In respect of demand No. 11 regarding retirement age, I have given Award Part I on 1st July, 1969.
- 5. In respect of the remaining demands, except demand Nos. 10 and 12 regarding Gratuity and Provident Fund respectively, the parties have effected settlement in respect of this company alongwith other Insurance companies.
- 6. Award Part II. in terms of settlement marked as Annexure 'A' was made on 1st December, 1969.

- 7. Awards Part I and Part II have been duly published in the official Gazettes.
- 8. This reference was fixed for further hearing in respect of demands Nos. 10 and 12-Gratuity and Provident Fund respectively.
- 9. After taking adjournments from time to time, both the parties have effected settlement in respect of demand Nos. 10 and 12 regarding Gratuity and Provident Fund respectively. The same is produced before me. It is marked as Annexure
- 10. On going through the settlement marked as Annexure 'B' very carefully, 1 find that it is fair, just and equitable. I, therefore, accept the same and pass the following order:--

#### ()RDER

- (i) Award Part III is made in terms of Settlement marked as Annexure 'B'.
- (ii) Settlement Annexure 'B' is to form part of the Award.
- (iii) No order as to costs.

(Sd.) N. K. VANI, Presiding Officer.

Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay.

# ANNEXURE "B"

# Memorandum of Settlement

Under Section 12(33) of The Industrial Disputes Act, 1947, read with Rule 58 of The Industrial Disputes (Central) Rules, 1957

- Names of Parties: (a) The New Zealand Insurance Company Limited, having its principal place of business in India at "Brooke House", 9, Shakespeare Sarani, Calcutta 16, (hereinafter referred to as "the Company").
- (b) Clerical and Subordinate Staff of The New Zealand Insurance Company Limited, Bombay, employed in Bombay.
- 2. Representing Employers: (a) T. P. Panthakey, Manager, Bombay Branch.
- 3. Workmen Represented by: (a) P. S. Kulkarni Acting General Secretary, The General Insurance Employees' Union, Western Zone, Bombay.

#### (b) N. K. Suvarna, Group Secretary

This Settlement made this 9th day of February, 1970 between The New Zealand Insurance Company Limited, Bombay (hereinafter referred to as "the Company" which expression shall include its Successors in India if any and the workmen employed by it at Bombay represented by the General Insurance Employees' Union (hereinafter referred to as "the Union").

Whereas the dispute regarding wages, gratuity, provident fund and other service conditions was the subject matter of reference being Reference CGIT No. 2/11 of 1968.

And whereas a settlement dated 30th October, 1969 was arrived at between the Overseas General Insurers Association (hereinafter referred to as "the Association") and the Union on behalf of the Company and the workmen employed by the Company in Bombay respectively in respect of several service conditions except provident fund and gratuity which was left to further negotiation between the parties. And whereas an Award in terms of the said Settlement was made by the Central Industrial Tribunal on 1st December, 1969.

And whereas pursuant to further discussions between the Company and the Union the parties have arrived at the following settlement in respect of provident fund and gratuity to the intent that it shall be binding on them in terms of Section 18 read with Section 2(p) of The Industrial Disputes Act, 1947.

## Now it is hereby Agreed by and Between the Parties

hereto as follows: --

# Terms of Settlement

Agreed by and between the parties that the workmen shall be classified into two categories, viz:—

- Category I:—Clerical and Subordinate Staff actually in the service of the Company as at 1st day of June, 1968.
- Category II:—All new entrants, namely, Clerical and Subordinate Staff engaged in the service of the Company after the 1st day of June, 1968.

## Clause A:-For Staff in Category I:-

- 1. Provident Fund:—It is agreed by and between the parties:—
  - (a) that the Staff in Category I shall cease to be contributing members of the Company's World Wide Staff Provident Fund with effect from 1st February 1970 from which date the employees will be governed by the provisions of The Employees Provident Fund Act, 1952, and Scheme framed thereunder from time to time. The contribution of the employees and that of the Company shall each be 61 per cent of the Basic Pay and Dearness Allowance.
  - (b) that all contributions by the Company to the Company's World Wide-Staff Provident Fund shall cease with effect from 1st February, 1970.
  - (c) that all balances standing to the credit of Staff Members in Category I in the Company's World Wide Staff Provident Fund towards employees' contribution as well as of Company's contribution with interest and other earnings accrued thereon, subject to the deed and rules governing the said World Wide Staff Provident Fund being amended to so permit, shall be transferred to the authorities concerned under The Employees Provident Fund Act, 1952 subject to obtaining permission of the authorities concerned and the terms of such permission. Upon the Trustees transferring to the authorities concerned with The Employees Provident Fund Act & Scheme, 1952 the Employees' and the Company's contributions standing to the credit of the respective workmen in the Company's World Wide Staff Provident Fund the Trustees thereof shall be discharged fully and finally of any liability to the workmen in respect of the amount standing to their credit in the said Fund.
- 2. Pensions at the discretion of the Board of Directors:-

Hitherto pension has been granted at the discretion of the Board of Directors. With effect from 1st June, 1968 this shall cease and the Company shall pay in lieu of pension  $t_0$  each Staff Member in Category I, or his legal representative, a gratuity as expressed in the formula stated below arising out of the undermentioned circumstances whichever may first occur:

- (I) In the event of:—
  - (a) Normal retirement from service with the Company.
  - (b) Compulsory retirement by reason of ill health, physical disability amounting to total incapacity to work, or death whilst in the service of the Company.

Formula:— $t/40 \times 11.066843/1 \times 35/100 \times K/1$  where "t" means the period of continuous completed service to the time any one of the events, prescribed above, occurs in years subject to a limit of 40 years service.

- "11.066843" Male annuity rate of the Life Insurance Corporation of India at 60 years of age as at 1st day of June, 1968, which rate shall not alter for the purpose of assessing this Gratuity whether or not the Annuity rate of the Life Insurance Corporation increases or decreases in future.
  - (1) Regarding Clerical Staff it is agreed by and between the parties:
    - that K = Rs. 450.00 x 12 where a staff member's basic salary is less than Rs. 450.00 per month as at the 1st day of June, 1968 or the Staff Member's basic salary x 12 if the basic salary is higher than Rs. 450.00 per month at that date.

- (ii) Regarding peons, Bearers, Sweepers and Khansamas, it is agreed by and between the parties:
  - that K\_Rs. 105.75 x 12 where a Staff Member's basic salary is less than Rs. 105.75 per month as at 1st day of June, 1968 or the Staff Member's basic salary x 12 in the basic salary is higher than Rs. 105.75 per month at that date.
  - (iii) Regarding Drivers, it is agreed by and between the parties:
    - that  $K = Rs. 150.75 \times 12$  where a Staff Member's basic salary is less than Rs. 150.75 per month as at 1st day of June, 1968 or the Staff Member's basic salary x 12 if the basic salary is higher than Rs. 105.75 per month at that date.
- (II) In the event of:-
- (a) termination of service as a result of resignation after completion of twenty-five years' continuous service, or
- (b) termination of service for any other reason after the completion of twenty-five years continuous service including dismissal which expression shall not include dismissal for reasons set out in the heading "Forfeitures" of this Memorandum of Settlement, or
  - (c) The New Zealand Insurance Company Limited ceasing to operate in India,

Such amount on any one of the events (a), (b) and (c) above as  $i_3$  applicable occurring which, if compounded at six and one quarter per cent interest per annum, would produce the benefit which the Staff Member would have received had he retired normally as provided for in A2(I)(a) above, after the same period of continuous completed service.

It is further agreed that in the event of termination of service as provided for in Clause A2(II) (a) and (b) above, before completion of 25 years continuous service the gratuity payable shall be as follows:—

(i) Upto the completion of 10 years continuous service.

NIL

- (ii) For continuous completed service exceeding 10 years but before completing 15 years.

(iii) For continuous completed service ]

exceeding 15 years but before complet-

50 per cent of such amount, which if compounded at six and one quarter per cent interest per annum would produce the benefit which the staff member would have received had he retired normally as provided for in Clause A2 (I) (a) above after the same period of continuous completed service.

75 per cent of such amount, which if compounded at six and one quarter per cent interest per annum, would produce the henefit which the staff member would have received had he retired normally as provided for in Clause A2 (I) (a) after the same period of continuous completed service.

- 3. Regarding Widow's Pension and/or other financial assistance at the discretion of the Board of Directors, it is agreed by and between the parties:—
  - (a) that this Settlement does not apply to current widows of former retired members of the Staff nor to wives who become widows upon the death of current retired members of the staff.
  - (b) that in respect of members of the Clerical and Subordinate Staff actually in the service of the Company on the 1st day of June 1968, the Company shall, on the occurrence of any one of the events set out in subsections (I) and (II) of Clause A2 as may be applicable pay a widow's gratuity in lieu of any discretionary pension, or other financial assistance calculated on the same basis as provided for in Clause A2(II) of this Memorandum of Settlement in respect of the wives of the said staff who may become widows upon their death after retirement but computed on the formula:—

Rs.  $3.369 \times t/40$ 

# where:—

ing 25 years.

t= the period of continuous completed service in years subject to a limit of 40 years continuous completed service to the time of any one

of the events as set out in sub-sections (I) and (II) of Clause A2 of this Memorandum of Settlement. The maximum amount payable under this Clause A (3) by way of widows' gratuity shall be Rs. 3, 369.

- 4. Gratuity payable by the General Body of Members of the Association.—It is agreed that in the event of the gratuities payable under this Memorandum of Settlement aggregating less than the gratuity that would be payable to a workman in terms of Clause 10 of the Settlement dated 30th October 1969 entered into between the Association and the Union in respect of other Insurance Companies, the more favourable gratuity scheme will be applicable.
- 5. Regarding Retirement Furbugh, it is agreed by and between the parties.—The status quo shall be maintained namely six months leave prior to the date of retirement in accordance with the existing practice.
- 6. Forfeitures.—It is agreed by and between the parties that when the service of any Staff Member is terminated by the Company after the completion of ten continuous years of service for misconduct of the Staff Member, if such misconduct has directly caused any financial loss to the Company then the Company shall have the right to deduct from the amounts payable to the Staff Member as gratuities under this Memorandum of Settlement the amount of loss caused by him and that the Staff Member shall be entitled to receive only the balance which remains after such deduction, if any.

It is further agreed by and between the parties that in the event of the service of any Staff Member being terminated by the Company for misconduct prior to the completion of ten vears continuous service, then the Staff Member shall not receive any gratuities under Clauses A2, A3 and A4 of this Memorandum of Settlement.

Clause B: -- For Staff in category II: --

It is agreed by and between the parties that for staff in Category II their terms of service including provident fund and gratuity shall be in accordance with Clauses 10 and 12 of the Settlement dated 30th October, 1969 entered into between the Association and the Union.

Clause C: - Retired Staff Members and their Widows: -

It is agreed by and between the parties that the discretionary pensions currently maid to the retired Staff Members and widows of former staff members shall continue.

## Period of Operation

It is further agreed between the parties that the terms of this Memorandum of Settlement shall remain in force until the last member of the Staff in Category I has retired or is otherwise no longer in the service of the Company, and that Clause B shall remain in operation until termination of the settlement dated 30th October, 1969 entered into between the Association and the Union.

In witness whereof the Parties hereto have hereunto set their hands the date, month and year above written.

Witnesses:

For and on behalf of The New Zealand Insurance Company Limited.

- Sd./- P. K. Rele. Solicitor, High Court. Bombay.
- 2. Sd./- S. V. Mokashi.

1. Sd/- K. Kothare.

2. Sd. /- P. K. RELE.

Solicitor, High Court, Bombay.

Sd./- (T. P. PANTHAKEY).

Manager.

Bombay Branch.

For and on behalf of the Workmen

Sd./- P. S. Kulkarni,

Acting General Secretary.

The General Insurance Employees Union Western Zone.

Sd./- N. K. SUVERNA. Group Secretary.

[No. 74(2)/66-TRIV(LRI)]

STATE: Bihar.

S.O. 1278.—In exercise of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank Limited, Katihar Branch and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th March, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

REFERENCE NO. 20 OF 1969

PRESENT:

Sri Sachidanand Sinha, M.A.M.L., Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the Punjab National Bank Limited Katihar Branch,

And

Their workmen.

APPEARANCES:

For employers:—Shri A. Roy Chaudhury. For workmen:—Shri N. P. Sinha, Secretary.

INDUSTRY: Bank

Dhanbad, dated the 11th of March, 1970

#### AWARD

1. The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank Limited Katihar Branch and their workmen, by its order No. 23/66/68-LRIII dated the 14th of April, 1969 referred to this Tribunal under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the Schedule annexed thereto. The Schedule is extracted below:—

### SCHEDULE

- "1. Whether the management of the Punjab National Bank Limited, Branch Office Katihar, District Purnea, was justified in refusing other allowances as per para 14.3(a) of the settlement arrived at between the Bank management and their workmen on the 19th October, 1966 before the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, to the Godown Keepers stationed at Salmari and Farbesganj Godowns under Katihar Branch of the Bank? If not, to what relief are these workmen entitled?
- 2. Whether the management of the Punjab National Bank Limited was justified in refusing one-third of the scale wages to Birta Jamadar, Part-time sweeper attached to Katihar Branch of the Bank? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. The workmen represented by the Punjab National Bank Employees Union (Bihar) filed the written statement on 6th May, 1969 and the management also filed written statement on 17th May, 1969. It is unnecessary to state the respective cases of the parties because the case regarding admissibility or otherwise of "Other Allowance" to Godownkeepers posted at Salmari and Forbesganj godown stations under B. O. Katihar of the Bank, mentioned in item No. 1 of the order of reference, the parties have settled the dispute amicably after a mutual negotiation.
- 3. According to the terms of settlement the godownkeepers stationed at Salmari and Forbesganj godown station under branch office, Katihar shall be allowed 'other allowance' at the rate of Rs. 25/- per month as provided under para 14.3(a) of the Bipartite settlement, with effect from 1st January, 1969. It was agreed that the godown keeper concerned will not have any retrospective claim in respect of other allowance in terms of para 14.3(a) of the Bipartite settlement and that the case has been treated as fully and finally settled by both the parties.
- 4. The terms must be considered satisfactory and fair and are accepted. Accordingly an award is made in terms of the joint petition of compromise, a copy of which is annexed with the award.

- 5. The case regarding the justification of the management in refusing one-third of the scale wages to Birta Jamadar, part-time sweeper attached to Katihar Branch of the Bank, mentioned in item No. 2 of the order of reference, it was represented before me on behalf of the Union that the concerned workman Sri Birta Jamadar is out of station since October, 1969 and has left no trace of him where he could be communicated. Therefore, under the aforesaid circumstances the Union does not wish to press their demand before this Tribunal. The Union is no longer interested in proceeding with item No. 2 of the reference.
- 6. I presume that no dispute further exists between the parties in respect of item No. 2 of the reference and I record a "NO DISPUTE" award between the parties in respect to item No. 2 of the reference.
- 7. It may now be submitted to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Encl: Annexure

(Sd.) SACHIDANAND SINHA,

Presiding Officer.

#### ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3 DHANBAD (BIHAR)

IN THE MATTER OF REFERENCE No. 20 of 1969

#### AND

IN THE MATTER OF AN INDUSTRIAL DISPUTE

#### BETWEEN,

PUNJAB NATIONAL BANK, Head Office, Parliament Street, New Delhi with its Assistant General Manager's Office at 18-A, Brabourne Road, Calcutta-1.

#### AND

In the matter of admissibility or otherwise of "Other Allowance" to godown keepers posted at Salmari and Forbesganj godown station under branch office, Katihar Workmen concerned represented by the General Secretary, Punjab National Bank Employee's Union (Bihar).

### Joint petition of compromise

It is respectfully submitted by both parties *i.e.* the Employers, Punjak National Bank and the Union, Punjab National Bank Employee's Union (Bihar) representing the workmen as under:—

- 1. That the case regarding admissibility or otherwise of "Other Allowance" to godownkeepers posted at Salmari and Forbesganj godown stations under B.O. Katihar of the bank, is fixed for hearing before the Hon'ble Tribunal on the 7th, March, 1970.
- 2. That without prejudice to their respective stands both the parties have resolved the dispute amicably after mutual negotiations, on the following terms:

# Terms of Settlement

- (i) That the godownkeepers stationed at Salmari and Forbesganj godown stations under branch office, Katihar shall be allowed "Other-Allowance" at the rate of Rs. 25/- (Rupees Twenty Five) per month as provided under para 14.3(a) of the Bipartite Settlement, with effect from 1st, January, 1969.
- (ii) That the godown keeper concerned will not have any retrospective claim in respect of "Other Allowance" in terms of para 14.3(a) of the Bipartite Settlement and that the case has been treated as fully and finally settled by both the parties.
- (iii) That the Union will not cite this case as a precedent in any other case.
- (iv) That both the parties to the dispute viz. the Bank and the Union agree to file a copy of this settlement before the Hon'ble Tribunal to whom an Industrial Dispute in this matter is pending.

That in the circumstances the parties herein concerned beg to pray that this Hon'ble Tribung may graciously be pleased to accept the compromise and pass the Award in terms hereof.

And for this act of kindness your humble petitioners shall ever pray.

Dated, this Twentieth day of February, One thousand Nine Hundred and Seventy.

For the Workmen,

For Punjab National Bank Employee's Union (Bihar)

(Employer)

(Sd.) N. P. SINHA, Assistant Secretary.

Katihar. Workmen Concerned.

1. (Sd.) Illegible, Godown Keeper, Salmari.

2. (Sd.) Illegible,

Godown Kceper, Forbesganj.

(Sd.) M. L. MALHOTRA, Manager, Branch Office, Katihar. Witnessed By

For Punjub National Bank

1. (Sd.) Illegible.

2. (Sd.) Illegible, Clerk cum Cashier. [No. 23/66/68/LRIII.]

#### ORDERS

# New Delhi, the 24th March 1970

S.O. 1279.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the management of the New India Assurance Company Limited, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the said dispute is of such a nature that industrial establishments of the New India Assurance Company situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such dispute;

And, whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Tribunal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7B, and subsection (1A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes a National Industrial Tribunal at Bombay, of which Shri N. L. Abhyankar, President, Industrial Court, Bombay shall be the Presiding Officer, and refers the said dispute to the said Tribunal for adjudication.

#### SCHEDULE

"Whether the demands of the workmen of Messrs New India Assurance Company Limited, Bombay in respect of the following matters are justified? If so, to what relief are the workmen entitled?

- (1) Revision of scales of pay and fitment of employees in the revised scales.
- (2) Dearness Allowance.
- (3) Special increments.
- (4) Functional allowances.
- (5) Special allowances-
- (6) Overtime payment.
- (7) Leave-different kinds of leave, quantum of leave and leave rules.
- (8) Facilities and amenities.(9) Provident Fund.
- (10) Gratuity and Pension Scheme.
- (11) Direct recruitment and job specifications.
- (12) Promotion Policy.
- (13) Interim relief.
- (14) Miscellaneous:
  - (a) Early going and late coming concession.
  - (b) Change-over to clerical side.
  - (c) Festival advance.
  - (d) Loans for purchase of vehicles and durable articles.
  - (e) Five-day week.

(f) Holidays and Sectional holidays.

(g) Uniforms etc. to sub-staff and drivers.

(h) Increments.

(i) Meritorious service reward.

(j) Maintenance of seniority lists, etc.

(k) Introduction of new grades.

(1) Reimbursement of expenses incurred by Negotiating Committee.

(m) Age of retirement.

(n) Payment of Profession Tax, etc.

(o) Leave fare concession

(p) Existing rights and privileges.

[No. 40/22/69/LRI.]

# New Delhi, the 25th March 1970

S.O. 1280.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Punjab National Bank in denying the post of Teller at their branch office Gaya to Shri Hari Narain Sinha was justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. 23/118/69/LRIII.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

# (अम ग्रीर रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 6 जनवरी 1970

का बार 189.—चाय जिला उत्प्रवासी श्रम ग्रिधितयम, 1932 (1932 का 22) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एच० एस० बाजरे, ग्रसम सरकार के श्रम विभाग के उप सचिव को श्री एच० रहम न, जो 30 सितम्बर, 1968 से ग्रसम सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर उत्प्रवासी श्रम नियंत्रक, शिलांग के रूप में पहली ग्रक्टूबर 1968 से एतद्द्वारा नियुक्त करती है। श्री एच० एस० बाजरे इसके साथ साथ असम सरकार के श्रम विभाग में उप सचिव बने रहेंगे।

[सं **o** 36/3/67-फैक 1]

जे० डी० तियारी, भ्रवर सविव।

# (अम और रोजगार विमाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी 1970

का० आ० 817.—लौह अयस्कखान श्रम कल्याण उपकर नियम, 1963 के नियमों 31 के साथ पठित लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 5 की उपधारा (1) बारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रौर भारत सरकार के श्रम, रोजगार श्रौर

पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2952 तारीख 11 जुलाई, 1969 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्द्रारा श्री एन० सी० सान्याल, कल्याण आयुक्त, लौह अयस्क खान श्रम कल्याण निधि, गोवा, श्रम और रोजगार विभाग, को लौह अयस्क खान उपकर आयुक्त विनिद्धित्व करती है, जो गोवा, दमण और दीव के संघ राज्यक्षेत्र में उक्त अधिनियम के अधीन उद्गृहीत उपकर के निर्धारण और संग्रहण के लिए, 11 फरवरी, 1970 से उत्तरदायी होगा।

[सं० फा० 18/3/70---एम-III]

का० आ० 818.—लीह प्रयस्क खान श्रम कत्याण उपकर नियम, 1963 के नियम 3 के खण्ड (ii) के साथ पठित लौह अयस्क खान श्रम कत्याण उपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त गामितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीयस सरकार एतद्द्वारा कल्याण आयुक्त लौह श्रयस्क खान श्रम कल्याण निधि, गोवा को भारत सरकार के श्रम, रोजगार श्रौर पुनर्वास मंत्रालय (श्रम श्रौर रोजगार विभाग) की श्रधिसूचना सं० का० आ० 1116 तारीख 11 मार्च, 1969 द्वारा गठित गोवा, दमण और दीव के संघ राज्य क्षेत्र के लिए लौह श्रयस्क खान श्रम कल्याण निधि सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त करती है श्रौर उक्त श्रिधसूचना में श्रौर श्रागे निम्नलिखित संगोधन करती है, श्रर्थात्:—

उक्त ग्रधिसूचना में, कम संख्याक 2 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, ग्रर्थात:--

> "कल्याण धायुक्स, लौह श्रयस्क खान श्रम कल्याण निधि, गोवा

—-उपाध्यक्ष"

[सं॰ फा॰ 18/3/70-एम॰ III] सी॰ श्रार० नायर, श्रवर सचिव।

# (Department of Labour and Employment)

[Office of the Chief Labour Commissioner (Central)]

#### ORDER

New Delhi, the 24th March 1970

S.O. 1281.—Whereas an application has been made under Section 19(b) of the Payment of Bonus Act, 1965 by Messrs Burrakur Coal Company Ltd. (employer) in relation to their establishments mentioned in the Schedule below for extension of the period for the payment of bonus to their employees for the accounting year ending on 30th June 1969.

And whereas being satisfied that there are sufficient reasons to extend the time I have, in exercise of the powers conferred on me by the proviso to clause (b) of section 19 of the said Act read with the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment No. WB.20(42)/65 dated the 28th August, 1965, passed orders on 18th March 1970 extending the period for payment of the said bonus by the said employer by three months upto 30th May 1970 from the last date for payment of bonus under clause (b) of Section 19 of the Act.

Now this is published for information of the employer and all the employees of the  $\operatorname{suid}$  establishment.

# THE SCHEDULE Name and address of the employer(s)

Establishment (s)

Bank Building, Calcutta-r.

- The Burrakur Coal Company Ltd., Chartered 1. Loyabad Collicry, P.O. Bansjora, Distt. Dhanbad.
  - Loyabad Roneway, P.O. Bunsjora, Distt. Dhanbad,
  - 3. Katras Choitodih Colliery, P.O. Katrasgarh, Distt. Dhanbad.
  - 4. Mudidih Colliery, P.O. Sijua, Dhanbad.
  - Saltora Colliery, P.O. Saltore, Distt. Purulia.
  - 6. Bankola Colliery, P.O. Ukhra, Disti, Burdwan.

[No. BA.5(3)/70-LS.I.]

S. C. GUPTA.

Chief Labour Commissioner (Central).

# (Department of Rehabilitation)

# (Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi the 28th February 1970

S.O. 1282.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Ram Saran Dass, P.C.S., Assistant Chief Settlement Commissioner in the Rehabilitation Department of the Punjab Government as Settlement Commissioner in the State of Punjab for the purpose of performing, in addition to his own duties as Assistant Chief Settlement Commissioner, Rehabilitation Department, Punjab, the functions assigned to a Settlement Commissioner by or under the said Act in respect of (i) agricultural lands and shops in any rural area including houses, cattlesheds and vacant sites forming part of the compensation pool and (ii) the properties referred to in the Notifica-tion of the Government of India in the Ministry of Works, Housing and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) No. 3(37)/L&R/63-A, dated the 5th March. 1964.

[No. 3(5)/LR/67.]

JANKI NATH, Under Secy.